

# राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान सम्पादक—पुरातत्त्वाचार्य, जिनविजय मुनि  
[ सम्मान्य संचालक, राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर, जोधपुर ]

—:२५३:—

ग्रन्थाङ्क ४२  
राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर के  
**हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची**  
भाग १

प्रकाशक,  
राजस्थान राज्य संस्थापित  
**राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर**  
RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR  
जोधपुर ( राजस्थान )

संशोधित मूल्य रु. ३.००—००  
राज्याज्ञा सं. १ (६) क्र.सं १३  
दिनांक ३-१२-९७ के अनुसार  
प्रभारी अधिकारी  
रा० प्रा० वि० प्र० जोधपुर







# राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान सम्पादक—पुरातत्त्वाचार्य, जिनविजय मुनि  
[ सम्मान्य संचालक, राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर, जोधपुर ]

—:xxx:—

ग्रन्थाङ्क ४२  
राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर के  
**हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची**

भाग १

प्रकाशक  
राजस्थान राज्य संस्थापित  
**राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर**  
RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR  
जोधपुर ( राजस्थान )



# राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित

सामान्यतः अखिल भारतीय तथा विशेषतः राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन  
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिवद्ध  
विविध वाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट ग्रन्थावलि

प्रधान सम्पादक

पुरातत्त्वाचार्य, जिनविजय मुनि

[ ऑनरेरि मेंबर ऑफ जर्मन ओरिएण्टल सोसाइटी, जर्मनी ]

सम्मान्य सदस्य

भाण्डारकर प्राच्यविद्यासंशोधनमन्दिर, पूना; गुजरातसाहित्य-सभा, अहमदाबाद;  
विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोधन प्रतिष्ठान, होशियारपुर; निवृत्त सम्मान्य नियामक-  
(ऑनरेरि डायरेक्टर) — भारतीय विद्याभवन, बम्बई

ग्रन्थाङ्क ४२

राजस्थान पुरातत्त्वावेषण मन्दिर के

## हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची

भाग १

प्रकाशक

राजस्थान राज्याज्ञानुसार

संचालक, राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर

जोधपुर ( राजस्थान )



राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर के  
हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची

भाग १

प्रकाशनकर्त्ता  
राजस्थान राज्याज्ञानुसार  
संचालक, राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर  
जोधपुर ( राजस्थान )

विक्रमाब्द २०१६ ] भारतराष्ट्रीय शकाब्द १८८१ [ ख्रिस्ताब्द १९५६  
प्रथमावृत्ति १००० मूल्य ७.५०

मुद्रक—कन्हार और अनुक्रमणिका, अजन्ता प्रिन्टर्स, जयपुर।  
हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची, हनुमान प्रेस, जयपुर।



## विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
१ स्तुति स्तोत्रादि	१-२०
२ वैदिक	२१-२५
३ मन्त्रतन्त्रादि	२६-३५
४ धर्मशास्त्र	३६-४१
५ कर्मकाण्ड	४२-५२
६ पुराण	५३-६३
७ वेदान्त	६४-६७
८ योग	६८
९ दर्शनशास्त्र	६९-७२
१० व्याकरण	७३-८४
११ कोश	८५-९०
१२ ज्योतिषगणितादि	९१-१२२
१३ छन्दः शास्त्र	१२३-१२५
१४ सङ्गीताशस्त्र	१२६
१५ कामशास्त्र	१२७
१६ काव्य-नाटक-चम्पू	१२८-१४४
१७ रसालङ्कारादि	१४५-१५२
१८ सुभाषित-प्रकीर्णादि	१५३-१६८
१९ शिल्पशास्त्र	१६९
२० आयुर्वेद	१७०-१७८
२१ जैनागम	१७९-१८२
२२ जैनप्रकरण	१८३-१९१
२३ रास	१९२-२३१
२४ इतिहास (ख्यातवातादि)	२३२-२३६
२५ कथावार्तादि	२३७-२५०
२६ गीत आदि	२५१-३०२



## सञ्चालकीय वक्तव्य

हमारे देश में बहुत प्राचीन काल ही से लेखन की प्रथा रही है जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन अनेकों ग्रन्थ-भण्डारों की विद्यमानता ज्ञात होती है। हजारों ही देवमन्दिरों, आश्रमों, गुरुकुलों और विद्यापीठों में विद्वानों एवं सरस्वती-पुत्रों द्वारा साहित्य-निर्माण के साथ ही प्रतिलिपि का कार्य भी बड़े पैमाने पर होता था और इस प्रकार ग्रन्थ-भण्डारों की सुरक्षा के साथ ही उनकी श्रीवृद्धि भी होती थी। प्राचीनकाल में पुस्तकालय की सुरक्षा और संवृद्धि करना विद्यापीठ का ही नहीं वरन् देश के प्रत्येक संस्कारी परिवार का भी पवित्र कर्तव्य समझा जाता था। खेद है कि कालान्तर में हुए सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक और राजनैतिक विप्लवों तथा विदेशियों के दुर्दान्त आक्रमणों में हमारे देश के पुस्तक-भण्डार नष्ट- भ्रष्ट हो गये। अब हमें अपने प्राचीन ग्रन्थ-भण्डारों की यत्र-तत्र प्राप्त कुछ ग्रन्थों की प्रतिलिपियों और तिब्बत, नेपाल, चीन आदि देशों में प्राप्त कतिपय ग्रन्थों के कुछ भाषानुवादों से ही संतोष करना पड़ता है।

राजस्थान प्राचीनकाल से ही हमारे देश का एक सुसांस्कृतिक भाग रहा है और इसलिये यहां बहुत प्राचीनकाल से ही अनेक छोटे-बड़े पुस्तक-भण्डारों की स्थिति ज्ञात होती है। राजस्थान में हजारों ही विद्वान् ब्राह्मणों, जैनसाधुओं, यतियों, श्रीमन्तों और शासकों ने प्रचुर धन व्यय कर परिश्रम पूर्वक निजी ग्रन्थ-भण्डारों की चित्तोड़, आघाटपुर (आयड़, उदयपुर), भिन्नमाल, जालोर, अजमेर, बाड़मेर, नागौर, बैराठ आदि स्थानों में स्थापना की। ऐसे आदर्श ग्रन्थ-भण्डारों का सामान्य परिचय अब केवल जैसलमेर के जैनमन्दिरों में भूगर्भस्थित पुस्तक-भण्डार से ही प्राप्त किया जा सकता है।

हमारी इस विद्या-राशि के स्थानान्तरण और विनाश का क्रम पिछली कई शताब्दियों से चालू रहा है, जिसके परिणामस्वरूप लाखों ही हस्तलिखित ग्रन्थ अज्ञानियों के हाथों में पड़ कर नष्ट हो गये, दीमकों और चूहों के घास बन गये तथा बम्बई, पाटन, बड़ौदा, कलकत्ता आदि से भी आगे सात समुद्र पार विदेशों में पहुँच गये। किसी न किसी रूप में यह क्रम हमारी उपेक्षा के कारण आज भी चल रहा है जिसको देखते हुए अत्यन्त दुःख होता है। हमारी जानकारी में आज भी केवल राजस्थान में छोटे-बड़े कम से कम ५०० ग्रन्थ-भण्डार हैं जिनकी सुरक्षा और उपयोग का कोई विशेष प्रबन्ध नहीं है।

राजस्थान-सरकार ने हमारे सुझाव के अनुसार "राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर" स्थापित कर इसके सञ्चालन का कार्य-भार हमें सौंपा तो हमने अपने विशेष प्रयत्न से एक ग्रन्थ-भण्डार की आयोजना की। अब तक इस ग्रन्थ-भण्डार में काव्य, इतिहास, पुराण, कोश, व्याकरण, दर्शन, आयुर्वेद, धर्मशास्त्र, कर्मकाण्ड, योग, ज्योतिष, गणित, संगीत, नृत्य, कामशास्त्र, रास, कथा, रस, अलंकारादि विषयों के और संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, गुजराती, व्रज, खड़ी बोली आदि भाषाओं में लिखित लगभग १३,५०० ग्रन्थ संगृहीत और सुरक्षित किये जा चुके हैं। देश-



विदेश के विद्वानों, साहित्यकारों और विचारसिक्तों की जानकारी के लिये पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर में समय-समय पर संगृहीत ग्रन्थों के सूचीपत्र की आवश्यकता अनुभव कर हमने मार्च सन् १९५६ ई० तक संगृहीत ४००० ग्रन्थों का सूचीपत्र तैयार करने का कार्य पाटण निवासी पं० श्री अमृतलाल को सौंपा। उन्होंने ग्रन्थनामादि ग्रन्थ-परिचयपत्रों पर अंकित किये और उनको विषयवार छांट करके प्रस्तुत किया।

तदुपरान्त मन्दिर के प्रवर शोध सहायक श्री गोपलनारायण बहुरा, एम. ए. ने मन्दिर के शोध एवं सग्रह विभाग के सूचीपत्र-सहायक श्रीलक्ष्मीनारायण गोस्वामी और श्रीविश्वेश्वरदत्त द्विवेदी के सहयोग से परिचयपत्रों के आधार पर विषयवार सूचियां तैयार कर यथाशक्य शोधन-सम्पादन करके विषयवार प्रेस कापियां प्रस्तुत कीं और श्रीरमानन्द सारस्वत, गवेषक ने ग्रन्थकार-नामानुक्रमणिका बनाई।

मुझे विशेष प्रसन्नता है कि यह सूचीपत्र अब प्रकाशित हो कर विद्वज्जनों के उत्सुक हाथों में पहुँच रहा है। अनन्तर संगृहीत ग्रन्थों का सूचीपत्र भी प्रेस के लिये लगभग तैयार किया जा चुका है। आशा है कि वह भी शीघ्र ही प्रकाशित हो जावेगा और भविष्य में संगृहीत होने वाले ग्रन्थों के सूचीपत्र भी यथा समय प्रकाशित होते रहेंगे।

हमारी मंगल कामना है कि राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर का ग्रन्थभण्डार उत्तरोत्तर संवर्द्धित होता हुआ विश्व के विद्वज्जनों की अधिकाधिक ज्ञान-वृद्धि करने में समर्थ हो।

राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर,  
जोधपुर।  
ता० १ जनवरी, १९५६ ई०

मुनि जिन विजय,  
संमान्य सञ्चालक



# राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर

हस्तलिखित ग्रन्थसंग्रह

## (१) स्तुति-स्तोत्रादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२३७६ (२)	अच्युताष्टक		संस्कृत	२० वीं शताब्दी	२ (१०-११)	अनेककृतिसंवलित-गुटका
२	११०३	अजितशान्तिस्तव सटीक	टी० जिनप्रभ	प्राकृत	१७वीं श.	६	टीका संस्कृत
३	१०६५	अजितशान्तिस्तव सस्तवक		प्राकृत	१६८८	५	नव्यनगर में लिखित
४	२७१० (११)	अन्तःकरणप्रबोधस्तोत्र	वल्लभाचार्य	संस्कृत	१६२५	६-१०	
५	२७६७	अन्नपूर्णावृहतीस्तुति		"	१६वीं श.	८	रुद्रयामलगता
६	१७६८	अन्नपूर्णासहस्रनामस्तोत्र	वल्लभाचार्य	"	" "	१६	
७	१३४१	अपराधस्तोत्र		"	१८२८	३	नवीनपुर में लिखित
८	१४३४	अपामार्जनस्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	१६वीं श.	३६	भविष्योत्तरपुराण-गत ।
९	१४८८	अपामार्जनस्तोत्र		"	१६०१	१०	विष्णुधर्मोत्तर-पुराणगत
१०	२७६६	अपामार्जनस्तोत्र		"	१८वीं श.	१०	भविष्योत्तर-पुराणगत
११	३१०६ (२)	अर्गलास्तुति		"	१६वीं श.	१०-१२	
१२	११०६	अर्हन्नामसहस्रसमुच्चय आदि		"	१७वीं श.	११	
१३	२६१५	आदित्यस्तोत्र		"	१६०४	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त । भविष्योत्तर-पुराणगत
१४	८२५	आदित्यहृदयस्तोत्र		"	१८६८	१६	
१५	८३३	आदित्यहृदयस्तोत्र		"	१८५८	२०	भविष्योत्तरपुराण-गत । मूनरा में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६	१६०४	आदित्यहृदयस्तोत्र		संस्कृत	१६वीं श.	४८	भविष्योत्तरपुराण-गत । प्रथम पत्र अप्राप्त ।
१७	२६१८	आदित्यहृदयस्तोत्र		"	" "	१६	
१८	३२८३	आदित्यहृदयस्तोत्र		"	१८०२	२	भविष्योत्तर-पुराणगत ।
१९	७८२	आनन्दलहरी स्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	१८५०	२	कृष्णगढ़ में लिखित
२०	८३८	आनन्दलहरी स्तोत्र	"	"	१६वीं श.	५	
२१	२६६६	आनन्दलहरी स्तोत्र	"	"	१६२५	४	
२२	२८०५	आनन्दलहरी स्तोत्र	"	"	१६वीं श.	४	
२३	८०६	आपदुद्धारमन्त्रस्तोत्र तथा चतुःषष्टियोगिनी स्तोत्र	"	"	" "	२	
२४	११६०	आर्याभट्टोत्तरशतक नामस्तोत्र	महामुद्रलभट्ट	"	१७२६	६	भागनगर में लिखित
२५	८०७	इन्द्राक्षीस्तोत्र		"	१८७१	१	देवीपुराणगत
२६	८४२	इन्द्राक्षीस्तोत्र		"	१६वीं श.	५	स्कन्दपुराणगत ।
२७	२६८७	इन्द्राक्षीस्तोत्र		"	" "	३	
२८	३६८८	इन्द्राक्षीस्तोत्र (२)		"	" "	१६-२०	
२९	३५२१	ईश्वरीछंद		"	१८५२	२	जीर्णप्रति
३०	२८६३ (७४)	उपधानस्तवन		प्राकृत	१७वीं श.	१३६ वॉ	
३१	३५७३ (२६)	कल्याणमन्दिरस्तोत्र	कुमुदचन्द्र	संस्कृत	१६वीं श.	७१-७२	सं. १६५२ में रचित टीका बीकानेर में लिखित ।
३२	३६५	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सटीक	मू० सिद्धसेन टीका हर्षकीर्ति	"	१६२६	४०	
३३	१०६६	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सटीक त्रिपाठ	टी. कनककुशल	संस्कृत	१७६४	१७	
३४	१८०६ (१)	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सटीक	मू० सिद्धसेन	संस्कृत	१६वीं श.	१-१३	आगरा में लिखित ।
३५	३६६३	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सबालावबोध	मू० कुमुदचन्द्र	संस्कृत	१६८२	१२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६	१११३	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सावचूरि	मू० सिद्धसेन	संस्कृत	१६४५	६	नागना में लिखित ।
३७	३१६८	कायस्थितिस्तवः सावचूरिः पंचपाठ		प्राकृत	१६५६	२	अहिपुरदुर्ग में लिखित ।
३८	२६८८	कालिकाष्टक	रामकृष्ण	संस्कृत	१८८६	१	
३९	२७६८	कालिकास्तव	चन्द्रदत्त	,,	१८६४	२	अजरमे में लिखित
४०	२८१०	कालिकोपनिषद्		,	१८८६	३	कृष्णगढ़ में लिखित ।
४१	२७१२	कालीशतनामावली		,,	२०वीं श.	२	
४२	२६५०	कालीसूक्त		,,	१८७७	३	
४३	३१०६ (३)	कीलकस्तोत्र		,,	१६वीं श.	१२-१५	
४४	१८८२ (१४७)	कृष्णकवच		,,	१६वीं श.	७८-७९	विष्णुपुराणगत ।
४५	३५२	कृष्णस्तव		,,	,,	४	
४६	३५६	कृष्णस्तव		संस्कृत	२०वीं श.	४	
४७	३५३	कृष्णस्तवराज		,,	१६वीं श.	३	विष्णुयामलगत
४८	३५७२ (४)	कृष्णस्तोत्र	वल्लभाचार्य	,,	,,	५५-५६	
४९	२७१० (१३)	कृष्णाश्रयस्तोत्र	,,	,,	१६२५	१०-११	
५०	२३७० (३)	गंगालहरीस्तोत्र	जगन्नाथ पण्डितराज	,,	१६०७	११	
५१	२३०६ (६)	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श.	२४-२५	
५२	२८२१	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	संस्कृत	१६वीं श.	२	
५३	२६०० (७)	गंगाष्टक	वाल्मीकि	,,	१८२५	१२ वाँ	
५४	२६०१ (७)	गंगाष्टक	वाल्मीकि	,,	१८२३	१२ वाँ	
५५	२६७१	गंगाष्टक	,,	,,	१६वीं श.	१	
५६	३६६८	गंगाष्टक	,,	,,	१८६०	१	
५७	१४०५	गंगाष्टक स्तोत्र	कालिदास	,,	१८५१	३	
५८	२८३६	गंगाष्टक स्तोत्र	,,	,,	१७६७	२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५६	३३००	गंगास्तुति	केवलराम	संस्कृत	१८३७	७	
६०	२८४	गणेशसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श.	१६	गणेशपुराणगत ।
६१	३५७३	गणेशस्तोत्र		"	" "	१७ वाँ	जीर्णप्रति
६२	११२२ (१०)	गणेशाष्टक		"	" "	६६	
६३	१५०६	गायत्रीसहस्रनामस्तोत्र		"	१६५५	२१	
६४	२७१५	गायत्रीस्तवराज		"	१८७७	३	ब्रह्मतन्त्रगत । कृष्ण-गढ़ में लिखित ।
६५	२६२३	गायत्रीस्तवराज		"	१८८२	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त ।
६६	३३३२	गायत्रीहृदयस्तोत्र		"	१८वीं श.	२६	
६७	१५०७	गायत्रीहृदयस्तोत्र	याज्ञवल्क्य	"	१६५५	८	
६८	१८८२ (२१६)	गीतगोविन्द की अष्टपदी	जयदेव	"	१६वीं श.	१३६वाँ	
६९	८०८	गुरुगीता		"	१८७६	४	स्कन्दपुराणगत । मांडवीविन्दर में लिखित ।
७०	२३७३ (३)	गुरुपूजास्तोत्र		"	१८७३	२३-२६	कृष्णगढ़ में लिखित ।
७१	२७६६	गुरुस्तोत्र		"	२०वीं श.	१	
७२	११२२ (३५)	गुर्वष्टक		"	१६वीं श.	३५वाँ	
७३	२७८६	गुर्वष्टक		"	२०वीं श.	१	
७४	२७०६	गोकुलेशाष्टक	रघुनाथ	"	१६७७	१	
७५	३२४	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		"	१८४४	२४	सम्मोहनतन्त्रगत ।
७६	३३६	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		"	१६२५	३३	सम्मोहनतन्त्रगत ।
७७	३४८	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श.	८०	
७८	३५०	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		"	" "	५२	
७९	३५१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		"	२०वीं श.	६	
८०	३१३३	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श.	१७	सम्मोहनतन्त्रगत ।
८१	३६८३	गोपालसहस्रनामस्तोत्र		"	१७८०	११	नारदीयपुराणगत
८२	३१६५	गोविन्दस्तव	शङ्कराचार्य	"	१६वीं श.	२	
८३	२३७६ (८)	गोविन्दस्तोत्र		"	२०वीं श.	१ से ३	
८४	३२२	गोविन्दाष्टक		"	" "	४	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८५	२६६६	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	संस्कृत	१६०३	१	कृष्णगढ़ में लिखित ।
८६	२८१८ (१)	गोविन्दाष्टक	"	"	१६वीं श.	१-२	
८७	१४२६	गौरीदशकस्तोत्र	"	"	१८००	१	
८८	२७५६	गौरीदशकस्तोत्र	"	संस्कृत	१८८७	२	कृष्णगढ़ में लिखित ।
८९	१०६० (२)	ग्रहशान्तिस्तोत्र	भद्रबाहु	"	१७११ (?)	३२	बरवाला ग्राम में लिखित ।
९०	२६०८	चक्रपाणिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	१६वीं श.	२	
९१	११०५	चतुर्विंशतिजिनस्तुति	सोमप्रभ	"	१८वीं श.	२	
९२	१०६६	चतुर्विंशतिजिनस्तोत्र	शान्तिचन्द्र	"	१६वीं श.	२	
९३	११०२	चतुर्विंशतिजिनस्तोत्र आदि		"	" "	३	
९४	२६३० (५)	चंद्रस्तोत्र		"	" "	३२	
९५	१४	चामुंडासहस्रनामस्तोत्र		"	" "	१६	देवीयामलगत ।
९६	३५५४ (१३)	चिन्तामणिपार्श्वस्तोत्र		संस्कृत	" "	२६वाँ	
९७	२८६३ (४५)	चैत्यवन्दन		प्राकृत	१७वीं श.	८८वाँ	
९८	२८१५	जगदम्बामहिम्नः स्तोत्र	धरानन्दनाथ	संस्कृत	१६१७	५	अजमेर में लिखित ।
९९	२७१० (१६)	जलभेदस्तोत्र		"	१६२५	११-१२	
१००	२६११	जितं ते स्तोत्र		"	१६वीं श.	११	प्रथम पत्र अप्राप्त ।
१०१	१०४२	जिनशतक पंजिका- टीकासहित	मू० जंबू, टीका शांभ	"	१७वीं श.	२३	अंतिम पत्र अप्राप्त ।
१०२	२८६३ (६७)	जिनसभद्रसूरिस्तुति	मतिवर्द्धन	"	" "	१६२वाँ	हीरकलश लिखित
१०३	२८६३ (१२६)	जिनसहस्रनामस्तोत्र		"	१६२०	१६२- १६३	मेमेऊ ग्राम में हीरकलशमुनि लिखित ।
१०४	११२२ (११)	जिनस्तवन	गंगकुशल	"	१६वीं श.	६-७	
१०५	१११७	जीरापल्लीपार्श्वस्तोत्र			१७वीं श.	१	
१०६	८२१	दुर्गिराजस्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	१६वीं श.	२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१०७	२८०८	तारासहस्रनामस्तोत्र		संस्कृत	१७वीं श.	१७	
१०८	१८०६ (४)	तिजयपहुत्त सटीक		प्राकृत	१६वीं श.	२७-२६	
१०९	११०८	तीर्थमालास्तव सवाला- वबोध	महेन्द्रप्रभ	संस्कृत	१६५५	१६	नवानगर में लिखित
११०	२६१२	तुलसीस्तव		"	१६५२	७	स्कन्दपुराणगत । २रा पत्र अप्राप्त ।
१११	३१५३	तुलसीस्तव		"	१६वीं श.	५	स्कन्दपुराणगत
११२	७६२	त्रिपुरसुन्दरीमानसीपूजा	शङ्कराचार्य	"	" "	७	७३ पद्य हैं ।
११३	७६३	त्रिपुरसुन्दरीमानसीपूजा	वत्सराम	"	१६वीं श.	७	
११४	२७५७	त्रिपुराआरात्रिका		"	१८७०	१	मेडता में लिखित । दो आरात्रिका हैं ।
११५	३१८०	त्रिपुरासहस्रनामस्तोत्र		"	१८वीं श.	२२	रुद्रयामलगत । प्रथम तथा अन्त्य पत्र शोभन
११६	८२०	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	१६वीं श.	१	
११७	२३७० (२)	त्रिपुरास्तोत्र	लघुपंडित	"	" "	८	
११८	२६१४	त्रिपुरास्तोत्र	रामकृष्ण	"	" "	५	
११९	२६१६	त्रिपुरास्तोत्र	लघुपंडित	"	१७वीं श.	२	
१२०	३६६२	त्रिपुरास्तोत्र	"	"	१८वीं श.	३	
१२१	११०७	त्रिपुरास्तोत्र सटीक	टी. सोमतिलक सं. १३६७ में घटीपुरी में रचित	"	१५५०	१४	मंडपमहादुर्ग में लिखित
१२२	२६२७	त्रिपुरास्तोत्र		"	१७वीं श.	७	
१२३	३४३५	त्रिपुरास्तोत्र सटीक	टी. सोमतिलक सं. १३६७ में रचित	"	१८वीं श.	३८	
१२४	३६८८ (१)	त्रिपुरास्तोत्र सटीक		संस्कृत	१६वीं श.	१-१६	स्थाणूनामकठक्कुर की प्रार्थना
१२५	८२६	त्रिपुरास्तोत्र विवरण सहित	लघुपंडित	संस्कृत	१८वीं श.	२०	
१२६	३२१०	त्रिपुरास्तोत्र सावचूरि पंचपाठ	"	संस्कृत	१७वीं श.	२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२७	३४३४	त्रिपुरास्तोत्र सस्तवक	स्तवककार- रूपचन्द्र	संस्कृत	१७६८	८	स्तवककारके हस्ताक्षरों में लिखित सं. १७६८ में स्तवक- रचना
१२८	२३७३ (८)	दक्षिणकालिका कर्पूर- स्तोत्र		"	१८७३	६७-१०४	कृष्णगढ़ में लिखित
१२९	२६५७	दक्षिणकालिकासहस्र- नामस्तोत्र		"	१८८६	३	" "
१३०	२३७३ (१७)	दक्षिणकालिकास्तवराज		"	१९वीं श.	१५७- १५९	
१३१	२७२१	दक्षिणामूर्तिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	" "	२	
१३२	१४६२	दत्तमहिम्नस्तोत्र	"	"	" "	१	
१३३	२३०६ (७)	देवाधिदेवस्तोत्र	"	"	" "	२५-२६	
१३४	१०६८	देवाःप्रभोस्तव सटीक, त्रिपाठ	मू० जयानन्द	"	१८वीं श.	४	
१३५	१६०८	देवाःप्रभोस्तव सात्रचूरिक, त्रिपाठ	जयानन्द टीका बानर्षि	"	१७२६	४	बुरहानपुर में लिखित
१३६	२१२२	देवाःप्रभोस्तोत्र सवा- लावबोध		"	१८वीं श.	७	
१३७	२७८३	देवीअपराध भंजनस्तोत्र		"	१ ४	३	रुद्रयामलगत । अजमेर में लिखित ।
१३८	३१०६ (१)	देवीकवच		"	१९वीं श.	१-१०	
१३९	३१६४	देवीकवच		"	" "	१४	
१४०	२७६७	देवीक्षमापराधस्तोत्र	चंद्रदत्त	संस्कृत	१८६४	०	अजमेर में लिखित ।
१४१	१४३६	देवीसूक्त		"	१९वीं श.	११	
१४२	२६४६	देवीसूक्त		"	" "	१	
१४३	२८२३	देवीसूक्त		"	१९२६	३	कृष्णगढ़ में लिखित ।
१४४	२७६५	देवीस्तुति	शङ्कराचार्य	"	१९वीं श.	२	
१४५	१०६० (१)	द्वात्रिंशिका	सिद्धसेन	"	१७६१	३	वरकालाग्राम में लिखित ।
१४६	१०४६	नमस्कारस्तव	जिनकीर्ति	प्राकृत	१९वीं श.	२	
१४७	११२२ (२२)	नवग्रहस्तोत्र		प्राकृत	" "	१५-१६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४८	३५५४ (१४)	नवग्रहस्तोत्र	वल्लभाचार्य	प्राकृत	१६वीं श.	६वाँ	अन्यान्य आचार्यकृत नवस्तोत्र संग्रह
१४९	२७१० (१०)	नवरत्न		संस्कृत	१६२५	६वाँ	
१५०	३५७२ (३)	नवरत्नस्तोत्र		"	१६वीं श.	५३-५४	
१५१	६३१	नवकारवालावबोध		राजस्थानी	१७वीं श.	४	
१५२	६६७	नवकारवालावबोध		"	१८वीं श.	११	
१५३	२१५२	नवकारवालावबोध		"	" "	१०	
१५४	३४६६	नवकारवालावबोध		"	१७वीं श.	२	
१५५	१८०५	नवस्मरण	रघुनाथ	संस्कृत	१६१६	१४	अन्यान्य आचार्यकृत नवस्तोत्र संग्रह
१५६	२७१० (४)	नामरत्नस्तोत्र		"	१६२५	४-५	
१५७	८४४	नारायणहृदयस्तोत्र तथा महालक्ष्मीहृदयस्तोत्र		"	१६वीं श.	२५	
१५८	११२२ (८)	नारायणाष्टक		"	" "	५वाँ	
१५९	२७०० (२)	निरोधलक्षणस्तोत्र		"	" "	१-२	
१६०	२७१० (१६)	निरोधलक्षणस्तोत्र		"	१६२५	१३-१४	
१६१	१०८१	नेमिजिनस्तुति सावचूरि पंचपाठ	पं० विशालि (?)	"	१८वीं श.	१	'न' और 'म' दो अक्षर में रचित रुद्रयामलगत पूनरासर में लिखित।
१६२	३३१६	पंचमीस्तवराज		"	१६वीं श.	१४	
१६३	२६०० (८)	पंचविंशति (अवतार) नामस्तोत्र		"	१८२५	१२वाँ	
१६४	२६०१ (८)	पंचविंशति (अवतार) नामस्तोत्र		"	१८२३	१२ वाँ	
१६५	११०६	पार्श्वजिनस्तव सावचूरि पंचपाठ		"	१६वीं श.	१	
१६६	२८६३ (६६)	पार्श्वजिनस्तोत्र		"	७वीं श.	१६२वाँ	
१६७	१११२	पार्श्वनाथस्तव		"	" "	१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६८	१०८८	पार्श्वनाथ स्तोत्र सटीक	मू० पद्मप्रभ टी० मुनिशेखर	संस्कृत	१६वीं श.	४	
१६९	१०८९ (५)	पार्श्वस्तोत्र सटीक	मू० जिनप्रभ	मू० प्रा० टी० सं०	" "	२६-३१	
१७०	१५२	पीताम्बर सहस्रनाम- स्तोत्र		संस्कृत	१८८६	६	
१७१	३१७८	पीयूषलहरी (गंगालहरी)	जगन्नाथ	"	१६वीं श.	८	
१७२	१३१	पीयूषलहरी (गंगालहरी)	जगन्नाथ टी० सदाशिव	"	१८१७	३०	
१७३	२७१० (८)	पुष्टिप्रवाहमर्यादास्तोत्र		"	१६२५	८ वाँ	
१७४	४२४	पुष्पांजली स्तोत्र	रामकृष्ण भट्ट	"	१८वीं श.	२	मेदनीपुर में लिखित
१७५	३१२	प्रणवाष्टोत्तरशतनाम- स्तोत्र		"	१६वीं श.	३	
१७६	३१३	प्रत्यंगिरास्तोत्र		"	१६२७	२२	
१७७	१७६५	प्रत्यंगिरास्तोत्र		"	१६वीं श.	४	
१७८	२७१० (३)	प्रेमामृतस्तोत्र	वल्लभाचार्य	"	१६२५	३-४	
१७९	१४६१	बगलामुखीस्तोत्र		"	१६वीं श.	४	रुद्रयामलगत ।
१८०	८०५	बटुकभैरवशतनामस्तोत्र		"	१८५६	४	" "
१८१	१४३१	बटुकभैरवस्तोत्र		"	१६वीं श.	१३	" "
१८२	३१८५	बटुकभैरवस्तोत्र		"	१८८४	१०	" "
१८३	२७६०	बन्दिमोक्षस्तोत्र		"	१६वीं श.	१	" "
१८४	२७१० (६)	बालबोधस्तोत्र		"	१६२५	६-७	
१८५	२२४७	बाला आरती तथा बालासमयाष्टक		"	१६२३	१	
१८६	२६१७	बालासहस्रनामस्तोत्र		"	१८३१	२२	रुद्रयामलगत ।
१८७	२८०६	बालासहस्रनामस्तोत्र		"	१८८८	२१	पुष्करतट में लिखित
१८८	२६१५ (२)	बालास्तोत्र		"	१६वीं श.	२ रा	
१८९	३५५४ (११)	बृहच्छान्ति		"	" "	२६ वाँ	
१९०	८८	बृहच्छान्ति टीका	हर्षकीर्ति	"	१६६३	७	जीर्णप्रति है ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६१	२६३० (७)	बृहस्पतिस्तोत्र		संस्कृत	१६वीं श.	४ था	
१६२	३५६७ (२१)	बृहस्पतिस्तोत्र		"	" "	१३८वाँ	
१६३	१८००	भक्तामर	मानतुङ्गसूरि	"	१८८८	७	
१६४	११५६	भक्तामरस्तोत्र	मानतुङ्गसूरि	"	१८वीं श.	६	
१६५	४१६	भक्तामरस्तोत्र सटीक त्रिपाठ	मू०मानतुङ्गसूरि टी. अमरप्रभ	"	१८७२	८	
१६६	१७६६	भक्तामर सटीक	मू०मानतुङ्गसूरि टी. गुणाकर	"	१८२०	३२	टी० सं० १४२६ में सरस्वतीपत्तन में रचित ।
१६७	१८०६ (२)	भक्तामर सटीक	मू० मानतुङ्ग	"	१६वीं श.	१३-२४	
१६८	३६८७	भक्तामर सटीक	"	"	१७६३	१२	
१६९	३१६७	भक्तामर स्तोत्र सावचूरि ( पंचपाठ )	"	"	१५वीं श.	३	
२००	२१७४	भक्तामर सवालावबोध	"	"	१७६२	१५	विक्रमनगर में लिखित
२०१	१०८७	भक्तामरस्तोत्रसमासाः		"	१६वीं श.	७	
२०२	२७१० (१५)	भक्तिवर्द्धिनी स्तोत्र		"	१६२५	११ वाँ	
२०३	७५७	भगवतीपुष्पांजलीस्तोत्र	रामकृष्ण(?)	"	१६वीं श.	३	
२०४	७५६	भगवतीपुष्पांजलीस्तोत्र	रामकृष्ण	"	" "	२	
२०५	७८७	भगवतीपुष्पांजलीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	" "	२	
२०६	१८०२ (२)	भगवतीपुष्पांजलीस्तोत्र		संस्कृत	१६वीं श.	११-१३	जीर्ण प्रति ।
२०७	२३७३ (७)	भगवतीपुष्पांजलीस्तोत्र	रामकृष्ण	संस्कृत	१८७३	८६-६७	कृष्णगढ़ में लिखित
२०८	२७८०	भगवतीपुष्पांजलीस्तोत्र	रामकृष्ण	संस्कृत	१८८३	४	मेडता में लिखित
२०९	३६६१	भगवतीपुष्पांजलीस्तोत्र		संस्कृत	१८६०	२	
२१०	७६२	भवानीसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श.	१५	रुद्रयामलगत ।
२११	८२६	भवानीसहस्रनामस्तोत्र		"	१८२०	१७	"
२१२	८३२	भवानीसहस्रनामस्तोत्र		"	१८६४	२०	"
२१३	२६२८	भवानीसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श.	१०	"
२१४	३२७८	भवानीसहस्रनामस्तोत्र		"	१८५१	१७	पाटणनगर में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२१५	२६५३	भवानीस्तोत्र		संस्कृत	२०वीं श.	१	
२१६	८०१	भवान्यष्टक		"	१६वीं श.	२	
२१७	११२२ (५५)	भारतीस्तोत्र		"	" "	७४वाँ	
२१८	३००	भीष्मस्तवराज		संस्कृत	१८वीं श.	१७	महाभारतगत
२१९	२८७६ (३)	भीष्मस्तवराज		"	१६वीं श.	१-३४	
२२०	३२६६	भीष्मस्तवराज		"	१८५०	२४	महाभारतगत ।
२२१	८०६	भुवनेश्वरीस्तोत्र	पृथ्वीधराचार्य	"	१६वीं श.	२	
२२२	१५०६	भुवनेश्वरीस्तोत्र		"	२०वीं श.	२६	शारदातिलकगत ।
२२३	८१६	भुवनेश्वरीस्तोत्र सटीक	पृथ्वीधराचार्य टी. पद्मानाभ	"	१६वीं श.	२०	
२२४	२७५४	भैरवस्तोत्र	दक्षिणामूर्तिमुनि	"	२०वीं श.	५	
२२५	२६३० (६)	मंगलस्तोत्र		"	१६वीं श.	३-४	
२२६	३१४६	मंगलस्तोत्र		"	" "	१	
२२७	११२२ (२)	मंगलाष्टक	कालिदास	"	" "	१	
२२८	२६३० (१)	मंगलाष्टक	"	"	" "	१-२	
२२९	२६६८	मंगलाष्टक	"	संस्कृत	" "	२	
२३०	३१८४	मंगलाष्टक	"	"	" "	५	
२३१	१८४	मणिकर्णिकास्तोत्र	विश्वेश्वराश्रम	संस्कृत	" "	२	
२३२	६३५	मणिकर्णिकास्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	" "	४	
२३३	११२२ (७)	मधुराष्टक	वल्लभाचार्य	"	" "	४-५	
२३४	२६३६	महाकालीकरादि- सहस्रनाम		"	१६५३	६	हरिदुर्ग में लिखित ।
२३५	३२८४ (३)	महादेवलिङ्गस्तोत्र		"	१८१६	३-४	
२३६	३२८४ (१)	महादेवस्तुति		"	१८१६	१-३	
२३७	३२८४ (२)	महादेवस्तोत्र		"	१८१६	३रा	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२३८	१२४८	महामृत्युंजयस्तोत्र		संस्कृत	१८६२	१४	भैरवतन्त्रगत ।
२३९	७१८	महालक्ष्मीसूक्त		"	१६०१	१	
२४०	७८४	महालक्ष्मीस्तोत्र		"	१६वीं श.	२	विष्णुपुराणगत ।
२४१	३५७३ (३०)	महावीरस्तवन	अभयदेव	प्राकृत	१६वीं श.	८१ वाँ	जीर्ण प्रति
२४२	१०६७	महावीरस्तव महावीरस्तव ऋषभस्तव पार्श्वस्तोत्र		संस्कृत	१६वीं श.	२	
२४३	२६६४	मृत्युंजयस्तोत्र		"	१६२५	१	पद्मपुराणगत ।
२४४	११४८ (२)	यमुनाष्टक (गुटका)	वल्लभाचार्य	"	१६वीं श.	१८से२०	
२४५	२७१० (५)	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य	"	१६२५	५-६	
२४६	२७६६	यमुनाष्टक	वल्लभदीक्षित	"	२०वीं श.	२	
२४७	३५७२ (६)	यमुनाष्टक		"	१६वीं श.	६०-६३	
२४८	३१४४	यमुनास्तोत्र तथा यमुनाष्टक	निम्बार्कशरणदेव तथा गोस्वामी	"	१६०२	१०	
२४९	१८०	रकारादिरामसहस्रनाम		"	१८६८	१२	ब्रह्मयामलगत ।
२५०	१८७	रकारादिरामसहस्रनाम		"	१८६०	१२	" "
२५१	२३७३ (१५)	राजराजेश्वरी स्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	१६वीं श.	१५१- १५३	
२५२	३५७६	राधास्तोत्र		"	१८वीं श.	२	ब्रह्माण्डपुराणगत
२५३	३३०	रामचन्द्रस्तोत्र		"	२०वीं श.	४	
२५४	२७७०	रामचन्द्रस्तोत्र		"	१६वीं श.	१	
२५५	८१६	रामरक्षाकवच	विश्वामित्र	"	" "	४	
२५६	३१८	रामरक्षास्तोत्र		"	१६३३	१०	
२५७	७६०	रामरक्षास्तोत्र		"	१६वीं श.	३	
२५८	२३७६ (१)	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र	"	२०वीं श.	१से६	गुटका ।
२५९	२६०० (२)	रामरक्षास्तोत्र	"	"	१८२५	६-१०	
२६०	२६०१ (२)	रामरक्षास्तोत्र	"	"	१८२३	६-१०	
२६१	३२६६	रामरक्षास्तोत्र		"	१६वीं श.	३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२६२	७६६	रामरक्षास्तोत्र सटीक	महामुद्रलभट्ट	संस्कृत	१८३५	२४	भुजनगर में लिखित
२६३	७८३	रामरक्षा स्तोत्र सार्थ	विश्वामित्र	"	१८३६	५	
२६४	७८५	रामरक्षा स्तोत्र सार्थ	"	"	१८५६	५	
२६५	३०६	रामस्तवराज	"	"	१६२०	१३	सनत्कुमार संहितागत।
२६६	११४८ (१)	रामस्तवराज स्तोत्र	"	"	१६वीं श.	१से१७	" "
२६७	१४२५	रामहृदयस्तोत्र	"	"	" "	४	ब्रह्माण्डपुराणगत
२६८	२६६५	रामाष्टक	"	"	" "	१	
२६९	३२८२	लक्ष्मीसूक्त	"	"	१६५८	३	
२७०	३६६०	लक्ष्मीस्तोत्र	"	"	१६वीं श.	१	पद्मपुराणगत।
२७१	१८०६ (३)	लघुशान्ति सटीक	मू. मानदेवसूरि	"	१६वीं श.	२४-२७	
२७२	२६१५ (१)	वक्रतुण्डस्तवराज	"	"	१६वीं श.	१-२	
२७३	८१५	वक्रतुण्डस्तोत्र तथा अन्नपूर्णास्तोत्र	वेदव्यास	"	१८१५	१	मथुरा में लिखित।
२७४	२७१० (२)	वल्लभाष्टक	"	"	१६२५	३रा	
२७५	३५७२ (५)	वल्लभाष्टक	"	"	१६वीं श.	५६-६०	
२७६	११०१	वसुधारास्तोत्र	"	"	१७वीं श.	७	
२७७	२६२४	वसुधारास्तोत्र	"	"	१८८१	४	मकसुदावाद वालो- चर में लिखित।
२७८	३५४	वागीश्वरीस्तोत्र	"	"	२०वीं श.	७	सनत्कुमारसंहितागत।
२७९	६	वायुदेवस्तव व्याख्या	राम	"	१६वीं श.	१६	मू० तत्वदीपिकाचार्य
२८०	२७१० (१२)	विवेकधैर्याश्रयस्तोत्र	"	"	१६२५	१० वाँ	
२८१	३३४	विश्वनाथाष्टक तथा शिवस्तोत्र	व्यास उपमन्यु	"	२०वीं श.	६	८वाँ पत्र अप्राप्त
२८२	३०२	विष्णुदिव्यसहस्रनाम- स्तोत्र	"	"	१६वीं श.	२८	
२८३	३३५	विष्णुपंजरस्तोत्र	"	"	१८६८	१०	ब्रह्माण्डपुराणगत
२८४	८३६	विष्णुपंजरस्तोत्र	"	"	१८५६	५	" "
२८५	२६०० (३)	विष्णुपंजरस्तोत्र	"	"	१८२५	१० वाँ	" "



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२८६	२६०१ (३)	विष्णुपंजरस्तोत्र		संस्कृत	१८२३	१० वाँ	ब्रह्माण्डपुराणगत
२८७	३३०३	विष्णुपंजरस्तोत्र		"	१६वीं श.	४	" "
२८८	१८०२ (३)	विष्णुमहिम्नःस्तोत्र		"	" "	१३-१५	जीर्णप्रति
२८९	१८६७	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		संस्कृत	१८५१	३८	
२९०	२८७६ (२)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श.	१-४७	
२९१	२८८७	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श.	१६	
२९२	६५	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	( पद्मपुराणान्त- र्गत )	"	१६वीं श.	१२	मानकवीश्वर द्वारा सोनीहरजी ने लिखाया
२९३	८४१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		"	१८६२	३५	पद्मपुराणगत ।
२९४	२६१६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		"	१६६६	१८	"
२९५	३२८१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श.	२५	"
२९६	३६८१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श.	१७	"
२९७	२६०० (४)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		"	१८२५	१०-१२	महाभारतगत ।
२९८	२६०१ (४)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		"	१८२३	१०-१२	"
२९९	३५७२ (१)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श.	१-४६	भागवतसार- समुच्चयगत ।
३००	७५२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र तथा अनंतव्रतकथा सार्थ		"	१६वीं श.	१६	
३०१	२३७२ (२)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र तथा अष्टाविंशतिनाम- स्तोत्र		"	१६वीं श.	२६+५	
३०२	३२६८	विष्णुस्तवराज		"	१८६१	१०	महाभारतगत, काशी में लिखित ।
३०३	३१७	विष्णुस्तुति सटीक	टी० हरिदास	"	१६वीं श.	५	भावैरंकरित पद्य की टीका
३०४	१५७७	वीतरागस्तोत्र	हेमचन्द्र	"	१५वीं श.	६	प्रथम पत्र अप्राप्त
३०५	३५१८	वीतराग स्तोत्र पंजिका- युक्त त्रिपाठ	हेमचन्द्र, पंजिका विद्यासागर ?	"	१६वीं श.	१३	सं० १५१२ में पंजिका की रचना ।
३०६	८३१	वेणीस्तोत्र प्रयागस्तव वेणीस्तोत्र, त्रिवेणीस्तोत्र	शेष ?	"	१८१५	३	प्रयाग माहात्म्यगत कडा में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३०७	१३०६	वेदस्तुति	टी० चक्रवर्त्ती	संस्कृत	१६वीं श.	६	भागवतगत ।
३०८	१६८	वेदस्तुति सटीक त्रिपाठ		"	१८५८	५०	
३०९	७५८	व्यंकटेश्वराष्टक तथा रामाष्टक		"	१६वीं श.	१	
३१०	२७७८	शनिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	संस्कृत	१६२८	३	स्कन्दपुराणगत अजमेर में लिखित ।
३११	३१५१	शनिस्तोत्र		"	१८४७	७	स्कन्दपुराणगत
३१२	३५६७ (२०)	शनिस्तोत्र		"	१६वीं श.	१३७— १३८	
३१३	३१८६	शनैश्चरस्तोत्र		"	१७६६	११	स्कन्दपुराणगत
३१४	२६३० (८)	शन्यष्टक		"	१६वीं श.	४ था	
३१५	२६६३	शरभेशस्तोत्र		"	१८६६	१	आकाश भैरवकल्पगत अजमेर में लिखित ।
३१६	३५५४ (१२)	शान्तिनाथस्तोत्र		"	१८८३	२६वाँ	
३१७	२७५८	शान्तिस्तुति		"	१६वीं श.	१	
३१८	७६४	शारदाष्टक		"	" "	१	
३१९	७६८	शारदास्तुति		"	" "	१	
३२०	७७०	शालिग्रामस्तोत्र	पुष्पदन्त	"	" "	४	भविष्योत्तरपुराणगत ।
३२१	११४७ (४)	शालग्रामस्तोत्र		संस्कृत	१८८४	३२से३८	भविष्योत्तर- पुराणगत ।
३२२	१५१०	शालग्रामस्तोत्र		"	१६०२	५	
३२३	८२४	शिवकवच		संस्कृत	१७६६	५	स्कन्दपुराणगत
३२४	१३०९	शिवकवच		"	१८०५	६	स्कन्दपुराणगत । नवीनपुर में लिखित ।
३२५	१५०३	शिवकवच		"	१६२३	६	स्कन्दपुराणगत ।
३२६	१३६५	शिवदशकस्तोत्र		"	१८२८	२	नंदिकेश्वर पुराणगत
३२७	२७३१	शिवपंचाक्षरस्तोत्र		"	२०वीं श.	१	
३२८	३७२	शिवमहिम्नःस्तोत्र		"	१८१३	७	नवानगर में लिखित ।
३२९	८११	शिवमहिम्नःस्तोत्र		"	१६वीं श.	५	
३३०	१४६७	शिवमहिम्नःस्तोत्र		"	२०वीं श.	५	
३३१	२७७३	शिवमहिम्नःस्तोत्र		"	१७६६	६	प्रथम तथा अंत्य पत्र शोभन



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३३२	३६८६ (१)	शिवमहिम्नःस्तोत्र	पुष्पदन्त	संस्कृत	१६वीं श.	१-२	
३३३	७७८	शिवमहिम्नःस्तोत्र पंजिका टीका		"	१८वीं श.	२२	
३३४	१७६४	शिवमहिम्नःस्तोत्र- सटीक	मू० पुष्पदन्त टी० अहोबल (?)	"	१६वीं श.	१६	
३३५	३२६७	शिवमहिम्नःस्तोत्र- सटीक		"	१६०७	३४	
३३६	३१४०	शिववर्मकवच		"	१६वीं श.	५	स्कन्दपुराणगत ।
३३७	८००	शिवसहस्रनामस्तोत्र		"	२०वीं श.	१३	लिंगपुराणगत
३३८	३१४६	शिवसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श.	२०	२ रा पत्र अप्राप्त ।
३३९	८०३	शिवसहस्रनामस्तोत्र आदि १ शिवसहस्रनाम २ शिवकवच, ३ शिव- ताण्डव, ४ शिवस्तोत्र, ५ अपराधस्तोत्र, ६ पंचवक्त्रस्तुति, ७ परि- पदःस्तोत्र, ८ अगस्त्या- ष्टक, ९ देवीस्तोत्र, १० शिवस्तोत्र ।		"	१६वीं श.	२१	
३४०	१३४२	शिवस्तुति	व्यास	"	१८१०	५	सूतसंहितागत
३४१	२६६०	शिवस्तोत्र	रामानन्द- सरस्वती	"	१६२२	२	कृष्णगढ़ में लिखित
३४२	२६६७	शिवस्तोत्र	उपमन्यु	संस्कृत	१८८३	२	
३४३	२७१७	शिवस्तोत्र	शङ्कराचार्य	संस्कृत	१६वीं श.	१	
३४४	२६४५	शिवापराधस्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	१६२७	४	अजयनगर में लिखित ।
३४५	२६६५	शिवापराधस्तोत्र	"	"	१६१६	३	अजमेर में लिखित ।
३४६	२३०६ (५)	शिवाष्टक		"	१६वीं श.	२१-२३	
३४७	३५६७ (४)	शिवाष्टक शिवस्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	१८१३	६७-६९	मेडता में लिखित
३४८	१३८४	शिवाष्टकस्तोत्र	अगस्तिमुनि	"	१६वीं श.	१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३४६	३३२	शीतलाष्टक		संस्कृत	१७६३	१	
३४७	२७०५	श्रीमल्ललिताष्टक	रूपगोस्वामी	"	१६वीं श.	२	
३४८	११११	शोभनस्तुतः	शोभन	"	१७वीं श.	५	
३४९	१११४	शोभनस्तुतिअवचूर्णि		"	१५३१	७	
३५०	२६६३	श्यामास्तोत्र		"	१६वीं श.	१	ज्ञानार्णवगत ।
३५१	१११०	सकलार्हस्तोत्र टीका	गुणविजय	"	१७वीं श.	६	
३५२	१८३	सन्तानगोपालस्तोत्र		"	२०वीं श.	६	
३५३	१८६	सन्तानगोपालस्तोत्र		"	" "	७	
३५४	२७००	सन्न्यासनिर्णयस्तोत्र	वल्लभाचार्य	"	१६वीं श.	१ ला	
	(१)						
३५५	२७१०	सन्न्यासनिर्णयस्तोत्र	"	"	१६२५	१२-१३	
	(१८)						
३५६	११०४	सप्तस्मरण		प्राकृत	१६वीं श.	८	
३५७	१८०१	सप्तस्मरण सटीक		संस्कृत	१७०३	२७	अन्यान्य आचार्य-कृत सात स्तोत्रों का संग्रह ।
३५८	२६३	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१६५३	३६	
३५९	२६३	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१८६८	१४०	कूर्मदेशे अर्जुनपुर (नगर) में लिखित ।
३६०	३०७	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१७४५	८७	
३६१	७५३	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१७३६	४१	
३६२	८२८	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१८११	३७	
३६३	१४३६	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१६६६	८०	पत्र १-२ अप्राप्त ।
					शकें		
३६४	१४४८	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१६२८	३२	
३६५	१४४६	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१६३१	३१	
३६६	१५२०	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१७२२	६२	पत्र १से८ अप्राप्त ।
३६७	२५१३	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१८वीं श.	७	
३६८	२६३७	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१६वीं श.	३२	
३६९	२७५३	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१६वीं श.	८३	अपूर्ण
३७०	२७६४	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१६२६	१३६	कृष्णगढ़ में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७४	२६२१	सप्तशती (चंडीपाठ)		संस्कृत	१८६७	६७	पत्र १, २, ३, अप्राप्त
३७५	३०१६	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१६८३	४६	१३ अध्यायपर्यन्त सीतापुर में लिखित । पत्र १ अप्राप्त
३७६	३६६४	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१८२१	२५	लांवा में लिखित ।
३७७	२६८६	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१६वीं श.	५२	
		सचित्र					
३७८	१४६७	सप्तशती (चंडीपाठ)		"	१६१२	१२३	
		सटीक					
३७९	२६२२	सप्तशती (चंडीपाठ)	टी० नागोजी	"	१६वीं श.	६५	
		सटीक	भट्ट				
३८०	१८२	सरय्वष्टक		"	२०वीं श.	२	अगस्तिसंहितागत ।
३८१	८१७	सरस्वतीस्तोत्र		"	१८६३	२	
३८२	२६१३	सरस्वती स्तोत्र		"	१६वीं श.	१	
३८३	२६६२	सरस्वती स्तोत्र	कांति विजय	"	१६वीं श.	१	
३८४	२७६६	सरस्वती स्तोत्र		"	२०वीं श.	६	
३८५	२७१०	सर्वोत्तमस्तोत्र	आनन्दनिधि	"	१६२५	१-२	
	(१)		(?)				
३८६	३५७२	सर्वोत्तमस्तोत्र		"	१६वीं श.	२७-५३	
	(२)						
३८७	३६८४	सर्वोत्तमस्तोत्र भाषा गद्य		ब्रज	१६वीं श.	१३	
३८८	२७८२	सावित्र्यष्टक	हरिदेव	संस्कृत	१८७६	१	अजमेर में लिखित ।
३८९	३४२	सिद्धलक्ष्मीस्तोत्र		"	२०वीं श.	५	ब्रह्मांडपुराणगत ।
३९०	३५५	सिद्धलक्ष्मीस्तोत्र		"	१६वीं श.	५	
३९१	८३५	सुदर्शनकवच		"	१६वीं श.	२	ब्रह्मयामलगत ।
३९२	३५७२	सुदर्शनयंत्र	वल्लभाचार्य	"	१८६४	६३-६७	
	(७)						
३९३	३२२४	सुन्दरीमहिम्नःस्तोत्र	दुर्वासा मुनि	"	१६वीं श.	६	राधनपुर में लिखित
३९४	२६७	सूर्यकवच		"	२०वीं श.	२	
३९५	८३७	सूर्यपटलादि सूर्यपंचांग		"	१६वीं श.	४५	रुद्रयामलगत ।
३९६	३४३२	सूर्यशतक (सटीक)		"	१६५२	३३	
३९७	२६०६	सूर्यसहस्रनामस्तोत्र		"	१८वीं श.	४	भविष्योत्तरपुराणगत ।
३९८	२६१२	सूर्यसहस्रनामस्तोत्र		"	१६७५	४	भविष्योत्तरपुराणगत ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६६	३१५२	सूर्यसहस्रनाम स्तोत्र		संस्कृत	१८१५	१३	देवीरहस्यगत ।
४००	३२७०	सूर्यसहस्रनाम स्तोत्र		,,	१८६८	१०	सप्तमीकल्पगत ।
४०१	२६३०	सूर्यस्तोत्र		,,	१६वीं श.	२ रा	पद्मपुराणगत ।
	(३)						
४०२	२६३०	सूर्यस्तोत्र		संस्कृत	१६वीं श.	३ रा	स्कन्दपुराणगत
	(४)						
४०३	२६३०	सूर्याष्टक		,,	१६वीं श.	२ रा	
	(२)						
४०४	७६६	सूर्याष्टकादि, सूर्याष्टक २ निरंजनाष्टक, ३ चामु- ण्डाष्टक, ४ भैरवाष्टक	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श.	३	
४०५	२७००	सेवाफलस्तोत्र		,,	,,	२ रा	
	(३)						
४०६	२७१०	सेवाफलस्तोत्र		,,	१६२५	१४वाँ	कृष्णगढ़ में लिखित
	(२०)						
४०७	८१२	सौन्दर्यलहरी	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श.	१०	
४०८	८२३	सौन्दर्यलहरी	,,	,,	,,	१२	
४०९	८३०	सौन्दर्यलहरी	,,	,,	१७६४	११	
४१०	३२७६	सौन्दर्यलहरी	,,	,,	१८५१	२१	
४११	३६८६	सौन्दर्यलहरी	,,	,,	१८३६	२-६	
	(२)						
४१२	२६०८	सौन्दर्यलहरी (विवरण सहित)	मूल-शङ्कराचार्य, विवरण श्रीरंग-दास प्राग्वाट्	संस्कृत	१६२५	१७५	पत्र १ से १० अप्राप्त ।
४१३	७६६	सौन्दर्यलहरी सटीक	शङ्कराचार्य टी० कविराज शर्मा	,,	१८८८	७४	मांडवीबिंदर में लिखित
४१४	७६७	सौन्दर्यलहरी सौभाग्य-वर्द्धिनी टीका	,, (टीका-कैवल्याश्रम)	संस्कृत	१७५२	२२	जीर्णदुर्ग में लिखित ।
४१५	८२७	सौन्दर्यलहरी सटीक	,,	,,	१६७३	६५	जंयू ग्राम में लिखी पत्र १से६, १८, १९, २८ से ३३ और ३८ से ४६ अप्राप्त ।
४१६	११००	स्तोत्रसंग्रह (नवस्मरण आदि) सस्तवक		मू.प्रा.सं.	१८२४	८१	मुनराबिंदर में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४१७	१११६	स्तोत्र संग्रह (स्मरणादि)		संस्कृत	१७१६	६	रताडीयागांम में लिखित ।
४१८	१८७५ (१)	स्तोत्रादि संग्रह गुटका त्रुटक		प्रा०सं०	१६वीं श.	१४६	गुटका
४१९	१०६४	स्मरणादि		संस्कृत	१८६६	६	
४२०	३२१	हनुमत्कवच		"	१६वीं श.	७	
४२१	१३७६	हनुमत्कवच		"	१६वीं श.	२	
४२२	२३२	हनुमत्सहस्रनामस्तोत्र		"	१६६४	८	ब्रह्मांडपुराणगत
४२३	२७८७	हनुमदष्टक		"	१६वीं श.	२	
४२४	२८१८ (२)	हनुमदष्टक	रामचन्द्र	"	१६वीं श.	२ रा	
४२५	२६१८	हनुमदष्टोत्तरशतनाम- स्तोत्र		"	१६वीं श.	५	



## (१) वैदिक ग्रन्थ

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१५१६	अध्वर काण्ड ब्राह्मण		संस्कृत	१६८४	१४६	पत्र १ से ४१ अप्राप्त
२	२७३	अनुवाक	कात्यायन	"	१८३६	६	
३	३७६	अनुवाक		"	१६वीं श.	१०	
४	१२२४	अनुवाक		"	१७६३	५	
५	१२५२	अनुवाक		"	१८२६	८	
६	१२६६	अनुवाक		"	१८८७	६	
७	१२६०	इष्टिः पंचपदार्थी	कात्यायन	"	१८३१	१६	
८	१४६१	उषा संभरण ब्राह्मण		"	१६२६	१२०	
९	२८३५	ऋग्वेद संहिता		"	१६३६	१७४	
१०	१३३३	ऐष्टिक चातुर्मासी-पद्धति		"	१६वीं श.	३	
११	१६७०	कर्मप्रदीपभाष्य अपूर्ण	आशादित्य	"	१७वीं श.	१२४	पत्र १ से ६ तथा ४१ से ६१ अप्राप्त
१२	१६६६	कर्मविपाक महार्णव-निबंध		"	१६वीं श.	२२३	पत्र २ तथा २०१ से २११ अप्राप्त
१३	३६७	कात्यायन सूत्र भाष्य प्रथमाध्याय		"	१८३१	३४	
१४	३६८	कात्यायन सूत्र भाष्य द्वितीय तृतीयाध्याय		"	१८२६	४४	
१५	३६६	कात्यायन सूत्र भाष्य		"	१८२६	४६	
१६	१२०५	कात्यायन सूत्र व्याख्यान ( स्नानादि पद्धति )	हरिहर	"	१७वीं श.	२५	
१७	१२७०	कात्यायन सूत्र		"	१६वीं श.	३६	
१८	११८१	कुण्डनिर्माण सटीक	रामवाजपेय टीका-स्वोपज्ञ	"	१८वीं श.	२२	
१९	१६५४	कुण्ड प्रदीपक	महादेव	"	१८८३	२१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०	१४०२	कुण्डप्रदीपक सटीक	महादेव	संस्कृत	१८७२	२१	
२१	१४८७	कुण्डप्रदीपक सटीक	महादेव	"	१६१८	२४	
२२	११८५	कुण्डप्रदीपक सटीक	महादेव	"	१७६८	७	
२३	१२६४	कुण्डप्रदीपिका सटीक	मजी द्विवेदी	संस्कृत	१८३०	२०	रचना १६५३ टी. १६५७ वि. वृद्धनगर
		भीमजीसुत					
		टीका-स्वोपज्ञ					
२४	१४४३	कुण्डसिद्धि	विठ्ठल दीक्षित	"	१६१३	२७	
२५	१३३०	कुण्डसिद्धि	विठ्ठल दीक्षित	"	१८२५	५	
२६	२६३४	कुण्डसिद्धिविधिति		"	१७६७	२०	
२७	१२१५	कुण्डाहति	रामचन्द्र	"	१६४३	६	लाडी में लिखित
२८	१४२०	कोकिल स्मृति (श्राद्ध निर्णय)		"	१६वीं श.	१७	
२९	२६८	कौपीतकी ब्राह्मण		"	१५१८	५१	पत्र १से३ तथा २७वां अप्राप्त
३०	१३६	गायत्री ब्राह्मण		"	१६वीं श.	२	
३१	१४५२	गृहकारिका		"	१६१२	७	
३२	१२५७	गृहपद्धति	वासुदेव	"	१८२८	४८	
३३	१३२२	गृहपद्धति	वासुदेव	"	१८५७	७६	
३४	१३७३	गृहसूत्र	पारस्कराचार्य	"	१८७६	६३	
३५	१४०८	गृहसूत्र	पारस्कराचार्य	"	१८२६	३६	पत्र ३ से ६ अप्राप्त
३६	३०१८	गोभली		"	१६१३	२०	गिरपुर में लिखित
३७	७६७	चरणव्यूह		संस्कृत	१८०१	४	भुजनगर में लिखित
३८	१३५३	चरणव्यूह		"	१८५२	६	
३९	२६३२	चरणव्यूह		"	१६३३	२	कृष्णगढ़ में लिखित
४०	३२७५	चरणव्यूह		"	१६२३	१	
४१	१३५८	तत्त्वसार (चरणव्यूह)		"	१६वीं श.	१२	
४२	१३७४	दशकुण्डमरीचिमाला	विष्णु	संस्कृत	१८२७	१४	
४३	१२०७	नीलोत्सर्गविधि		"	१६४६	१२	मत्स्यपुराणगत
४४	१४०	पंचमहायज्ञ फल		"	१६वीं श.	५	
४५	१४८४	परिभाषांकसूत्राणि	केशव	"	१६११	७	
४६	११७५	पाराशर स्मृति टीका	मूल पाराशर (टीका- माधवामात्य)	"	१७६८	१५६	तृतीयाध्याय पर्यन्त । पत्र १ से ११ तक मूल पाठ है पश्चात् टीका ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७	२७२	पितृ संहिता		संस्कृत	१८७६	७	
४८	१२४३	पितृ संहिता		"	१८८८	७	
४९	१२६६	पितृ संहिता		"	१८८८	४	
५०	१३६५	पितृ संहिता		"	१९वीं श	५	
५१	१४३५	पुठो (पृष्ठि ?)		संस्कृत	१८३७	३५	हलवद में लिखित
५२	१६४	प्रतिष्ठा ब्राह्मण		"	१९वीं श	६	
५३	१४४०	प्रायश्चित्त सूत्र		"	१९वीं श.	३	
५४	१५२३	ब्राह्मण ग्रन्थ		"	१७वीं श.	ज्यस्तपत्र	
५५	१५१८	ब्राह्मण ग्रन्थ नुटक		"	१८वीं श.	ज्यस्तपत्र	
५६	१५२१	ब्राह्मण ग्रन्थ नुटक अपूर्ण		"	१७वीं श.	८२	पत्र १ से ५, २२, ३६, ३७, ५६, ५७ अप्राप्त
५७	१५२२	ब्राह्मण ग्रन्थ नुटक अपूर्ण		"	१७वीं श.	ज्यस्तपत्र	
५८	३०५	ब्राह्मण संग्रह		"	१७वीं श	१६०	
५९	१२८०	ब्राह्मणानां वरुणं		"	१८५४	४	
६०	१५१५	ब्राह्मणानि ( १पादिका )		"	१७६६	८६	पत्र १ से २४ अप्राप्त
६१	१२ ६	ब्राह्मणानि ३ (शतरुद्री)		"	१७३७	८६	ममेवडी में लिखित
६२	१२२०	ब्राह्मणानि ३		"	१७३०	५३	
६३	१२५६	ब्राह्मणानि ४ (हविर्यज्ञना प्रथमकाण्ड)		"	१८४७	१७४	नवानगर में लिखित
६४	१-७४	ब्राह्मणानि ४		संस्कृत	१८७८	१०५	
६५	१३६५	ब्राह्मणानि ५		"	१८७४	७७	
६६	१३६८	ब्राह्मणानि ५		"	१८५२	१०१	
६७	१४२४	ब्राह्मणानि ५		"	१९वीं श	६१	
६८	११६७	ब्राह्मणानि ६		"	१७वीं श.	८६	
६९	११६६	ब्राह्मणानि ७		"	१६७२	८३	
७०	१२३६	ब्राह्मणानि ७		"	१८वीं श.	१३५	प्रथमपत्र अप्राप्त
७१	११६३	ब्राह्मणानि ११		"	१६७१	७८	नवानगर में लिखित
७२	११६४	ब्राह्मणानि १२		"	१६६६	८१	
७३	१२३०	ब्राह्मणानि २७		"	१६६६	१०२	पत्र ५१ से ५४ तथा ६७ से १०० तक अप्राप्त नवानगर में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७४	३४	मंडपकुंडसिद्धि सटीक त्रिपाठ	विठ्ठल दीक्षित	संस्कृत	१६वीं श.	२१	टीका स्वोपज्ञ है
७५	१२८२	मंत्रशांकली		"	१६वीं श.	४६	
७६	१५१४	माध्यन्दिनारण्यक		"	१६वीं श.	३१४	अपूर्ण पत्र १, ५३ से ६३, ८६ से ९८, १०५ से ११४, १२३, १२७, १५७, १८६, २००, २०२, २४२, २५६, २६१, एवं ४४ अप्राप्त अपूर्ण प्रति है। १६वां अध्याय तक २०वां अपूर्ण नवानगर में लिखित
७७	११७४	यजुर्वेद भाष्य (१)		"	१७वीं श.	१५५	
७८	१५१६	यजुर्वेद संहिता अपूर्ण		"	१७वीं श.	१३६	
७९	३८२	यजुर्वेद हव्यन् नाम प्रथमकाण्ड		"	१८४१	१५६	
८०	२८५७	रामपद्धति		"	१८७४	२६	
८१	१२०१	वंशाः		"	१७६७	४	
८२	१२०६	वाजश्र्वनो ऋषि छंद		"	१७८१	३	
८३	३५८	वाजसनेय संहिता		"	१६१८	२७६	
८४	३३२४	वाजसनेय संहिता		"	१८२८	६५	
८५	१२८५	वाजसनेय संहिता- नुक्रमणिका		"	१८८७	४१	
८६	१५७	वाजसनेय संहिता पूर्व खण्ड		संस्कृत	१६२३	२४६	
८७	१५८	वाजसनेय संहिता उत्तर खण्ड		"	१६२४	१४६	
८८	३७५	वाजी माध्यन्दिनी संहितानुक्रमणिका		"	१६वीं श.	६६	
८९	११६१	वासिष्ठी तथा होम- प्रमाण निर्णय		"	१८वीं श.	६	
९०	११६०	वृद्धपाराशर		"	१८वीं श.	७६	१२ अध्याय के ८७ श्लोक पर्यन्त अपूर्ण प्रति
९१	१४०६	वेदपरिभाषासूत्र	केशव	"	१८८५	८	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६२	१२०८	वेदोक्त चतुर्मास यज्ञ (१)		संस्कृत	१८वीं श.	१३	
६३	१३५६	त्रनानि (वेदोक्त)		"	१८५४	२	
६४	१४६४	शतपथ ब्राह्मण		"	१६५५	६६	
६५	१४३३	शिक्ता		संस्कृत	१६वीं श.	१५	
६६	१४७४	शिक्ता	याज्ञवल्क्य	"	१६२०	१से१४	
६७	१४८३	शिक्ता	अमरेश	"	१६२०	२२	
६८	१२७१	सर्वानुक्रमणिका (यजुर्वेदीया)		"	१८५२	४२	
६९	१४७४	संहिता शिक्ता (२)		"	१६२०	१५-१६	
१००	१४५४	सांख्यनि ब्राह्मण		"	१६२६	८३	
१०१	१४२८	सामविधि		"	१८८६	२८	
१०२	१२४५	सामवेदी रुद्री		"	१८६१	२१	
१०३	३३२२	सूर्योपस्थान		"	१८७२	१३	
१०४	१२६६	स्नान पद्धति (कात्यायनीय)	हरिहर	"	१८७६	११	
१०५	१२७७	स्नान पद्धति (कात्यायनीय)	हरिहर	"	१८६५	१४	
१०६	१२१०	स्नानविधि		संस्कृत	१७६०	७	
१०७	१४४७	स्नानविधि विवरण सहित	मू० कात्यायन विवरण हरिहर	"	१६१८	१४	
१०८	१४८५	स्नानसूत्र		"	१६१०	३	
१०९	१५००	होम-मंत्राः (पवित्रेष्टि)	कात्यायन	"	१६वीं श.	१५	



## (३) मन्त्रतन्त्रादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	३७७	अघोरमन्त्राम्नाय	विद्यानन्द	संस्कृत	१६०२	१	भैरवतन्त्रगत
२	२८०४	अन्नपूर्णाकवच		"	१६वीं श.	४	
३	३२३	अन्नपूर्णादिशक		"	२०वीं श.	३	
४	२८६	अर्थरत्नावली (चतुश्शती टिप्पण)		"	१६वीं श.	७२	
५	२७५५	आकर्षणविधानानि		"	२०वीं श.	४	उत्तरतन्त्रगत
६	३१६	कर्णशोधनप्रकार		"	२०वीं श.	१०	
७	२६१०	कालिकाकवच		"	१६वीं श.	५	
८	२७२६	कालिकाकवच		"	१८७५	१	
९	२७६०	कालीमन्त्रविधि		"	२०वीं श.	१	रुद्रयामलगत
१०	२७६१	कालीमन्त्रविधि		"	२०वीं श.	१	
११	२७६२	कालीमन्त्रविधि		"	२०वीं श.	२	
१२	२७६३	कालीमन्त्रविधि		"	२०वीं श.	२	
१३	३०३	कालीकल्प	गङ्गाधर	"	१७५३	१६	वड़नगर में लिखित
१४	२३७३	कालीकवच		"	१८७३	११३-	
	(१२)	(रुद्रयामलगत)				१२१	कृष्णगढ़ में लिखित
१५	२६३४	कालीपटल		"	१६वीं श.	१-४	
	(१)						मंत्रमहोदधिगत
१६	२६७०	कालीपुरश्चरणविधि		"	१६वीं श.	१	
१७	२६०	कालोत्तरमहातन्त्र		"	१६वीं श.	८६	
१८	१७६७	कुमारिकापूजन तथा दक्षिणकालीकवच		"	१६१८	५	
१९	१४६६	कुमारीपूजन		"	१६वीं श.	२	अपूर्ण (?)
२०	१४६०	कुशाकण्डिका		"	१६वीं श.	४	
२१	१४७६	कुशाकण्डिका		"	१६१४	३	
२२	३७०३	कोष्ठयुद्धनिर्णयचक्र		"	१७वीं श.	६	
२३	२६२१	कौलकुतूहल		"	१६वीं श.	१७५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२४	२७२३	कौलपादस्थापनविधि		संस्कृत	१८७६	१	मेड़ता में लिखित
२५	२६२६	क्रमदीपिका सटीक ( अष्टमपटलपर्यन्त )	मू० केशवभट्ट टी० गोविन्द विद्याविनोद- भट्टाचार्य	"	१८वीं श.	१२१	(पत्र १ से ५ तथा ६६, ७४, ७६, ८५, ९४ ९५, १०१ से १०४ (एवं १५ अप्राप्त)
२६	२७३०	गणपतिसाधनविधि		"	२०वीं श.	२	
२७	१५०८	गायत्रीकल्प		"	" "	३	
२८	२७१४	गायत्रीकवच		"	१८७७	१	
२९	२७१६	गायत्रीकवच		"	१८८१	१	गौतमीयतंत्रगत
३०	२३७३	गुरुकवचस्तोत्र ( २ ) ( विश्वसारोद्धारगत )		"	१८७३	१६-२२	कृष्णगढ़ में लिखित
३१	२७०६	गुरुमण्डलविधान		"	१६२५	४	" "
३२	२३७३	गुरुरहस्यपूजाविधान ( १ ) ( विश्वसारोद्धारगत )		"	१८७३	१५	कृष्णगढ़ में लिखित गुटका
३३	३२६	गोपालपटल		संस्कृत	१६वीं श.	१७	
३४	३४६	गोपालपटल		"	२०वीं श.	२५	
३५	३४६	गोपालपद्धति		"	" "	२१	
३६	१२३५	गोपालपद्धति		"	१७५५	११	
३७	३६८२	गोपालपद्धति		"	१६वीं श.	१३	
३८	३२८	गोपालमन्त्र		"	१८५७	२२	
३९	३१०	गोपालाष्टादशाक्षरकल्प		"	१७५१	६	सनत्कुमार- संहितागत ।
४०	२६०	गौतमीयतन्त्र		"	१८४८	१७७	
४१	२६४७	चण्डीविधान		"	१६२६	६	
४२	३३०६	चण्डीविधान		"	१६०१	१६	
४३	२६५६	चतुरशीतिपात्र	यदुनाथ	"	१८६०	६	हरिदुर्ग में लिखित
४४	३४५८	चिन्तामणिपाथिवपूजा ( २ )		"	१७०४	१०-१२	अपूर्ण
४५	२८६३ ( ७८ )	चिह्नतरजंत्रविधि	हीरकलश	राजस्थानी	१७वीं श.	१४१यां	
४६	७६५	जगन्मङ्गलकवच वाला- कवच गणपतिस्तोत्र		संस्कृत	१६वीं श.	२	
४७	२६५४	जांगुलीविद्या		"	१७६६	१	
४८	२३०६ ( १ )	झाड़ो		राजस्थानी	१६वीं श.	१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४६	८४०	तत्त्वत्रयशोधनविधिपान- नवक (शङ्करीपद्धतिगत) पात्रपद्धति (कौलार्णवगत) तथा दो अन्य कृतियाँ		संस्कृत	१६वीं श.	६	
५०	२६२५	तं [त्र] मण्डन		"	१६वीं श.	२६	
५१	८१०	तन्त्रराज	रामचन्द्र	"	२०वीं श.	३६	
५२	३४५७	तन्त्रसार	कृष्णानन्दवागीश	"	१७३४	२३६	
५३	२६८४	तांत्रिकसंध्या		"	२०वीं श.	१०	
५४	२६६४	तांत्रिकहवनपद्धति		"	१८८६	१२	
५५	२६७६	तारानित्यपूजाविधि	नारायणभट्ट	"	१८८८	२७	कृष्णगढ़ में लिखित
५६	२६११	त्रिपुरामंत्राः		"	१७वीं श.	५	
५७	२७३८	त्रिपुरसुन्दरीपडाम्नाय		"	१६३५	२१	मेड़ता में लिखित
५८	३३८	त्रैलोक्यमंगलकवच		"	२०वीं श.	७	सनत्कुमार तन्त्रगत
५९	३४०	त्रैलोक्यमंगलकवच		"	" "	५	" "
६०	२८११	दक्षिणकालिकाकवच		"	१८७१	२	मेड़ता में लिखित
६१	२३७३ (१०)	दक्षिणकालिकाकवच		"	१८७३	१०८- १०९	कृष्णगढ़ में लिखित
६२	२३७३ (५)	दक्षिणकालिकानित्य- पूजापद्धति		"	१८७३	३३से६६	" "
६३	२७६२	दक्षिणकालिका- पूजापद्धति		"	१८७१	४	मेड़ता में लिखित
६४	२७४५	दक्षिणकालिका- पूजनपद्धति भाषा		"	१६२६	६	कृष्णगढ़ में लिखित
६५	२७३५	दक्षिणकाली पद्धति	अनन्तदेव	संस्कृत	१८७२	२७	मेड़ता में लिखित
६६	२७३६	दक्षिणकालीरश्मि- मालाविधि		"	२०वीं श.	२	
६७	२७३७	दक्षिणकालीषोडशमन्त्रः		"	१६३२	१	
६८	१२०३	दक्षिणामूर्तिसंहिता		"	१८वीं श.	४५	अपूर्ण
६९	१७५	दत्तात्रेयपटल		"	१६वीं श.	२२	
७०	२८१	दत्तात्रेयपूजापद्धति		"	" "	२२	भैरवयामलगत
७१	३३२३	दमनपूजाविधि		"	१८६८	६	
७२	२७११	दशमहाविद्याजन्मोत्सव- पात्रप्रक्षालन		"	१६२७	१	अजमेर में लिखित
७३	२३७३ (६)	दिग्बन्धहोमपद्धति		"	१८७३	७०-८८	कृष्णगढ़ में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७४	३४४	दिव्यमन्त्रौपधपञ्जर- कवच		संस्कृत	२०वीं श.	८	
७५	३४१	दिशाबन्धनविधि		"	" "	६	
७६	२७६८	दुर्गोपनिषत्		"	१८७७	२	
७७	२६४२	द्वात्रिंशद्दीक्षोपदीक्षा- पुटितपद्धति		संस्कृत	१६३६	४	हरिदुर्ग में लिखित
७८	१३६२	नमकमन्त्राः		"	१८३६	४	
७९	१३३६	नमकाङ्गमन्त्रविधि		"	१६वीं श.	२	
८०	१३३५	नमकाङ्गमन्त्रविधि		"	" "	३	
८१	५१	नवग्रहन्यास		"	" "	५	
८२	१४६३	नवग्रहन्यास		"	१६०२	५	
८३	३८१	नवचण्डीसंक्षेपपद्धति		"	१८५४	७	
८४	१३६६	नवदुर्गापूजनविधि		"	१६वीं श.	६	
८५	२६७८	नवरात्रपूजाविधि		"	१८६४	२४	अजय नगर में लिखित
८६	२६५५	नवार्णपद्धति		"	१८८७	१८	
८७	७४४	नारायण कवच	वेदव्यास	संस्कृत	१६वीं श.	३	भागवतपञ्चस्कन्ध- गत
८८	२३७६ (५)	नारायणकवच सार्थ	नित्यानन्द	"	२०वीं श.	२८	
८९	१८६	नारायणचिन्तामणि- कवच		"	१६वीं श.	१०	विष्णुयामलगत
९०	३३७	नारायणचिन्तामणि- कवच		"	२०वीं श.	२६	" "
९१	३१७०	नारायणवर्म		"	१६वीं श.	५	भागवतगत
९२	३३६	नारायणास्त्रकवच		"	२०वीं श.	७	महाकालसंहितागत
९३	१८५	नृसिंहकवच		"	१६वीं श.	१	
९४	२६७३	नैमित्तिकविधि	नरसिंह	"	१८८६	३	ताराभक्तिसुधारण्य का ७ वां तरंग दिल्ली में लिखित
९५	२३७३ (१३)	पञ्चचक्रनिरूपण		"	१८७३	१२१- १२६	रुद्रयामलगत
९६	२८१६	पञ्चचक्रनिरूपण		"	१८७१	६	मेड़ता में लिखित
९७	३३	पञ्चदशाङ्कयन्त्रविधि		"	१८६७	४	८२ पद्य में रचना है



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६८	२७५०	पञ्चदश्याम्नाय		संस्कृत	१६२३	१०	शिवताण्डवगत
६९	२३७३ (१४)	पञ्चमकारशोधनआदि		"	१६वीं श.	१३०- १५०	
१००	२८६०	पञ्चमुखीहनुमत्कवच		"	१६वीं श.	६	
१०१	२६६८	पञ्चवक्त्रपूजनविधि		"	१६२१	६	
१०२	१७६	पञ्चवक्त्रशिवपूजन		"	१६३८	२२	
१०३	१३०	पञ्चवक्त्रशिवपूजा- विधान		"	१८७२	६	
१०४	१२२३	पञ्चाक्षरन्यासविधान		"	१८वीं श.	२	
१०५	२७६४	पात्रशोधनविधि		"	१६वीं श.	६	
१०६	१२८४	पार्थिवचिन्तामणिप्रयोग		"	२०वीं श.	८	
१०७	३३२६	पार्थिवपूजनप्रयोग		"	१६वीं श.	३	अपूर्ण
१०८	१४४५	पार्थिवेश्वरचिन्तामणि- पद्धति तथा शिवसहस्र- नामस्तोत्र		"	१६२०	१०	
१०९	२८२०	पार्थिवपूजनविधि		"	१८४१	१०	
११०	२६५६	पार्थिवेश्वरपूजा		"	१६१५	५	अजमेर में लिखित
१११	१४८२	पुरश्चरण		"	१६१६	२३	
११२	२७६१	पुरश्चरणपद्धति		"	१८७१	२२	मेड़ता में लिखित
११३	२७५	पुरश्चरणप्रयोग		"	१६वीं श.	४	
११४	२३७३ (११)	पुरश्चरणविधि		"	१६वीं श.	११०- ११२	
११५	२७४८	प्रणवन्यास		"	१६वीं श.	३	
११६	१६५	प्रतिष्ठाकर्म		"	१७६२ शाके	६	वामकेश्वरतंत्रगत
११७	२८०१	प्रत्यङ्गिरामालामंत्रविधि		"	१६वीं श.	६	
११८	२३६८ (१४)	फुटकरमंत्र		राजस्थानी	" "	४४-४५	
११९	२३६८ (२०)	फुटक त्र		"	" "	६३-६७	
१२०	१४६६	बटुकभैरवपद्धति		संस्कृत	१६३१	१०	शारदातिलकगत
१२१	३८७	बटुकभैरवान्यासविधि		"	१६०४	१८	
१२२	२८०७	बलिदानविधि		"	१६वीं श.	३	
१२३	२८०६	बालाकवच ( गौरीसारतंत्रगत )		"	१८८८	३	पुष्करारण्य में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२४	३२४२	बालात्रिपुराकवच		संस्कृत	२०वीं श.	६	शारदासमुच्चयगत
१२५	२७७५	बालात्रिपुरापूजाविधान-पद्धति		"	१८६७	२२	मेड़ता में लिखित
१२६	२७५२	बालात्रिपुरार्चनविधि		"	२०वीं श.	१३२	( किंचिदपूर्ण )
१२७	२६८५	बालात्रिपुरासामान्य-पद्धति	माधवाचार्य	"	१६१२	१८	अजमेर में लिखित
१२८	२८३३	बालात्रिपुरसुन्दरी-पञ्चाङ्ग पटल		"	१६वीं श.	४६	अपूर्ण
१२९	३१६१	बालात्रिपुरसुन्दरीविधान-पद्धति		"	१८२६	७	
१३०	३१८७	बालापटल		"	१८००	६	मथुरा में लिखित
१३१	२७४६	बालापञ्चोपचारपूजा-विधि		"	२०वीं श.	४	
१३२	११५१	बालापद्धति	सच्चिदानन्दनाथ	"	१६वीं श.	४०	
१३३	२६८२	बालापूजनपद्धति (सार्थ)		संस्कृत	१६१३	२१	कृष्णगढ़ में लिखित
१३४	२७५१	बीजकोश	दक्षिणामूर्ति	"	१६२५	३२	अजमेर में लिखित
१३५	२७०२	बीजोद्धारकोश		"	१६२६	८	" "
१३६	१६२	भगवतीकीलकादि		"	१६वीं श.	७	
१३७	३१६२	भगवतीकीलक		"	" "	११	
१३८	२८६३	मनोवाञ्छामन्त्र (१८)		"	१७वीं श.	११ वां	
१३९	१६६५	मन्त्रमहोदधि	महीधर	"	१६वीं श.	११५	
१४०	१४१	मन्त्रमहोदधि सटीक	मू० महीधर टीका स्वोपज्ञ	"	" "	१६५	
१४१	२३६२ (६)	मन्त्रमन्त्रादि		राजस्थानी	१८वीं श.	६	
१४२	२६५१	मन्त्रोद्धारकोश	दक्षिणामूर्तिमुनि	संस्कृत	१६२६	२२	कृष्णगढ़ में लिखित
१४३	२३७३ (१६)	महाकालकवच (गन्धर्वतन्त्रगत)		"	१८७७	१५४-१५६	कृष्णगढ़ में लिखित
१४४	२६७६	महाकालमन्त्रन्यासादि		"	१६३३	२	हरिदुर्ग में लिखित
१४५	२३७३ (६)	महाकालीकवच		"	१८७३	१०४-१०७	कालीतन्त्रगत
१४६	२६३८	महाकालीकवच (गन्धर्वतन्त्रगत)		"	१८७३	१	कृष्णगढ़ में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४७	२८१२	महाकालीकवच ( कालीतन्त्रगत )		संस्कृत	१८७२	२	मेड़ता में लिखित
१४८	१३२५	महामृत्युञ्जयन्यास		"	१६वीं श.	३	
१४९	२६४१	महायन्त्रसंस्कारविधि ( पद्य )		"	१६२५	१	कृष्णगढ़ में लिखित
१५०	१२२५	महारुद्रजप		"	१७६७	५	
१५१	१३३१	महारुद्रपद्धति ( ऋग्वेदीय )		"	१८३०	१०	
१५२	१३७७	महारुद्रपद्धत्यनुक्रमणिका		"	१६वीं श.	२	
१५३	१३८२	महारुद्रपुरश्चरणविधि:		"	" "	३	
१५४	१३१७	महारुद्राहुति		"	" "	३	
१५५	३३१७	महालक्ष्मीहृदय		"	१७वीं श.	१०	
१५६	२८१७	महासरस्वतीमंत्र		"	२०वीं श.	३	
१५७	२६६६	मातृक निघण्टुः बीजकयुक्त		"	१६२६	३	
१५८	३६०	मातृकान्यास		"	१६वीं श.	१०	
१५९	२६८३	मातृकान्यास		"	२०वीं श.	७	
१६०	१२३८	मातृपूजनपद्धति		"	१८४१	५	
१६१	१३८८	मातृस्थापनविधि		"	१६वीं श.	२	
१६२	२७७७	मालासंस्कार		"	१६२६	१	कृष्णगढ़ में लिखित
१६३	८७३	सुमनाकलंविनीधर्म- नीदया		फारसी	२०वीं श.	५	
१६४	२७६३	मृत्युंजयनित्यजप		राजस्थानी			
१६५	१२७२	मृत्युंजयपद्धति		संस्कृत	१८८७	२	अजमेर में लिखित
१६६	१३५६	मृत्युंजयपीठ- स्थापनविधि		"	१८५५	६	
१६७	१२६३	मृत्युंजयस्तोत्रजपविधि		"	१६वीं श.	६	
१६८	११५३	यन्त्रचिन्तामणि	दामोदर	"	१८८८	१८	भैरवतन्त्रगत
१६९	२६४०	यन्त्रसंस्कार ( गद्य )		"	१७४३	२३	मेड़ता में लिखित
१७०	२७४४	रक्तचामुण्डामंत्रविधान		"	१६२५	१	तन्त्रसारगत
१७१	२४२	रजस्वलास्तोत्र		"			कृष्णगढ़ में लिखित
१७२	३१५	राधाकवच		"	२०वीं श.	१	
				"	" "	३	रुद्रयामलगत
				"	" "	३	रुद्रयामलगत



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७३	३४५	राधाकवच तथा बलि-भद्रकवच		संस्कृत	२०वीं श.	५	रुद्रयामलगत
१७४	३४३	रामकवच		"	" "	५	ब्रह्मयामलगत
१७५	३४७	रामचन्द्रस्तवराज		"	१६४२	२०	सनत्कुमार-संहितागत
१७६	७६१	राममन्त्रविधि		"	१८६८	८	
१७७	२३०६ (२)	रामानंदजी रामरक्षा	राजस्थानी		१८६६	६-१३	
१७८	३१४	रामायणमहामन्त्र		संस्कृत	२०वीं श.	११	
१७९	२७७२	रुद्रजप		"	१८११	१३	बीकानेर में लिखित १ से ३ अप्राप्त
१८०	२८५४	रुद्रजप		"	१८५७	३४	
१८१	१२४२	रुद्रजपविधि (रुद्रपद्धति)		"	१८६६	१७	रुद्रचिन्तामणिगत
१८२	१३५२	रुद्रजपांगन्यासविधि		"	१८६८	७	मंत्रमहोदधिगत (कुंतियाणा में लिखित)
१८३	२६४	रुद्रजाप्य		"	१७५३	११	(१० वां पत्र अप्राप्त पत्तन नगर में लिखित)
१८४	३०१७	रुद्रपद्धति	परशुरामविप्र	"	१७वीं श.	४०	
१८५	१४७५	रुद्रसूत्रप्रथमाध्याय		"	१६१८	२	
१८६	२७८६	रुद्राक्षमंत्रविधि		"	२०वीं श.	३	
१८७	३२५	लक्ष्मीनारायणकवच		"	" "	५	
१८८	१२४६	वनदुर्गाकवच		"	१८५६	१२	रुद्रयामलगत
१८९	२६४६	वशीकरणविधि		"	२०वीं श.	१	
१९०	२४१	वाञ्छाकल्पलता		"	" "	६	
१९१	१४१०	विष्णुयन्त्रस्थापनविधि		"	१८४२	६	
१९२	११२३ (१५)	वीसायंत्रचउपई	अमरसुन्दर	राजस्थानी	१७वीं श.	७६ वां	
१९३	२६५२	वैश्वदेवबलिविधि		संस्कृत	२०वीं श.	२	
१९४	३३०८	वैश्वदेवविधि		"	८७२	६	
१९५	२७२५	शक्तिपंगमतंत्रप्रथमपटल		"	१८६५	८	
१९६	२७३४ (१)	शंखोद्धारविधान		"	१८६५	१-५	(कुञ्जिकातंत्रगत) पुष्करारण्य क्षेत्र में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६७	२७२६	शंखोद्धारविधि		संस्कृत	१८६५	५	कुब्जिकातन्त्रगत
१६८	२७३२	शंखोद्धारविधि		"	१६३२	३	अजमेर में लिखित
१६९	२६४८	शतचण्डीविधान		"	१६२६	३	
२००	३३०७	शतचण्डीविधान		"	२०वीं श.	२४	
२०१	२६६०	शरभप्रयोगविधि		"	१८६६	३	आकाश भैरवकल्प-गत
२०२	२७२२	शरभयन्त्रमन्त्रकथन (आकाशभैरवतन्त्रगत)		"	१८६६	२	अजमेर में लिखित
२०३	२६८६	शरभेशयन्त्रपूजन-विधान		"	१८६६	२	आकाश भैरवकल्प-गत
२०४	१६७१	शारदातिलकटीका (अपूर्ण)		"	१७वीं श.	२६०	पत्र १४८, १४९, २५४ २५५, अप्राप्त
२०५	१६७२	शारदातिलकटीका (अपूर्ण)		"	१८वीं श.	१२	
२०६	१६७३	शारदातिलकटीका (अपूर्ण)		"	" "	१५	
२०७	१४४	शारदातिलक सटीक त्रिपाठ (१-५ पटलपर्यन्त)		"	१६वीं श.	१३४	४६+७०+१५
२०८	१३८६	शारदातिलकोक्तयन्त्र-पूजनविधि		"	" "	१	
२०९	४१२	शिवपत्रिका		"	" "	१३	१से५ पत्र अप्राप्त अशुद्धप्रति
२१०	३१८८	शिवपञ्चवक्त्रपूजापद्धति		"	" "	६	
२११	२६४३	शिवावलिविधान		"	१६२६	२	रुद्रयामलगत
२१२	३२०	श्यामाकवच		"	२०वीं श.	११	
२१३	२८१३	श्यामानीराजन		"	१६वीं श.	१	
२१४	२६३४ (२)	श्यामापद्धति	दामोदरानन्द-नाथ	"	" "	४-२२	
२१५	२७३६	श्यामायन्त्रध्यानविवरण	भास्करानन्द-नाथ भोजक	"	१६७२	१	हरिदुर्ग में लिखित
२१६	१६६	श्रीउपनिषत्		"	१६वीं श.	१६	
२१७	२८१४	श्रीविद्याक्रमपूजनपद्धति	निजात्मानन्द	"	१६६० शाके	१०३	
२१८	२६२६	षडङ्गरुद्रजाप-दिकपाल-पूजाआदि		"	१६वीं श.	४	प्रथम पत्र अप्राप्त











क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२१६	२७२४	षडाम्नायन्यास ( ध्यानमंत्रयुक्त )		संस्कृत	१६३१	४७	मेड़ता में लिखित
२२०	२७०७	षोडशपात्र		"	१६२६	५	कृष्णगढ़ में लिखित
२२१	१४७७	सन्तानगोपालमन्त्र		"	१६वीं श.	८	गौतमीयतंत्रगत
२२२	२८०	सन्तानगोपालशताक्षरी- जप		"	" "	१२	
२२३	३०६८	सप्तशतीन्यासविधि		"	" "	१५	
२२४	२७७६	सप्तशतीस्तोत्रमाला- मन्त्रविधान		"	१८६०	४	कृष्णगढ़ में लिखित
२२५	३४५८ (१)	समयातन्त्र		"	१७०४	१से१०	
२२६	४८	सर्वतोभद्रयन्त्रविधान		"	२०वीं श.	१८	
२२७	२७८१	सर्वमन्त्रोत्कीलन		"	१६वीं श.	१	
२२८	२६५८	सर्वोत्कीलनमन्त्र		"	१८८७	२	कृष्णगढ़ में लिखित
२२९	२८०२	संक्षेपहोम		"	१८६४	३	अजमेर में लिखित
२३०	२८०३	संक्षेपहोम		"	१८६४	५	
२३१	२७३३	संवित्कल्प		"	१७४३	१	
२३२	२८६३ (१२८)	सुवर्णसिद्धिप्रयोग		राजस्थानी	१७वीं श.	१६१वाँ	
२३३	२६२०	सौभाग्यरत्नाकर	विद्यानन्दनाथ	संस्कृत	१८६५	२६४	अजमेर में लिखित
२३४	१८१	हनुमत्पञ्चाक्षरी-द्वादशा- क्षरीमालामन्त्र		"	१६वीं श.	१५	
२३५	३१६	हनुमद्गर्ग		"	२०वीं श.	१५	
२३६	१८८	हनुमद्वाङ्मालकवच- मालामंत्र		"	१६वीं श.	७	पञ्चमुखवीरहनुम- द्वाङ्मालसंहितागत
२३७	१६३	हनुमन्मन्त्र (मन्त्रमहो- दधित्रयोदश) तरङ्गगत		"	१६वीं श.	४	
२३८	१६४	हनुमन्मंत्र		"	१६वीं श.	५	मन्त्रमहोदधिगत



## धर्मशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१६७	अनुस्मृति		संस्कृत	१६वीं श.	७	महाभारतगत
२	२६४	अनुस्मृति		"	" "	१३	
३	२८७६ (४)	अनुस्मृति		"	" "	१-२०	
४	३३०२	अनुस्मृति		"	" "	६	महाभारतगत
५	३६६६	अनुस्मृति		"	" "	१४	
६	१६	अल्लासूक्त		"	" "	२	
७	१०००	आगमसारोद्धार	देवचन्द	राज०गू०	१६३१	८१	
८	२०३५	आगमसारोद्धार		"	१६१८	६७	
९	३३२५	आचारमयूख	नीलकण्ठ	संस्कृत	१६वीं श.	६०	
१०	३	आचारादर्श	श्रीदत्त	"	१८६७	७२	३७ वाँ पत्र नहीं है जयनगर में लिखित
११	३०४६	आत्मषट्कोपनिषत्		"	२०वीं श.	४	
१२	१८७३	आशौचत्रिंशत्		"	१६वीं श.	१४	
१३	११६८	आशौचदशकसभाष्य	मू० विज्ञाने- श्वर हरिहर	"	१७१५	१३	
१४	११८६	आशौचदशकसभाष्य		"	१८वीं श.	७	
१५	२७८	आशौचनिर्णय	रघुनाथ	"	१६वीं श.	८	
१६	२६५	आशौचनिर्णय	रघुनाथ	"	शाके १७५०	१३	
१७	२८६	आशौचनिर्णय	त्रयम्बकपण्डित	"	१६२४	१७	
१८	१४६२	आशौचनिर्णय	"	"	१६०६	७	
१९	१२६६	आशौचनिर्णय	"	"	१६वीं श.	२१	
२०	३६	आशौचनिर्णय त्रिशं- चल्लोकी मूल	भट्टचार्य	"	" "	८	कालनिर्णयावबोध- गत ।
२१	१२६	आशौचनिर्णय त्रिशं- चल्लोकी व्याख्यासहित	भट्टचार्य	"	१६१८	१२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२	१३८७	आशौचप्रकरण	भट्टोजी भट्ट	संस्कृत	१८१३	६	
२३	३१५६	आशौचप्रकरण	भट्टोजी दीक्षित	"	१६वीं श.	८	
२४	१८६२	आशौचप्रकरणस्मृत्यर्थसार (?)		"	१४८५	८५	पत्र १-२ अप्राप्त
२५	३१२४	आशौचसंग्रह	रामभट्ट	"	१६वीं श.	७	
२६	११८४	आशौचसंग्रहविवृति-सहित	विवृति-भट्टाचार्य	"	१७६६	२०	त्रिंशत् श्लोकी टीका
२७	१४६८	आशौचसंग्रहवृत्ति	भट्टाचार्य	"	१६०५	२५	
२८	१३३४	आशौचाष्टक	"	"	१६वीं श.	२	
२९	१४७०	आशौचाष्टकन्याख्या	"	"	१८७०	४	अंत्य ३० वां
३०	२६१७	आह्निककर्मपद्धति	"	"	१८वीं श.	२६	पत्र अप्राप्त ।
३१	३०६१	ईशावास्योपनिषत्		संस्कृत	२०वीं श.	०	
३२	३०६०	कठवल्ल्युपनिषत्		"	२०वीं श.	८	
३३	१४५८	कारिका		"	१६३६	२३	
३४	३३३६	कालनिर्णय सटीक	मू० माधव टी० वैद्यनाथ	"	१६वीं श.	३६	
३५	३०४२	कालनिर्णय सटीकत्रिपाठ	मू० माधव	"	" "	१२	
३६	३७०	कालनिर्णय सिद्धान्त सटीक	रघुराम टी० स्तोपझ	"	१८३५	७०	भुजनगर में रचना मूलरचना सं० १७०६ टीका रचना १७१०
३७	२५८६	कालनिर्णय सिद्धान्त सटीक	मू० महादेव टी० रघुराम	"	१८३५	१४६	नवीनपुर में लिखित सं० १७०६ में गिरिनार में मूल रचना सं० १७१० में भुजपत्तन में टीका रचना
३८	३०५७	केनोपनिषत्		संस्कृत	२०वीं श.	६ २	
३९	२७०८	कौलोपनिषत्		"	१६३३	१	हरिदुर्ग में लिखित
४०	२७४२	गन्धोत्तमानिर्णय		"	१८६६	२४	सं० १८७२ (१) में रचित । अजमेर में लिखित
४१	३१६३	गारुडोपनिषत्		"	१८८१	३	
४२	२७४	गोपीचन्दनोपनिषद्		"	२०वीं श.	६	
४३	१३३	गोपीचन्दनोपनिषद्		"	१६वीं श.	४	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४४	२५८५	गोभीलकगृह्यपद्धति सुबोधिनी	शिवराम	संस्कृत	१८५६	१२८	प्रथम पत्र अप्राप्त।
४५	१३१४	छान्दोग्योपनिषत्		"	१८६६	६३	
४६	३०५३	छान्दोग्योपनिषत्		"	२०वीं श.	४६	
४७	१३०७	तिथिनिर्णय	रघुनाथ	संस्कृत	१८३५	६	
४८	२३६	तृप्तिदीप	रामकृष्ण	"	१६वीं श.	१७	
४९	२४५	तृप्तिदीपव्याख्यासहित	रामकृष्ण	"	१७६५	५१	पत्र १६ वां अप्राप्त काशी में रचना।
		स्वोपज्ञ व्याख्या					
५०	३०४३	त्रिस्थलीसेतुसार	भट्टोजी दीक्षित	"	१६१६	१३	
५१	२६०६	दानचंद्रिका	दिवाकर	"	१६वीं श.	३७	
५२	१३२६	दानसमुच्चय		"	१८६३	४५	
५३	१२०४	देवलपद्धति (?) अध्याय २५वां अपूर्ण		"	१७वीं श.	६०	पत्र ३१ वां अप्राप्त
५४	१६३२	धर्मयुधिष्ठिरसंवाद		"	१६१६	८	
५५	११८७	धर्मशास्त्र	देवलऋषि	"	१७६६	३८	
५६	१२००	नवरात्रनिर्णय		"	१७वीं श.	१६	
५७	२६०१	नारदीयसंहिता		"	१८५७	५१	
५८	१६५	नारायणोपनिषत्		"	१६वीं श.	२	पत्र १से५ तथा ५६ से ६३ अप्राप्त सं० १७०६ में मूल और सं० १७१० में टीका भुजपुर में रचित।
५९	१८०३	नारायणोपनिषत् (३)		"	" "	४ था	
६०	३५०५	नित्याराधनविधि- व्याख्यान	त्रिमल्लनंदि	"	१७८८	२६	
६१	३२६४	निर्णयसिद्धान्तभाषा		गूजर	१६वीं श.	१४	
६२	२६०५	निर्णयसिद्धान्त सटीक त्रिपाठ	रघुराम	संस्कृत	१८७४	७७	
६३	११७२	निर्णयसिन्धु	कमलाकरभट्ट	"	१७६८	२४५	
६४	२७६	निर्णयोद्धार 'विशेष- तिथिनिर्णय'	राघवभट्ट	"	२०वीं श.	१४	
६५	१८०३ (४)	परमहंसोपनिषत्		"	१६वीं श.	५-६	
६६	१४६०	परिशिष्टचरणव्यूह	कात्यायन	"	१८८५	८	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६७	१३७	पुरुषसूक्तभाष्य	महाचार्य	संस्कृत	१६३८	१३	अपूर्ण ग्रन्थकारकृत भास्कर- ग्रन्थका विभाग ।
६८	५८	प्रतिष्ठापनयूख	नीलकण्ठ	"	२०वीं श.	२०	
६९	३७६	प्रतिष्ठापनयूख	"	"	१८३१	३७	
७०	२६३६	प्रतिष्ठापनयूख	"	"	१६वीं श.	६०	अपूर्ण
७१	३०४८	प्रश्नोपनिषत्	"	"	२०वीं श.	५	पत्र २-३ अप्राप्त ।
७२	१४६३	प्राणाग्निहोत्रोपनिषत्	"	"	१६१५	४	
७३	२६२३	बालसंस्कारादि	"	"	१६वीं श.	१	
७४	३०४५	बृहदारण्यक	"	"	१६१८	७१	
७५	१३६२	बृहदारण्योपनिषद्	"	"	१८३६	१०६	
७६	३०४२	ब्रह्मविदुपनिषत्	"	"	२०वीं श.	४	
७७	१८०३	ब्रह्मोपनिषद्	"	"	१६वीं श.	२-३	
	(२)						
७८	१६१४	भास्कर व्यवहारमयूख	नीलकण्ठ	"	" "	५६	अपूर्ण, आदि में मदन राजकुमार का वंशवर्णन है । कोठयारा ग्राम में लिखित । चतुर्वर्गचिन्तामणि- गत ।
७९	१६१३	भास्कर श्राद्धमयूख	"	"	" "	७६	
८०	३०५०	भृगूपनिषत्	"	"	२०वीं श.	३	
८१	१४३	मदनपारिजात उत्तरार्ध	"	"	१८३६	१४५	
८२	१६३१	मदनपारिजात	विश्वेश्वर	"	१६वीं श.	१००	
८३	३०३८	मनुस्मृति	"	"	१८२२	६३	
८४	२५८६	मलमासनिर्णय	हेमाद्रि	"	१७३७	२५	
८५	३०४६	माण्डूक्योपनिषद्	"	"	२०वीं श.	१२	प्रथमाध्याय योधपुर में लिखित
८६	३६७८	मासकृत्य	"	"	१६२३	२१	
८७	३०४७	मुण्डकोपनिषद्	"	"	२०वीं श.	५	
८८	३१०३	मूलाध्यायपरिशिष्ट	कात्यायन	संस्कृत	१६वीं श.	५	
८९	११८०	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्रमूल	याज्ञवल्क्य	"	१८वीं श.	३१	
९०	१६७	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र	विज्ञानेश्वर	"	१६वीं श.	१६७	
		मिताक्षरा	"	"	"	"	
९१	३०७७	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र	"	"	१७६६	४६	प्रथमाध्याय योधपुर में लिखित
९२	३४३१	मिताक्षरा विवृति	"	"	१७२४	३०६	
		मिताक्षरा विवृति	"	"	"	"	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६३	११८६	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति प्रथमाध्याय		संस्कृत	१८वीं श.	५४	
६४	११७७	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति प्रथमाध्याय	विज्ञानेश्वर	"	१७६४	६१	
६५	११७८	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति द्वितीयाध्याय	"	"	१७६३	१०६	
६६	११७९	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति तृतीयाध्याय	"	"	१७६४	१२४	
६७	३१४५	रामायणप्रयोगविधि		"	१६वीं श.	६	रामानुजकल्पद्रु मोक्त
६८	१३२	वासुदेवोपनिषद् दीपिकाटीकासह त्रिपाठ		"	" "	४	
६९	१३१५	वेददीपटीका	महीधर	"	१८४०	७	४०वां अध्याय है।
१००	१२५०	व्रतार्क	श्रीशंकर	"	१८६४	३३४	चुडा में लिखित
१०१	२८६५	व्रतार्क		"	१८५४	३३३	पत्र ३२६, ३२८, ३२७
१०२	१६७९	शिखापत्री सार्थ	मू० नित्यानन्द स्वामी	"	१६वीं श.	१५२	अप्राप्त गुटका
१०३	३०५१	शिखोपनिषत्		"	२०वीं श.	४	
१०४	३०८६	शुद्धिविवेक	रुद्रधर	"	१६वीं श.	४२	
१०५	१३६१	श्राद्धनिर्णय		"	१८३३	१०	कौलमतानुसारी
१०६	२७	श्राद्धविवेक	रुद्रधर	"	१८६६	८६	प्रथम पत्र नहीं है।
१०७	१२६२	श्राद्धाधिकार		"	१८६३	५	कोकिलपक्षीय।
१०८	३३३६	सन्ध्यातत्त्वविवरण	रामाश्रम	"	१६वीं श.	१३६	पत्र ५ वाँ अप्राप्त। सं० १७०६ में रचित
१०९	३६६३	सन्याससहोमपद्धति	शङ्कराचार्य	संस्कृत	१६१७	१०	
११०	११६६	संस्कारपद्धति	गंगाधर	"	१८वीं श.	५६	
१११	१२७६	संस्कारपद्धति		"	१६वीं श.	१५	
११२	१२६०	संस्कारपद्धति	"	"	" "	४६	
११३	१४६५	संस्कारपद्धति	आनंदराम	"	" "	६०	
११४	३३३१	सूक्तविधान		संस्कृत	१६वीं श.	४	
११५	३०७२	सूक्तविधान	भट्टोजिदीक्षित	"	१८६७	५	
११६	१७३५	सूक्तविधान		"	१८०६	१	संख्या १७३४ संलग्न है
११७	३०६६	स्नानपद्धति	हरिहर	"	१८वीं श.	६	
११८	१२६५	स्मृतिभास्करशान्तिमयूख	नीलकण्ठ	"	१६००	१५४	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११६ १२०	२६७५ - ६१	स्मृतिसमुच्चयाह्निक स्मृत्यर्थसार	चन्द्रिनाथ	संस्कृत	१६वीं श. १६२५	५४ १६०	पत्र २२ तथा १२८वां अप्राप्त
१२१	१५१७	स्मृत्यर्थसार	श्रीधर	"	१५११	८१	पत्र ६से२६ तथा ५४ से ८० अप्राप्त । काशी में लिखित ।
१२२	११८३	स्मृत्यर्थसार आचाराध्याय	श्रीधराचार्य	"	१७६८	२७	
१२३	११८२	स्मृत्यर्थसार प्रायश्चित्ताध्याय	"	"	१७६८	३४	
१२४ १२५	१२६१ १३८६	स्वाचारदीपिका स्वाचारदीपिका	हरिशर्मा	"	१६वीं श. १८६२	१० ३२	सं० १६६७ में गुप्त- प्रयाग में रचित ।
१२६	३१७३	होलिकानिर्णय		"	१६वीं श.	४	



## कर्मकाराड

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	७७१	अग्निहोत्रहोम		संस्कृत	१८५८	३	
२	३६१	अतिक्रान्तजातककर्मादि		"	१६२४	१०	
३	१३६४	चूडाकर्मान्तानुष्ठान		"	१८२७	६	भविष्योत्तरपुराणगत
४	१५०१	अनन्तोद्यापनविधि		"	२०वीं श.	३	
५	१५०५	अन्नप्राशनकर्म		"	१६३६	५	
		( वर्धापनपद्धति )		"			
६	१३४३	अभयैकादशी वैतरणी-		"	१८३८	१३	
		एकादशी व्रतोद्यापनविधि					
७	३८६	अमृतहवनविधि		"	१८३६	२०	
८	१२२७	अवसानविधि		"	१८वीं श.	२१	
९	१६६	अश्लेषाविधान		"	१६वीं श.	४	
१०	१२६७	अश्लेषाविधान		"	१६वीं श.	२	
११	१२१८	अस्त्रोपसंहरण		"	१६वीं श.	१	
१२	१३४७	अस्थिक्षेपविधि		"	१८३८	१	
१३	१३६१	अस्थिक्षेपविधि		"	१८६८	३	
१४	१३७६	अस्थिनिक्षेपविधि		"	१८६८	३	
१५	१४०१	आतुरसंन्यासविधि		सं०गू०	१६वीं श.	२	
१६	३६०	आभ्युदयिकश्राद्ध	रामचन्द्र	संस्कृत	१८७०	१०	
१७	३५७	आराधनाप्रयोग		"	१६१२	१३	
				"	शाके	१४	
					१७४८		
१८	१०५६	आलोचनाविधि		प्रा०सं० रा०गू०	१८२३	६	सूरतबिन्दर में लिखित
१९	३६३	उपनयनादिव्रतपद्धति		संस्कृत	१६२४	१४	
२०	१६८	उपाकर्म		"	१६४३	६८	श्रावणपंचमी पूर्णमासी उपाकर्म है ।
२१	३६४	उभयैकादशीव्रतविधि		"	२०वीं श.	१०	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२	१४६४	उभयैकादशीव्रतोद्यापन-विधि		संस्कृत	१६वीं श.	७	
२३	११६५	ऋतुशांति		"	१६वीं श.	१	वासुदेवीपद्धतिगत
२४	१२३१	ऋषिपंचमीव्रतोद्यापन-विधि संक्षेप		"	१६वीं श.	२	
२५	३८८	एकवस्त्रस्नानविधि		"	१८३६	७	
२६	१३८१	एकवस्त्रस्नानविधि		"	१६वीं श.	४	
२७	१६६६	एकादशाहकर्तव्य		"	१६०२	४६	
२८	१४२६	एकोद्दिष्टश्राद्धविधि		"	१६वीं श.	५	
२९	१२६४	और्ध्वदैहिकक्रियापद्धति		"	१६वीं श.	१६	
३०	२६३३	औषधिप्रतिनिधि-क्षेपणादिग्रहण		"	१६३०	१	कृष्णदुर्गा में लिखित
३१	१४७८	कर्मदीपिका	हरिदत्त	"	१६१६	१४	
३२	३८५	कर्मानुक्रमपद्धति	राम	"	१७वीं श.	२७	प्रथम पत्र अप्राप्त
३३	१६१	कार्तवीर्यदीपदानविधि		"	१६वीं श.	२	अपूर्ण
३४	१६३	कार्तवीर्यदीपविधान		"	" "	१	
३५	१४३८	कालातिक्रमसंस्कार		"	" "	२०	
३६	१५०४	कुण्डदीपिकाविशेषवचन		"	२०वीं श.	३	
३७	१३६७	कृष्णमाण्डिशान्ति		"	१६वीं श.	३	
३८	३३०४	कृष्णजन्मोत्सवविधि		"	" "	२०	
३९	१४१६	कृष्णपूजापद्धति	श्रीधराश्रम	"	१८४२	६	
४०	१३०२	कोकिलाव्रतपूजा		"	१८६८	२	
४१	१३३२	क्रियापंचविधान		"	१८६२	५	
४२	१३६३	क्रियापद्धति ( और्ध्वदैहिकपद्धति )	विश्वनाथ	"	१८०७	१२०	
४३	३८३	क्रियापद्धति		"	१६वीं श.	१२३	अपूर्ण प्रति
४४	१२६७	क्रियापद्धति		"	१८४५	६	
४५	१२४४	क्रियापद्धति		"	१८५६	४८	
४६	१२१२	क्रियापद्धति		"	१६वीं श.	३८	
४७	३१२३	क्षत्रियसन्ध्या		"	१८४५	१३	
४८	१४३७	गर्भाधानसंस्कार		"	१६वीं श.	११	
४९	२६	गर्भाधानसीमन्त-नाम-करणचूडाकरणविधि		"	" "	५	
५०	२७२०	गायत्रीछंदोरूपव्याख्या		"	" "	१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५१	२६८१	गायत्रीतर्पण	स्वयं प्रकाशेन्द्र सरस्वती	संस्कृत	१६३४	१	हरिदुर्ग में लिखित
५२	१४८१	गायत्रीनित्यपूजाप्रयोग		"	१६१५	३२	
५३	१३७५	गायत्रीन्यास		"	१६वीं श.	२	
५४	१४५	गायत्र्यनुष्ठानविधि		संस्कृत	१६१३	४२	
५५	३०८०	गोदानविधि	पौण्डरीक-याजिरत्नाकर	"	१६०५	४	नंदीपुराणगत ।
५६	१४११	गोप्रसवविधि		"	१८३६	१	शांतिचिन्तामणिगत
५७	१५११	गोमुखप्रसवशांति		"	२०वीं श.	८	
५८	३६७७	ग्रहशांति		"	१७१५	६	सिंध क्षेत्र में लिखित
५९	२७४७	ग्रहशांतिपद्धति		"	१६२६	३२	कृष्णगढ़ में लिखित
६०	३१८३	ग्रहशांतिपद्धति		"	१६००	२३	
६१	१३१२	चत्वरपूजनविधि		"	१८४३	१	
६२	१२४०	चूडाकरणविधि		"	१८६५	६	
६३	११४७ (१)	चौबीसगायत्रीमंत्र		"	१८८४	१से२४	
६४	६१	जयसिंहकल्पद्रुम श्राद्ध-निर्णय		"	१६वीं श.	२३	रचना सं० १७०२
६५	१३०५	जीवच्छादप्रयोग	संस्कृत	"	१८६०	१०	
६६	१३६६	जीवच्छादप्रयोग		"	१६वीं श.	५	
६७	१०	जीवत्पितृकृत्य		"	" "	८	
६८	२६३६	ज्येष्ठाभिषेक		"	१६६२	६	कृष्णगढ़ में लिखित
६९	१४५५	ज्येष्ठाविधान		संस्कृत	२०वीं श.	१	
७०	१३५०	तंत्रोक्तवेदोक्तमिश्रित आगमोक्तकुशाकंडिका- होमविधि		"	१८७१	१६	
७१	२७६६	तर्पण		"	२०वीं श.	१	
७२	१२४१	तीर्थयात्राविधि		"	१८४४	३	
७३	१५०२	तुलादानपद्धति		"	२०वीं श.	४	
७४	१४५०	तुलापुरुषदानविधि		"	१६२६	२०	
७५	२८७	तुलसीपूजा	संस्कृत	"	२०वीं श.	३	
७६	३८६	तुलसीविवाह		"	१६वीं श.	५	
७७	१४१५	तुलसीविवाह		"	१८२३	३	
७८	३८०	तुलसीविवाहविधि		"	१८७२	४	
७९	२६६	त्रिकालसंध्या		"	२०वीं श.	१४	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८०	७७४	त्रिकालसन्ध्या		संस्कृत	१६वीं श.	६	
८१	७७७	त्रिकालसन्ध्या		"	२०वीं श.	६	
८२	२७१८	त्रिकालसन्ध्या		"	१८७३	४	कृष्णगढ़ में लिखित
८३	२७१६	त्रिकालसन्ध्या		"	१८७७	५	
८४	२८००	त्रिकालसन्ध्या		"	१८६६	४	मेड़ता में लिखित
८५	१३१०	त्रिपुण्ड्रधारणविधि		"	१८७८	४	
८६	२६६१	त्रिपुण्ड्रप्रमाण (पुराणोक्त)		"	१६३५	२	हरिदुर्ग में लिखित
८७	२२६५	दक्षिणकाली पूजा छंद		"	२०वीं श.	३	
८८	२३७	दर्शपूर्णमासी विधान		"	१६वीं श.	४७	
८९	१३०३	दर्शपूर्णमासेष्टि		"	" "	७	कात्यायनोक्त
९०	३३०६	दर्शश्राद्धपद्धति		"	१८४४	१८	
९१	१४४६	दशाहश्राद्धविधि		"	१६०६	५	
९२	१३११	दिक्पालपूजाविधि		"	१६वीं श.	४	
९३	१३१६	दिक्पालबलिदानविधि		"	" "	८	
९४	१३७०	दिक्पालबलिदानविधि		"	१८७४	१२	
९५	१४१२	दीपदानप्रयोग		"	१८६६	३	
९६	१७६६	दीपमालापूजनप्रकार		"	१६वीं श.	१	
९७	१२१७	दूर्वात्रिरात्र		"	" "	३	
९८	१३७१	मानसीपूजा	शङ्कराचार्य	"	" "	८	
९९	३६६	द्वात्रिंशद्देवतास्थापन-विधि		"	१८५६	१०	
१००	१४६८	द्वादशाहकृत्य		"	२०वीं श.	१६	
१०१	२६६४	नवरात्रिब्रतपूजाविधि		"	१६वीं श.	३	
१०२	१३००	नागबलि		"	१८३७	२	वृद्धशौनकोक्त
१०३	१६४६	नारदपंचरात्र पटल (२३-२४)		"	२०वीं श.	७	
१०४	१२७६	नित्यतर्पण		संस्कृत	१८६८	१६	
१०५	२८३२	नित्यतर्पण (८)		"	१७७४	१०२-१०३	गुटका
१०६	१४४२	नित्यतर्पणविधि		"	१६१६	७	
१०७	१४८०	नियममोचनविधि		"	१६१८	६	
१०८	२७३४	पंचदेवताश्राद्ध, एका-दशश्राद्ध तथा षोडशश्राद्ध (२)		"	१८६५	६-८	पुष्करारण्य क्षेत्र में लिखित ।
१०९	८८७	परिणयनविधि		"	१६वीं श.	४	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११०	८८६	परिणयनविधि		संस्कृत	१६वीं श.	६	
१११	३३०५	पवित्राविधि		"	" "	८	
११२	३३१८	पवित्रारोपणविधि		"	१८६८	६	
११३	२७०४	पितृतर्पण		"	१६२५	२	अजमेर में लिखित
११४	२७४६	पितृतर्पण		"	१६२५	३	अजमेर में लिखित
११५	१२२१	पितृपिण्डविधानश्राद्ध		"	१७२४	३	
११६	२६३५	पुण्याहवाचन, स्वस्ति-वाचन		"	१८६७	८	
११७	१२२६	पुत्तलकविधि		"	१८वीं श.	७	
११८	१४२२	पुत्तलकविधि		"	१६वीं श.	६	
११९	२६८	पुष्टिमार्गीयध्यानप्रकार		"	" "	२	
१२०	२६६७	पूजाप्रकार		"	" "	२	
१२१	१३५७	प्रतिष्ठाप्रयोग	शंकरदत्त	"	१८८४	२१	निर्णयसिन्धु प्रति-ष्ठाप्रयोगानुसारी
१२२	१०४४	प्रव्रज्याविधि		प्रा०सं० रा०गू०	१७वीं श.	१३	
१२३	१३७२	प्राणाग्निहोत्रविधि		संस्कृत	१६वीं श.	६	
१२४	२७७६	प्रातःकृत्य		"	२०वीं श.	४	
१२५	३७१	प्रायश्चित्तप्रयोग		"	१८६५	२१	
१२६	१४८६	प्रायश्चित्तप्रयोग		"	१६११	१०	श्राद्धचिन्तामणिगत
१२७	३१२६	प्रायश्चित्तप्रयोग	हेमाद्रि	"	१६२६	६	
१२८	१२२८	प्रायश्चित्तविधि ( पुरश्चरण )		"	१६वीं श.	५	
१२९	१३१८	बुधपूजनविधि		"	" "	१	
१३०	१३०४	बृहस्पतिगायत्री षोड-शोपचार, पंचोपचार-पूजा		"	" "	४	
१३१	१३६८	ब्रह्मचारिणामुच्छ्रवृत्ति-प्रस्थानविधि		संस्कृत	" "	१	
१३२	३३२१	ब्रह्मयज्ञविधि		"	१८७२	५	
१३३	३३२०	ब्रह्माद्यर्चनविधि		"	१६वीं श.	५	
१३४	३३१५	भक्तिचन्द्र ( सटीक, त्रिपाठ )	हरिहर	"	१८वीं श.	७१	अपूर्ण १५वीं कला का १५ वाँ पद्य पर्यन्त
१३५	१६४८	भक्तिहंस 'विवृतिसहित'	विट्ठल, विवृति रघुनाथ	"	२०वीं श.	१४	भक्तिरंगिणी नामक विवृति ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
१३६	१६५३	भगवद्भक्तिरत्नावली	विष्णुपुरी	संस्कृत	१८६७	२६	शाके १५५५ में वाराणसी में रचित
१३७	५४	भगवद्भक्तिरत्नावली ( सटीक )		"	१६वीं श.	६६	नवमाँ विरचन के प्रथम श्लोक पर्यन्त पश्चात् अपूर्ण पत्र ७३ से ८६ तक अप्राप्त ।
१३८	१२४७	भट्टोजीदीक्षितानां पद्यानि		"	१८६२	२	
१३९	१३१३	भूतशुद्धि, प्राणप्रतिष्ठा, अजपासंकल्प, अन्त-मार्तृका न्यासादि		"	१६वीं श.	१७	
१४०	१३२८	भौमपूजनविधि		"	१६वीं श.	५	
१४१	१२६३	मंडपादिपूजनविधि		"	१६वीं श.	४	
१४२	१३४६	महामायापूजनविधि		"	१८६८	२६	
१४३	२५६	महाविष्णुपूजाविधि		"	१६वीं श.	७	
१४४	२७२८	मुद्राप्रकरण		"	१८६१	१०	शिवाचनचंद्रिकागत
१४५	२६७२	मुद्रालक्षण		"	१६वीं श.	१	ब्रह्माण्डपुराणगत
१४६	२२६	मूलविधान		"	" "	३	
१४७	१४५१	मूलविधान		"	१६२८	८	
१४८	३१३६	यज्ञोपवीतकर्मविधि		"	१६०१	७	जयनगर में लिखित
१४९	१२५६	यज्ञोपवीतविधि		"	१८५४	३	कृष्णभट्टपद्धतिगत
१५०	२६८०	यज्ञोपवीतविधि		"	१६३३	८	कृष्णगढ़ में लिखित
१५१	१३५४	युग्मजननशान्तिविधि		"	१८६८	४	
१५२	१३७८	रजस्वलामरणविधि		"	१७५३	५	
१५३	१३४५	राजपट्टाभिषेकपद्धति		"	१८३३	४	मोर्वी में लिखित
१५४	१२७५	रामनवमीव्रतोद्यापन		"	१८२५	७	
१५५	१२७८	रामनवमीव्रतोद्यापन विधि		"	१८५३	७	
१५६	१३५५	राहुपूजाविधि		"	१८६१	२	
१५७	१२३७	रुद्रपद्धति	नारायण भट्ट	"	१८२६	६७	
१५८	१३३८	रुद्रपद्धति	परशुराम	"	१८१५	४६	सं० १५१५ में रचित
१५९	१३६३	रुद्रपीठदेवतास्थापन-विधि		"	१६वीं श.	२	स्कन्दपुराणगत
१६०	७८६	रुद्रपुष्पांजलि		"	२०वीं श.	१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६१	१३८०	रुद्रीजापविधि		संस्कृत	१६वीं श.	४	
१६२	१४३०	लक्ष्मपार्थिवलिङ्गपूजोद्या- पनविधि		"	१८६१	८	
१६३	१३८३	लक्ष्मपुष्पिकोद्यापनविधि		"	१८२७	६	स्कन्दपुराणगत
१६४	१२८३	लक्ष्मीपूजनपद्धति		संस्कृत	१६वीं श.	२	
१६५	२७०३	लक्ष्मीसरस्वतीपूजाविधि		"	२०वीं श.	२	
१६६	१४६	लघुग्रहशान्ति		"	१८६५	१५	
१६७	१११८	लघुतपोधिकार		"	१७वीं श.	३	
१६८	३११	वटसावित्रीपूजाविधि		"	शाके १७४६	४	
१६९	१३२०	वापीकूपतडागप्रतिष्ठा- विधि (जलोत्सर्गपद्धति)		"	१८४५	२२	
१७०	२५८	वापीकूपतडागादिजल- प्रतिष्ठाविधान		"	१६वीं श.	७	
१७१	१३२१	वास्तुपद्धति (ऋग्वेदीया)		"	" "	१६	
१७२	३७८	वास्तुपूजापद्धति		"	१८५२	१३	
१७३	१४०६	वास्तुशान्तिपद्धति		"	१८३८	२०	लांगुलपुर में लिखित
१७४	३२२८	वास्तुशान्तिपद्धति		"	१६२६	१५	
१७५	१२८५	वास्तुशान्तिप्रयोग		"	१६वीं श.	४३	शिवराम विरचित गोभिलकगृह्यपद्धतिगत
१७६	१२६८	विनायकपूजनविधि		"	१८८८	१३	
१७७	१४८६	विनायकवेदिकालक्षण		"	२०वीं श.	१	
१७८	२३७३ (४)	विभूतिधारणविधि		संस्कृत	१८७३	३०-३२	
१७९	१३५१	विवाहपद्धति		"	१८५२	८	गृह्यपरिशिष्टगत
१८०	१४३२	विवाहपद्धति		"	१८२३	२६	
१८१	३११८	विवाहपद्धति		"	१६वीं श.	२३	
१८२	३६६५	विवाहपाटी (पाठ)		"	" "	५	
१८३	१४६५	विष्णुतर्पणविधि		"	१८३२	३	
१८४	३५६	विष्णुयाग		"	१६वीं श.	८७	
१८५	१२१६	विष्णुयागपद्धति		"	१७७७	१७	आमरण में लिखित
१८६	१२८७	विष्णुयागपद्धति		"	१८४४	११	
१८७	१२६१	विष्णुयागपद्धति (प्रयोग)	अनंतदेव	"	१८८४	१५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
१८८	८४३	विष्णुषोडशोपचारपूजा		संस्कृत	१६वीं श.	५	
१८९	२८८५	विष्णुसहस्रनामार्चन		"	" "	२४	
१९०	३८४	वृद्धिश्राद्धविधि		"	" "	८	
१९१	१२४४	वृद्धिश्राद्धविधि		"	१८६५	६	
१९२	१५१३	वृद्धिश्राद्धविधि		"	१९०१	५	
१९३	३१३८	वैतरणीदानविधि तथा महिषीदानविधि		"	२०वीं श.	१४	
१९४	१२३३	वैतरणीधेनुदानविधि		"	१७६३	५	
१९५	१४६६	वैतरणीव्रतोद्यापनविधि		"	१६वीं श.	४	
१९६	१५१२	वैधृतव्यतिपातसंक्रान्ति- शान्ति		"	" "	४	शान्तिमयूखगत
१९७	६०४	वैश्वानरआहुतिआदि		"	१८वीं श.	६	मक्त्यपुराणगत
१९८	१४५६	व्यासपूजा		"	१९२४	७	
१९९	२५६०	व्यासपूजा सयंत्र		"	१७१६	२	
२००	७७६	व्रतबन्ध		"	१९०६	११	
२०१	७७३	व्रतोद्यापनविधि		"	१७६६	६	श्रीखड्डीपुर में लिखित
२०२	२१४	शतचंडीविधानपद्धति		"	१८६०	५६	नवानगर में लिखि
२०३	७८८	शान्तिकविधि		"	२०वीं श.	५	
२०४	२७७	शान्तिमयूख	भट्टनीलकण्ठ	"	१६वीं श.	१०६	पत्र ४६से४६ तक
२०५	२४४	शिवपूजनविधि	कात्यायन	"	२०वीं श.	१३	अप्राप्त
२०६	३७३	शिवपूजनविधि		"	१८६०	२४	
२०७	१२८६	शिवपूजनहवनविधि		"	१८७३	१२	
२०८	१६०	शिवरात्रीव्रतोद्यापनविधि		"	१६वीं श.	११	
२०९	३६२	शिवलिङ्गप्रतिष्ठापद्धति		"	१८४३	१३	
२१०	१४४१	शिवलिङ्गप्रतिष्ठापद्धति		"	१६३४	६	
२११	१४२३	शूद्रकर्तृ कलक्षहोमात्म- कप्रहयज्ञ		"	१८६२	१६	धोल में लिखित
२१२	३०८	श्राद्धकल्प (आपस्तम्ब)		"	शाके १७४६	१६	
२१३	१२२२	श्राद्धकल्प		"	१७३७	६	वाजसनेयी, ममेवडी में लिखित
२१४	१४१७	श्राद्धकल्प	कात्यायन	"	१८७६	७	
२१५	१७०	श्राद्धपद्धति	राम	"	१८५६	४६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
२१६	१२११	श्राद्धपद्धति		संस्कृत	१६वीं श.	१२	श्राद्धकाशिकोक्त
२१७	१२५४	श्राद्धपद्धति		"	१६३५	३१	
२१८	१३२६	श्राद्धपद्धति		"	१८१६	८	
२१९	१३३६	श्राद्धपद्धति		"	१८०३	११	
२२०	१४२१	श्राद्धपद्धति ( पार्वण- श्राद्धविधि )		"	१८६६	१५	
२२१	१४७२	श्राद्धपद्धति		"	१६०५	२५	श्राद्धमयूखगत ज्ञानार्णवगत
२२२	३१३२	श्राद्धपद्धति		"	१८३८	१२	
२२३	१३६०	श्राद्धप्रयोग		"	१६वीं श.	६	
२२४	२७२७	श्राद्धविधान		"	१८६२	३	
२२५	१७१	श्राद्धविधि (श्राद्धारंभ)		"	१६वीं श.	१६	
२२६	३६८०	श्राद्ध (तर्पण) विधि		"	१५६८	६	पत्तन में लिखित
२२७	१२५८	श्रावणिकापूजनविधि		"	१६वीं श.	२	
२२८	२७६	श्रावणी उपकर्म		"	शाके १७४४	२४	
२२९	२३८	श्रीकण्ठमातृकान्यास		"	१६वीं श.	५	
२३०	१२६२	श्रीकण्ठमातृकान्यास		"	१८६८	६	
२३१	१३४०	षडष्टप्रायश्चित्तविवि		"	१६वीं श.	३	मंत्रमहोदधिगत । कुन्तीयाणां में लिखित
२३२	१४०७	पोडशारचक्रनिर्माण- प्रकार		"	१८२७	२	
२३३	१८८२ (१४६)	पोडशोपचारपूजा		ब्रज०	१६वीं श.	७७-७८	
२३४	२७७१	पोडशोपचारपूजा		संस्कृत	, "	१	
२३५	१३२७	पोडशोपचारपूजाविधि		"	" "	१०	
२३६	१३०८	सकलदानसामान्यविधि		"	१८१३	३	पत्र २रा अप्राप्त
२३७	१३१६	सकलशुभकर्मविधि		"	१८४३	३२	
२३८	२६२४	संकल्पश्राद्ध		"	१६०१	११	
२३९	१३४८	संक्षिप्तदानप्रयोग		"	१८५७	१३	
२४०	१४१३	संक्षिप्तदेवप्रतिष्ठाविधि		"	१८२७	८	
२४१	८१३	संक्षिप्तसन्ध्या		"	१६वीं श.	१	
२४२	२८१६	संक्षिप्तसन्ध्याविधि		"	१६२१	५	
२४३	३०४	सन्ध्या		"	२०वीं श.	१४	
२४४	११६६	सन्ध्या		"	१६वीं श.	५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२४५	२६७४	संन्ध्या		संस्कृत	१८८७	३	आचारादर्शगत । कृष्णागढ़ में लिखित
२४६	२७६५	संन्ध्या		"	२०वीं श.	५	
२४७	२६६१	संन्ध्यातर्पण		"	१८८७	६	कृष्णागढ़ में लिखित
२४८	२६६२	संन्ध्यानुक्रमकारिका	सर्वेश्वर	"	१८८७	३	" "
२४९	१८७५ (२)	संन्ध्याप्रयोग		"	१८८६	१३-७७	गुटका
२५०	२८८	सनन्यासकर्मपद्धति		"	२०वीं श.	१०	गुटका कृति
२५१	३३३	सनन्यासपद्धति		"	१८६६	६५	
२५२	१२८६	सनन्यासिनांसमाराधन- विधि		"	१६वीं श.	३	
२५३	२२८	समयमयूख	नीलकंठ भट्ट	"	" "	६४	
२५४	७५६	सरामणो		सं०गू०	१८३५	५	
२५५	७७२	सरामणो तथा कागवास		सं०रा० गू०	१८७४	५	मानकूआ में लिखित
२५६	१४१४	सर्पबलिसंक्षेप		संस्कृत	१८२२	५	
२५७	१२७३	सर्वतोभद्रदेवताव्रतोद्या- पनविधि		"	२०वीं श.	१३	
२५८	१४५७	सर्वदेवपीठस्थापनाभि- धानपद्धति		"	१६३६	५६	
२५९	३७४	सर्वदेवसाधारणप्रतिष्ठा विधि	शिवराम	"	१६वीं श.	६	ग्रन्थकर्ताकृत मंत्र चिन्तामणि नामक ग्रन्थ का प्रकरण है कृष्णागढ़ में लिखित
२६०	२७४३	सर्वसंस्कारपद्धति	पद्मानाभदीक्षित	"	१६१६	३२	
२६१	१८६४	सामायिक		"	१६वीं श.	१	
२६२	१८६५	सामायिक		"	१६०४	१	
२६३	१४५३	सार्वदेविकीपद्धति	पूजामृत	"	१६२६	४३	
२६४	३६५	सीमन्तोन्नयनसंस्कार- पद्धति		"	१६०२	५	
२६५	१२३२	सूतक (प्रकरण) सटीक		"	१७३७	१२	पत्र १० वां अप्राप्त
२६६	१२६८	सूतकादिविधिसार्थ		मू०सं० गू०	१८२४	२०	नवानगर में लिखित
२६७	१४१६	सूर्यमण्डलपूजनविधि		सं०	१६वीं श.	३	
२६८	३५४७ (२)	सूर्यव्रतप्रभाव		"	१६वीं श.	१ ला	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२६६	१३०१	सूर्यव्रतोद्यापनविधि	गंगाधरभट्ट	सं०	१८५४	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
२७०	८८५	सूर्यार्घदानविधि		"	शाके १७३४	६	भुजपत्तन में लिखित
२७१	१३४६	सूर्यार्घदानविधि		"	१८२७	४	मोरबी में लिखित
२७२	१४५६	सूर्यार्घप्राणप्रतिष्ठादि		"	१६३५	११	
२७३	१३६६	स्मार्तपदार्थसंग्रह ( प्रयोगपद्धति )		"	१८३१	६२	
२७४	१२४६	स्वस्तिवाचन		"	१८६५	६	
२७५	१६४७	स्वस्तिवाचनकारिका		"	१६वीं श.	१२	
२७६	२६३१	स्वस्तिवाचादि		"	१६वीं श.	२	
२७७	२६१	हनुमद्दीपदानविधि		"	२०वीं श.	७	सुदर्शनसंहितागत
२७८	२७०	हनुमद्दीपदानविधि		"	१६वीं श.	८	" "
२७९	३३१	हनुमद्दीपदानविधि		"	१६वीं श.	१७	" "
२८०	१४७६	हवनविधिकुशकांडिका		"	१६१८	१६	
२८१	१८	हेमाद्रिप्रयोग		"	१६वीं श.	४	
२८२	१२०६	हेमाद्रिप्रयोग		"	१६वीं श.	७	
२८३	३३३४	हेमाद्रिप्रयोग		"	१७७३	४	दंतपुर में लिखित



## पुराण

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१७७	अधिकमासमाहात्म्य		संस्कृत	१७६८	६२	स्कन्दपुराणगत
२	१७२२	अध्यात्मरामायण		"	१८५६	१०७	
३	२१०	अध्यात्मरामायण उत्तरकाण्ड		"	शाके १७४८	३२	
४	२०६	अध्यात्मरामायण किष्किंधाकाण्ड		"	१६वीं श.	१२२	
५	२०७	अध्यात्मरामायण वालकाण्ड		"	" "	२८	
६	२०८	अध्यात्मरामायण युद्धकाण्ड		"	" "	५२	
७	२०६	अध्यात्मरामायण सुन्दरकाण्ड		"	" "	१६	
८	२८५०	अरुणाद्रिमाहात्म्य		"	" "	५६	शिवपुराणगत ।
९	१८६० (६८)	अर्जुनगीता	धरमदास	रा०	" "	७६-७६	
१०	३२६७	अर्जुनगीता		संस्कृत	१७८४	७	
११	३२७६	अर्जुनगीता		"	१८५१	१२	पाटण में लिखित
१२	८६३	अवतारगीता	नरहरिदास	ब्रज०	१८११	६०४	
१३	२२१६	अवतारगीता	वारहट नरहरिदास	रा०	१८२६	६१	पुनरासर में लिखित सं० १७३३ में पुष्कराण्य में रचित ।
१४	१८६६	अश्वमेध की कथा पुराण	जयमुनि	ब्र० हि०	१८६०	१७४	गुटका । पद्यरचना है
१५	८३६	अष्टादशपुराणनामानि		सं०	१६वीं श.	१	
१६	३०७०	आश्विनीइन्दिराकृष्णा- माहात्म्य		"	" "	२	ब्रह्मवैवर्तपुराणगत
१७	३२८४ (४)	एकादशीमाहात्म्य	हरिदास	गू०	१८१६	१-११	राधनपुर में लिखित सं० १६४७ में रचित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८	२८६३ (५७)	एकादशीवर्णन		गू०	१७वीं श.	६६वाँ	
१९	१३६०	कर्मविपाक		"	" "	५	
२०	६३३	कलियुगमाहात्म्य (पद्य)		रा०गू०	१८६८	२	मानकुआ में लिखित
२१	३६७६	कात्यायनीमाहात्म्य		संस्कृत	१७४८	८७	स्कन्दपुराणगत, अम- दाबाद में लिखित ।
२२	३०८५	कार्तिककृष्णैकादशी- माहात्म्य		"	१८६८	४	ब्रह्मवैवर्तपुराणगत
२३	२६४२	कार्तिकमाहात्म्य		"	१९वीं श.	३६	पत्र १, २६ तथा ३०वां अप्राप्त । पद्मपुराणगत ।
२४	३०६२	कार्तिकमाहात्म्य		"	१६०१	२५	जयनगर में लिखित पद्मपुराणगत ।
२५	३०६५	कार्तिकमाहात्म्य		"	१८६८	४०	पद्मपुराणगत ।
२६	१८७८	कार्तिकमाहात्म्य		"	१८८८	३८	पद्मपुराणगत ।
२७	१८७६	कार्तिकमाहात्म्य भाषा- टीका सहित		मू०सं० टी०ब्र०	१९वीं श.	५३	रामगढ़ में लिखित अपूर्ण
२८	२८५१	केदारकल्प		संस्कृत	१८६७	२५	शिवपुराणगत
२९	२८३८	कैलाशसंहिता		"	१९वीं श.	६३	
३०	३०१	गजेन्द्रमोक्ष		"	१९वीं श.	२२	महाभारतगत
३१	२८७६ (५)	गजेन्द्रमोक्ष		"	१९वीं श.	१-४४	
३२	३१७५	गजेन्द्रमोक्ष		"	१६०३	१४	महाभारतगत
३३	७५४	गरुडपुराणः (सस्तवक)		मू०सं० स्त०रा०	१८०२	३५	बाह्रडमेर में लिखित
३४	३७००	गर्भगीता		संस्कृत	१९वीं श.	४	
३५	३६६७	चतुर्विंशतिंकादशी- माहात्म्य		"	१७४७	२०	ब्रह्मवैवर्तपुराणगत सरस्वतीपत्तन में लिखित ।
३६	२३७६ (४)	चतुःश्लोकी भागवत		"	२०वीं श.	१२से१३	
३७	२६०० (६)	चतुःश्लोकी भागवत		"	१८२५	१२ वाँ	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
३८	२६०१ (६)	चतुःश्लोकी भागवत		संस्कृत	१८२३	१२ वाँ	
३९	७४५	चतुःश्लोकी भागवतसार्थ		सं०गु०	१८३६	५	
४०	२७०१	चतुःश्लोकी व्याख्या	वल्लभदीक्षित	सं०	२०वीं श.	४	भागवतगत ।
४१	२७१० (१४)	चतुःश्लोकी शिक्षा		"	१६२५	११ वाँ	
४२	७४६	जालंधरपुराण	हरदास	रा०गु०	२०वीं श.	४३	
४३	२३६८ (५)			"	१६वीं श.	३७से४०	
४४	२५८८	दशावतारावतरणहेतु- ज्ञापन		"	१६वीं श.	१	
४५	३०६४ १०६७	दानोपाख्यान दीपालिकाकल्प सस्तबक	जिनसुन्दर	सं०रा० गु०	१६१२ १८७८	५ ५६	पद्मपुराणगत । रचना सं० १४८३
४७	६३८	दीपोत्सवीकल्प सार्थ		"	१८वीं श.	१६	
४८	२७१० (१७)	पंचपद्यानि		सं०	१६२५	१२ वाँ	
४९	२५६६ १७८	पद्मपुराण अध्याय १ से ५ पद्मिन्येकादशीमाहात्म्य		"	१७७६ १६वीं श.	८ ५	स्कन्दपुराणान्तर्गत अधिकमासमाहा- त्म्यगत ।
५१	२१५	पवित्राद्वादशीव्रत ( नारदीयपुराणगत )		"	" "	३	
५२	३१६०	पांडवगीता		"	१६१८	१३	
५३	३२७३	पांडवगीता		"	१६वीं श.	१८	अणहिलपुर पाटण में लिखित ।
५४	१६५२	पांडवगीता सार्थ		सं०गु०	१८६७	१६	
५५	२८६७	पितृगीता		सं०	१६वीं श.	१	पद्मपुराणगत ।
५६	३०७१	पुरुषोत्तममाहात्म्य		"	१६४२	८६	स्कन्दपुराणगत, जयपुर में लिखित ।
५७	११४६	प्रवीणसागर		ब्र०हि०	१६वीं श.	३३६	
५८	२८६६	फाल्गुनशुक्लैकादशी- माहात्म्य		सं०	" "	१	नागमंडल वास्तव्यजोसिसो- मात्मजद्वारा लिखित
५९	१४२	बृहन्नारदीयपुराण		"	१८४०	१२३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६०	२८६२	ब्रह्माण्डपुराण भाषा तथा पद्मपुराण भाषा		रा०	१८०६	२से११३	गुटका पत्र १०५वां में संवत् है ।
६१	३६८६	ब्रह्मोत्तरखंड		संस्कृत	१८२५	११७	स्कन्दपुराणगत
६२	२८२६	ब्रह्मोत्तरपुराण		"	१८६५	५७	जयनगर में लिखित
६३	१२८	भगवद्गीता		"	१७६८	६६	
६४	७४६	भगवद्गीता		"	१७६६	६३	भुजनगर में लिखी
६५	७५५	भगवद्गीता		"	१८७८	४०	मानकूआ गांव में लिखित
६६	१८७५ (३)	भगवद्गीता		"	१६वीं श.	७७से१८६	गुटका खंडित ।
६७	२३७० (१)	भगवद्गीता		"	१६००	११५	गुटका । कृष्णगढ़ में लिखित ।
६८	२३७२ (१)	भगवद्गीता		"	१८५७	१२८	गुटका
६९	२५६५	भगवद्गीता		"	१८५६	२३	लाडरू में लिखित
७०	२६०० (१)	भगवद्गीता		"	१८२५	१से६	
७१	२६०१ (१)	भगवद्गीता		"	१८२३	१से६	
७२	२६०२	भगवद्गीता		"	१८५६	१३	
७३	२८७६ (१)	भगवद्गीता		"	१६वीं श.	१-१६८	गुटका । इस गुटका की सर्व कृतियों में चित्र ८ हैं ।
७४	३११३	भगवद्गीता		"	१८वीं श.	५८	प्रथम पत्र में शोभन पत्र ४५ वां अप्राप्त
७५	३३३३	भगवद्गीता		"	१८४६	१६८	
७६	२५६२	भगवद्गीता सटीक	हरिदास	टी०ब्र०	१८४७	४६	टीकारचना पद्यमय
७७	२५६४	भगवद्गीता सुबोधिनी-टीका सहित	श्रीधर	संस्कृत	१८वीं श.	६०	
७८	८६२	भगवद्गीता भाषाटीका	जसवंतसिंह	ब्र०हि०	१६वीं श.	४०	
७९	२८६१ (१)	भगवद्गीताभाषाबन्ध-गीतासार		रा०	१६वीं श.		गुटका
८०	१२७	भगवद्गीता सभाष्या	भा० शंकर	संस्कृत	१६७४	१६३	पि (ख) रुआ नाम गांव में भीम भट्ट ने लिखी ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८१	७५०	भगवद्गीता अर्थसहित		सं. अ. ब्र.	१८०३	८८	तलवाडा में लिखित
८२	३२३०	भगवद्गीता सार्थ		सं. अ. गू.	१८१५	१६६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
८३	३०६६	भद्राचतुर्थीव्रत		संस्कृत	१६वीं श.	२	वामनपुराणगत।
८४	३३३८	भागवत मूल	वेदव्यास	"	१७वीं श.	६४१	दशमस्कन्ध पर्यन्त। प्रत्येक स्कन्ध की पत्र सं. क्रमशः इस प्रकार है ४३, २४, ७६, ७२, ५८, ४२, ४०, ४७, १६ प्रथमस्कन्ध के पत्र १ से १८ अप्राप्त।
८५	७४३	भागवत चतुर्थस्कन्ध	"	"	१६वीं श.	१६०	
८६	१२४	भागवतपुराण दशम- स्कन्ध	"	"	१७७६	२८२	
८७	१२६	भागवतपुराण एकादश- स्कन्ध	"	"	१७५६	५४	
८८	२६३७	भागवत सटीक प्रथम- स्कन्ध	मू० वेदव्यास टी० श्रीधर	"	१७वीं श.	१४२	अपूर्ण
८९	४१ (१)	भागवतपुराण सटीक प्रथमस्कन्ध	" "	"	१६वीं श.	८७	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा- लंकृत
९०	१६१५	भागवत सटीक त्रिपाठ प्रथमस्कन्ध	" "	"	१६वीं श.	७४	
९१	१११	भागवत सटीक त्रिपाठ प्रथमस्कन्ध	" "	"	१६वीं श.	७४	
९२	४१ (२)	भागवतपुराण सटीक द्वितीयस्कन्ध	" "	"	१६वीं श.	४६	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा लंकृत।
९३	१६१६	भागवत सटीक त्रिपाठ द्वितीयस्कन्ध	" "	"	" "	४३	
९४	११२	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ द्वितीयस्कन्ध	" "	"	" "	४३	
९५	१२३	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ द्वितीयस्कन्ध	टी० वल्लभ- दीक्षित	"	" "	२५६	
९६	१६६८	भागवत सटीक द्वितीयस्कन्ध	"	"	१७७१	६६	पत्र १ से ३६ अप्राप्त



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
६७	१६६७	भागवत तृतीयस्कन्ध सटीक	मू०वेदव्यास टी० श्रीधर	संस्कृत	१६वीं श.	१००	अपूर्ण, अध्याय २ पूर्ण २२ वां अपूर्ण
६८	१६१७	भागवत सटीक त्रिपाठ तृतीयस्कन्ध	" "	"	१६वीं श.	११८	
६९	४१ (३)	भागवतपुराण सटीक तृतीयस्कन्ध	" "	"	" "	१४५	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा- लंकृत ।
१००	११३	भागवतपुराण सटीक तृतीयस्कन्ध	" "	"	" "	११८	
१०१	१६१८	भागवतपुराण सटीक चतुर्थस्कन्ध	" "	"	" "	६७	
१०२	४१ (४)	भागवतपुराण सटीक चतुर्थस्कन्ध	" "	"	" "	१३१	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा- लंकृत ।
१०३	११४	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ चतुर्थस्कन्ध	" "	"	" "	६७	
१०४	१६१९	भागवत सटीक त्रिपाठ पंचमस्कन्ध	" "	"	" "	८३	
१०५	११५	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ पंचमस्कन्ध	" "	"	१८६८	८३	
१०६	४१ (५)	भागवतपुराण सटीक पंचमस्कन्ध	" "	"	१६वीं श.	१०५	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा- लंकृत ।
१०७	३०३७	भागवत सटीक पंचम- स्कन्ध त्रिपाठ	" "	"	" "	७०	
१०८	१६२०	भागवत सटीक त्रिपाठ षष्ठस्कन्ध	" "	"	" "	६२	
१०९	२८६४	भागवत सटीक त्रिपाठ षष्ठस्कन्ध	" "	"	१८५१	५५	पत्र १ तथा ३० वां अप्राप्त ।
११०	४१ (६)	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ षष्ठस्कन्ध	" "	"	१६वीं श.	७७	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा- लंकृत ।
१११	११६	भागवत सटीक त्रिपाठ षष्ठस्कन्ध	" "	"	" "	६२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११२	११७	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ सप्तमस्कन्ध	मू० वेदव्यास टी० श्रीधर	संस्कृत	१६वीं श.	६०	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा-लंकृत ।
११३	४१ (७)	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ सप्तमस्कन्ध	" "	"	" "	७२	
११४	१६२१	भागवत सटीक त्रिपाठ सप्तमस्कन्ध	" "	"	" "	६७	
११५	१६२२	भागवत सटीक त्रिपाठ अष्टमस्कन्ध	" "	"	" "	५८	
११६	११८	भागवत सटीक त्रिपाठ अष्टमस्कन्ध	" "	"	" "	५८	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा-लंकृत ।
११७	४१ (८)	भागवत सटीक त्रिपाठ अष्टमस्कन्ध	" "	"	" "	७२	
११८	४१ (९)	भागवतपुराण नवम-स्कन्ध सटीक	" "	"	" "	५६	
११९	१६२३	भागवत सटीक त्रिपाठ नवमस्कन्ध	मू० वेदव्यास	"	१६वीं श.	५१	
१२०	३३२७	भागवत नवमस्कन्ध सटीक	मू० वेदव्यास	"	१८वीं श.	५१	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा-लंकृत । अध्याय १ से ४६ पर्यन्त
१२१	११९	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ नवमस्कन्ध	" " टी० श्रीधर	"	१६वीं श.	५१	
१२२	१२०	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ दशमस्कन्ध	" "	"	१८६६	२२४	
१२३	३३१०	भागवत सटीक दशम-स्कन्ध पूर्वार्द्ध त्रिपाठ	मू० वेदव्यास	"	१८वीं श.	१४६	
१२४	४१ (१०)	भागवतपुराण सटीक दशमस्कन्ध पूर्वार्ध	वेदव्यास टी० श्रीधर	"	१६वीं श.	१६६	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा-लंकृत । अध्याय १ से ४६ पर्यन्त
१२५	३३३७	भागवत सटीक त्रिपाठ दशमस्कन्ध पूर्वार्ध	" "	"	१६४७	१४४	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२६	१६२४	भागवत सटीक त्रिपाठ दशमस्कन्ध पूर्वार्ध	मू० वेदव्यास टी० श्रीधर	संस्कृत	१६वीं श.	१४४	
१२७	१६२५	भागवत सटीक त्रिपाठ दशमस्कन्ध उत्तरार्ध	" "	"	१६वीं श.	१२७	
१२८	७४२	भागवत दशमस्कन्ध सटीक उत्तरार्ध	" "	"	१८५३	१७६	
१२९	३३२८	भागवत दशमस्कन्ध सटीक उत्तरार्ध	" "	"	१८०२	१२८	मालपुरा में लिखित
१३०	४१ (११)	भागवतपुराण सटीक दशमस्कन्ध उत्तरार्ध	" "	"	१६वीं श.	१४५	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा-लंकृत । अध्याय ५० से ६० पर्यन्त ।
१३१	१६२६	भागवत सटीक त्रिपाठ एकादशस्कन्ध	" "	"	१८वीं श.	१४८	
१३२	४१ (१२)	भागवतपुराण सटीक एकादशस्कन्ध	" "	"	" "	१४५	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा-लंकृत ।
१३३	१२१	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ एकादशस्कन्ध	" "	"	" "	१४६	
१३४	४१ (१३)	भागवतपुराण सटीक द्वादशस्कन्ध	" "	"	१६वीं श.	४४	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरा-लंकृत ।
१३५	१६२७	भागवत सटीक त्रिपाठ द्वादशस्कन्ध	" "	"	" "	४८	
१३६	१२२	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ द्वादशस्कन्ध	" "	"	१८६६	४८	
१३७	३५६५ (३)	भागवतएकादशस्कन्ध भाषा ( पद्य )	चत्रदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	२६२-३७०	
१३८	१२५	भागवतदशमस्कन्धानुवाद		रा०	१८२७	७५	
१३९	२३२५	भागवतपंचमाध्यायभाषा	नन्ददास	ब्र०हि०	१८७८	२५	बीकानेर में लिखित
१४०	२८६३	भागवतभाषानुवाद पद्य	ब्रजदासी	"	१६वीं श.	१३५	स्कन्ध १ से ३ पर्यन्त
१४१	२८६४	भागवतभाषानुवाद पद्य	ब्रजदासी	"	" "	५७	चतुर्थस्कन्ध
१४२	२८६५	भागवतभाषानुवाद पद्य	ब्रजदासी	"	१८४०	१०८	स्कन्ध ७ से ९ पर्यन्त



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४३	११५०	भागवतमाहात्म्य भाषा आदिपुराण भाषा सारसंग्रह रसपुंज (रंगभर) ग्रन्थ नेहविधि	सुन्दरकुंवर	ब्र०	१६वीं श.	२२४	
१४४	२५६७	भागवतसप्ताहश्रवण- विधि		सं०	१७८१	३	पद्मपुराणगत ।
१४५	६१८	भोगलपुराण सार्थ		मू०सं० अ०रा०	१६वीं श.	८	
१४६	३२५६	भोगलशास्त्र (भूगोल)		रा०गु०	१८८७	१६	
१४७	२८६३ (११३)	मगधादिदेश के नगर तथा ग्राम संख्या		"	१७वीं श.	१६८वाँ	
१४८	१५१	मलिम्लुचमाहात्म्य		सं०	२०वीं श.	४	स्कन्दपुराणगत
१४९	२८२७	मार्कण्डेयपुराण		सं०	१६वीं श.	२१०	अंत्य २११ वाँ तथा २१२ वाँ पत्र अप्राप्त
१५०	१५७६ (१)	मौद्रलपुराण प्रथमखंड सचित्र		"	१६११	१०३	चित्र संख्या ५२
१५१	१५७६ (२)	मौद्रलपुराण द्वितीयखंड सचित्र		"	१६११	७६	चित्र संख्या ७२
१५२	१५७६ (३)	मौद्रलपुराण तृतीयखंड सचित्र		"	शाके १७७६	१०५	चित्र संख्या ४२
१५३	१५७६ (४)	मौद्रलपुराण चतुर्थखंड सचित्र		"	१६११	११३	चित्र संख्या ५२
१५४	१५७६ (५)	मौद्रलपुराण पंचमखंड सचित्र		"	१६११	६०	चित्र संख्या ५३
१५५	१५७६ (६)	मौद्रलपुराण षष्ठखंड सचित्र		"	१६११	१२७	चित्र संख्या ४५
१५६	१५७६ (७)	मौद्रलपुराण सप्तम खंड सचित्र		"	१६११	४६	चित्र संख्या २१
१५७	१५७६ (८)	मौद्रलपुराण अष्टमखंड सचित्र		"	१६११	६०	चित्र संख्या ४६
१५८	१५७६ (९)	मौद्रलपुराण नवमखंड सचित्र		"	१६११	८८	चित्र संख्या ३८
१५९	१५७६ (१०)	मौद्रलपुराण अवशिष्ट चित्रपत्र		"	१६११	२०	चित्र संख्या २०



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६०	१८८३	रेणुकामाहात्म्य		संस्कृत	१६४६	४२	पत्र ३रा अप्राप्त स्कन्दपुराणगत
१६१	२८२५	लघुनारदीयपुराण		"	१८८२	८७	
१६२	२८३६	वायवीयसंहिता		"	१६वीं श.	३६	शिवपुराणगत
१६३	१२५१	वासुदेवमाहात्म्य टिप्पणसहित		"	" "	५४ (४८+६)	स्कन्दपुराणगत
१६४	४४	व्यतिपातमाहात्म्य		"	२०, " "	३	स्कन्दपुराणगत
१६५	२८४३	शिवपुराण		"	१८६६	१३०	
१६६	३२१५	शिवपुराण		"	१६२६	७६	
१६७	२८४०	शिवमाहात्म्य		"	१६वीं श.	११	स्कन्दपुराणगत
१६८	२८४१	शिवमाहात्म्य		"	" "	२३	स्कन्दपुराणगत
१६९	२८४२	शिवसंहिता		"	" "	५०	आदिपुराणगत दक्षकाण्डपर्यन्त ।
१७०	२८४४	शिवसंहिता		"	" "	४३	आमुरकाण्ड
१७१	२८४५	शिवसंहिता (शंकरसंहिता)		"	" "	२२	वीरमाहेन्द्रकाण्ड
१७२	२८४६	शिवसंहिता		"	" "	१००	युद्धकाण्ड
१७३	२८४७	शिवसंहिता		"	१८६५	१४०	सम्भवकाण्ड
१७४	२८४८	शिवसंहिता		"	१६वीं श.	२६	देवकाण्ड
१७५	२८४९	शिवसंहिता		"	१८६६	२११	उपदेशकाण्ड
१७६	२३७६ (३)	सप्तश्लोकीगीता		सं०	२०वीं श.	११से१२	
१७७	२६०० (५)	सप्तश्लोकीगीता		"	१८२५	१२वाँ	
१७८	२६०१ (५)	सप्तश्लोकीगीता		"	१८२३	११वाँ	
१७९	६०१	सार.गीता (गद्य)	तुलसीदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	५	
१८०	७५१	सूर्यपुराण (कथा)		रा०	१८८७	७	
१८१	४५	स्कन्दपुराण ब्रह्मोत्तरखण्ड		सं०	१६वीं श.	६२	
१८२	७४७	हरिवंश		"	१८५०	४५५	
१८३	१६३३	हरिविजयग्रन्थ प्रथमाध्याय	ब्रह्मानन्द	महाराष्ट्री	१६वीं श.	८	
१८४	१६३४	हरिविजयग्रन्थ द्वितीयाध्याय	"	"	" "	१६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
१८५	१६३५	हरिविजयग्रन्थ तृतीयाध्याय	ब्रह्मानन्द	महाराष्ट्री	१६वीं श.	१६	
१८६	१६३६	हरिविजयग्रन्थ अष्टमाध्याय	" "	"	२०वीं श.	११	
१८७	१६३७	हरिविजयग्रन्थ नवमाध्याय	" "	संस्कृत	" "	१६	
१८८	१६३८	हरिविजयग्रन्थ दशमाध्याय	" "	महा०	" "	१६	
१८९	१६३९	हरिविजयग्रन्थ एकादशाध्याय	" "	"	" "	१४	
१९०	१६४०	हरिविजयग्रन्थ द्वादशाध्याय	" "	"	" "	१४	
१९१	१६४१	हरिविजयग्रन्थ त्रयोदशाध्याय	" "	"	" "	१६	
१९२	१६४२	हरिविजयग्रन्थ चतुर्दशाध्याय	" "	"	" "	२१	
१९३	१६४३	हरिविजयग्रन्थ पंचदशाध्याय	" "	"	" "	१३	
१९४	१६४४	हरिविजयग्रन्थ षोडशाध्याय	" "	"	" "	१६	
१९५	१६४५	हरिविजयग्रन्थ सप्तदशाध्याय	" "	"	" "	१७	
१९६	१६४६	हरिविजयग्रन्थ विंशतितमाध्याय	" "	"	" "	१८	
१९७	२५६१	होलिकामाहात्म्य		सं०	१८५८	४	भविष्योत्तरपुराणगत



## (७) वेदान्त

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२५६३	अध्यात्मविद्योपदेश-विधि	शंकराचार्य	संस्कृत	१८वीं श.	१६	
२	३६८६	अध्यात्मविद्योपदेश-विधि	"	"	१६वीं श.	१६	
३	१८१४	अवगतउल्लासभाषा (पद्य) (आत्मप्रकाश)	आतमराम	ब्र० हि०	१८वीं श.	४	जीर्णप्रति, अपूर्ण
४	२४६	अष्टावक्रसूक्ति		सं०	१७८४	१३	नलिनाख्यपुर में लिखित ।
५	३२६	अष्टावक्र	विश्वेश्वर	"	१६वीं श.	४४	
६	१४७३	आत्मबोधप्रकरण		"	२०वीं श.	४	
७	१८०३ (१)	आत्मबोधप्रकरण		"	१६वीं श.	१-२	
८	१७३७	आत्मबोधप्रकरण सटीक	मू०शङ्कराचार्य	"	१८७३	१४	
९	३२८५	आत्मबोधप्रकरण सटीक	मू०शङ्कराचार्य टी० मुक्तकवि	सं० रा०	१६वीं श.	२५	
१०	१६५१	आत्मबोधप्रकरण सार्थ		"	१८६७	३४	
११	३५६२ (१)	गरुडवितामणी	रामचरन	रा०	१६५६	१-११	
१२	२७७४	गायत्रीव्याख्या	वल्लभाचार्य	सं०	१६५३	२	
१३	२०२	गोपालतापनी		"	१६वीं श.	२०	
१४	१६२६	गोपालतापनी (उत्तर-तापनी) सटीक त्रिपाठ	टी० विश्वेश्वर (जनार्दन, ?	"	१६१३	१६	
१५	१६२८	गोपालतापनी (पूर्वतापनी) सटीक त्रिपाठ		"	२०वीं श.	८	
१६	३०२७	गोरखप्रमोदभाषा		रा० गू०	१७८४	२	
१७	२४७	चित्रदीपप्रकरण सटीक त्रिपाठ	विद्यारण्य मुनि टी० रामकृष्ण	स०	१७६५	३६	प्रथम प्रकरण (पंच-दशी का)



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८	२१६८	ज्ञानसमुद्र	सुन्दरदास	ब्र० हि०	१८४६	३६	मलसीसर में लिखित सं० १७१० में रचित
१९	३२३७	दत्तगीता सार्थ		मू० सं० अ० गू०	२०वीं श.	७	
२०	२७१३	धर्मराजसंवाद	शङ्कराचार्य	सं०	१६वीं श.	२	
२१	२४६	नाटकदीप सटीक	मू० विद्यारण्य मुनि टी० रामकृष्ण	"	१७६५	६	पंचमप्रकरण (पंच-दशी का) पत्तननगर में लिखित ।
२२	२५२	पंचकोशविवेकप्रकरण-सटीक	" "	"	१७६५	११	अष्टमप्रकरण ( पंच-दशी का )
२३	१२१३	पंचदशी विवरणसहित	" "	"	१७१३	३००	
२४	२७४०	पंचमकारशोधन	शङ्कराचार्य	"	२०वीं श.	४	
२५	२५१	पंचमहाभूतविवेक प्रकरण सटीक	मू० विद्यारण्य टी० रामकृष्ण	"	१७६५	१६	सप्तम प्रकरण (पंचदशी) पत्तननगर में लिखित ।
२६	८३४	पंचीकरण	सुरेश्वराचार्य	"	१६वीं श.	४	
२७	७४८	पंचीकरणवार्तिक	"	"	१६वीं श.	५	
२८	१२३४	पंचीकरण सार्थ		सं० ब्र०	१७२८	६	प्रथम पत्र अप्राप्त । नवानगर में लिखित अपूर्ण
२९	८५४	पंचीकरणानुवाद		ब्र०	१८वीं श.	१५	
३०	३२४०	विसत (विश्रन्ति) प्रकरण (अष्टावक्र) पद्यानुवाद		ब्र० हि०	१८४५	२६	
३१	१६६	ब्रह्मसूत्रवृत्ति	राम	सं०	१६वीं श.	३५८ (१३४+ २२५)	
३२	३३१४	ब्रह्मसंहिता		"	१६वीं श.	८	
३३	२५४	ब्रह्मानन्दप्रकरण सटीक (द्वैतानन्द)	विद्यारण्यमुनि टी० रामकृष्ण	"	१७६७	१६	१३ वाँ प्रकरण ( पंचदशी का )
३४	२५५	ब्रह्मानन्द (विषयानन्द) प्रकरण सटीक	" "	"	१७६७	१६	१५ वाँ प्रकरण ( पंचदशी का )
३५	२५६	ब्रह्मानन्द (योगानन्द) प्रकरण सटीक	" "	"	१७६६	३१	१४ वाँ प्रकरण ( पंचदशी का )
३६	११८८	महावाक्य	शङ्कराचार्य	"	१६वीं श.	५	
३७	२४३	महावाक्यादर्श	रामजी	"	१७५६	३६	(तत्त्वमसि पदोपरि) पत्तननगर में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३८	२५६६	रामगीताटीका		संस्कृत	१८वीं श.	५	भयहर नगर में लिखित ।
३९	१६३०	रामतापनी टीका	विश्वेश्वर	"	२०वीं श.	२३	
४०	१३८	रामोत्तरतापनीदीपिका		"	१९वीं श.	१६	
४१	७६५	वज्रसूची	शङ्कराचार्य	"	" "	२	
४२	७७६	वज्रसूची	"	"	" "	२	
४३	२६७७	वज्रसूची	"	"	१८८७	५	कृष्णगढ़ में लिखित
४४	१८०३	वज्रसूची	"	"	१९वीं श.	६-८	
	(५)						
४५	१३६६	वासिष्ठीभाष्य	वेदमिश्र	"	१८६८	३४	कुतीआणा में लिखित ।
४६	८५३	वेदान्तमहावाक्यभाषा ( पद्य )	मनोहरदास	ब्र०हि०	१७५०	२५	रचना सं० १७१६
			निरंजनी				
४७	१६०	वेदान्तसार	कृष्णानन्द	सं०	१९वीं श.	१३	
			(सदानन्द)?				
४८	२३३	वेदान्तसार	सदानन्द	"	" "	१४	
४९	२५८७	वेदान्तसार		"	१७६५	७	
५०	२४०	वेदान्तसार टीका	नृसिंहसरस्वती	"	१९वीं श.	३३	
५१	३०१४	वेदान्तसिद्धान्तदीपिका		"	१८वीं श.	१४	
५२	३६६६	शतप्रश्नी	मनोहरदास	ब्र०हि०	१८५५	१६	ककू में लिखित ।
५३	१३६	शुद्धाद्वैतमार्तण्डप्रकाश टीका सहित त्रिपाठ	मू० गिरिधर टी०रामकृष्ण	सं०	१९वीं श.	२०	
५४	३५०७	समाधितंत्र बालावबोध	पर्वतधर्मार्थी	रा०गू०	१७५६	८५	भुजनगर में लिखित ।
५५	१८०३	सिद्धान्तविन्दु		सं०	१९वीं श.	८-९	
	(६)						
५६	२७१०	सिद्धान्तमुक्तावली		"	१६२५	७-८	
	(७)						
५७	२७१०	सिद्धान्तरहस्य		"	१६२५	६ वां	
	(८)						
५८	३५७२	सिद्धान्तरहस्य	वल्लभदीक्षित	"	१९वीं श.	१-२	
	(१०)						
५९	१४८	सेवाकौमुदी	बालकृष्णभट्ट	"	२०वीं श.	६	



वारवृजैमनत्र्यसूजैमवैयाकेपुमुदीहोयसोपावैयुग्मतौनिहास्तुतजैमानरुवडाईहोरिकपठले  
 द्यागैवितशैसमैविवेकवैरागहोयसमदमऔरसोयाउपरतितितितितासुसंधामैसमैतौस्माधान  
 मोक्षमैनऔरकऊंस्माधानधानधरैरेंदिनशैमननमैतौ॥१८॥दोहरा॥॥संवत्सत्रासैमहिसो  
 रद्वरषवतीतादृषसवहैसैमहिकरीषटमासताहिवतीता॥१९॥आसौजवदीवउईसीकलपद्मेस  
 निवारनाषाशैसवनईमासएककृतकारा॥२०॥इतिश्रीविद्वान्तमहावाक्यनाथानामगुणकथिते  
 मनोहरदासनिरेजनीसंश्लेषमाणं॥॥श्रीरत्न॥॥संवत्१७५०वर्षनाइवाअदि१०२वैवारेन  
 धिते॥नद्विज्जनाथात्मजन०वासुदेवमितिनमोदोषः॥॥करकृतमपरधंदेउमहंतिसंतः॥॥  
 ॥श्रीः॥॥छी॥॥श्रीः॥॥छः॥॥श्रीकलः॥॥छ॥॥श्रीः॥॥

३५







क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६०	३३२६	स्वात्मनिरूपण सटीक त्रिपाठ	मू०शंकराचार्य टी०सच्चिदा- नन्दसरस्वती	सं०	१८वीं श.	२६	जलालपुर में लिखित
६१	२५६८	हस्तामलक सटीक	शंकराचार्य	”	१७५३	२	
६२	३०१५	हस्तामलकसंवाद		”	१६वीं श	३	



## (८) योग

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	७६३	गोरक्षशतक ( योगशास्त्र )	गोरक्ष	संस्कृत	१६वीं श.	६	
२	८५२	योगवासिष्ठसार पद्यानुवादसहित	मू० वसिष्ठ अनु० कवीन्द्र- सरस्वती (?)	” ब्रज	१८वीं श.	३०	पद्यानुवाद रचना सं० १७१४, अन्त्य ( ३१ वाँ ) पत्र अप्राप्त । पत्तन में लिखित ।
३	३४३३	योगशास्त्र प्रकाश- चतुष्टय	हेमचन्द्र	सं०	१६३४	१५	
४	६४१	योगशास्त्रवालावबोध	मेरुसुन्दर	राज० गू०	१६वीं श.	६७	
५	६४२	योगशास्त्रवालावबोध	”	”	१६वीं श.	५६	
६	३०३२	योगशास्त्रवालावबोध	”	”	१६वीं श.	४८	
७	१०६६	योगसार सस्तबक	मू० योगेन्द्रदेव	अपभ्रंश स्त०	१८६४	११	राधनपुर नगर में लिखित ।
८	११७३	योगसूत्र सटीक	मू० भगवान् पतंजलि, टीका भोजदेव	राज० गू० संस्कृत	१८वीं श.	४६	
९	७६४	हठप्रदीपिका	आत्माराम	”	१८७६	१२	
१०	१८०२ (१)	हठप्रदीपिका	आत्माराम	”	१६वीं श.	१-११	जीर्णप्रति । अवंतीपुरी में लिखित ।
११	३०१३	हठप्रदीपिका	आत्माराम योगीन्द्र	”	१७०६	२५	



## (६) दर्शनशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	३६६७	अन्ययोगव्यवच्छेद द्वात्रिंशिका		सं०	१५वीं श.	१	
२	१५५५	आप्तपरीक्षा	विद्यानन्द	"	१७वीं श.	६२	तृतीयप्रकरण (पंचदशीका)
३	२४८	कूटस्थदीपप्रकरण सटीक त्रिपाठ	मू० विद्यारण्य टी० रामकृष्ण	"	१७६५	१३	
४	६७५	गणेशरवादबालावबोध		"	१६वीं श.	११	
५	१५५२	तत्त्वचिन्तामणि अनुमानखंड	गंगेश्वर	सं०	१६वीं श.	५३	
६	१५६	तत्त्वदीप सटीक प्रथम प्रकरण	वल्लभदीक्षित	"	१६१५	५३	
७	२५०	तत्त्वविवेकप्रकरणसटीक त्रिपाठ	विद्यारण्यमुनि टी० रामकृष्ण	"	१७६५	१६	षष्ठ प्रकरण (पंचदशीका)
८	१५५३	तर्ककौमदी	भास्कर शर्मा	"	१८वीं श.	६	ग्रन्थकार मुद्रलभट्ट के पुत्र थे ।
९	५६०	तर्कभाषा	केशवमिश्र	"	" "	२१	
१०	५६४	तर्कभाषा	"	"	" "	३२	
११	१५५४	तर्कभाषा	"	"	१६वीं श.	१३	
१२	२४६१	तर्कभाषा	"	"	१७३१	१६	छप्पइयाग्राम में लिखित ।
१३	२६६६	तर्कभाषा सटीक पंचपाठ	टी० चिन्नभट्ट	"	१७वीं श.	३३	
१४	३४२६	तर्कभाषा सटिप्पण	"	"	" "	१७	
१५	१७३३	तर्कभाषावृत्ति	वेनभट्ट	"	१६८२	३८	विगयपुर में लिखित
१६	२४६२	तर्कभाषाप्रकाशिकाटीका	बलभद्र	"	१६०७	३३	पत्र १से६ अप्राप्त
१७	३००१	तर्कभाषाप्रकाशिकाटीका	"	"	१५६०	१०४	केशव मिश्र रचित तर्क भाषा की टीका नं० १७३५ संलग्न
१८	१७३४	तर्कवाद		"	१८०६	१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६७	३३६८	षड्दर्शनसमुच्चयसटीक	मू० हरिभद्र टी० विद्यातिलक	संस्कृत	१६वीं श.	२५	
६८	३४२८	षड्दर्शनसमुच्चयसटीक त्रिपाठ	मू० हरिभद्र टी० विद्यातिलक	"	१८वीं श.	२७	
६९	१६२२	सप्तनयविचार		सं० रा०	" "	१२	
७०	३६५२	सप्तनयविवरण		सं०	" "	५	
७१	५४७	सप्तपदार्थी	शिवादित्य	"	१८५६	६	
७२	५५३	सप्तपदार्थी	"	"	१६वीं श.	६	
७३	१६२४	सप्तपदार्थी	"	"	१६३१	४	
७४	२४६० (२)	सप्तपदार्थी	"	"	१६वीं श.	४-८	
७५	३४२४	सप्तपदार्थी	"	"	१६६५	५	
७६	३६४५	सप्तपदार्थी	"	"	१७वीं श.	४	लेखक ने कर्त्ता का नाम शिवदेव मिश्र लिखा है।
७७	२६६८	सप्तपदार्थी टिप्पण		"	१४८६	८	शिवादित्य रचित
७८	३४२५	सप्तपदार्थी टीका मितभाषिणी	माधव	"	१७वीं श.	२८	सप्तपदार्थी का टिप्पण
७९	१६१६	सप्तपदार्थी सटीक	मू० शिवादित्य टी० माधवाचार्य	"	" "	३५	शिवादित्य रचित
८०	१६२५	सप्तपदार्थी सटीक	" "	"	१६वीं श.	३६	सप्तपदार्थी की टीका
८१	३०००	सप्तपदार्थी संदर्भटीका	बलभद्र	"	१५६१	३६	शिवादित्य रचित
८२	५४६	सांख्यसूत्र प्रदीपिका		"	१८५६	१२	सप्तपदार्थी की टीका
८३	३६४४	स्पर्शनाधिकार		"	१७वीं श.	३	
८४	१६१	स्फोटचन्द्रिका	कृष्णभट्ट	"	१६वीं श.	१२	
८५	१५५०	स्याद्वादमंजरी	मल्लिषेणसूरि	"	१५२७	५५	सं० १४१२ में रचित
८६	३६५१	स्याद्वादरत्नाकर	देवाचार्य		१७६४	१७	सूरति में लिखित।



## (१०) व्याकरणाग्रन्थाः

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	४५७	अनिट्कारिका		संस्कृत	१७६५	४	
२	२४२५	अनिट्कारिका		"	१६वीं श.	६	
३	४४८	अनिट्धातुसंग्रह		"	१७वीं श.	३	
४	२४४०	अव्ययार्थाः		"	२०वीं श.	५	
५	३५८५	आख्यातवृत्ति		"	१८२५	११	मेदिनीपुर में लिखित
६	१६८४	उक्तिरत्नाकर	साधुसुन्दर	संस्कृत	१८७६	१७	
७	१६८५	उक्तिरत्नाकर	"	राज० गू० संस्कृत	१६६४	१६	
८	२६४८	उक्तिसंग्रह भाष्य ( फोटोकापी )	तिलक पण्डित	संस्कृत	१६वीं श.	१२	
९	१८४६	उपादिप्रयोगव्युत्पत्ति		राज० गू० संस्कृत	१८६६	२१	
१०	४४३	एकादिशतान्तशब्द साधनिका	सहजकीर्ति	"	१७वीं श.	२	
११	२६५०	औक्तिक (फोटोकापी)	सोमप्रभ	संस्कृत	१६वीं श.	१०प्लेट	
१२	२६५१	आनन्दसुन्दर	आनन्दसुन्दर	राज० गू० संस्कृत	१७वीं श.	१४प्लेट	
१३	४३०	औजढत् साधना		संस्कृत	१६वीं श.	१	
१४	३४०७	कविकल्पद्रुम ( धातु- पाठ )	वोपदेव	"	१६३१	१६	श्रीकारी सन्निवेश में लिखित ।
१५	४५४ ( १ )	कातंत्रधातुपाठ		"	१८५७	१-८	भुजनगर में लिखित ।
१६	३३५० ( ३ )	कातंत्रविभ्रम		"	१७वीं श.	( ७-८ )	
१७	३५२८	कातंत्रविभ्रम		"	" "	२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६०	१६६२	प्रणम्यपदसमाधान	सूरचंद्र	संस्कृत	१६वीं श.	२	
६१	३०५४	प्रबोधचन्द्रिका	वैजलभूपाल	"	१८५२	१७	
६२	११५८	प्राकृतकामधेनु	रावण	"	२०वीं श.	४	
६३	१६८१	प्राकृतप्रकाश सटीक	मू० वररुचि टी० भामह	"	११८८३	२२	
६४	१५४६	प्राकृतव्याकरण सटीक	हेमचन्द्र टी०स्वोपज्ञ	"	१५वीं श.	२५	
६५	१६८२	प्राकृतानन्द	रघुनाथ	प्राकृत संस्कृत	१८०५	२२	
६६	४३७	प्रौढमनोरमा	भट्टोजीदीक्षित	"	१७६८	२०३	सिद्धान्तकौमुदी- व्याख्या । अन्वयपर्यन्त
६७	१६५६	भाष्यप्रदीपव्याख्या प्रथमाह्निक	नागोजीभट्ट	"	१६वीं श.	२१	कर्त्ता शृंगवेरपुर के रामनृपति के आश्रित थे ।
६८	१६५७	भाष्यप्रदीपव्याख्या तृतीयाह्निक	"	"	" "	२१	
६९	२२३	भूषणसारदर्पण	हरिवल्लभ	"	" "	३२७	
७०	४६३	मध्यसिद्धान्तकौमुदी	वरदराज	"	१८वीं श.	१४१	
७१	१६६२	लकारार्थनिर्णय	"	"	१६वीं श.	८	लघुभूषण की कान्ति- नामक टीकान्तर्गत ।
७२	१५५	लघुवैयाकरणभूषण- सारटीका	गोपालदेव	"	" "	४०	कातिनामक टीका । आख्यातपर्यन्त ।
७३	२१८	लघुवैयाकरण भूषण- सारटीका	"	"	१८वीं श.	७१	कारक से समासार्थ- निर्णयपर्यन्त । कान्ति- नामकटीका ।
७४	२३१	लघुवैयाकरण भूषणसार	"	"	१६वीं श.	५०	कान्तिनामकटीका ।
७५	२१७	लघुशब्दरत्न	हरिदीक्षित	"	१६वीं श.	१८७	प्रौढमनोरमा- व्याख्यान ।
७६	१५६	लघुशब्देन्दुशेखर	"	"	" "	२२२	विभक्त्यर्थपर्यन्त । अपूर्ण ।
७७	४०३	लघुसिद्धान्तकौमुदी	वरदराज	"	१८४७	६०	
७८	२६१६	लघुसिद्धान्तकौमुदी	"	"	१८६२	८७	स्त्रीप्रत्ययपर्यन्त । पत्र ३८ वाँ अप्राप्त



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७६	४४४	लिंगनिर्णय	कल्याणसागर	संस्कृत	१८वीं श.	१५	सिद्धान्तकौमुदीगत ।
८०	२६६	लिंगानुशासन	भट्टोजीदीक्षित	"	१६८६	८	
८१	४५१	लिंगानुशासन	हेमचंद्र	"	१८५८	६	
८२	२४२४	लिंगानुशासन	"	"	१६वीं श.	४	सिद्धान्तकौमुदीगत ।
८३	२४३२	लिंगानुशासन	हेमचंद्र	"	१६६०	६	पिप्पलोद में लिखित
८४	३५६६	लिंगानुशासन	"	"	१६वीं श.	१०	मांडवी (कच्छ) में लिखित ।
८५	३४०३	लिंगानुशासनविवरण	"	"	१६५७	७६	
८६	४५३	लिंगानुशासनविवरणो- द्धार	"	"	१६वीं श.	१८	
८७	४५२	लिंगानुशासन सविवरण	हेमचंद्र	"	१८३६	३७	मू० रचना सं० १५०७ सिद्धपुर में राडवर में लिखित ।
८८	१७२८	लिंगानुशासन सविवरण	टी० स्वोपज्ञ हेमचंद्र	"	१६६६	५१	
८९	१६१७	वाक्यप्रकाश औक्तिक सटीक	विव० स्वोपज्ञ मू० उदयधर्म टी० हर्षकुल	"	१६६३	१०	
९०	३३६७	वासनाविवरण	भीष्म	"	१७वीं श.	८	विक्रमपुर में लिखित सिद्धान्तकौमुदीगत । आदौ फणिभाषित भाष्याब्धेः शब्द- कौस्तुभ उद्धृतः । तत्र निर्णीत एवार्थः संचेपेयोद् कथ्यते
९१	२४२६	विपरीतग्रहण प्रकरण	"	"	१८२८	२	
९२	३६४	वैदिकप्रक्रिया	भट्टोजीदीक्षित	"	१८५६	२८	
९३	२	वैयाकरणकारिका	"	"	१८४३	६	
९४	२२०	वैयाकरणभूषणसार	कौंडभट्ट	"	१८३३	७८	मोछग्राम में लिखित
९५	२४३४	वैयाकरणभूषणसार	"	"	१७५२	४३	
९६	१५३	वैयाकरणभूषणसार ( स्फोटवाद )	"	"	१७वीं श.	५४	
९७	२३५	व्युत्पत्तिप्रकाश प्रथम खंड	"	"	१६वीं श.	५१	पत्र २२ वां तथा ५० वां अप्राप्त । आह्निक १ से ३ पूर्ण, ४ था अपूर्ण । आह्निक ५-६
९८	१६५८	शब्दकौस्तुभव्याख्या ( भावप्रदीप )	कृष्णमिश्र	"	" "	६८	आह्निक ५-६
९९	१६५९	शब्दकौस्तुभव्याख्या ( भावप्रदीप )	"	"	" "	३३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१३५	३३४६	सारस्वत दीपिकाटीका	चंद्रकीर्ति	संस्कृत	१७वीं श.	८४	
१३६	३३४७	सारस्वत दीपिकाटीका	"	"	" "	१४३	
१३७	२४३८	सारस्वत धातुपाठ	हर्षकीर्ति	"	१७६३	११	विक्रमपुर में लिखित
१३८	२६६५	सारस्वत धातुपाठ	"	"	१७३४	८	
१३९	३३५० (१)	सारस्वत धातुपाठ	"	"	१७वीं श.	१-७	
१४०	३५८६	सारस्वत धातुपाठ	अनुभूति- स्वरूपाचार्य	"	१८वीं श.	४	
१४१	२४३३	सारस्वत धातुपाठ		"	१७४४	५	जेसलमेरु में लिखित
१४२	४४२	सारस्वत धातुपाठ		मू०सं०	१७५६	७	
१४३	३५८७	बालावबोधसहित सारस्वत धातुपाठ		वा०गु० संस्कृत	१८७६	१०	नागोर में लिखित
१४४	२८६६	व्याख्या सारस्वत धातुपाठ सटीक	हर्षकीर्ति टी०स्वोपज्ञ	"	१७६३	७८	
१४५	४३३	सारस्वत धातुपाठ		सं०राज०	१७वीं श.	४	
१४६	२४३७	सबालावबोध सारस्वत धातुपाठ		गुज० मू०सं०	१७वीं श.	४	
१४७	२६६६	सबालावबोध त्रिपाठ सारस्वत धातुपाठ	हर्षकीर्ति वि०स्वोपज्ञ	संस्कृत	१८१५	६१	यशोवती नगरी में लिखित ।
१४८	३५६४ (३)	सारस्वतपंचसंधि		"	१८६१	१-१७	बगडीनगर में लिखित ।
१४९	३३८९	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति- स्वरूपाचार्य	"	१७२४	४५	फुलेथनगर में लिखित ।
१५०	३३४३	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति- स्वरूपाचार्य	"	१७८६	५८	
१५१	३३४४	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति- स्वरूपाचार्य	"	१७३२	५५	मेहरानगर में लिखित, आख्यात कृदन्त- प्रक्रिया
१५२	२६५९	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति- स्वरूपाचार्य	"	१७वीं श.	३३	
१५३	३०६३	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति- स्वरूपाचार्य	"	१६वीं श.	७४	आख्यातप्रक्रिया पर्यन्त ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१५४	२८६८	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	संस्कृत	१६वीं श.	५५	
१५५	२४२१	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१८३८	७५	
१५६	१६०५	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१७वीं श.	४८	
१५७	१६६४	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१८१८	७२	मांडवी में लिखित ।
१५८	४६७	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१७२०	५६	अंजार नगर में लिखित ।
१५९	१८६१	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१६वीं श.	७७	स्यादिप्रक्रिया पर्यन्त ।
१६०	३५८०	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१७वीं श.	६१	
१६१	३१५४	सारस्वतप्रक्रिया (कृदन्त)	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१६वीं श.	८१	
१६२	२६६०	सारस्वतप्रक्रिया टिप्पणसहित	मू० अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१४४५	११७	राजनगर में लिखित
१६३	४६४	सारस्वतप्रक्रियाटीका	महीदास	"	१६१३	४४	कृदन्तप्रक्रिया ।
१६४	४६५	सारस्वतप्रक्रियाटीका	"	"	१६१३	११३	आख्यात प्रक्रिया ।
१६५	४६६	सारस्वतप्रक्रियाटीका	"	"	१८वीं श.	११२	" "
१६६	४५६	सारस्वतप्रक्रियाटीका	"	"	१८०३	२२	आख्यातपर्यन्त ।
१६७	१३२३	सारस्वतप्रक्रिया प्रथमा वृत्ति	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१८१४	१०१	नवानगर में लिखित ।
१६८	१३२४	सारस्वतप्रक्रिया द्वितीया वृत्ति	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१८०२	११६	नौतनपुर में लिखित
१६९	४५०	सारस्वतप्रक्रिया वाला-वबोधसहित	मू० अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१८१३	४८	स्याद्यन्त, प्रथमपत्र अप्राप्त ।
१७०	१६१३	सारस्वतप्रक्रिया सटीक	मू० अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१६५४	६७	रामपुरा में लिखित
१७१	१६१४	सारस्वतप्रक्रिया सटीक	टी० पुञ्जराज	"	१५६८	६२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७२	१५४८	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू०अनुभूति-स्वरूपाचार्य टी०चंद्रकीर्ति	संस्कृत	१७३२	१६८	चक्रापुरी में लिखित
१७३	३३४६	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू०अनुभूति-स्वरूपाचार्य टी०चंद्रकीर्ति	,,	१७०४	१५५	श्रीयशवंतसिंहजी शासित जावाल-पुर में लिखित ।
१७४	७६	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू०अनुभूति-स्वरूपाचार्य टी०चंद्रकीर्ति	,,	१७२७	६८	
१७५	२६५७	सारस्वतप्रसाद	भट्टवासुदेव	,,	१८७५	११०	रचना सं० १६३४ कोटला में लिखित
१७६	२६६१	सारस्वतभाष्य	काशीनाथ	,,	१८६०	५६	
१७७	१५४७	सारस्वतलघुभाष्य	रघुनाथनागर	,,	१७६८	२५२	कर्त्ता हाटकेशपुर निवासी थे । २१६३ पत्र के प्रथम पृष्ठ में पूर्वार्द्ध पूर्ण, उसी स्थान पर संस्कृत है । उत्तरार्द्ध अपूर्ण
१७८	२१६	सारस्वतवृत्ति	ज्ञानेन्द्रसरस्वती	,,	१६वीं श.	१६	स्त्रीप्रत्यय पर्यन्त
१७९	४०५	सारस्वतवृत्ति सिद्धान्त-रत्नावली	माधव	,,	१६६४	११२	नवानगर में लिखित
१८०	४३२	सारस्वतसारप्रदीपिका टीका	जगन्नाथ	,,	१६७४	५६	
१८१	४४६	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१७५७	७	पाटण में लिखित
१८२	२४२७	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६वीं श.	३	
१८३	२६५८	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६वीं श.	२	सप्तशतसूत्राणि
१८४	३१००	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६वीं श.	८	
१८५	३०८८	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६वीं श.	४	
१८६	३१५६	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६०७	११	
१८७	३३४२	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६६१	४	श्रीरायसिंह के शासन में लिखित । प्रथम पत्र में श्रीदेव का चित्र है ।
१८८	३३५२	सारस्वताख्यातवृत्ति	महीदाम	,,	१८वीं श.	८५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८६	१६८३	सिद्धशब्दरूपमाला	वररुचि	संस्कृत	१८८२	८	
१८७	४३१	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि	हेमचन्द्राचार्य	"	१५०४	३७	चतुर्थाध्याय पर्यन्त । भाकपद्र नगर में लिखित ।
१८८	४३५	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि		"	१५वीं श.	३६	चतुर्थाध्याय पर्यन्त ।
१८९	४३६	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि		"	" "	१६से७७	द्वितीयाध्याय से पंचमाध्याय पर्यन्त ।
१९०	३३६३	सिद्धहैमशब्दानुशासन दशपाददुंढिका		"	१७वीं श.	८८	पत्र १-२ अप्राप्त ।
१९१	३५४०	सिद्धहैमशब्दानुशासन धातुपाठ		"	१५वीं श.	६	
१९२	३३६४	सिद्धहैमशब्दानुशासन प्राकृतव्याकरणदुंढिका	उदयसौभाग्य	"	१७वीं श.	१७२	
१९३	४०४	सिद्धान्तकौमुदी	भट्टोजीदीक्षित	"	१६वीं श.	३२६	
१९४	३३६६	सिद्धान्तकौमुदी	"	"	१७वीं श.	२०५	
१९५	३५८४	सिद्धान्तकौमुदी	"	"	१६वीं श.	२६८	
१९६	१२	सिद्धान्तकौमुदी पूर्वार्ध	"	"	१८५७	१५५	मोतीमहल में लिखित
२००	३५६१	सिद्धान्तकौमुदी उत्तरार्ध	"	"	१६वीं श.	२१०	
२०१	४२८	सिद्धान्तकौमुदी टिप्पण सहित	"	"	१८२७	१८६	सूरेत(सूरत) बिन्दर में लिखित ।
२०२	२२२	सिद्धान्तकौमुदी व्याख्या		"	१६वीं श.	७६	अव्ययपर्यन्त तत्त्व- बोधिनी व्याख्या ।
२०३	३१०५	सिद्धान्तकौमुदी व्याख्या तत्त्वबोधिनी		"	" "	१२६	समासाश्रयविधि- पर्यन्त ।
२०४	१८५०	सिद्धान्तचन्द्रिका	रामाश्रम	"	१८५०	३५	कृदन्तप्रक्रिया
२०५	१६११	सिद्धान्तचन्द्रिका	"	"	१७वीं श.	५२	
२०६	२४२०	सिद्धान्तचन्द्रिका	"	"	१६वीं श.	६०	तृतीया(कृत) वृत्ति ।
२०७	२८६६	सिद्धान्तचन्द्रिका	"	"	१८५२	१०७	
२०८	३११०	सिद्धान्तचन्द्रिका	"	"	१६वीं श.	१६	विभक्त्यर्थ तथा समासप्रक्रियामात्र
२०९	२४४१	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्ध		"	१८वीं श.	३६	तद्धितप्रक्रिया पर्यन्त ।
२१०	३०७६	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्ध	रामचन्द्राश्रम	"	२०वीं श.	१२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२११	३३५१	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्ध सटिप्पण	रामचन्द्राश्रम	संस्कृत	१७५५	२४	
२१२	२४४२	सिद्धान्तचन्द्रिका	रामाश्रम	"	१७६५	७१	
२१३	३५८२	सिद्धान्तचन्द्रिका ख्यातवृत्ति	शङ्कर	"	१६०६	४१	योधदुर्ग में लिखित ।
२१४	१६०८	सिद्धान्तचन्द्रिका टिप्पणसहित	रामाश्रम	"	१७५३	८५	
२१५	४६२	सिद्धान्तचन्द्रिका टिप्पणसहित	रामचन्द्राश्रम	"	१८वीं श.	१०१	
२१६	३३६१	सिद्धान्तचन्द्रिका तत्त्वदीपिकाव्याख्या	शंकर	"	१८वीं श.	८२	सं० १७४१ में रचित, रियां में लिखित ।
२१७	३५८८	सिद्धान्तचन्द्रिका पंचसंधिव्याख्या	रघुनाथ	"	१८वीं श.	४२	
२१८	३५७७	सिद्धान्तचन्द्रिकाव्या- ख्या सटिप्पण पूर्वार्ध	सदानंद	"	१६०२	८६	सेरगढ़ में लिखित ।
२१९	३५७८	सिद्धान्तचन्द्रिकाव्या- ख्या सटिप्पण उत्तरार्ध	"	"	१६०२	११४	
२२०	३३६८	सिद्धान्तचन्द्रिका सटिप्पण पूर्वार्ध	रामचन्द्राश्रम	"	१८६२	४८	सुरगढ़ में लिखित ।
२२१	३३६९	सिद्धान्तचन्द्रिका सटिप्पण उत्तरार्ध	"	"	१८६१	६६	" "
२२२	२४२८	सिद्धान्तचन्द्रिका सुबो- धिनीवृत्ति पूर्वार्ध	सदानंद	"	१६वीं श.	१२४	
२२३	२४२२	सिद्धान्तचन्द्रिका सुबो- धिनीवृत्ति उत्तरार्ध	"	"	१६२१	१२५	भंभूग्राम में लिखित
२२४	२४२६	सिद्धान्तचन्द्रिका सुबो- धिनीवृत्ति उत्तरार्ध	"	"	१६वीं श.	१२७	
२२५	३३५० (२)	सेट् अनिट्कारिका		"	१७वीं श.	७ वाँ	
२२६	३५६०	स्थादिशब्दसमुच्चय	अमरचन्द्र	"	१८४७	२	मूरतविंदर में लिखित ।
२२७	४४७	हैमधातुपाठ	हैमचन्द्र	"	१५वीं श.	३	
२२८	४३४	हैमधातुपाठसावचूरि पंचपाठ	"	"	१५वीं श.	६	
२२९	३३६५	हैमधातुपारायण	"	"	१७वीं श.	१२७	
२३०	१६१६	हैमविभ्रम	देवसूरिशिष्य	"	१५वीं श.	४	



## (११) कोशग्रन्थाः

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१७३०	अनेकार्थकोश	महात्तपण काश्मीराम्नायी	संस्कृत	१८४४	११	
२	१११६ (१)	अनेकार्थध्वनिमंजरी		"	१८वीं श.	३	
३	५२७	अनेकार्थनाममाला	नन्ददास	ब्रज० हि०	१८८३	११	मांनकुआ (कच्छ) में लिखित
४	५३१	अनेकार्थनाममाला	"	"	१८७७	६	
५	३०३५	अनेकार्थनाममाला	"	"	१८वीं श.	०	
६	२३६७ (५)	अनेकार्थमंजरी	"	"	१८१३	१०७से ११६	
७	३१७२	अनेकार्थमंजरी	"	"	१६वीं श.	२३	
८	५२१	अनेकार्थसंग्रह	हेमचन्द्र	संस्कृत	१८६८	७६	
९	५३७	अनेकार्थसंग्रह	"	"	१५वीं श.	१६	सशेष
१०	३३५५	अनेकार्थसंग्रह सटीक	मू० हेमचन्द्र टी०महेन्द्रसूरि	"	१६वीं श.	२४०	सं० १२८८ में लिखित प्रति से लिखित— प्राचीन प्रति, लेखक की १७ पद्यात्मक प्रशस्ति है।
११	३३५४	अनेकार्थसंग्रह सशेष	हेमचन्द्र	"	१६वीं श.	४५	
१२	५४१	अनेकार्थसंग्रह सटीक	महेन्द्रसूरि	"	१६वीं श.	२६२	सं० १२८२ में मरु- कोट वास्तव्य धर्कट वंशीय आशापाल द्वारा लावण्यसिंह ब्राह्मण से लिखापित प्रति की लिपि। अंत में १७ प्रशस्ति पद्य हैं।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५६	१७७१	गणितनाममाला	हरिदत्त	संस्कृत	१८१४	४	भुजनगर में लिखित
६०	२४५१	गणितनाममाला	"	"	१७वीं श.	७	
६१	६२६	ज्योतिषनाममाला	"	"	१८६६	६	
६२	५२२	भाषानाममाला	नरसिंह	ब्रज०	१८५६	२०	
६३	१७२६	नाममाला	नन्ददास	"	१६२०	१०	
६४	५२५	नाममाला	धनंजय	संस्कृत	१८१५	१२	भुजनगर में लिखित
६५	३३५३	नाममाला	"	"	१६८८	१३	
६६	१६६	निघण्टु	"	"	१८३१	५३	
६७	३८२५	निघण्टु	धन्वंतरि	"	१८८८	४४	
६८	३८४०	निघण्टु	"	"	१७७५	२७	जैसलमेर में लिखित
६९	३८४७	निघण्टु	"	"	१७६४	२७	रतनपुरी में लिखित
७०	१७२७	निघण्टुनाममाला	"	"	१६वीं श.	२०	किंचित् अपूर्ण
७१	३५३१	निघण्टुनाममाला	धनंजय	"	१६४३	५	प्रथम परिच्छेद पर्यन्त
७२	७१८	निघण्टुनाममाला	धन्वंतरि	"	१७८८	७४६	
७३	२४००	निघण्टुशास्त्र	"	"	१६वीं श.	२६	
७४	५४०	पाईयलच्छीनाममाला तथा अनेकार्थनाममाला प्रथम कांड	पं० धनपाल	प्राकृत	१८वीं श.	१०	रचना संवत्- १०२६, सुन्दरी नामक बहिन के लिये रचना की।
७५	५२६	पारसातनाममाला	कुंअरकुशल	ब्रज हि०	१८५७	३५	
७६	२४४८	बृहत्कणाभरणकोश	हरिचरणदास	"	१६०५	५७	सं० १८३८ में चैत- पुर में रचित।
७७	२७८८	मातृका निघण्टु	महीदास	संस्कृत	१८६५	५	पुष्करारण्यस्थजाट कुंज में लिखित
७८	३०६४	मातृका निघण्टु ( एकान्तकोश )	"	"	२०वीं श.	३	
७९	५२५	मानमंजरीनाममाला	नन्ददास	ब्रज हि०	१८७७	१२	मानकूआ में लिखित
८०	५३६	मानमंजरी नाममाला	"	"	१८वीं श.	१०	
८१	११२६ (२)	मानमंजरी नाममाला	"	"	१८२७	१२से२३	
८२	१८७६ (२)	मानमंजरी नाममाला	"	"	१८वीं श.	६७-१०८	गुटका
८३	३५६७	मानमंजरी नाममाला	"	"	१८३३	६	वालोतरा में लिखित
८४	३६००	मानमंजरी नाममाला	"	"	१८६२	१३	कंटालीया में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८५	३६०६	मानमंजरीनाममाला	नन्ददास	ब्रज०हि०	१८६५	१८	सुरजगढ़ में लिखित
८६	३६०८	मानमंजरीनाममाला	"	"	१८४१	६	पत्तन में लिखित ।
८७	५३२	मानमंजरीनाममाला तथा रसमंजरी	"	"	१७६८	२४	
८८	२४४७	लघुकर्णभरणकोश	हरिचरणदास	"	१८८४	१६	अजमेर में लिखित
८९	२८६३ (६३)	वस्त्रपल्लवी	"	संस्कृत	१७वीं श.	१६०वां	दो श्लोक हैं ।
९०	१५७८ (१)	शारदीयानाममाला	हर्षकीर्ति	"	१६वीं श.	२४	
९१	३५६८	शारदीयानाममाला	"	"	१८६४	२४	सुरजगढ़ में लिखित
९२	३६०१	शारदीयानाममाला	"	"	१८०७	१३	संवराड़ में लिखित
९३	३६०५	शारदीयानाममाला	"	"	१८३१	१३	रीयां गांव में लिखित
९४	३६०७	शारदीयानाममाला प्रथम काण्ड	"	"	१८३६	११	पाली में लिखित ।
९५	५२६	शेषनाममाला	हेमचन्द्र	"	१८५८	१०	मानकुआ में लिखित
९६	२४१६ (१)	शेषसंग्रहसारोद्धार	"	"	१७वीं श.	१-५	
९७	२२५६	श्रुतिभूषण	हरिचरणदास	ब्रज०हि०	२०वीं श.	१३	एकाक्षर एवं कान्त खान्त शब्दों से पान्त शब्द पर्यन्त, पश्चात् किञ्चित् अपूर्ण ।
९८	२७४१	सदाशिवकलापोडशक		संस्कृत	२०वीं श.	१	
९९	३५६१ (२)	सरस्वतीनाममाला	महादास भाट	ब्रज०हि०	१७२६		अंत्य १३ पत्र त्रुटित
१००	११२०	सुबोधचन्द्रिका अने- कार्थनाममाला	फकीरचंद चौहान	"	१८२८	६०	एकाक्षर अनेकाक्षर सोभरीनाममाला के आधार से संवत् १८०० में रचित । पापः खाखः २ में लिखित ।
१०१	५३३	हरिजसनाममाला	रतनू हमीर	राज०	१८८१	२८	मानकुआ ग्राम में लिखित । सं० १७७६ में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१०२	७६८	हरिनाममाला		संस्कृत	१६वीं श.	३	हरि शब्दार्थ द्योतक शब्दों का संग्रह ।
१०३	७६०	हरिनाममाला	बलराज (शंकराचार्य)	”	१६०३	१	हरिशब्द के पर्यायवाची शब्दों के पद हैं ।
१०४	१८८२	हरिनाममाला		ब्रज	१६वीं श.	७६-८१	



## (११) ज्योतिष-गणितादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	६३५	अकडमचक्र	सतोदास	संस्कृत	१७०७	१	सूरत में लिखित
२	२५४५	अकडमचक्रविधि		"	१८३३	१	
३	२५६७	अकडमचक्रविधि		"	२०वीं श.	१	
४	१७६७	अक्षयवृत्तीयाविचारादि		रा०गु०	१६वीं श.	१	
५	३८०२	अक्षरचूडामणि		सं०	१८वीं श.	६	उदेपुर में लिखित ।
६	६२१	अगस्त्योदय तथा शुक्रो- दय विचार		रा०गु०	१६वीं श.	१	
७	१७६४	अङ्गविद्या		सं०	" "	१	
८	२८६३ (५६)	अङ्गविद्या		"	१७वीं श.	१४१वां	
९	११२३ (१७)	अङ्गस्फुरणविचार		"	" "	७८वां	
१०	२८६३ (१११)	अधिकमासविचारादि		सं०रा० गू०	" "	१६८वां	
११	३७४२	अवयवीशकुनावली	सतोदास	रा०	१८वीं श.	३	विक्रमपुर में लिखित
१२	३७५८	अवयवीशकुनावली		हि०	१८८२	२४	
१३	३७२१	अयनांशकरणविधिआदि		रा०गु०	१६वीं श.	३	
१४	१७५३	अर्धकाण्ड		कृत	१८वीं श.	१४	
१५	२६४४	अर्धकाण्ड	हेमप्रभ	"	१६वीं श.	१५	किञ्चित् अपूर्ण
१६	३७७६	अर्धकाण्ड		"	१८वीं श.	१६	पत्र ६ ठा अप्राप्त ।
१७	२०	अर्धदीपक		"	१६वीं श.	१४	पत्र १३ वां अप्राप्त ।
							धान्यादि मूल्य के विषय में हानि वृद्धि द्योतकप्रकरण हैं ।
१८	२८६३ (४६)	अर्धप्रकरणवर्णन		रा०गु०	१७वीं श.	८८वां	
१९	२८६३ (६५)	अश्लेषाविचार		सं०	" "	१३२वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०	३२६२	अष्टचत्वारिंशत्सहस्रमानि		संस्कृत	१८वीं श.	१	
२१	२५६१	अष्टाविंशतियोग तथा द्वादशभावफल		"	१६वीं श.	५	
२२	६५३	अष्टोत्तरीदशाफल		"	" "	६	
२३	३२३८	अष्टोत्तरीमहादशाफल		"	१८७४	१६	
२४	१६६५	अष्टोत्तरी दशाफल		"	१७वीं श.	४	
२५	३४४८	आरंभसिद्धि सटीक	मू० उदयप्रभ टी० हेमहंस	"	१६६२	११८	सं० १५१४ में आशा- पल्ली में टीका रचना
२६	२८६३ (१०४)	आषाढीपूर्णिमा विचार आदि		सं० रा०	१७वीं श.	१६४वां	
२७	३२३६	उपकरणविधि आदि		गु०	१६वीं श.	६	भुजनगर में लिखित
२८	११६३	उपदेशसूत्र	जैमिनी	सं०	२०वीं श.	६	
२९	१५५६	करणकुतूहल	भास्कर	"	१८वीं श.	८	
३०	६०८	करणकुतूहल	"	"	१७२५	१०	ब्रह्मसिद्धान्ततुल्य
३१	६६१	करणकुतूहल	"	"	१८वीं श.	१०	
३२	६८४	करणकुतूहल	"	"	१६वीं श.	२२	
३३	३३७६	करणकुतूहल	"	"	१६३६	७	
३४	३७६७	करणकुतूहल (ब्रह्मतुल्य) कोष्ठकस्पष्टाधिकार		रा०	१८वीं श.	६	
३५	३७५६	करणकुतूहल (ब्रह्मतुल्य) भाषा		"	" "	२६	
३६	३७५३	करणकुतूहल मकरन्द- टीका सहित	भास्कराचार्य मू० श्रीपति	सं०	१८८१	२०	फलवृद्धि में लिखित
३७	२८६७	करणकुतूहल मकरन्द- टीकायुक्त	मू० भास्कर श्रीपति	"	१८वीं श.	१६	अपूर्ण
३८	५८६	करणकुतूहलवृत्ति	सुमतिहर्ष	"	" "	२६	
३९	३७२७	करणकुतूहलवृत्ति	"	"	१८५२	३७	भास्कराचार्य रचित टीका सोजतनगर में लिखित
४०	३४५६	करणकुतूहलवृत्ति	"	"	१७७४	२५	पत्र १, २ अप्राप्त
४१	३४५२	करणकुतूहलवृत्ति	"	"	१८वीं श.	२४	
४२	६७७	करणशार्दूल सारिणीसह	कल्याण	"	१७३०	३५	मंगलपत्तन में रचिता नवानगर में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४३	३२१६	कपूर्चक्रविधि		संस्कृत	२०वीं श.	५	
४४	१४०३	कर्मविपाक		गूर्जर	१६वीं श.	७	
४५	१४४४	कर्मविपाक		"	१६१६	१५	
४६	३२१७	कर्मविपाक		राज०	१८१६	५	रोहिठ में लिखित ।
४७	३७१०	कलंकी जन्म पत्री विचार		सं०	१६वीं श.	१	
४८	२५३५	कष्टावली		रा०	" "	१	नक्षत्रवार के योग से प्ररूपिता ।
४९	२८६३ (८०)	काकपिंडविचार		सं०	१७वीं श.	१४३	पत्र का थोड़ा भाग त्रुटित है ।
५०	२८६३ (८१)	काकस्वरस्वरूप		रा०गु०	" "	१४३	पत्र का थोड़ा भाग त्रुटित है ।
५१	६६५	कामधेनुटिप्पणिका		सं०	१६वीं श.	५	
५२	३२३१	कामधेनुपद्धति		"	१६२५	२०	
५३	२८६३ (१०६)	कूर्मचक्र		"	१७वीं श.	१६६- १६७	
५४	१३८५	कूर्मचक्र तथा दीपस्थापन विधि		"	१६वीं श.	१	
५५	३७६०	केशवीपद्धत्युदाहरण टीका	विश्वनाथ	"	१८४७	४३	शाके १५४० में रचित ।
५६	३०८४	कौतुकलीलावती		"	१६वीं श.	४	
५७	११	खंडखाद्यक	ब्रह्मगुप्ताचार्य	"	१७६४	१४	
५८	२८६३ (६६)	खातचक्रादिविचार		रा०गु०	१७वीं श.	१३२८	
५९	६३७	खेटभूषण बालावबोध- सहित	रामचन्द्र	मू०सं० वा०रा०गु०	१६वीं श.	१७	सारणी सहित
६०	१६६६	खेटभूषण		सं०	१७वीं श.	१	
६१	३४४०	गणितग्रन्थ साठीसो दोहा	महिमोदय	रा०	१७५७	६	जोबनेर में लिखित सं० १७३७ के राखी- दिनके रोज रचित ।
६२	३७३२	गणितमकरन्द	रामदास	सं०	१८६६	२५	जालोरगढ़ में लिखित ग्रन्थकार वडनगर निवासी थे
६३	२००६	गणितसार मूल	श्रीधराचार्य	"	१७वीं श.	३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६४	३००७	गणितसार मूल	श्रीधराचार्य	संस्कृत	१५१३	६	कर्करपुर में लिखित
६५	२००५	गणितसार सटीक	„	मू०सं० टी.रा.गु.	१६वीं श.	५	
६६	२००७	गणितसार सटीक	„	सं०	१४४७	३१	
६७	६८१	गणितसार सार्थ	शंभुनाथ ( महादेव )	अ०रा०	१८वीं श.	८	
६८	३८११	गतेष्टकरणाविधि		गु०	१६वीं श.	२	नागोर में लिखित।
६९	३२४७	गणितचन्द्रिका	फकीरचंद	ब०हि०	१८१६	२०	भुजनगर में लिखित
७०	१८६०	गर्गमनोरमाटीका		संस्कृत	१८७२	१२	
७१	५३	गिरिधरानन्द	वेदांगराय	„	१६वीं श.	७५	१६वां अध्याय १६५ श्लोक तक, पश्चात् अपूर्ण। पत्र ६० वां नहीं है। अजमेर नृपति गिरिधर की आज्ञा से रचित। आदि के २३ पद्यों में गौड़ नृपवंशवर्णन है। वगड़ी नगर में लिखित।
७२	३५६४ (५)	गुरुचार		रा०	१८६१	२३-३२	
७३	६४६	गुरुचारादि		सं.रा.गु.	१६वीं श.	६	
७४	११२५ (०)	गुरुचारादि		„	१८२७	५-१६	गुटका।
७५	२५४१	गुरुफल		०	१७१६	२	नारदपुरी में लिखित
७६	१६८४	गुरुविचार		रा०गु०	१७वीं श.	३	
७७	३१७७	गूढप्रश्नप्रकाशन		सं०	१८६७	५	
७८	६७३	गृहगोधाविचार		रा०गु०	१७वीं श.	१	
७९	५५	गोलाध्याय		सं०	१६वीं श.	१३से५२	अपूर्ण
८०	२८६३ (६३)	ग्रहकेवली लग्नकेवली तथा नक्षत्रकेवली		„	१६२८	१३०वां	
८१	६४५	ग्रहणलिखनानुक्रम	नारायण	„	१८२६	३७	सं० १५८२ में ग्रन्थ-कार रचित कृति न (?) होने से, तदनंतर ग्रथित कृति विस्तृत होने से प्रस्तुत रचना सं० १६१६ में कंपिला में की।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८२	६१८	ग्रहणविचार		रा०गु०	१६वीं श.	३	
८३	१७७७	ग्रहणविचार		"	१६वीं श.	२	
८४	२५७४	ग्रहणविचार		रा०	१६वीं श.	२	
८५	६४८	ग्रहणसाधन		रा०गु०	" "	२	
८६	६७४	ग्रहणादि अनेक विचार		"	" "	६	
८७	४११	ग्रहणार्कज्ञान	ब्रह्मगुप्त	सं०	१८४०	८	
८८	३७०६	ग्रहभावप्रकाशताजिक	पद्मप्रभ	"	१७वीं श.	११	
८९	२५१४	ग्रहभावफल		"	१६वीं श.	६	
९०	२८६३ (१४)	ग्रहभावफल (पद्य)		रा०गु०	१७वीं श.	६वां	
९१	६२१	ग्रहलाघव	गणेश	सं०	१८५६	२०	नंदिग्राम में रचित ।
९२	६५८	ग्रहलाघव	गणेशदैवज्ञ	"	१८२७	१६	नंदिग्राम में रचित । मुजनगर में लिखित
९३	३१५७	ग्रहलाघव	"	"	१६०३	३५	
९४	३४५४	ग्रहलाघव	"	"	१७३३	१०	
९५	३७७६	ग्रहलाघव	"	"	१८५७	७	६ वां तथा १० वां अधिकार मात्र । पांन राहीवर में लिखित
९६	२०१	ग्रहलाघव उदाहरण- वृत्तिसह त्रिपाठ	मू० गणेशदैवज्ञ टी० विश्वनाथ दैवज्ञ	"	१६वीं श.	१०३	पत्र पन्द्रहवां नहीं है । टीका कारने आदि में ग्रन्थकार की अन्य कृतियों का नामोल्लेख दिया है ।
९७	५८५	ग्रहलाघवटीका	विश्वनाथ	"	१७वीं श.	६०	सिद्धान्तरहस्योदाह- रण टीका । गोल- ग्राम में रचित ।
९८	५६७	ग्रहलाघव टीका	विश्वनाथ	"	१८२७	३५	सिद्धान्तरहस्योदाह- रण टीका । गोल- ग्राम में रचित ।
९९	३७८७	ग्रहलाघव (गणेशकृत) टीका			१८५१	३२	मेदिनीपुर में लिखित ।
१००	३७८८	ग्रहलाघव (गणेशकृत) टीका	दिनकर	"	१८२०	२३	रूपनगढ़ में लिखित ग्रन्थकार बारेजा- ग्राम निवासी थे ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१०१	३२१४	ग्रहलाघवसारणीविधि	त्रिविक्रमदैवज्ञ	रा०गु०	१६२८	६	भाथोला में लिखित सं० १७७६ में नलि- नीपुर में रचित ।
१०२	६२८	ग्रहशीघ्रसिद्धि		सं०	१८८४	६	
१०३	१५६०	ग्रहसिद्धिप्रकरण	महादेव	"	१८वीं श.	२	राजलदेसर ग्राम में मुनि हीरकलश ने लिखी ।
१०४	२०००	ग्रहसिद्धिप्रकरण	"	"	" "	२	
१०५	३२४८	ग्रहस्पष्टकरणविधि	"	रा०	" "	६	
१०६	१६८३	चक्रावली	"	सं०	१८२३	२२	
१०७	२८६३ (६१)	चतुरचरपासाकेवली	"	"	१६२२	११५से १२३	
१०८	२८६३ (१३)	चंद्रगुप्तस्वप्नफल	दिनकर	रा०गु०	१७वीं श.	६ वां	करणकेशरी से उद्धृत । करणकेशरीगत ।
१०९	६६१	चन्द्रग्रहणाधिकार		सं०	१६वीं श.	५	
११०	६८७	चन्द्रविग्रहणटिप्प- णोदाहरण		"	१८वीं श.	८	
१११	२८६३ (१७)	चंद्रराशिनिरूपण आदि		"	१७वीं श.	११ वां	
११२	३८०६	चंद्रसूर्यग्रहण सुगमप्रकार		"	१६वीं श.	४	
११३	२२४	चंद्रार्कीसूत्र	मू० नारायण टी० धर्मेश्वर	"	" "	२	मोढझातीय दिनकर कृत चंद्रार्की की टीका है ।
११४	२५८४	चंद्रार्की		"	१६०४	४	
११५	३२५३	चंद्रार्की		"	१६वीं श.	१	
११६	३८१५	चंद्रार्की		"	" "	२	
११७	२५८२	चंद्रार्की टीका		"	१८२८	६	
११८	३१४१	चंद्रोन्मीलन	नारायण वैद्यनाथ	"	१७८७	२५	बगडीद्वंग में लिखित
११९	६६३	चमत्कारचिन्तामणि		"	१६वीं श.	१३	
१२०	११६२	चमत्कारचिन्तामणि		"	१५६२	२६	
१२१	३१२८	चमत्कारचिन्तामणि		"	१६वीं श.	१२	
१२२	३७६८	चमत्कारचिन्तामणि		"	१८६०	६	
१२३	३१३०	चमत्कारचिन्तामणि सटीक		"	१६१२	२५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२४	३१६८	चमत्कारचिन्तामणि सटीक त्रिपाठ	मू० नारायण	संस्कृत	१६वीं श.	१६	
१२५	६५५	चमत्कारचिन्तामणि सस्तवक	मू० राजऋषि	सं०स्त० रा०गु०	१७८६	१२	स्तंभतीर्थ में रचित।
१२६	१७८७	चमत्कारचिन्तामणि स्त० वेकर (?)		सं०स्त० रा०गु०	१७४२	१५	पत्तन में लिखित।
१२७	३२२६	चमत्कारचिन्तामणि स्त० वेकर		सं०स्त० रा०गु०	१६१६	१६	
१२८	३२६६	चमत्कारचिन्तामणि सस्तवक		सं०स्त० रा०गु०	१७६८	१४	
१२९	३७६७	चमत्कारचिन्तामणि सस्तवक		सं०स्त० रा०गु०	१८१०	१२	
१३०	३१७१	चमत्कारचिन्तामणिसार्थ		अ०रा०	१८८४	४४	
१३१	३७६८	चमत्कारचिन्तामणिसार्थ		,,	१८७७	३०	देवली में लिखित
१३२	६११	चमत्कारचिन्तामणि- सार्थ तथा द्वादशभावफल	नारायण	सं०अ० रा०गु०	१८०८	१३	
१३३	१६८५	चैत्रार्धकांड	हेमप्रभ	सं०	१३०५	१६	प्रति १५ वीं श० की ज्ञात होती है।
१३४	२८६३ (१०८)	छायाज्ञान		रा०गु०	१७वीं श.	१६५वां	हीराक (हीरकलश) लिखित।
१३५	३७४४	जगद्भूषणसारिणी	हरिदत्त	सं०	१६वीं श.	८८	शाके १५६० में रचित
१३६	३७६०	जगद्भूषणसारिणी		सं०रा०	१६वीं श.	७१	
१३७	६२०	जन्मकुंडलीविचारदि		रा०	१६वीं श.	६	
१३८	२८८२	जन्मपत्रीगणितक्रम		सं०रा०गु०	१६वीं श.	२६	
१३९	६३८	जन्मपत्रीपद्धति		सं०	१८२२	१६	मांडवीविन्दर में लिखित।
१४०	२०१०	जन्मपत्रीपद्धति		,,	१७वीं श.	२६	
१४१	३७४६	जन्मपत्रीपद्धति		सं०रा०	१८७६	१७५	पल्लिका में लिखित।
१४२	३७६२	जन्मपत्रीपद्धति		,,	१८४७	७६	
१४३	३७०५	जन्मपत्रीपद्धति	हरजीत	सं०रा०गु०	१८वीं श.	६६	योधांका बरांटीया ग्राम में लिखित।
१४४	५६०	जन्मपत्रीपद्धति	लब्धिचन्द्र	सं०	१८५४	१३६	सं० १७५१ में वेला कूल में रचित। मांडवी विन्दर में लिखित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४५	३७६१	जन्मपत्रीपद्धति	लब्धिचन्द्र	सं०	१८५६	१६६	सं० १७५१ में बेला कूल में रचित । जेशलमेरू में लिखित
१४६	३४३६	जन्मपत्रीपद्धति (मासागरी)	मानसागर	"	१७६८	६६	कंटालियानगर में लिखित ।
१४७	३७४७	जन्मपत्रीपद्धति (मानसागरी)	"	"	१८६२	१२७	फूलाजग्राम में लिखित ।
१४८	३७६३	जन्मपत्रीपद्धति (मानसागरी)	"	"	१७६०	६४	सुद्धदंतीनगर में लिखित ।
१४९	३७६२	जन्मपत्रीपद्धति	"	"	१८१८	१३०	मेडता में लिखित ।
१५०	६१०	जन्मपत्रीपद्धति	"	"	१८०८	१०३	बाहडमेर में लिखित
१५१	६३	जन्मपत्रीलिखनक्रम	विश्वनाथ	"	१८००	३५	देवपुरी में लिखित ।
१५२	३४४६	जन्मसार			१६७६	७५	गागुरडाग्राम में लिखित ।
१५३	७	जन्मेष्टकालशुद्धि (दृष्टदर्पण) निषेक्तादाहरण			१६वीं श.	८	आदि श्रीमद्व्रजजन-वल्लभचरणसरोजं प्रणम्याहम् । जन्मेष्टकालशुद्धि यवनैरुदितां निबन्धामि । बगड़ी में लिखित ।
१५४	३५६४ (७)	जमानारा दूहा	महामाई वायक	रा०	१८६१	३५,४३	
१५५	१६६३	जातककर्मपद्धति	श्रीधराचार्य	सं०	१५७१	६	
१५६	२५२३	जातककर्मपद्धति	श्रीपति	"	१८वीं श.	६	
१५७	२५२६	जातककर्मपद्धति	"	"	१७०७	६	
१५८	३३७१	जातककर्मपद्धति	"	"	१६१२	१३	चित्रकूट में लिखित ।
१५९	३७८२	जातककर्मपद्धति (श्रीपतिकृत) वृत्ति	कृष्णदैवज्ञ	"	१८८१	६४	फलवर्धिपुर में लिखित ।
१६०	१७७५	जातककर्मपद्धति सटीक	श्रीपति टी० कृष्णदैवज्ञ	"	१६वीं श.	४५	अपूर्ण
१६१	३२५८	जातकपद्धति सस्तवक	ढुँडिराज	मू.सं.स्त. रा.गू.	१८वीं श.	१३	
१६२	३११६	जातकभूषण	"	"	१७७४	१००	मनोहरपुर में लिखित
१६३	२५४४	जातकलक्षण	"	"	१६वीं श.	४	देवपुरनगर में लिखित
१६४	४०	जातकसार		"	१६१६	१०	गुटकाकार है ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६५	१८५५	जातकसारोद्धार	माधवाचार्य	सं०	१६वीं श.	४०	द्वादशभाव विचारात्मक अंश है।
१६६	३७६१	जातकाभरण	हुँदिराज	"	१८१८	६१	मेडता में लिखित।
१६७	३७४५	जातकाभरण	"	"	१८५६	५६	
१६८	२६४५	जातकाभरण	"	"	१६वीं श.	६४	अपूर्ण
१६९	६४	जातकालंकार	गणेशदैवज्ञ	"	१८वीं श.	११	सं० १५३५ में ब्रध्रपुर में रचित।
१७०	२८८८	जातकालंकार	गणेशदैवज्ञ	"	१८५२	१६	शाके १५५५ में रचित
१७१	३०७४	जातकालंकार सटीक	मू० गणेश टी० हरिभानु	"	१६०२	२५	शाके १५५५ में सूर्यपुर में मूल रचित खंडेला में लिखित।
१७२	२५८३	जोगवत्रीसी	सोम	रा०गू०	१८वीं श.	१	अंत में लेखक ने स्वरो-दयविचार लिखा है
१७३	३७१२	ज्ञानप्रदीप केरलवृंदावन		सं०	१७१६	२१	
१७४	६६२	ज्ञानप्रदीपक		"	१६वीं श.	२	
१७५	२८६३ (१०३)	ज्येष्ठप्रतिपदाविचार		"	१७वीं श.	१६३	चार श्लोक हैं
१७६	३५४७ (३)	ज्योतिषदृहा		रा०	१६वीं श.	१ ला	
१७७	३५४७ (११)	ज्योतिषदृहा		"	१६वीं श.	८६-६०	
१७८	१७५६	ज्योतिषप्रकीर्णक		सं०ब्र०	१६२४	८	
१७९	३७७३	ज्योतिषप्रकीर्णक		सं०रा०	१६वीं श.	१४	
१८०	२५७६	ज्योतिषरत्नमाला	श्रीपति	सं०	१७०२	२२	
१८१	३२६८	ज्योतिषरत्नमाला	"	"	१७८१	६४	
१८२	३७०६	ज्योतिषरत्नमाला	"	"	१७६५	४७	
१८३	३३७०	ज्योतिषरत्नमाला	"	"	१६वीं श.	५६	
१८४	४१४	सटीक पंचपाठ ज्योतिषरत्नमाला	टी० महादेव मू० श्रीपति	सं.वा.रा.	१७४३	५६	
१८५	३०२३	बालावबोधसहित ज्योतिषरत्नमाला	मू० श्रीपति	"	१७०१	६६	जालुरनगर में लिखित।
१८६	१६८६	सबालावबोध ज्योतिषरत्नमाला	श्रीपति	मू.सं.स्त. रा. गू.	१६६६	५४	जावालपुर में लिखित।
		सस्तबक					



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१८७	१८६६ (२)	ज्योतिषरत्नमाला सार्थ	श्रीपति	मू.सं.स्त. रा०गु०	१६वीं श.	१-१०७	
१८८	३७०७	ज्योतिषरत्नमाला सार्थ	"	मू.सं.स्त. रा०गु०	१७८६	५३	
१८९	३७२५	ज्योतिषरत्नमाला सार्थ	"	मू.सं.स्त. रा०गु०	१८५०	५२	पत्र १५, १६वां अप्राप्त
१९०	३७३५	ज्योतिषरत्नमाला सार्थ	"	मू.सं.स्त. रा०गु०	१७६७	५३	रतलाम में लिखित रतनपुरी में लिखित विक्रमनगर में बालाबोध रचना।
१९१	६४२	ज्योतिष विचार		सं.रा.गु.	१६वीं श.	१०	
१९२	२५७५ (१)	ज्योतिष विचार		"	१८वीं श.	१-११	
१९३	३४३६	ज्योतिष विचार	हर्षकीर्ति	संस्कृत	१६६३	२३	
१९४	११२५ (४)	ज्योतिषश्लोकसंग्रह		"	१८२७	६५-६८	
१९५	५८८	ज्योतिषसंग्रह	नीलकंठ	"	१८वीं श.	५३	रचना सं० १७२०
१९६	२५१६	ज्योतिषसार	मुंजादित्य	"	१७१४	५	
१९७	२५५३	ज्योतिषसार	भगवद्दास	ब्र०हि०	१८२८	२७	सं० १६६४में शाहजहाँ के शासन में रचित क्षत्रिय गोवर्धन के लिये सं० १७२३ में भैररोड़ में रचित।
१९८	६३२	ज्योतिषसार दुहा	मेघराज	रा०गु०	१८६६	४	
१९९	२७४१	ज्योतिषसारशास्त्र		रा०गु०	१८४६	१४	
२००	१५५७	ताजिक	सम (र)सिंह	"	१६वीं श.	४७	
२०१	२६१६	ताजिक	नीलकंठ	सं०	१८४०	४६	पत्र ४ था तथा उसे १० प्रश्नाप्त
२०२	२६३६	ताजिक	"	"	१६०८	४२	
२०३	३७१७	ताजिक	"	"	१६वीं श.	४८	शाके १५०६ में रचित।
२०४	३०	ताजिक (संज्ञातंत्र) सटीक	मू० नीलकंठ टी० विश्वनाथ	"	१८७६	५१	टीकाकार ने आदि में अपना विस्तृत परिचय दिया है।
२०५	४०६	ताजिकपद्मकोश	गोवर्द्धन	संस्कृत	१८वीं श.	३	
२०६	४१०	ताजिकपद्मकोश	"	"	१८३७	१६	सावरदा ग्राम में लिखित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०७	६०६	ताजिकपद्मकोश	गोवर्द्धन	संस्कृत	१७वीं श.	३६६	
२०८	५६४	ताजिकसार	हरिभट्ट	"	१७६८	२१	सिणधरी में लिखित
२०९	६०६	ताजिकसार	"	"	१७२६	३०	रायधनपुर में लिखित
२१०	१६६६	ताजिकसार	"	"	१६६४	२३	
२११	२००२	ताजिकसार	"	"	१७वीं श.	२६	
२१२	२८७१	ताजिकसार	"	"	१८वीं श.	१७	
२१३	२६०६	ताजिकसार	"	"	१७७४	५६	पत्र ६वां अप्राप्त
२१४	६६४	ताजिकसार सार्थ	"	सं० अ० रा० गू०	१८१६	५७	भुजनगर में लिखित
२१५	३७२६	ताजिकसार सार्थ	"	सं० अ० रा० गू०	१८६६	३६	सोमरत में लिखित ।
२१६	१५०	ताजिकसार टीका	सामन्त	सं०	१६६६	६७	सं० १६७७ में विष्णु-दास नृप के शासन में खेरवा में रचित ।
२१७	६६७	ताजिकसार टीका	"	"	१८वीं श.	२५	सं० १६७७ में रचित
२१८	३००१	ताजिकसार टीका	"	"	१७५६	३३	
२१९	३३७२	ताजिकसार टीका	"	"	१७२०	२३	मेडतानगर में लिखित
२२०	३४३७	ताजिकसार टीका	"	"	१७६३	१५	श्री विष्णुदास शासित खेरवा में सं० १६७७ में रचित
२२१	३७३३	ताजिकसार टीका	"	"	१८०६	२२	आकासादाग्राम में लिखित ।
२२२	३७५२	ताजिकसार टीका	सुमतिहर्ष	"	१८वीं श.	२२	श्री विष्णुदास शासित खेरवानगर में सं० १६७७ में रचित
२२३	२६३२	ताजिकसुधानिधि	नारायण	"	१६वीं श.	४६	अपूर्ण
२२४	६६६	तिथिकल्पद्रुमसारणी	कल्याण	"	१८१६	१०	भुजनगर में लिखित
२२५	२००३	तिथिचूडामणि	रामचन्द्र	"	१६६४	१	उन्नतदुर्ग में रचित ।
२२६	६७६	तिथिनक्षत्रफलादि		सं० रा० गू०	१८वीं श.	६	
२२७	६५२	तिथिसारणी (ब्रह्मपक्षे)	त्रिविक्रम	सं०	" "	६	
२२८	६६५	तिथिसारणी		"	१८२१	६	रायधनपुर में लिखित
२२९	३१२५	तिथिसारणी	केवलराम	"	१६वीं श.	३	
२३०	३२४६	तिथिसारणी (गंगाप्रकाश)	मनोहर	"	१८६२	७	लकूटपर में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२३१	२५८१	तिथ्यानयनटीका		रा०गू०	१८वीं श.	१	
२३२	३८१६	त्रिषष्टि		सं० रा०	१६वीं श.	६	
२३३	२८६३ (८७)	दशा विचारकोष्ठक		रा०गू०	१७वीं श.	१४६ वां	
२३४	६१६	दिनकरी सारणी	दिनकर	संस्कृत	१६वीं श.	३१	
२३५	२८६३ (१२०)	दिनमानकुलक	हीरकलश	रा० गू०	१७वीं श.	१७५-७६	सं. १६१५ में बेलासर में रचित ।
२३६	६६२	दोषावली		"	१८२५	३	
२३७	१७८५	दोषावली		रा०	१८वीं श.	६	
२३८	३५५४ (१६)	दोषावली		"	१६वीं श.	२७वां	
२३९	३२५२	द्वादशभावप्रश्नलग्नादि- विचार		सं०	१८वीं श.	१	
२४०	६१२	द्वादशभावफल		"	१७३७	६	
२४१	१७८२	द्वादशभावफल		"	१६वीं श.	२	
२४२	१७८३	द्वादशभावफल		"	१८वीं श.	१७	
२४३	१७६१	द्वादशभावफल		"	"	४	
२४४	१७६२	द्वादशभावफल		"	"	१०	
२४५	१६६४	द्वादशभावफल		रा०	१७वीं श.	४	
२४६	३८०३	द्वादशभावफल		सं०	१७६३	३	
२४७	२८१३	द्वादशभावफल		रा०	१८वीं श.	१४	
२४८	२५५८	द्वादशभावफल तथा मुंथाफल		सं०	१८६६	६	नागोर में लिखित
२४९	१२१४	द्वादशभाव फल लेखन पद्धति		"	१७६६	११	
२५०	२५३६	द्वादशभावविचार		"	१६वीं श.	१	
२५१	२८६३ (८४)	नक्षत्र विचारादि		सं.रा.गु	१७वीं श.	१४५	१४८वां पत्र का अर्थ भाग नष्ट है
२५२	११२३ (६)	नक्षत्रशकुनावली		रा० गु०	"	५६-६०	
२५३	३७७४	नक्षत्रशकुनावली		रा०	१६वीं श.	१	
२५४	३३४४	नरपतिजयचर्या	नरपति	सं०	१७३४	५१	हर्णपुर में लिखित
२५५	३५०१	नरपतिजयचर्या	नरपति	"	१६वीं श.	१६०	पत्र ७४वां अप्राप्त



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२५६	३८००	नरपतिजयचर्या	नरपति	संस्कृत	१८वीं श.	४६	पद्य रचना है ।
२५७	१७६०	नवग्रहचक्र गजचक्र अश्वचक्र रथचक्र		"	१६वीं श.	३	
२५८	२५३०	नवग्रहद्वादशभाव- दृष्टिफल		"	१८४७	४	
२५९	२३७७ (१)	नवग्रहभावफल		"	१८०७	१से४६	गुटका
२६०	४८८	नष्टजन्म तथा मृत्युज्ञान		"	१६वीं श.	२	प्रथम पत्र अप्राप्त " "
२६१	१६८७	नष्टजन्मविचार		रा०गु०	१७वीं श.	६	
२६२	६८६	नष्टजातक		सं.रा.गु.	१६वीं श.	२	
२६३	१७८६	नष्टजातक		संस्कृत	१८वीं श.	१	
२६४	६६८	नष्टज्ञान		"	" "	२	
२६५	५८७	नारचन्द्र	नारचन्द्राचार्य	"	१६वीं श.	३०	
२६६	६०५	नारचन्द्र	"	"	" "	४	
२६७	१६८०	नारचन्द्रज्योतिष	"	"	१७वीं श.	२५	
२६८	६७५	नारचन्द्र प्रथमपरि- च्छेदटिप्पण	सागरचन्द्र	"	१८वीं श.	१५	
२६९	१६६७	नारचन्द्रज्योतिष टिप्पण	"	"	१६६३	४३	
२७०	२५७७	नारचन्द्रटिप्पण	"	"	१७५४	६	प्रथम पत्र अप्राप्त " "
२७१	३००८	नारचन्द्रटिप्पण	"	"	१६६४	३७	
२७२	३४३८	नारचन्द्रटिप्पण	"	"	१७वीं श.	२६	
२७३	३७३७	नारचन्द्र प्रथम प्रकरण	"	"	१६वीं श.	२०	
२७४	३७७०	नारचन्द्रटिप्पण	सागरचन्द्र	"	१८०६	२६	
२७५	६६०	नारचन्द्र सस्तवक	नारचन्द्र	सं०स्त० रा०गु०	१७२४	२८	सिरोही में लिखित
२७६	३७२८	नारचन्द्र सस्तवक प्रथम प्रकरण	"	सं०स्त० रा०गु०	१८वीं श.	३२	
२७७	३७८३	नारचन्द्र प्रथम प्रकरण सस्तवक	"	सं०स्त० रा०गु०	१७६५	४३	
२७८	३७६६	नारचन्द्र प्रथम प्रकरण सस्तवक	"	सं०स्त० रा०गु०	१७६२	३१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२७६	८	पंचपक्षिनिदर्शन		सं०	१६वीं श.	५	अंते-पारिजाताख्य शास्त्रे स्मिन् खंडेरत्ना-कराभिधे प्रश्नशास्त्र-मिदं प्रोक्तं चतुर्था-ध्यायसंज्ञितम् ।
२८०	३०६१	पंचपक्षी		"	१८वीं श.	२	
२८१	६६६	पंचमहापुरुषलक्षण		"	" "	१	
२८२	३१८१	पंचांगग्रहानयनाधिकार	रामचन्द्र	"	१८५०	५	रामविनोदांतर्गत
२८३	६१४	पंचांगग्रहानयनाधिकार	"	"	१७४३	२	रामविनोदसे उद्धृत
२८४	६५१	पंचांगपत्ररचना	कल्याण	"	१८०७	१७	
२८५	३२५४	पंचांगपत्रानयनसारणी	सदाशिव	"	१७६१	२४	
२८६	६६०	पंचांगफल		"	१६वीं श.	५	
२८७	५६६	पंचांग सारणी	सदाशिव	"	१७३५	१६	
२८८	३१	पद्मकोश		"	१८१६	१३	
२८९	३१३५	पद्मकोश		"	१६वीं श.	६	
२९०	३७१५	पद्मकोश ताजिक		"	१८वीं श.	४	
२९१	११२३ (१८)	पल्लीशरटपतनविचार		"	१७वीं श.	७८ वां	
२९२	१७	पल्ली शरटशान्ति विधान (निमित्त)		"	१६वीं श.	३	आदि-अथातः संप्र-वक्ष्यामि शृणु शौनक यत्नतः । पल्ल्याः प्रपतन चैव शरटस्यप्ररोहणम्
२९३	२००	पवनविजय (स्वरोदय-शास्त्र) अर्थ सहित		अ०गू०	" "	४१	
२९४	१७७२	पवन विजय ग्रन्थ		सं०	१८७३	६	
२९५	२८६३ (७२)	पंचगाथा शकुनावली		प्रा.रा.गु.	१७वीं श.	१३५-१३६	
२९६	२५६६	पातशाहनामोपरि शकुनावली		रा०	१६०८	२	
२९७	१८६७	पाराशरसूत्र		सं०	१६वीं श.	३५	
२९८	३२६५	पाराशरीभाषाटीका	परमसुखदैवज्ञ	रा०	" "	८	सं० १६६८ में रचित
२९९	४६	पाराशरी सटीक		सं०	१८६४	१५	
३००	३१७६	पाराशरीवचनिका ( उडुप्रदीप )		त्र०हि०	१६०१	१६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३०१	६५७	पासाकेवली	गर्गऋषि	सं०	१८४७	६	मांडवीवंदर में लिखित
३०२	२८६३ (६२)	पासाकेवली	गर्गऋषि	"	१६६२	१२४ से १३०	मुनिहीर कलश लिखित
३०३	३५५४ (१७)	पासाकेवली		रा०	१६वीं श.	२७-२८	
३०४	२३६८ (६)	पासाकेवली भाषा		"	१८४६	४१-४६	
३०५	२५३८	पुरुष-स्त्री जन्मकुंड- लिकाविचार		सं०	१६वीं श.	१	
३०६	२५५४	पूनिमविचार आदि		रा०	"	१६	
३०७	२५६०	पूनिमविचार आदि		"	१८६४	२४	नागोर में लिखित
३०८	२३	प्रतोदयंत्र सटीक त्रिपाठ	मू. गणेशदेवज्ञ टी. ग्रंथकार शिष्य	सं०	१६वीं श.	६	
३०९	१७६६	प्रश्नकालज्ञानादि		रा.गु.सं	"	१	
३१०	१७६२	प्रश्नचिन्तामणि		सं०	१८२२	४	
३११	१६६२	प्रश्नज्ञान	उत्पलपट्ट	"	१७वीं श.	३	
३१२	३०६७	प्रश्नज्ञान	उत्पलपट्ट	"	१६वीं श.	५	
३१३	३१२६	प्रश्नज्ञान	उत्पलपट्ट	"	१८२७	६	
३१४	२५३४	प्रश्नज्ञान		"	१६वीं श.	१	
३१५	२८६३ (१०)	प्रश्नज्ञान		"	७वीं श.	५वां	
३१६	१७४६	प्रश्नप्रदीपक	काशीनाथ	"	२०वीं श.	१०	
३१७	३७८५	प्रश्नप्रदीपक	काशीनाथ	"	१७६३	५	मन्दसोर के खलची- पुरा में लिखित ।
३१८	२६१४	प्रश्नरत्नटिप्पणी	नन्दराम	"	१८५०	३५	पत्र १ से ६ अप्राप्त
३१९	२५६२	प्रश्नरत्नसटिप्पण	नन्दराम टी० स्वोपज्ञ	"	१६वीं श.	४६	
३२०	३७३६	प्रश्नरत्नसटिप्पण	नन्दराम टी० स्वोपज्ञ	"	१८८७	२५	मू० रचना सं० १८०८, टिप्पण रचना सं० १८२७ सुभट्टपुर में लिखित
३२१	६४१	प्रश्नविज्ञान	महादेव	"	१६वीं श.	६	
३२२	३१३१	प्रश्नविद्या	गर्ग	"	"	४	
३२३	३१६६	प्रश्नविद्या	गर्ग	"	१६०३	३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३२४	११५६	वैष्णवशास्त्र	नारायण	सं०	१८०४	२३	सवाई जयपुर में लिखित ।
३२५	३०४४	वैष्णवशास्त्र ताजिक	"	"	१८३३	३२	कल्याणपुरी में लिखित ।
३२६	३११६	प्रश्नवैष्णवशास्त्र	"	"	१६वीं श.	३६	
३२७	३१६०	प्रश्नवैष्णवशास्त्र	"	"	१६वीं श.	७४	
३२८	३७०४	प्रश्नवैष्णवशास्त्र	नारायणदास	"	१८८५	२५	
३२९	१८५३	प्रश्नसंग्रह	"	"	१६वीं श.	१७	
३३०	२१	प्रश्नसार	हयग्रीव	"	१८७४	१४	
३३१	३७८४	प्रश्नसार	"	"	१८४३	११	
३३२	३८०१	प्रश्नसार	"	"	१८८०	१	
३३३	११२३ (२१)	प्रस्थानमासदिनफल	"	रा०गु०	१७वीं श.	८० वां	
३३४	१८६६ (१)	प्रेमज्योतिष	महिमोदय	रा०	१८१८	१-१५	गुटका । सं० १७३३/ के रक्षाबंधनदिन के रोज रचना ।
३३५	१७५४	वारमासफल वक्रग्रह-फल संक्रान्तिफल साठसंवच्छर	"	"	१८७२	१८	गुटका । भुजनगर में लिखित ।
३३६	६१३	बालजातक	हरिदत्त	सं०	१८वीं श.	४	
३३७	६८८	बालजातक	"	"	१६वीं श.	५	
३३८	१७८१	बालजातक	"	"	" "	८	
३३९	६१५	बालबोध	"	"	" "	६	
३४०	६४७	बालबोध ज्योतिष	मुंजदित्य	"	१८६७	२३	
३४१	६६६	बालबोध	"	"	१८वीं श.	६	
३४२	१७६३	बालबोध	"	"	१७७८	१०	प्रथम पत्र अप्राप्त
३४३	२५११	बालबोध ज्योतिष	"	"	१६वीं श.	६	अपूर्ण
३४४	२८८०	बालबोध ज्योतिष	"	"	" "	२७	
३४५	१६८८	बालविवेकिनी	नान्हिदत्त	"	१७वीं श.	४	प्रथम पत्र अप्राप्त
३४६	१८८८	बालावबोध श्लोक	सहजानंदस्वामी	"	१६वीं श.	७	
३४७	२८६३ (१०१)	विघडोया	हीरकलश	रा०गु०	१७वीं श.	१६३वां	
३४८	३१२७	बृहज्जातक	बराह	सं०	१८४३	३६	
३४९	१६८६	बृहज्जातकविवृति	उत्पलभट्ट	"	१७वीं श.	३६	अध्याय ८से १७ तक



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
३५०	१७७६	बृहज्जातक विवृतिसहित उत्तरार्ध	मू० वराहमिहिर वि. उत्पलभट्ट	रा०	१८वीं श.	७६	टीका रचना काल शाके ८८८
३५१	२६००	बृहज्जातक सटीक त्रिपाठ	मू० वराह टो० महीदास	रा०	१८५८	६४	सवाई जयपुर में लिखित। शाके १५२० में टीका रचना। पत्र ११ से १४ अप्राप्त।
३५२	३०७३	बृहत्संहिता	बृद्धवसिष्ठ	सं०	१८५८	१२१	जगन्मोहन नामक तृतीयस्कंध मात्र
३५३	३३७५	बृहत्संहिता	वराह	"	१६३५	१५१	
३५४	२६२८	बृहत्संहिता सटीक	मू० वराह टो० उत्पलभट्ट	"	१६वीं श.	४४	अपूर्ण। पत्र १ से २ अप्राप्त
३५५	२६२६	बृहत्संहिता	मू० वराह टो० उत्पलभट्ट	"	"	४३६	अपूर्ण। पत्र १ से १०३ तथा ३६० से ३८७ तक अप्राप्त।
३५६	२५१८	ब्रह्मतुल्य टीका		"	१७१५	३३	जावालपुर में लिखित।
३५७	६३६	ब्रह्मतुल्य सारणी		"	१६वीं श.	४	
३५८	३७४०	भडली दूहा		रा०	"	८	
३५९	३५६४ (८)	भडली पुराण		"	"	१-३३	गुटका
३६०	१८७७	भडली पुराण		"	१६वीं श.	६	अपूर्ण।
३६१	३७५७	भडली विचार		"	"	१५	
३६२	५६८	भडली वाक्य दूहा	भडली	रा.हि.	१८वीं श.	४	
३६३	२५३३	भवानीजीवायक जमानारा दूहा		रा.हि.	१८६३	६	
३६४	२२०६	भवानीवायक		"	१८७७	३	लाडुजी भुवनगर में लिखित, १०० पद्यमय रचना है।
३६५	३२२५	भावाध्याय	देवेन्द्र कवि	सं०	१८६२	१५	
३६६	६२७	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	"	१७६६	१७	
३६७	१८१८ (२)	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	"	१८००	६-१२	शुद्धदंती में लिखित।
३६८	१८५७	भुवनदीपक	पद्मनाभ	"	१८वीं श.	१३	
३६९	३०१०	भुवनदीपक		"	१६६१	१७	लघुकवि में लिखित।
३७०	३७६५	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	"	१८०७	६	देववाडानगर में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७१	३७६५	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	संस्कृत	१६वीं श.	१३	पद्मप्रभीय भुवन दीपक की टीका
३७२	२५५०	भुवनदीपक टीका	"	"	२०वीं श.	३८	
३७३	३७६६	भुवनदीपक टीका	"	"	१८वीं श.	२६	
३७४	३००५	भुवनदीपकावचूरि	पद्मप्रभ	"	१६वीं श.	४	भुजपुर में लिखित
३७५	६१७	भुवनदीपक सस्तवक		सं०स्त०	१६वीं श.	१४	
३७६	६७२	भुवनदीपक सस्तवक	मू० पद्मप्रभ	सं०स्त०	१८वीं श.	१०	मांडवी बंदर में लिखित ।
३७७	२५१२	भुवनदीपक सस्तवक	"	सं०स्त०	१८१२	१०	
३७८	३७६६	भुवनदीपक सस्तवक	"	सं०स्त०	१६वीं श.	१५	
३७९	२५७	भौमादिग्रहस्पष्टविधि	आशाधर	सं०	१७०८	१	
३८०	५६६	भ्रमस्यग्रहकोष्ठकाणि	त्रिविक्रमद्विज	"	१८१८	१६१	धान्यादिमूल्य हानि वृद्धिविचार तथा प्रवृष्टिविचारादि की प्ररूपणा है पत्र २ रा तथा ३ रा नहीं है । अपूर्ण पत्र २१ वां अप्राप्त
३८१	३१०६	मकरन्दविवरण	दिवाकर	"	१६वीं श.	११	
३८२	२८६३ (८३)	मंडलविचार	हरिवंश	"	१७वीं श.	१४४-	
३८३	६४०	भनकेवलीशकुनावली		"	१७८८	१	
३८४	३४४३	मनोनन्दन सटिप्पण		"	१७वीं श.	७	
३८५	२५	मयूरचित्र		"	१८४८	१७	
३८६	२८६६	मयूरचित्रक	नारदमुनि	"	१६वीं श.	१६	धान्यादिमूल्य हानि वृद्धिविचार तथा प्रवृष्टिविचारादि की प्ररूपणा है पत्र २ रा तथा ३ रा नहीं है । अपूर्ण पत्र २१ वां अप्राप्त
३८७	२६०७	मयूरचित्रक		"	१८५०	२३	
३८८	१७७०	महादशाविचार	महादेव	"	१६वीं श.	३	
३८९	६२५	महादेवी		"	" "	३	
३९०	६७०	महादेवी		"	१८२६	१	
३९१	२००४	महादेवीग्रन्थकोष्ठकानि		"	१७वीं श.	३६	
३९२	३७७८	महादेवीलब्धशेषोपरि		"	१८वीं श.	५	
३९३	३७४३	महादेवीसारणी		"	१६वीं श.	७६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६४	३७४६	महादेवी सारणी		सं०	१८६१	६२	नागोरनगर में लिखित
३६५	३७५६	महादेवी सारणी		"	१८४८	१५२	
३६६	३७८६	महादेवी सारणी		रा०	१६वीं श.	७६	
३६७	३५६७ (३२)	महामायावाक्य आदि		"	"	१७७— १८०	
३६८	१७८८	मातृहानियोगादि		सं०	"	७	मालपुरा नगर में लिखित
३६९	१८५२	मासप्रवेश दिनप्रवेशफल		"	१७७५	१०	
४००	६८६	मासफलानि		सं.रा.गू.	१८वीं श.	३	
४०१	६७६	सुंथाफलआदि		सं०	"	१	
४०२	३१५०	सुंथाभाषफल		"	१८३८	३	
४०३	१७४	सुष्टिचक्र (दोषावली) अर्थसहित)		सं० रा०	१६१४	१०	
४०४	११२३ (१०)	सुष्टिज्ञान		रा० गू०	१७वीं श.	६१ वां	
४०५	२५३१	सुष्टिज्ञान		"	"	१	
४०६	२५२०	सुहूर्त		"	१६वीं श.	२	
४०७	२५२१	सुहूर्त		"	"	२	
४०८	२५३७	सुहूर्त		रा०	१८वीं श.	१	
४०९	२५५६	सुहूर्त		"	१८७६	२	
४१०	२६३१	सुहूर्तकल्पद्रुम	विठ्ठलदीक्षित	सं०	१६०६	५७	अपूर्ण
४११	३११५	सुहूर्तगणपति	गणपति	"	१६वीं श.	६१	
४१२	६४४	सुहूर्तचिन्तामणि	दैवज्ञ राम	"	"	६	
४१३	३११२	सुहूर्तचिन्तामणि	रामदैवज्ञ	"	१८६६	५६	
४१४	३४५५	सुहूर्तचिन्तामणि	रामदैवज्ञ	"	१६६६	३०	पत्र ३२, ३३, ३४ तथा ४८वां अप्राप्त शुभा- शुभप्रकरण पर्यन्त गोचरप्रकरण
४१५	२६४१	सुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधाराटीका सहित	मू० राम टी० गोविन्द	"	२०वीं श.	६३	
४१६	३०६२	सुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधारा टीका सहित	मू० राम टी. गोविन्द	"	"	२०	
४१७	३०६३	सुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधाराटीका सहित	मू० राम टी. गोविन्द	"	१६०६	२७	
४१८	३०६५	सुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधाराटीका	रामदैवज्ञ टी० खोपज्ञ	"	२०वीं श.	३४	नक्षत्रप्रकरण । अपूर्ण



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४१६	५८६	मुहूर्तचिन्तामणि सटीक	रामदैवज्ञ टी० स्वोपज्ञ	संस्कृत	१८२८	६०	प्रमिताक्षरा टीका सं० १५२२ वाराणसी में रचित ।
४२०	५६२	मुहूर्तचिन्तामणि सटीक	रामदैवज्ञ टी० स्वोपज्ञ	"	१८४३	२४६	भुजनगर में लिखित प्रमिताक्षरा टीका देखो नं० ५८६
४२१	४१३	मुहूर्तचिन्तामणि उत्तरार्ध	रामदैवज्ञ टी० स्वोपज्ञ	"	१६वीं श.	८१	विवाह प्रकरण से अन्त तक वाराणसी में शाके १५२२ में रचित ।
४२२	२६२७	मुहूर्तचिन्तामणि सटीक पंचम प्रकरण		"	१६वीं श.	४४	अपूर्ण
४२३	११६१	मुहूर्तदीपक	महादेव	"	१८८०	१२	
४२४	१४७	मुहूर्तदीपक व्याख्या सहित त्रिपाठ	"	"	१६वीं श.	६३	
४२५	३१४८	मुहूर्तदीपक सटीक	"	"	१६००	२१	
४२६	६१६	मुहूर्तमार्तण्ड	नारायण	"	१६वीं श.	३१	शाके १४६३ में उदकटाग्राम में रचित । मांडवि विन्दर में लिखित ।
४२७	३२२०	मुहूर्तमार्तण्ड	"	"	१७वीं श.	२५	शाके १४६३ में रचित
४२८	६५०	मुहूर्तमुक्तावली	हरि	"	१६वीं श.	११	नाडाप (य) ग्राम में रचित ।
४२९	२५१५	मुहूर्तमुक्तावली		"	१८६३	३	
४३०	२५१६	मुहूर्तमुक्तावली	हरि	"	१८७०	८	कर्त्ता का निवास स्थान नापाठग्राम था
४३१	३१२२	मुहूर्तमुक्तावली	"	"	१६०२	८	
४३२	६२२	मुहूर्तमुक्तावली सस्तबक	"	मू.सं.स्त. रा.गू.	१६वीं श.	६	नाडायग्राम में रचित
४३३	६५६	मुहूर्तमुक्तावली सस्तबक	"	मू.सं.स्त. रा.गू.	१८८०	६	नाडायग्राम में रचित । राधनपुर में लिखित ।
४३४	२३७७ (२)	मुहूर्तमुक्तावली सस्तबक		मू.सं.स्त. रा.गू.	१६वीं श.	४६-६३	अपूर्ण



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४३५	२५२५	मुहूर्तमुक्तावली सस्तवक	मू० भास्कर	मू०सं०	१६वीं श.	१०	
४३६	२५४२	मुहूर्तमुक्तावली सस्तवक		स्त०रा०	१८७३	१४	अगस्तपुर में लिखित ।
४३७	३२३५	मुहूर्तमुक्तावली सस्तवक		मू०सं०	१८६५	५	राधणपुर में लिखित ।
४३८	१७८४	मुहूर्तविचार सार्थ		स्त०रा०	१६वीं श.	१६	
४३९	२५७०	मुहूर्तसार सावचूरी पंचपाठ	मेघराज	सं०	१६वीं श.	३	
४४०	३२६५	मुहूर्तानि		रा०गु०	१७वीं श.	१	
४४१	२८३३ (६४)	मूलनक्षत्रविचार आदि		"	"	१३१ वां	
४४२	२२०८	मेघवावनी		रा०	१८४६	२	अहिपुर नगर में लिखित रचना सं० १७२३
४४३	१७८६	मेघमाला		रा०गु०	१६वीं श.	५	गुटका
४४४	१७६८	मेघमालादि		सं०रा०	"	३३	ज्योतिष संबन्धी अनेक विचार हैं अंत में कागपरीक्षा है
४४५	२५२२	मेघमाला सवस्तक		मू०सं०	१७८६	२७	पत्र २६ वां अप्राप्त
४४६	६३०	मेघमाला सार्थ		स्त.रा.गु.	१८वीं श.	१५	
४४७	१८६६ (३)	मेघावलीविचार		स्त.रा.गु.	१६वीं श.	१-११	
४४८	६३६	यवनजातक		हि०	सं०	१८२०	३
४४९	६४३	यवनजातक		सं०	१६वीं श.	६	मांडवी बन्दिर में लिखित ।
४५०	६६६	यात्राभाव		"	१८वीं श.	१	
४५१	०८६३ (७६)	युद्ध वर्षादिविचार पद्य	उत्पलभट्ट	रा०गु०	१७वीं श.	१४२ वां	
४५२	३-१०	योगफल		सं०	१६वीं श.	२	
४५३	३८८१	योगयात्राटीका		"	१८२३	६८	मूलकर्ता वराह



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४५४	६८०	योगाध्याय	भट्टकेदार	सं०	१८०१	१२	सिएधरी में लिखित रत्नदीपकगत
४५५	१३६७	योगाध्याय	गणपति		१८२४	११	ग्रन्थकारकृतरत्न प्रदीपकग्रन्थान्तर्वर्ती। चुडा में लिखित।
४५६	३८१२	योगिनीदशाफल			१८वीं श.	६	
४५७	११२३ (=)	रघुवंशशकुनावली			१७वीं श.	५८-५९	
४५८	१७५७	रघुवंशशकुनावली		रा.गुसं.	१६वीं श.	४	
४५९	२२६३	रत्नदीपक	गणपति	सं०	१८वीं श.	१०	किञ्चित् अपूर्ण।
४६०	३४४१	रत्नावली पद्धति	गणेश	"	१८वीं श.	८	
४६१	३७०८	रत्नावली पद्धति	गणेश	"	१७२४	६	
४६२	३३७३	रमल	राम	"	१७वीं श.	६	पद्यरचना
४६३	३७१३	रमल	राम	"	१८६३	८	कृष्णगढ़ में लिखित
४६४	३७१६	रमल		"	१८८०	६	नाद्वारा में लिखित
४६५	१७८०	रमलग्रन्थ		रा० गु०	१८८१	३०	जीर्णप्रति है। मांड वी विन्दर में लिखित।
४६६	३७३१	रमलतन्त्रभाषा		रा०	१८६७	१५	पल्लि कापुरी में लिखित।
४६७	३७२२	रमलतन्त्रभाषा गद्य		"	१६वीं श.	१७	
४६८	३०३६	रमलप्रश्न		हि०	१८८७	५६	पत्र २, ३ तथा ८ वां अप्राप्त। अत्य पुष्पिका-इति मुसल- लमानी भाषा कोरमन नागपुर में लिखित
४६९	३७१४	रमलप्रश्नतन्त्र	चिंतामणिपंडित	सं०	१८८२	२५	
४७०	३८	रमलप्रश्नसंग्रह		"	१६वीं श.	१६	
४७१	१७७४	रमलशकुनविचार		रा०	१८७७	३	
४७२	६७१	रमलशकुनावली		"	१८०१	४	
४७३	३५०४	रमलसार संग्रह		सं०	१८७१	५०	
४७४	३२६१	रश्मिकरणद्वादश भावफल		"	१८वीं श.	५	
४७५	३२१८	रात्रि दनसहस्रविधि		"	१६वीं श.	१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४५६	१६	रामविनोद	रामचंद्र	संस्कृत	१६३२	३६	अर्गलपुरमें लिखित, पत्र १ से ६ नहीं है, अक. वरशाह के महामात्य महाराजा रामदास की प्रेरणा से रचित ।
४७७	२५६८	रामायण दोहा शकुनावली		ब्र० हि०	२०वीं श.	१	
४७८	२५३६	राहुविचार		रा० गु०	१६वीं श.	१	
४७९	३०८६	लग्नचन्द्रिका	काशीनाथ	सं०	१८८४	३४	
४८०	३४४२	लग्नचन्द्रिका	"	"	१७४६	१४	तडाग्राम में लिखित
४८१	२५६६	लग्नदोषावली	"	रा०	१८८१	३	
४८२	३४४६	लग्नपरीक्षा		सं०	१७वीं श.	८	आरंभसिद्धिगत ।
४८३	६८३	लघुजातक	वराह	"	१८वीं श.	७	
४८४	१६६१	लघुजातक	"	"	१७वीं श.	६	
४८५	३१६७	लघुजातक	"	"	१८१६	१४	
४८६	३२५७	लघुजातक	"	"	१६वीं श.	६	
४८७	२५२७	लघुजातक टीका	महेश्वर	"	१७०५	२३	
४८८	६६३	लघुजातक सटीक	मू० वराह टी० महेश्वर	"	१८वीं श.	२२	शिष्यप्रियानामक टीका
४८९	३४४५	लघुजातक सटीक	मू० वराह टी० महेश्वर	"	१७वीं श.	२४	
४९०	५९३	लघुजातक सटीक त्रिपाठ	मू० वराह टी० उत्पलभट्ट	"	१७२४	१७	
४९१	३७८१	लघुजातक सटीक	मू० वराह टी० उत्पलभट्ट	"	१८७५	२८	विक्रमपुर में लिखित
४९२	०००१	लघुजातक सटिप्पण	वराहमिहिर	"	१६६६	६	जाबालपुर में लिखित
४९३	२५७१	लघुजातक सटिप्पण	उत्पलभट्ट	"	१८२४	११	कृष्णगढ़ में लिखित
४९४	३६६	लीलावतीगणित	भास्कराचार्य	"	१८६४	४५	
४९५	६७८	लीलावतीगणित	"	"	१७४७	४५	भुजपुर में लिखित
४९६	१५५६	लीलावतीगणित	"	"	१५वीं श.	१३	
४९७	२५६५	लीलावतीगणित	"	"	१७१५	२२	
४९८	२०८८	लीलावतीगणित सटीक	"	"	१६६८	४८	
४९९	१८६४	लीलावतीगणित भाषा	गंगाधर मोहनमिश्र	ब्र० हि०	१६वीं श.	३०	सं० १५१४ में रचित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५००	३५६४ (२)	लीलावती गणितभाषा पद्य	लाजचन्द	रा०	१८६१	१ ३५	बगडीपुरवर में लिखित। सं० १७३६ में बीकानेर में रचित
५०१	३७१८	लीलावती गणितभाषा पद्य	„	रा०	१८४५	२१	सं० १७६१ में गुढा ग्राम में रचित। सरी-यारीग्राम में लिखित प्रस्तुत रचना बीकानेर में सं० १७३६ में ही हुई है। जो कि १८ पेज पर समाप्त हो जा नी है। शेष तीन पेजों में अंक पाश प्रस्तारादि-गणित लीलावती लिखी गयी है। जिसका रचना काल सं० १७६१ तथा रचना स्थल गुढा ग्राम है।
५०२	३७२३	लीलावती गणित भाषा पद्य	„	रा०	१६वीं श.	१५	सं० १७३६ में बीकानेर में रचित। संख्या ३७१८ की रचना और प्रस्तुत रचना एक है प्रशस्ति में वैशिष्ट्य है
५०३	३५६७ (८)	लेखा		„	१६वीं श.	१०७-१०८	
५०४	६३१	वर्षफलगणितादि		सं.रा.गु.	१८वीं श.	६	
५०५	३७८०	वर्षफलपद्धति (केशव कृत) टीका	विश्वनाथ	सं०	१८५५	१५	मीरीमहंकावती नगरी में लिखित।
५०६	१६८२	वर्षफलप्रकरण	मणिस्था (?) चार्य	„	१७वीं श.	४	
५०७	१७५५	वर्षफल भडलीवाक्य		रा० सं०	१६वीं श.	१०२	गुटका
५०८	१७६१	शतसंवत्सरसमुद्रकल्पादि वर्षवैसाखवाविधि तथा द्वादशभावफल		„	१६वीं श.	२	
५०९	२८६३ (११०)	वर्षराजाफल आदि		सं.रा.गु.	१७वीं श.	१६७वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५१०	३३३५	वसन्तराजशाकुनभाषा	वसन्तराज टी०भानुचन्द्र वराहमिहिर	रा०	१८५०	१७६	सवाईजयनगर में लिखित ।
५११	३४५१	वसन्तराजशाकुन		सं०	१६६६	८३	
५१२	६०	वसन्तराजशाकुनसटीक त्रिपाठ		"	१८२७	१८४	
५१३	१५५८	वाराहीसंहिता		"	१७६५	८५	
५१४	३७६६	विवाहपटल (पटल)		"	१६वीं श.	८	
५१५	२५१७	विवाहपटल गद्य		रा०	१६वीं श.	६	
५१६	६००	विवाहपटल		सं०	१८वीं श.	६	
५१७	६०७	विवाहपटल		"	१७५६	६	
५१८	१६६८	विवाहपटल		"	१६७७	८	
५१९	२५५३	विवाहपटल		"	१८६८	१५	
५२०	३२५०	विवाहपटल	अभयकुशल	"	१८०६	११	रायधनपुर में लिखित । राणीवाड़ा में लिखित
५२१	३२७४	विवाहपटल		"	१६वीं श.	१६	
५२२	३७१६	विवाहपटल		"	१८६६	२५	
५२३	३७५४	विवाहपटल		सं.रा.गू.	१८३४	१२	
५२४	३८१८	विवाहपटल (१)		सं०	१८००	१६६	
५२५	२५८०	विवाहपटल (षट्पंचाशिका)		"	१६८५	६	
५२६	६८२	विवाहपटल चौपाई		रा०गू०	१६वीं श.	६	
५२७	५६५	विवाहपटल (बाला- वबोध सहित)		मू.सं.बा. राज०गू०	१८वीं श.	११	
५२८	३७३४	विवाहपटल बाला- वबोध सहित		मू.सं.बा. राज.गू.	१८१६	३२	
५२९	३७७२	विवाहपटल भाषा पद्य		मू.सं.बा. राज.गू.	१८६०	४	
५३०	६६४	विवाहपटल सस्तबक	मतिकुशल	मू.सं.स्त. राज.गू.	१८११	२४	कंटालियाग्राम में लिखित ।
५३१	३७२०	विवाहपटल सस्तबक		मू.सं० स्त०रा०	१६वीं श.	१३	
५३२	३७२४	विवाहपटल सस्तबक		मू.सं० स्त०रा०	" "	१८	
५३३	३७५५	विवाहपटलसार्थ		मू.सं० अ०रा०	१८४६	१४	
५३४	३७७७	विवाहप्रकरण		सं०	१६वीं श.	६	
							काशीनाथ कृत शीघ्र बोधान्तर्गत



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५३५	६४६	विवाहगृन्दावन	केशवार्क	सं०	१७४३	१६	आवलियालाग्राम में लिखित ।
५३६	२८६८	विवाहगृन्दावन सटीक	केशव (?)	"	१८३२	४०	पत्र १ से ६ अप्राप्त
५३७	२८६३ (१०५)	विविधमुहूर्तनक्षत्र विचार		रा०गू०	१७वीं श.	१६४- १६५	
५३८	३०५६	वृत्तशत	महेश्वर	सं०	१६वीं श.	१८	
५३९	३१११	वृद्धयवनजातक	मीनराज	"	१६वीं श.	२६६	अन्त्य २६७ व २६८ पत्र अप्राप्त ।
५४०	११५३	वृद्धयावन		"	१७५१	५४	
५४१	१७६५	वृष्टिज्ञान		"	१६वीं श.	१	
५४२	२५०८	शकुनविचारचक्रयुक्त		रा०	"	१	२ दिशा के शकुन
५४३	३५०६	शकुन सप्तक पद्य	तुलसीदास	ब्र० हि०	"	२२	पत्र २०, २१ वां अप्राप्त ।
५४४	२८६३ (५६)	शकुनावली		हि०	१७वीं श.	६४-६८	
५४५	३५७५ (३४)	शकुनावली (पासाकेव)		रा०गू०	२०वीं श.	१५४- १६६	
५४६	२८६३ (२८)	शत्रुवर्दिनप्रहर मुहूर्त घड़ीसंख्या चौपाई		"	१७वीं श.	६४ वां	
५४७	३७५५	शतसंवच्छरी		रा०	१८२७	१६	शतसंवच्छरी पूर्ण करके लेखक ने दश अवतार के कवित्त लिखे हैं ।
५४८	१७५०	शतसंवच्छरी तथा भडलीवाक्य		रा०	१८६८	२२	
५४९	६०२	सतसंवच्छरी तथा राशिफल		रा० गू०	१७वीं श.	१२	शतसंवत्सरी सं. १७०१ से १७६६
५५०	३५६४ (६)	शनिचार		रा०	१८६१	३३-३४	बगड़ी ग्राम में लिखित ।
५५१	१७७८	शनिपुत्तलकविचारादि		"	१८वीं श.	२	मुजनगर में लिखित ।
५५२	११२५ (१)	शिशालिखित		सं०गू०	१८२७	१-४	गुटका ।
५५३	२५४६	शिशालिखित		सं०	१६वीं श.	१	
५५४	२५२४	शीघ्रबोध	काशीनाथ	"	१७४०	१८	
५५५	२५२६	शीघ्रबोध	काशीनाथ	"	१६वीं श.	३०	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५५६	३७३६	शीघ्रबोध	काशीनाथ	संस्कृत	१८३८	२७	बीदासर में लिखित
५५७	३८१४	शीघ्रबोध	"	"	१६वीं श.	२७	अन्त्य दो पत्रों में द्वाद- शभावफल लिखा है
५५८	२५५७	शीघ्रबोध सार्थ	"	सं.अ.रा.	१६००	५१	चूरुनगर में लिखित
५५९	३१२१	शीघ्रबोध सार्थ	"	"	१६वीं श.	८८	पत्र ७६वां अप्राप्त
५६०	२८६३ (१०७)	शुक्रास्तोदयविचार		सं.रा.गु.	१७वीं श.	१६५वां	
५६१	२००६	श्रीपतिपद्धतिटिप्पणक		सं०	१७८७	३५	
५६२	२८६३ (८२)	श्वानचेष्टाविचार		रा०गु०	१७वीं श.	१४३- १४४	१४३ वां पत्र का थोड़ा भाग नुटित है
५६३	२८६३ (७५)	श्वानशकुनविचार		"	१७वीं श.	१४०- १४१	
५६४	६५६	षट्पंचाशिका	प्रथुयशा	सं०	१८४८	३	मांडवी में लिखित।
५६५	६७३	षट्पंचाशिका	"	"	१६वीं श.	४	
५६६	१२०६	षट्पंचाशिका	"	"	१७३२	७	
५६७	३७३८	षट्पंचाशिका	"	"	१७६१	१	
५६८	३८०६	षट्पंचाशिका	"	"	१७७०	२	
५६९	१७५१	षट्पंचाशिका सटीक	प्रथुयशा टी० उत्पलभट्ट	"	१६वीं श.	८	प्रथम पत्र अप्राप्त
५७०	२५६३	षट्पंचाशिका सटीक	प्रथुयशा टी० उत्पलभट्ट	"	१८४४	१५	
५७१	२५७६	षट्पंचाशिका सटीक	प्रथुयशा टी० उत्पलभट्ट	"	१७५४	६	
५७२	३४४७	षट्पंचाशिका सवालाव- बोध	प्रथुयशा	सं०बा० रा०गु०	१८वीं श.	११	
५७३	३७३०	षट्पंचाशिका सार्थ		सं०अ० ब्र०हि०	१८४७	१०	लयां में लिखित।
५७४	३८०७	षट्पंचाशिका सार्थ		सं०अ० रा०	१८४७	५	नागोरनगर में लिखित।
५७५	३३७४	षट्पंचाशिका सावचूरि पंचपाठ		सं०	१५वीं श.	३	
५७६	३२५१	षड्वलवार्ता		गू०	१७७६	५	श्रीपति पद्धतिटीका के आधार से रचित पत्तननगर में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र संख्या	विशेष
५७७	१७७६	षड्वर्गफल		सं०	१८२०	६	मांडवी बन्दिर में लिखित ।
५७८	३१३७	षड्वर्गफल		"	१६वीं श.	६	
५७९	३७७१	षड्वर्गफल		"	"	१०	हिल्लाजजातकगत
५८०	६०१	षष्ठिसंवत्सरफल		रा० गू०	१८वीं श.	१३	
५८१	६५४	षष्ठिसंवत्सरफल		"	१८७१	१७	
५८२	१७७३	षोडशयोगवर्णन सटीक		सं०	१८८२	२०	भुजनगर में लिखित
५८३	३८०८	षोडशयोगविचार तथा गुरुचार		रा०	१६वीं श.	६	नागौर में लिखित ।
५८४	६	संकेतकौमुदी	हरिनाथ भट्टाचार्य	सं०	१६२१	१४	
५८५	२५४३	संक्रान्तिफल		रा० गू०	१७५४	१	
५८६	३५०४	संक्रान्तिफल		सं०	१६वीं श.	११	
५८७	३८०४	संक्रान्तिफल आदि		सं० रा०	१७३	५	कुवडा ग्राम में लिखित ।
५८८	२५४०	संक्रान्तिफल तथा पूनमविचार		रा० गू०	१६वीं श.	२	
५८९	३२१७	सज्जनवल्लभ	भानुपंडित	सं०	१६१३	१४	वांकाणेर में लिखित
५९०	२६२६	संज्ञाविवेकविधृति	माधव	"	१६वीं श.	४४	अपूर्ण । नीलकण्ठकृत ताजिकग्रंथ के संज्ञा-विवेक नामक प्रथम प्रकरण की टीका है ।
५९१	३१६१	सन्तानदीपिका		"	१८०८	११	
५९२	११५५	समरसार	रामचन्द्र सोमयाजी	"	१८३६	६	
५९३	२१३	समरसार सटीक	रामचन्द्र सोमयाजी टी० भरत	"	१६वीं श.	४२	
५९४	३१३६	समरसार सटीक	रामचन्द्र सोमयाजी टी० भरत	"	"	२६	ग्रन्थ का मुख्य विषय युद्धजयोपाय है टीका कार मूल ग्रन्थकार का छोटा भाई है ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५६५	२६२५	समाविवेक विवृति	माधव	सं०	१६वीं श.	३३	अपूर्ण, नीलकण्ठकृत ताजिकग्रन्थके समा-विवेक नामक द्वितीय प्रकरण की टीका है।
५६६	१४६६	सर्वार्थचिन्तामणि	वैकटेशशिष्य	सं०	१६०३	१००	चुडा में लिखित।
५६७	६३३	सहस्रफलस्पष्टाध्याय		रा०	१६वीं श.	१	
५६८	३२३६	सहमानि		सं० रा०	१७८४	२	
५६९	३२६४	संवत्सरसार		सं०	१८६२	२२	
६००	३१६६	संवत्सराद्यानयनविधि		"	१६वीं श.	१३	
६०१	२५५६	साठसंवच्छरदोहा		रा०	१६०६	१२	
६०२	२८३७	साठसंवच्छरफल		"	१८६०	४५	
६०३	३५६४	साठसंवच्छरफल		"	१८६१	१-२२	
	(४)						
६०४	५६१	साठसंवच्छरी		"	१७वीं श.	५	
६०५	१७५२	सामुद्रिक		सं०	१७८५	६	
६०६	१६८१	सामुद्रिक		"	१८वीं श.	५	
६०७	३२६०	सामुद्रिक		"	१७७३	५	
६०८	३८०५	सामुद्रिक		"	१६वीं श.	६	
६०९	११३२	सामुद्रिक दोहा चौपाई	सुमतिमुम(?)	ब्र० हि०	"	१०	अजैलाप के विनोदार्थ रचना
६१०	६२३	सामुद्रिक भाषा पद्य		"	"	८	
६११	८४५	सामुद्रिक भाषा बंध		"	"	८	
६१२	२५७२	सामुद्रिक शास्त्र गद्य		रा०	१७७४	४	
६१३	२५६४	सामुद्रिक सबालावबोध		मू.सं.बा.	१६६८	१३	
				रा० गु०			
६१४	३४५०	सामुद्रिक सबालावबोध		मू.सं.बा.	१७वीं श.	२३	
				रा० गु०			
६१५	३४५३	सामुद्रिक सबालावबोध		मू.सं.बा.	१५३१	६	प्रथम पत्र अप्राप्य
				रा० गु०			
६१६	१८८६	सामुद्रिक सार्थ		मू.सं.अ.	१६वीं श.	८१	गुटका १७५ वां पत्र में सामुद्रिक पूर्ण होता है।
				रा० गु०			
६१७	२५३२	सामुद्रिक सार्थ		मू.सं.अ.	"	१६	
				रा० गु०			



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६१८	३०१२	सामुद्रिक सार्थ		मू.सं.अ. रा० गू०	१७वीं श.	१५	
६१९	३५२७	सामुद्रिक सार्थ		मू.सं.अ. रा० गू०	१७८१	५	भुजनगर में लिखित ।
६२०	३२८०	सारणी			१८वीं श.	१५०	
६२१	३२२९	सारसंग्रह	मुंजादित्य	सं०	१६०४	३०	राधनपुर में लिखित
६२२	१७६०	सारसंग्रह सत्रालाबोध		मू.सं.बा. रा० गू०	१८११	२८	
६२३	३७०१	सारसंग्रह सार्थ	मू. महादेवभट्ट	मू.सं.अ. रा० गू०	१७६७	२५	धमड़कानगर में लिखित ।
६२४	१६६०	सारावली	कल्याण	सं०	१७वीं श.	२	
६२५	३०५६	सारावली	कल्याण वर्मा	"	१६वीं श.	८५	
६२६	१८६८ (५)	सावण	मालदेवजी	रा०	१७६३	१-१३	गुटका । (पर्वतसर में लिखित) इसके पांच पन्ने तो ठीक अवस्था में हैं अन्तिम ८ पेज आपस में ऐसे चिपके हुए हैं जिन्हें खोल कर पढ़ना भी असम्भव है ।
६२७	३७५१	साहाकाढणरा दूहा	मोतीराम	"	१६वीं श.	३	सं. १८३२ में रचित ।
६२८	२६१३	सिद्धांतरहस्योदाहरण	विश्वनाथ	सं०	१८४८	७२	पत्र ७१वां अप्राप्त ।
६२९	२६१०	सिद्धान्तशिरोमणि	भास्कराचार्य	"	१८६१	६०	पत्र ३,४ अप्राप्त
६३०	२६६	सिद्धान्तशिरोमणि (खेटकर्म ब्रह्मतुल्यो- दाहरण)	भास्कराचार्य	"	१६१५	१७	
६३१	२६३८	सिद्धान्तशिरोमणिसटीक	भास्कराचार्य	"	१८वीं श.	३२	अपूर्ण ।
६३२	२६४०	सिद्धान्तशिरोमणिसटीक	टी. कृष्णदेवज्ञ	"	"		
६३३	२८६३ (१६)	सुभिच्चादिवर्णन पद्य		रा० गू०	२०वीं श. १७वीं श.	१३६ १० वां	
६३४	८१४	सूदमारोदय (शिवस्वरोदय)	सार्थ	मू.सं.अ. रा० गू०	१८८२	३३	भुजनगर में लिखित
६३५	१७६६	सूतिकाध्याय जातककुंडली विचार पंड्वर्गविचार		सं०	१६वीं श.	३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६३६	६३४	सूर्यचन्द्रपर्वोधिकार	भास्कर	सं०	१८वीं श.	१	करणकेशरीगत
६३७	६२	सूर्यसिद्धान्त		"	१६वीं श.	१८	
६३८	२८-३	सूर्यसिद्धान्त		"	शा. १६३६	२४	
६३९	३७११	सूर्यसिद्धान्त गोलाध्याय		"	१६१३	१६	श्रीउदयसिंघजीशासित चित्रकूट में लिखित प्रथम पत्र अप्राप्त
६४०	१७६३	स्त्रीकुण्डलिकाविचार		रा०	१६वीं श.	१	
६४१	२८६३ (७७)	स्त्रीगर्भनिर्णय		सं०	१७वीं श.	१४१ वां	
६४२	३७५०	स्त्रीजन्मकुण्डलिकाफल		"	१६वीं श.	११	
६४३	२५५२	स्त्रीजन्मपत्रीपद्धति	लब्धिचन्द्र	"	१८५०	३	सं० १७५१ में वेलाकूल में रचित
६४४	२५५१	स्त्रीजन्मपत्री फल		"	१६वीं श.	३	
६४५	६०३	स्त्रीजातक	रामचन्द्र	"	१७८६	१२	गूर्जरपत्तन में रचित
६४६	६८६	स्त्रीजातक		"	१७वीं श.	६	प्रथम पत्र नहीं है।
६४७	१८५६	स्त्रीजातक	विश्वनाथ	"	१७६७	८	सवाई जयपुरमेंलिखित
६४८	३७४८	स्त्रीजातक	रामचन्द्र	"	१८७६	३७	ग्रन्थकार गूर्जरपत्तन निवासी थे।
६४९	३७६३	स्त्रीजातक	रामचन्द्र	"	१६वीं श.	१२	ग्रन्थकार का निवास स्थान गूर्जरपत्तन था। पत्र ८ वां में प्रकरण पूर्ण होने के बाद लेखक ने स्त्री कुण्डलिका विष- यक काव्य लिखे हैं
६५०	३७६४	स्त्रीजातक सटीक		"	१८४८	१०	चमत्कार चिन्ता मण्यन्तर्गत। सरी- यारी में लिखित।
६५१	३७६४	स्त्रीजातक सार्थ		मू०स० अ०रा०	१८५२	१६	
६५२	३२	स्वप्नाध्याय		सं०	१८वीं श.	४	प्रकरणकर्त्ता हरि- दास का शिष्य व पुत्र होगा, अन्त्य पृष्ठ खराब होने से अस्पष्ट है।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६५३	३०११	स्वप्नाध्याय		सं०	१६वीं श.	१	
६५४	३१२६	स्वप्नाध्याय		"	१७६०	५	
६५५	१७४७	स्वरोदय ( नरपतिजयचर्या )		"	१८८०	४६	
६५६	१७५६	स्वरोदय	चरनदास	ब्र० हि०	१६०२	१४	भुजनगर में लिखित कर्ता का नाम रन- जीत था, उनके गुरु सुखदेवजी ने बदल कर चरनदास रखा सं० १६०७ में रचित
६५७	२५१०	स्वरोदय	चिदानंद	रा०	१६११	२१	
६५८	३७८६	स्वरोदय		सं०	१८वीं श.	६	
६५९	३७१६	स्वरोदय भाषा पत्र	चरनदास	ब्र० हि०	१६वीं श.	८	
६६०	३७०२	स्वरोदय रास्त्र	जीवनाथ	सं०	१७वीं श.	१३	
६६१	२५४८	हस्तरेखा चित्र		रा० गु०	१६वीं श.	१	
६६२	१७१८	हंमचक्र		सं०	१६वीं श.	२	
६६३	२६३०	हायनरनटीका	वल्लभद्र	"	१६वीं श.	११०	अपूर्ण । पत्र १, १५- से २० तथा ५८ वां अप्राप्त ।
६६४	३०४०	हिल्लाजताजिक		"	१६०८	२४	
६६५	६८५	होराप्रदीप सार्थ		मू. सं. अ. रा. गु.	१६वीं श.	५	
६६६	३२२१	होराप्रदीपक सार्थ		मू. सं. अ. रा. गु.	१८६२	१०	
६६७	१७५८	होलीविचार कार्तिक शुक्ला ५ विचारादि		ब्र. हि. गु.	१६वीं श.	१	



## (१३) छंद-शास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	५६६	अनुप्रासकथन		व्रज हि०	१६वीं श.	२	
२	५७६	अनुप्रासकथन		" "	" "	७	
३	५८१	अष्टगणविचार		" "	" "	३	
४	२८६३ (२३)	गणविचारचोपाई	हीरकलश	राज०	" "	१३ वां	
५	२४५६	गणसिद्धिप्रकार		संस्कृत	" "	३	अपूर्ण
६	२४५६	गाथालक्षण सटीक		सू० प्रा० टी० सं०	१७वीं श.	८	अपूर्ण
७	५७८	छंदरतनमाला	कविभोलानाथ भट्ट	व्र० हि०	१६वीं श.	१	
८	५८०	छंदःशृंगार	महासिंघ सेवक	" "	१८७६	२०	सं० १८५५ में मेरता में रचित।
९	२४६०	छंदसूची पद्य	साधुराम	" "	१८६७	४	कृष्णगढ़ में लिखित।
१०	५७१	छंदःकोश	रत्नशेखर	प्राकृत	१८वीं श.	७	
११	१६७३	छंदःकोश		"	१५५४	८	
१२	३६५८	पिंगल		अपभ्रंश	१८वीं श.	३६	नागडी ग्राम में लिखित।
१३	२४५७	पिंगलग्रन्थ	सूरत	व्रज हि०	१६०२	२७	कृष्णगढ़ में लिखित।
१४	५७६ (२)	पिंगलभाषाजन्मपत्रिका पद्य आदि		" "	१८२६	६-८	गूढा में लिखित।
१५	२३६४ (१)	पिंगल सटीक		राज०	१६वीं श.	४७	
१६	८८६	रघुनाथरूपक	मंझाराम सेवक	"	१६वीं श.	७६	सं० १८६७ में जोधपुर में रचित।
१७	२३६४ (२)	रूपदीपक पिंगलभाषा	भवानीदास पुष्करणा	रा० नू० व्रज हि०	१८५८	७	रचना सं० १७७६



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८	५७६ (१)	रूपदीपक	जैकिसन	ब्र० हि०	१८२६	१-५	सं० १७०६ में रचित गूढा में लिखित ।
१९	२४५८	रूपदीपपिंगल		"	१९७३	६	सं० १७७६ में रचित
२०	५७४	वर्णपताकामेहविधि		"	१८वीं श.	८	
२१	५८४	वर्णपताकामेहविधि		"	१९वीं श.	८	
२२	११७० (१)	वृत्तचन्द्रिका	गदाधर	ब्रज०	" "	१५	
२३	५८३	वृत्तमौक्तिक	चन्द्रशेखर कवि	संस्कृत	१७वीं श.	१०	
२४	५७२	वृत्तरत्नाकर	भट्टकेदार	"	१८वीं श.	१२	
२५	५७५	वृत्तरत्नाकर	"	"	१८३६	१२	
२६	१७३१	वृत्तरत्नाकर	"	"	७वीं श.	८	
२७	१९७२	वृत्तरत्नाकर	"	"	१५वीं श.	५	
२८	१९७४	वृत्तरत्नाकर	"	"	१६६१	१०	
२९	२४५४	वृत्तरत्नाकर	"	"	१८१२	६	रिणी में लिखित ।
३०	२४५५	वृत्तरत्नाकर	"	"	१८वीं श.	११	
३१	२४६८ (१)	वृत्त रत्नाकर	"	"	१७वीं श.	१-७	
३२	५८२	वृत्तरत्नाकर टीका	सोमचन्द्र	"	" "	२७	
३३	३४०२	वृत्तरत्नाकर टीका	"	"	" "	२१	रचना सं० १३२६(?)
३४	३६५४	वृत्तरत्नाकर टीका	"	"	" "	२४	
३५	३६५७	वृत्तरत्नाकर टीका	"	"	१८वीं श.	३८	सं० १३२६ में रचित
३६	३००४	वृत्तरत्नाकर सटिप्पण	केदारभट्ट	"	१५वीं श.	५	
३७	५६८	वृत्तरत्नाकर सटीक त्रिपाठ	मू० भट्टकेदार टी० समयसुन्दर	"	१८३१	१८	सं० १६६४ में रचित
३८	१९७६	वृत्तरत्नाकर सटीक	समयसुन्दर	"	१६६६	३५	टीका रचना संवत् १६६४ जालोर में ।
३९	३६५३	वृत्तरत्नाकर सटीक	"	"	६वीं श.	३१	
४०	३६५६	वृत्तरत्नावली	चिरंजीव	"	१८१६	८	यशवंतसिंह नृपति के विनोदार्थ रचित मकसूदावाद में लिखित ।
४१	५७०	श्रुतबोध	कालिदास	"	१६वीं श.	२	भुजनगर में लिखित
४२	५७३	श्रुतबोध	"	"	" "	३०	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४३	१६७५	श्रुतबोध	कालीदास	संस्कृत	१७वीं श.	३	कालीदास रचित श्रुतबोध की टीका । आडिसरनगर में लिखित ।
४४	१६७६	श्रुतबोध	"	"	" "	२	
४५	३००३	श्रुतबोध टीका	"	"	१८वीं श.	१	
४६	१६७७	श्रुतबोध सटीक	मू० कालीदास टी.मनोहरशर्मा	"	१८५८	८	माणिक्यमल्ल क्षिति- पाल के सन्तोषार्थ टीका रचना ।
४७	२४५२	श्रुतबोध सटीक त्रिपाठ	मू० कालीदास टी.मनोहरशर्मा	"	१७वीं श.	५	
४८	२४५३	श्रुतबोध सटीक त्रिपाठ	मू० कालीदास टी० हंसराज मुनि	"	१८वीं श.	८	
४९	३६५५	श्रुतबोध सटीक त्रिपाठ	मू० कालीदास टी.मनोहरशर्मा	"	१८२५	७	अजयदुर्ग में लिखित
५०	१६७८	श्रुतबोध बालावबोध सहित त्रिपाठ	मू० कालीदास बा० नेतृसिंह	"	१७३४	६	मेडता में लिखित ।
५१	५७७	श्रुतबोध सार्थ त्रिपाठ	मू० कालीदास टी.मनोहरशर्मा	"	१८५८	६	रापुर रायपुर (कच्छ- बागड) में लिखित



## (१४) संगीत-शास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	३५५७ (५)	रागमाला		ब्रज हिन्दी	१७६१	७३-७४	
२	२८३२ (७)	रागविलास		,,	१७७४	६८-१०२	गुटका
३	८४७	रागसागर (गद्य)		राज०	१६वीं श.	६	
४	२५२८	संगीत रत्नाकर चतुर्थाध्याय	शाङ्गदेव	संस्कृत	,, ,	२१	
५	२६५४	संगीतराज (फोटोकापी)	कुम्भकर्ण	,,	१६वीं श.	प्लेट ५०८	दो विभाग हैं। पहले विभाग की प्लेट २२० और दूसरे विभाग की प्लेट २८८ एवं कुल ५०८ प्लेट हैं।



## (१५) कामशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	७३७	अनंगरंग	कल्याण	सं०	१७०१	६	अपूर्ण गुटका पत्र १, २ नहीं है । अपूर्ण प्रति है पत्र २५ वां अप्राप्त । टीका जयमंगला- नामक
२	१८७६ (४)	अनंगरंग		"	१८वीं श.	१४२- १५३	
३	७३६	कामसमूह		"	"	२३	
४	५२	कामसूत्र	वात्स्यायन	"	२०वीं श.	३३	
५	२३७६	कामसूत्र सटीक	वात्स्यायन	"	१६४५	२०४	वालिम में लिखित गुटका पर्वतसर में लिखित ।
६	७४०	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज	१८वीं श.	६	
७	२२६८	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज हि.	१६वीं श.	१०	
८	१८६८ (३)	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज हि.	१७६१	१-१८	
९	३५६० (३)	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज हि.	१७६५	१-१८	गुटका
१०	१८११	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज हि.	१६वीं श.	६	
११	१६०२ (३)	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	ब्रज हि.	"	१-४७	
१२	१८३८	कोकसार चौपई सस्तबक	मू. आनन्दकवि	ब्रज हि.	१६००	६१	
१३	७३६	कोकशास्त्र (भाषागद्य)	कोकदेव	राज. गू.	१६१२	११	मात्र १०वां प्रकार । सं० १८२२ में जैसलमेर में रचित
१४	७३८	कोकशास्त्र (भाषागद्य)	कोकदेव	राज. गू.	१८१४	१२	
१५	१८३४	कोकशास्त्र	नरबद	राज. गू.	१८वीं श.	५	
१६	१८३३	रतिप्रमोद	जगन्नाथ	राज.	१८५७	३२	



## (१६) काव्य नाटक चम्पू

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१८८०	अभिज्ञानशाकुन्तल	कालीदास	संस्कृत	१६वीं श.	२६	तृतीयांक पर्यन्त, खण्डित प्रति।
२	३३१६	अभिज्ञान शाकुन्तल	"	"	१७२७	३७	“राजानोददते सौख्यम्” इस चरण के आठ लाख अर्थ हैं। गीत गोविन्दगत।
३	६८	अर्थरत्नावली (अष्टलक्षार्थी) टीका	समय सुन्दर	"	१६६३	४३	
४	२३७६ (७)	अष्टपदी	जयदेव	"	२०वीं श.	१से१२	
५	४३	आनन्दवृन्दावन चम्पू सटीक त्रिपाठ	मूल कर्णपूर टीका (?)	"	१६१२	४८६	टीकानाम आनन्द-वर्तिनी, सुखवर्तिनी
६	११४५	ऋतुसंहार	कालीदास	"	१८५७	३७	
७	८०४	कमला भारती संवाद	मधुसूदन भट्ट	"	१६वीं श.	२	
८	१६४८	कर्पूरमंजरीनाटिका	राजशेखर	प्राकृत	१६५३	८	
९	२६७२	कर्पूरमंजरीनाटिका टीका		संस्कृत	१६३५	१०	
१०	२६८८	कादंबरी पूर्व खण्ड	वाणकवि	"	१७वीं श.	८५	
११	१८३६ (१)	कान्हगुजरीभगडा		ब्र०	१८३०	२-८	आद्य पत्र १ अप्राप्त गुटका
१२	४८८	किराताजु नीयकाव्य	भारवि	संस्कृत	१७०४	६०	अन्यपत्र सुशोभन है। सूरतिबिंदर में लिखित।
१३	५०८	किराताजु नीयकाव्य	"	"	१८१६	८०	भुजद्रंग में लिखित
१४	१८५४	किराताजु नीयकाव्य	"	"	१७८८	८३	
१५	१६७१	किराताजु नीयमहाकाव्य	"	"	१७८६	५४	
१६	२८७२	किराताजु नीयकाव्य	"	"	१८२६	५७	बलाहूरपुर में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७	३४०४	किरातार्जुनीयकाव्य	भारवि	सं०	१६वीं श.	४४	प्रथम पत्र अप्राप्त
१८	१६५३	किरातार्जुनीयकाव्य टीका	मल्लिनाथ	"	१७३१	२१२	पत्र १से७ अप्राप्त श्रीमत्कणी में लिखित
१९	३५४२	किरातार्जुनीयपंचदशम सर्ग टीका	प्रकाशवर्ष	"	१७वीं श.	१३	
२०	३४०५	किरातार्जुनीयलघुटीका		"	१७२८	१२५	
२१	२६७८	किरातार्जुनीयलघुटीका सहित त्रिपाठ	भारवि	"	१६१६	१००	दंतीपाठक में लिखित ।
२२	४८३	किरातार्जुनीयकाव्य सटिप्पण	भारवि	"	१५६६	५३	आसलकोटनगर में लिखित ।
२३	११५२	कुतुबशत		रा०	१५७०		
२४	१५४५	कुमारपाल चरित्र महाकाव्य	जयसिंहसूरि	सं०	१४८३	१७५	
२५	४७६	कुमारपाल चरित्र महाकाव्य	जयसिंहसूरि	"	१४६२	११६	
२६	१६४६	कुमारविहारशतक	रामचन्द्र	"	१६वीं श.	५	
२७	१६४२	कुमारविहारशतक		"	१८वीं श.	१३	
२८	२४८४	कुमारसंभवकाव्य	कालीदास	"	१७२३	२४	सप्तमसर्ग पर्यन्त
२९	२८७५	कुमारसंभवकाव्य	कालीदास	"	१८२७	२७	वी. (वी) क्रमपुर में लिखित ।
३०	१५२७	कुमारसंभवकाव्य	कालीदास	"	१५३०	३०	अष्टमसर्ग पर्यन्त
३१	१५२६	कुमारसंभवकाव्य	काजीदास	"	१५२६	६३	जीर्णप्रति
३२	५१४	कुमारसंभवकाव्य	कालीदास	"	१७वीं श.	५४	सप्तमसर्ग पर्यन्त
३३	४६५	कुमारसंभवकाव्य	कालीदास	"	१७५२	१७	सप्तमसर्ग पर्यन्त अनूपपुरा में लिखित
३४	२८२	कुमारसंभवकाव्य	कालीदास	"	१४३१	६३	अष्टमसर्ग पर्यन्त । पुष्पिका 'स्वस्ति सं. १४३१ वर्षे द्वितीय आश्विन शुदि १४ शुक्ले अद्ये हम् दूरडीग्रामे राजश्रील्लप्रतिप्रतौ मेदपाटज्ञातीयपं.राउल-सुत पं. राधवेणकुमार । संभवकाव्यपुस्तको लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३५	२७१	कुमारसम्भव काव्य टीका	मल्लिनाथ	संस्कृत	१८वीं श.	७०	सप्तम सर्ग पर्यन्त
३६	१६५४	कुमारसंभव काव्यटीका	"	"	१६१२	१२०	पत्र १४ वां अप्राप्त सप्तम सर्ग पर्यन्त देल्हाडा में लिखित
३७	३६३३	कुमारसंभव काव्यटीका	चारित्रवर्धन	"	१८वीं श.	४३	सप्तमसर्ग पर्यन्त
३८	५०७	कुमारसंभव काव्यटीका		"	१८०५	३८	प्रथम पत्र अप्राप्त रचना सं० १८०५ अरडकमल्ल की प्रार्थना से टीका रचना । अष्टम सर्ग पर्यन्त
३९	३३५८	कुमारसंभव काव्य लघु टीका सहित त्रिपाठ	मू०कालीदास	"	१६वीं श.	७६	अष्टम सर्ग पर्यन्त
४०	४०७	कुमारसंभव काव्य सटीक त्रिपाठ	"	"	१६६०	६७	सप्तमसर्ग पर्यन्त
४१	२६७७	कुमारसंभव काव्य सटीक पंचपाठ	कालीदास टी०मल्लिनाथ	"	१७१२	३६	सप्तमसर्ग पर्यन्त पट्टभेद नगर में लिखित ।
४२	२६७६	कुमारसंभव काव्य सटीक पंचपाठ	कालीदास	"	१६वीं श.	३०	सप्तमसर्ग पर्यन्त
४३	३३६०	कुमारसंभव काव्य सावचूरि द्विपाठ	मू०कालीदास	"	१७वीं श.	४६	सप्तमसर्ग पर्यन्त
४४	३३६४	कुमारसंभवाष्टमसर्ग सावचूरि पंचपाठ	"	"	१६वीं श.	८	
४५	८८	कृष्णरुक्मणीवेली	पृथ्वीराज ( पीथल )	ब्रज	१६वीं श.	१५	
४६	६१४	कृष्णरुक्मणीवेली	पृथ्वीराज ( पीथल )	"	१७५०	२०	रचना सं० १६३७ भुज में लिखित
४७	८६७	कृष्णरुक्मणीवेली	पृथ्वीराज	"	१८६७	३४	
४८	१८३५	कृष्णरुक्मणीवेली पद्य टीका सहित	पृथ्वीराज (पीथल) टी० गोपाललालहौरी	"	१८वीं श.	२०	मूल रचना संवत् १६३८ (?) पद्य रचना सं० १६४४।
४९	३७४३	कृष्णरुक्मणीवेली पद्यबालावबोधसहित	मू०पृथ्वीराज बा०जयकीर्ति	मू०ब्रज बा०राज०	१७६८	३५	मूल रचना संवत् १६३८ सं० १६८६ में बीकानेर में बाला- वबोध रचना ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५०	३६४२	कृष्णरुक्मणीवेली बालावबोधसहित	पृथ्वीराजकल्या- णमलोत, वा. शिवनिधान	मू. ब्र. वा. रा.	१७३८	८१	मू. रचना सं. १६३७ बाला. र. सं. १६४४ (?)
५१	३५५७ (२)	कृष्णरुक्मणीवेली सटीक	मू. पृथ्वीराज कल्याणमलोत	राज०	१७६१	१-६६	योधपुर में लिखित । मू. रचना सं. १६३८
५२	३५४८ (४)	कृष्णरुक्मणीवेली सबालावोध	मू. पृथ्वीराज वा. जयकीर्ति	मू. ब्र.हि. वा. रा.	१८वीं श.	१-७३	सं० १६८६ में बीका- नेर में बालावबोध रचना । बेजलदी- तिमरी में लिखित ।
५३	२०६६	कृष्णरुक्मणीवेली सस्तवक	मू. पृथ्वीराज (पीथल) स्त. शिवनिधान	मू. रा.	१७६६	३३	न्यग्रोधनगर में लिखित । मू. रचना सं० १६३८ ।
५४	१८६८ (१४)	कृष्णरुक्मणीवेलीसार्थ	पृथ्वीराज (पीथल) कल्याणमलोत	मू. ब्र. अ. रा.	१७६२	१-६७	गुटका । अद्रिशर में लिखित ।
५५	२०७०	कृष्णरुक्मणीवेलीसार्थ	मू. पृथ्वीराज (पीथल)	मू. ब्र. अ. रा.	१७२२	४६	चहूआण श्री राजसीजी के शासन में सोहीगाम में लिखित । सं. १६३८ में रचित ।
५६	२४७४	खण्डप्रशस्ति सटिप्पण		सं०	१७वीं श.	१२	
५७	२८७७	खण्डप्रशस्ति (दशावतार स्तुति) सटीक त्रिपाठ	टी. गुणविनय	"	१६७२	२६	सं. १६७१ में टीका रचना ।
५८	१८७०	गीतगोविन्द	जयदेव	"	१६वीं श.	११५	गुटका ।
५९	१६०१	गीतगोविन्द	जयदेव	"	१६वीं श.	५८	
६०	२८५८	गीतगोविन्द	जयदेव	"	१६वीं श.	४६	पत्र २३ वां तथा २७ वां अप्राप्त ।
६१	३०७६	गीतगोविन्द सटीक त्रिपाठ	मू. जयदेव	"			
६२	२३६२ (१)	गीतगोविन्द सार्थ	मू. जयदेव	सं.अ.रा.	१७२८	५४	गुटका । रूपनगर में लिखित पत्र ३५ से ४१ तक नष्ट ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६३	६०८	गीतगोविन्द बालाव- बोधसहित	मू. जयदेव	मू.सं.बा. रा०गु०	१८वीं श.	२६	
६४	१७०२	घटखर्परकाव्य सटीक		सं०	१८७५	७	
६५	२४६६	घटखर्परकाव्य सटीक त्रिपाठ		"	१७वीं श.	२	
६६	३४११	घटखर्परकाव्य सटीक	मू. कालीदास टी. शंकरसूरि	"	१८वीं श.	४	
६७	३४१६	घटखर्परकाव्य सटीक	मू. कालीदास	"	१७वीं श.	६	
६८	२३६२ (१०)	जगनवत्तीसी	जगन पुष्करणा	ब्र० हि०	१७७६ (४)	८	राजाराम रघुवीर की वत्तीसी
६९	१५३१	दमयंतीकथा चम्पू	त्रिविक्रमभट्ट	सं०	१५१८	८५	
७०	१६६४	दमयंतीकथा चम्पू	त्रिविक्रमभट्ट	"	१६वीं श.	७५	
७१	१६६५	दमयंतीकथा चम्पू	त्रिविक्रमभट्ट	"	१५६१	५५	शोधित प्रति है।
७२	१६६२	दशावतारवर्णन (खण्ड प्रशस्ति (?))		"	१७वीं श.	१०	सिरोही में लिखित।
७३	२१६१	दुगोलीगांवरी गजल	अर्जुनचन्द्र	०	१६३४	५	रचना सं. १६२६
७४	२४६७	दुर्घटकाव्य सटीक		सं०	१७७६	१३	अहम्मदपुर में लिखित।
७५	३२८७	दुर्घटकाव्य (दशावतार स्तुति) सटीक त्रिपाठ		"	१८८६	५	
७६	२६७०	दूतांगद नाटक	सुभट	"	१५वीं श.	४	
७७	३२०६	दूतांगद नाटक	सुभट कवि	"	१७वीं श.	४	
७८	३६३७	दूतांगद नाटक	सुभट कवि	"	१८५०	६	नागपुर में लिखित।
७९	२३६७ (४)	नखशिख वर्णन	केशवदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	६०-१०६	
८०	३६८४	नखशिख वर्णन सार्थ	मू. केशवदास	मू.ब्र.हि. अ. रा.	१७५६	२३	रसिकप्रियान्तर्गत बालोत्तरानगर में लिखित।
८१	२६८७	नलोदय		सं०	१७२८	७	
८२	३०८३	नवरत्नकाव्य		"	१६वीं श.	२	
८३	३५६६ (३)	नवरसकाव्य	नारायणदास भरुची	गू०	१७वीं श.	१८-२६	
८४	२५०६	नगराजशतक	नगराज	सं०	१६वीं श.	११	
८५	१८८६ (१४)	नीतिमंजरी	सवाई प्रताप- सिंहजी	हि०	१६वीं श.	६३-७३	भट्टहरिनीतिशतक पर भाषा काव्य।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८६	२६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	श्रीहर्ष	संस्कृत	१६वीं श.	५५	सप्तम सर्ग पर्यन्त
८७	४०६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	"	"	१६वीं श.	७८	अन्त्य पत्र (७६वां) अप्राप्त ।
८८	१५२६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	"	"	१५१६	१८५	
८९	१६३७	नैषधीयचरितमहा-काव्य	"	"	१५वीं श.	१४५	सर्ग १५ पर्यन्त १६वां अपूर्ण भृगुपुर में लिखित ।
९०	२६८२	नैषधीयचरितमहा-काव्य प्रथम सर्ग टीका	नारायण	"	१८४७	६२	
९१	१५३६	नैषधीयचरित सटिप्पण	श्रीहर्ष कवि	"	१५०१	१३७	वीरपुर में लिखित ।
९२	३६०६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	मू० श्रीहर्ष	"	१६वीं श.	१८	
९३	३६१०	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक द्वितीय सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१६वीं श.	१६	
९४	३६११	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक तृतीय सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	" "	२१	
९५	३६११	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक त्रिपाठ चतुर्थ सर्ग	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१८८८	१५	भट्टपुर में लिखित ।
९६	३६१३	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक पंचम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१८८८	२२	
९७	३६१४	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक षष्ठ सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१८८६	१८	
९८	३६१५	नैषधीयचरितमहा-काव्य सप्तम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१६वीं श.	१६	
९९	३६१६	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक अष्टम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१६वीं श.	२३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
१००	३६१७	नैषधीयचरितमहा- काव्य सटीक नवम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	संस्कृत	१८८८	४०	
१०१	३६१८	नैषधीयचरितमहा- काव्य सटीक दशम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१८८८	३२	
१०२	३६१९	नैषधीयचरितमहा- काव्य सटीक एकादश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श.	२८	
१०३	३६२०	नैषधीयचरितमहा- काव्य सटीक द्वादश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० ना।यण	"	१९वीं श.	२५	
१०४	३६२१	नैषधीयचरितमहा- काव्य सटीक त्रयोदश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श.	१८	
१०५	३६२२	नैषधीयचरितमहा- काव्य सटीक चतुर्दश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श.	१६	
१०६	३६२३	नैषधीयचरितमहा- काव्य सटीक पंचदश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श.	१६	
१०७	३६२४	नैषधीयचरितमहा- काव्य सटीक षोडश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१८८६	२३	
१०८	३६२५	नैषधीयचरितमहा- काव्य सटीक सप्तदश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श.	३७	
१०९	३६२६	नैषधीयचरितमहा- काव्य सटीक अष्टादश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श.	२४	
११०	३६२७	नैषधीयचरितमहा- काव्य सटीक एकोन- विंशतितम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श.	१८	







अननवरवरयसुः श्रीनारायणः श्रीयतां॥ ग्रंथसंख्या॥ ७९७४॥ अतः परं सता  
 पर्वतविद्यति॥ नद्यायमाद्यः श्लोकः॥ ततोऽब्रवीन्मयाः पार्थवास्तुदवद्यसाक्षिभ्यो॥  
 प्रांजलिः श्लक्ष्णवाचा सुजयिवा पुनः पुनः॥ शिवमुखसर्वज्ञगणः परहितनि  
 रतानंदं तु तगणाः दोषाः प्रयां तुनाशं सर्वत्र सुखी नवतु लोकः॥ अमुनाः पु  
 णः संतु पुत्रिणः संतु पौत्रिणः॥ अधनाः यधनाः संतु संतो जीवंतु संततं॥ २५३॥  
 वत् १५०५ वर्षांशदे १३७० प्रवर्तमाने दक्षिणायने शिशिर ऋतौ महामांगल्यव  
 सह श्रेमापि शुद्धिप्राप्तिरिति यत्तियोगुरुवाचरे॥ ऐहिकेष्वप्युपवसनां सुखं  
 क्षाति सरोजिनी विवस्वतो ज्योति श्रीजयशर्मणः सुत्राण कमलाकनाम्न पठना ३३४  
 धीतथा आच्ये शि श्रुनां वाचनाथी॥ तथा सार्वपां पुणवतां मनोदिने दाय श्रीमहाना  
 रतीयं आदिमं पक्षं दिवं लिखि॥ चिरं नंदं तु सुखकंदारः प्रसादात्॥ श्रीः श्रीः



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१११	३६२८	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक विंशतितमसर्ग त्रिपाठ	मू. श्रीहर्ष टी. नारायण	सं०	१६वीं श.	२०	
११२	३६२९	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक विंशतितमसर्ग त्रिपाठ	मू. श्रीहर्ष टी. नारायण	"	१८८६	३१	
११३	३६३०	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक द्वाविंशतितम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्री हर्ष नारायण	"	"	२७	
११४	१६२८	नैषधीयचरितमहाकाव्य सावचूरि पंचपाठ	मू. श्री हर्ष	"	१६६७	१००	सुशोधित प्रति ।
११५	८६	पउमचरियं	विमलसूरि	प्रा०	१६वीं श.	२५३	प्रथम और अन्त्य पत्र नव्य लिखा है ।
११६	१६४३	पद्मानन्दकाव्य	अमरचन्द्रसूरि	सं०	१८वीं श.	७	अष्टमसर्गमात्र
११७	४७६	पार्थपराक्रम व्यायोग	प्रल्हादन	"	१७वीं श.	६	
११८	२६७३	पार्थपराक्रम व्यायोग	प्रल्हादन	"	"	७	
११९	३३१३	प्रबोधचन्द्रोदयनाटक सटीक त्रिपाठ	मू. कृष्णमिश्र टी. रामदास दीक्षित	"	१६६०	७०	हरिपुर में लिखित
१२०	१६५२	बाल भारत	अमरचन्द्र	"	१७वीं श.	२११	
१२१	१६६६	बालरामायणोद्धार		"	१६वीं श.	२	
१२२	२१६२	विहारीसतयासार सिंगाररसपुंजसतक		ब्र. हि.	१६३३	५	
१२३	२३४	महानाटक	हनुमत्कवि	सं०	१७२६	७	
१२४	२६४६	महानाटक	हनुमत्कवि	"	१६वीं श.	६६	अपूर्ण । पत्र १, २ अप्राप्त ।
१२५	३५०२	महानाटक सटीक	हनुमत् टी० मोहनदास मिश्र	"	"	१५६	पत्र २६ वां अप्राप्त
१२६	६८	महाभारत (हरिवंश)	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१६वीं श	४१	कैलाशयात्रा
१२७	१०६	महाभारत अश्वमेधपर्व सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	"	१२८	
१२८	४२६	महाभारत आदिपर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१५०५	३३४	पत्र १ से २६ अप्राप्त नैषधपुर में लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२६	१०७	महाभारत आश्रम-वासिकपर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	संस्कृत	१८२६	२५	
१३०	१०२	महाभारत ऐषिक पर्व सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	१०	
१३१	१०१	महाभारत गदापर्व सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१८००	६६	
१३२	१०६	महाभारत प्रास्थानिक पर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	४	
१३३	१०८	महाभारत मौशल पर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	७	
१३४	१८८	महाभारत विराट् पर्व	शिवदास	ब्र० हि०	१६वीं श.	१६	अपूर्ण
१३५	७४१	महाभारत शान्ति पर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	सं०	१६वीं श.	१३७	अपूर्ण
१३६	१००	महाभारत शान्ति पर्व ( राजधर्म आपद्धर्म ) सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	२४०	
१३७	१०५	महाभारत शान्ति पर्व सटीक (मोक्षधर्म)	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	४३३	
१३८	६७	महाभारत सटीक ( हरिवंश )	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	५३५	
१३९	६६	महाभारत सटीक आनुशासनिक पर्व ( दानधर्म )	कृष्णद्वैपायन व्यास	,,	१६वीं श.	३११	
१४०	१८८७ (१४)	महाभारत सटीक त्रिपाठ अश्वमेध पर्व	,,	,,	१६वीं श.	६५	पत्र १०वां अप्राप्त
१४१	१८८७ (१६)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्ति पर्व आपद्धर्म	,,	,,	१६वीं श.	६५	
१४२	१८८७ (२०)	महाभारत सटीक त्रिपाठ आरण्यधर्म ( वनपर्व )	,,	,,	१६वीं श.	४३८	पत्र १ से १०१ अप्राप्त ।
१४३	१८८७ (१०)	महाभारत सटीक त्रिपाठ आश्रमवासिक पर्व	,,	,,	१८वीं श.	२८	
१४४	१८८७ (३)	महाभारत सटीक त्रिपाठ उद्योगपर्व	,,	,,	१७६०	३०४	पत्र १५१ से २०६ अप्राप्त ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४५	१६७४	महाभारत उद्योगपर्व अपूर्ण	कृष्णद्वैपायन व्यास	संस्कृत	१७वीं श.	७०से१३३	
१४६	१८८७ (८)	महाभारत सटीक त्रिपाठ ऐषिकपर्व	मू.कृष्णद्वैपायन टी० नीलकंठ	,,	१७६०	८	
१४७	१८८७ (५)	महाभारत सटीक त्रिपाठ कर्णपर्व	मू.कृष्णद्वैपायन टी० नीलकंठ	,,	१७८६	१२६	
१४८	१८८७ (७)	महाभारत सटीक त्रिपाठ गदापर्व	मू.कृष्णद्वैपायन टी० नीलकंठ	,,	१७६१	५४	
१४९	१८८७ (४)	महाभारत सटीक द्रोणपर्व	,,	,,	१७६१	२७५	
१५०	१८८७ (६)	महाभारत सटीक त्रिपाठ मौशलपर्व	,,	,,	१८वीं श.	११	
१५१	१८८७ (२)	महाभारत सटीक त्रिपाठ विराट्पर्व	,,	,,	१८वीं श.	७६	
१५२	१८८७ (१३)	महाभारत सटीक त्रिपाठ विशोकपर्व	,,	,,	१६वीं श.	५	
१५३	१८८७ (६)	महाभारत सटीक शल्यपर्व	,,	,,	१७६०	४५	
१५४	१८८७ (१६)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्तिपर्व-दानधर्म	,,	,,	१६वीं श.	१००	अपूर्ण
१५५	१८८७ (१७)	महाभारत सटीक शान्तिपर्व-मोक्षधर्म पूर्वाद्ध	,,	,,	१६वीं श.	३००	
१५६	१८८७ (१८)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्तिपर्व-मोक्ष- धर्म उत्तराद्ध	,,	,,	१६वीं श.	३०१से ५७३	
१५७	१८८७ (१५)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्तिपर्व-राजधर्म	,,	,,	१६वीं श.	२१०	पत्र १७६वां अप्राप्त
१५८	१८८७ (१)	महाभारत सटीक त्रिपाठ सभापर्व	,,	,,	१८वीं श.	१२४	अन्त्य १२५ वां पत्र अप्राप्त ।
१५९	१८८७ (१३)	महाभारत सटीक सौप्तिकपर्व	,,	,,	१८०८	२०	
१६०	१८८७ (११)	महाभारत सटीक स्त्रीपर्व	,,	,,	१८वीं श.	२०	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र संख्या	विशेष
१६१	४२७	महाभारत सभापर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	संस्कृत	१६५५ (१५५५)?	१०६	सानन्द ग्राम में लिखित ।
१६२	१०३	महाभारत सौप्तिकपर्व सटीक	मू. कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१६वीं श.	२१	
१६३	१०४	महाभारत स्त्रीपर्व	"	"	"	२०	
१६४	११०	महाभारत स्वर्गरोहण पर्व	"	"	"	१५०	
१६५	२६७४	मुरारिनाटकटिप्पण		"	१५वीं श.	३३	
१६६	४७८	मेघदूत	कालीदास	"	१६५१	१७	
१६७	५००	मेघदूत	कालीदास	"	१६वीं श.	१०	
१६८	५०१	मेघदूत	कालीदास	"	१८६२	१७	मांडवी बिन्दर में लिखित ।
१६९	१६४५	मेघदूत	कालीदास	"	१६२८	६	
१७०	२४७३	मेघदूत	कालीदास	"	१८४३	६	
१७१	२८७४	मेघदूत	कालीदास	"	१८५३	१३	
१७२	२६८४	मेघदूत	कालीदास	"	१७वीं श.	१६	
१७३	३६३६	मेघदूत	कालीदास	"	१७६८	८	आऊआ में लिखित
१७४	३५३२	मेघदूत कल्पलता व्याख्या सहित	मू. कालीदास	"	१६५३	२०	साचुर में लिखित ।
१७५	२३०	मेघदूत टीका	मल्लिनाथ	"	१६वीं श.	६०	संजीवनी टीका
१७६	४६६	मेघदूत टीका	मल्लिनाथ	"	१८वीं श.	२७	संजीवनी टीका
१७७	३६३५	मेघदूत टीका	मल्लिनाथ	"	"	१६	
१७८	४६८	मेघदूत सटिप्पण	मू. कविकालीदास	"	१५वीं श.	६	
१७९	५०५	मेघदूत सटिप्पण	"	"	१८वीं श.	६२	
१८०	३३६१	मेघदूत सटिप्पण	कालीदास	"	१५४८	७	
१८१	४७४	मेघदूत सटीक	कालीदास	"	१६वीं श.	१६	
१८२	१५४१	मेघदूत सटीक	मू. कालीदास	"	१७वीं श.	३२	
१८३	३४३१	मेघदूत सटीक	मू. कालीदास	"	१८वीं श.	२२	
१८४	२६८५	मेघदूत सावचूरि पंचपाठ	मू. कालीदास	"	१७वीं श.	१७	
१८५	२६८६	मेघदूत सावचूरि पंचपाठ	मू. कालीदास	"	१६५८	१५	भाकग्राम में लिखित ।
१८६	३४०६	मेघदूत सुखलतावृत्ति	मू. कालीदास	"	१८वीं श.	१७	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८७	२६७१	मोहपराजय नाटक	यशःपाल	संस्कृत	१५वीं श.	१७	प्रथम पत्र अप्राप्त
१८८	१६६८	यशोधरचरित्र	माणिक्यसूरि	"	१६६२	३०	
१८९	१६६१	युधिष्ठिरविजयमहा-काव्य सटीक	मू० वासुदेव टी० रत्नकंठ-राजानक	"	१८वीं श.	७१	सप्तम आश्वास पर्यन्त ।
१९०	४७	रघुवंशमहाकाव्य	कालीदाम	"	१६०२	६६	
१९१	१५२५	रघुवंशमहाकाव्य	"	"	१५वीं श.	१००	.
१९२	२८७६	रघुवंशमहाकाव्य	"	"	१६६५	५१	
१९३	२६०३	रघुवंशमहाकाव्य	"	"	१८८४	६१	पत्र ३१ से ३५ अप्राप्त ।
१९४	३१२०	रघुवंशमहाकाव्य	"	"	१८६१	११४	जयपुर में लिखित
१९५	३६३२	रघुवंशमहाकाव्य	"	"	१६वीं श.	६४	प्रथम पत्र अप्राप्त
१९६	२११	रघुवंशमहाकाव्य नवमसर्ग सटीक	मू०कालीदास टी०मल्लि-नाथसूरि	"	१६वीं श.	२७	
१९७	१६५७	रघुवंशमहाकाव्य सटीक	मू०कालीदास टी०मल्लिनाथ	"	१७वीं श.	१४५	१६ सर्ग पर्यन्त १७ वां अपूर्ण ।
१९८	१६७०	रघुवंशमहाकाव्य सटीक त्रिपाठ	कालीदास	"	१६वीं श.	३५३	
१९९	२६७५	रघुवंशमहाकाव्य सटीक त्रिपाठ	मू०कालीदास टी०श्रीवल्लभ	"	१६४४	६८	राव श्री दुर्गाजी के शासन में रामपुरा में लिखित ।
२००	४६७	रघुवंशमहाकाव्य टीका	मल्लिनाथ	"	१८५६	७६	६ सर्ग पर्यन्त भुजनगर में लिखित ।
२०१	३६३१	रघुवंशमहाकाव्य टीका	मल्लिनाथ	"	१८८८	१४०	सुभद्रपुर में लिखित
२०२	२८७३	रघुवंशमहाकाव्य टीका	समयसुन्दर	"	१८०६	१८४	सं० १६६२ में स्तम्भ तीर्थपुर में रचित ।
२०३	४८६	रघुवंशमहाकाव्य टीका	"	"	१७०२	८४	हालारदेशे वणथली ग्राम में लिखित ।
२०४	५०६	रघुवंशमहाकाव्य टीका	गुणविनय	"	१६वीं श.	२२५	सं० १६६२ में स्तम्भतीर्थ में रचित अकबर के शासन काल में विक्रमपुर में सं० १६४६ में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०५	१५४४	रघुवंशमहाकाव्य लघु टीका	जनार्दन	सं०	१६वीं श.	२२०	
२०६	२६६	रघुवंशमहाकाव्य टिप्पणी सहित	मू. कालीदास	मू. सं. टी.रा.गू.	१७वीं श.	७२	
२०७	१६६५	रघुवंशमहाकाव्य साव-चूरि प्रथम सर्ग	मू. कालीदास अ.सुमतिविजय	सं०	१६वीं श.	१७	
२०८	३३५७	रघुवंशमहाकाव्य सावचूरि	मू. कालीदास	"	१६६०	१०६	
२०९	४७०	रघुवंशसर्ग परिचय		"	१७वीं श.	२	
२१०	२२६८	रसिकमनमोदिका	सुखदान	ब्र. हि.	"	३५	
२११	२४६३	राक्षसकाव्य	कालीदास	सं०	"	४	
२१२	१६६७	राक्षसकाव्य सटिप्पण	मू. कालीदास	"	१८७५	८	
२१३	३०२८	राधिकानखसिख वर्णन	केशवदास	ब्र. हि.	१८वीं श.	१२	
२१४	३६८६	रामआज्ञा	तुलसीदास	"	१६वीं श.	१८	
२१५	१८४७	रामआज्ञासुगुणप्रबन्ध	तुलसीदास	"	१८४०	१६	
२१६	५०६	रामकृष्णकाव्य	पंडित सूर्य	सं०	१६वीं श.	३	
२१७	८६१	रामचरितमानस	तुलसीदास	ब्र. हि.	"	७३	
२१८	१८६५	रामचरितमानस	तुलसीदास	"	१८४७	१७२	कवित्तबंध
२१९	१२३६	रामचरितमानस लंकाकांड	तुलसीदास	"	१८८५	५३	पत्र ३, ४ तथा २३ वां अप्राप्त ।
२२०	३०५५	रामायण बालकांड प्रथमसर्ग	वाल्मीकि	सं०	१६वीं श.	६	
२२१	३१४७	रामायणबालकांड प्रथमसर्ग	वाल्मीकि	"	"	१०	
२२२	८६८	लखपति (कक्छनरेश) मंजरी नाममाला	कुंअर कुशल	ब्र.	"	१२	सं० १७६४ में रचित कक्छनरेशवंश वर्णन
२२३	११२१	लखपतिमंजरी नाममाला	कुंअर कुशल	ब्रज.	१८२३	१३	भुजनगर में लिखित । भुजनरेश के वंश वर्णनमयकृति है ।
२२४	१८६३	लगनपच्चीसी	जगदीश भट्ट	ब्र. हि.	१८५६	१८	गुटका सवाई जय-नगर में लिखित । सवाई प्रतापसिंहजी की आज्ञा से रचना
२२५	५१०	लटकमेलकप्रहसन	शंखधर	सं०	१६वीं श.	१६	प्रथम पत्र नहीं है ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२६	१६५०	लटकमेलकप्रहसन	शंखधर	संस्कृत	१७वीं श.	१२	वासना वासुदेवस्य वासितं भुवनत्रयम् । सर्वभूतनिवासीनां वासुदेव नमोऽस्तुते इस श्लोक के पांच अर्थ हैं ।
२२७	१७०७	वाग्भूषणशतक	रामचन्द्र टी० स्वोपज्ञ	"	१६११	१३	
२२८	२६२	वासुदेवस्तुतिश्लोक पंचार्थी टीका सहित		"	२०वीं श.	३	
२२९	१५३०	वासुपूज्यचरित्र-महाकाव्य		"	१५२०	२०१	सं० १६६६ में तेज-पुर में टीका रचना । शक्तिपुर में लिखित ।
२३०	११६४	विदग्धमुखमण्डन	धर्मदास	"	१८६०	१६	
२३१	१६२३	विदग्धमुखमण्डन	"	"	१७वीं श.	१३	
२३२	१६३५	विदग्धमुखमण्डन	"	"	१४६३	८	
२३३	४६७	विदग्धमुखमण्डनटीका	शिवचन्द्र	"	१८वीं श.	५४	
२३४	११४६	विदग्धमुखमण्डन सटीक	मू० धर्मदास	"	१६वीं श.	१०५	
२३५	४८०	विदग्धमुखमण्डन सावचूरि त्रिपाठ	मू० धर्मदास	"	१६७६	२१	
२३६	१७०१	विदग्धमुखमण्डन सावचूरि पंचपाठ	"	"	१७वीं श.	१७	
२३७	३१०१	विदग्धमुखमण्डन सावचूरि पंचपाठ	अ० सहदेव मू० धर्मदास	"	" "	६	
२३८	१६३१	विदग्धमुखमण्डन सावचूर्णि	"	"	१५वीं श.	१५	
२३९	४७१	विद्वज्जनाभिरामकाव्य सटीक	मू० कालीदास	"	१६वीं श.	७	रचना सं० १८५० ।
२४०	२३६७ (७)	विरहमंजरी	नन्ददास	"	" "	१४२से १५०	
२४१	१८८६ (१)	विरहसलिता	सवाई-प्रतापसिंहजी	"	" "	१से३	
२४२	१६५६	विष्णुभक्तिकल्पलता प्रबन्ध	पुरुषोत्तम	"	१७६६	४८	
२४३	१६६०	विष्णुभक्तिकल्पलता प्रबन्ध टीका	महीधर	"	१७६६	६७	सं० १६५७ में गिरी-शपुरी में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२४४	२२६५	विसरभंजन	सिवदान	राज०	२०वीं श.	२	एकवृत्त के सौ अर्थ हैं । १० म सर्ग पर्यन्त । भुजमहादुर्ग में राजा नन्दलिखित । श्रीमदणहल्लपुर-पत्तने ढंढेरवाटके श्री जयप्रभ सूरिण स्वहस्तेन मुनि पूर्ण कृतशपठनार्थ लिखित ।
२४५	६३	शतार्थकाव्य सटीक	सोमप्रभ	सं०	१६६३	२६	
२४६	५०२	शिशुपालवधकाव्य	टी. स्वोपज्ञ माघकवि	"	"	६३	
२४७	१५२८	शिशुपालवधकाव्य	माघकवि	"	१५१४	११६	श्रीमदणहल्लपुर-पत्तने ढंढेरवाटके श्री जयप्रभ सूरिण स्वहस्तेन मुनि पूर्ण कृतशपठनार्थ लिखित ।
२४८	२६७६	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१८वीं श.	५६	१६वां सर्ग पर्यन्त ।  ११ वें सर्ग पर्यन्त राधणपुरनगर में लिखित । १० वां सर्ग पर्यन्त विजयसिंह शासित वांता में अमृतसागर द्वारा लिखित ।
२४९	३०७५	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१८८६	११४	
२५०	३३५६	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१६वीं श.	६५	
२५१	५११	शिशुपालवध टीका	वल्लभ	"	१८०४	२६७	
२५२	५१५	शिशुपालवध टीका	वल्लभ	"	१८६६	१०६	
२५३	१७०४	शिशुपालवध टीका	दिनकर मिश्र	"	१८वीं श.	६०	विक्रमपुर में लिखित । १५ वें सर्ग के ६ वें श्लोक पर्यन्त टीका लिखित है । वहीं पत्र ११४वें के प्रां में लेखक ने इस प्रकार पुष्पिका लिखी है 'सं. १६६४ में बलि १४ दिने वीर नेर मध्ये ।'
२५४	३६३४	शिशुपालवध टीका	श्री वल्लभ	"	१८३८	२३४	
२५५	२६८०	शिशुपालवध सटिप्पण	मू. माघकवि	"	१७०४	६७	विक्रमपुर में लिखित । १५ वें सर्ग के ६ वें श्लोक पर्यन्त टीका लिखित है । वहीं पत्र ११४वें के प्रां में लेखक ने इस प्रकार पुष्पिका लिखी है 'सं. १६६४ में बलि १४ दिने वीर नेर मध्ये ।'
२५६	२६८१	शिशुपालवध सटीक त्रिपाठ	मू. माघकवि टी. वल्लभ	"	१७०१	१६२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२५७	४७५	शीलदूत	चारित्रसुन्दर	संस्कृत	१६वीं श.	६	मेघदूत चतुर्थपाद समस्या पूर्ववद्ध
२५८	५०	शृंगारतिलक	कालीदास	"	१७वीं श.	३	
२५९	११३३	सतसया	बिहारीदास	ब्र० हि०	१८वीं श.	२७	
२६०	११३५	सतसया	"	"	१७१५	११०	संवत् १७०२ में आगरा में रचना । सुभटपुर में लिखित
२६१	१८५६	सतसया	"	"	१८५७	२६	
२६२	१८६८ (१)	सतसया	"	"	१७६१	१-३६	गुटका । ( पर्वतशर में लिखित )
२६३	१६००	सतसया (इ)	"	"	१८२४	८६	शाकम्भरी में लिखित ।
२६४	१६०२ (२)	सतसया (इ)	"	"	१६वीं श.	१-५३	
२६५	२०७६	सतसया	"	"	१८वीं श.	२०	
२६६	२१८८	सतसया	"	"	१८७७	३६	कृष्णगढ़ में मगनी- राम कवि ने लिखी ।
२६७	२२१४	सतसया	"	"	१८वीं श.	१३	रचना सं० १७१६ ।
२६८	२२७३	सतसया	"	"	१८७०	३४	मेडता में लिखित ।
२६९	२२८५	सतसया	"	"	१८३८	३०	
२७०	२३६३	सतसया	"	"	१८१५	५५	प्रथम पत्र अप्राप्त गुटका ।
२७१	२८३२ (२)	सतसया	"	"	१७७४	२२से८०	गुटका
२७२	३३८२	सतसया अर्थ सहित	"	"	१७८७	७६	उदयपुर में लिखित
२७३	८४६	सतसया टिप्पणीसहित	"	"	१८५६	४६	
२७४	८४८	सतसया पद्यटीका- सहित	मू० बिहारीदास टी० कृष्णकवि	"	१८५८	१५०	मधुपुरीगांव में टीका रचना
२७५	२३६६	सतसया सटीक	बिहारीदास टी० कृष्णकवि	"	१८२३	१६२	गुटका, सं० १७८२ में मधुपुरी गांव में टीका रचना ।
२७६	२२८१	सतसया सटीक त्रिपाठ	बिहारीदास टी० हरिचरन- दास	"	१८३५	१३४	सं० १८३४ में टीका की रचना । रूपनगर में लिखित, प्रथम पत्र अप्राप्त ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२७७	८५६	सतसया संस्कृत टिप्पण सहित	बिहारीदास	ब्र० हि०	१८०५	७६	श्रुतबोध नामक टिप्पण ।
२७८	२०६८	सतसया सार्थ पंचपाठ	टी० नान्हाव्यास बिहारीदास	टी० सं० ब्र० हि०	१७६३	४८	सं० १७४२ में बुर- हानपुर में रचित, पत्तन में लिखित । आदि के तेरह प्रकाश नहीं हैं, १४, १५, १६ प्रका- शमात्र ।
२७९	८७६	सतसया टिप्पण अनवरचन्द्रिका नाम	मू० बिहारी	"	१८वीं श.	६	अपूर्ण देहका नाम और वर्णकथन युक्त । भुजनगर में लिखित ।
२८०	२३०२	सतसया टीका	गिरधर	"	२०वीं श.	८	
२८१	२२३७	सतसया सूची	मगनीराम	"	१६२१	६	
२८२	२६८६	स्वप्न वासवदत्ता टीका	नारायण	सं०	१७३०	३६	



## (१७) रसालंकारादिशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१४६	वृत्तिवार्तिक	अप्पय्यदीक्षित	संस्कृत	१६१०	१८	बिहारीदासकृत-सतसया की टीका है। जोधपुरनरेश श्री अभयसिंहजी के अमात्य अमरसिंहजी की प्रार्थना से रचित।
२	२२६६	अमरचन्द्रिका	सूरतमिश्र	ब्र० हि०	१८२०	८७	
३	२३३८	अलंकारभेद कवित्त	खुसराम	"	२०वीं श.	८	अपूर्ण।
४	५७२३	अलंकारशास्त्र		प्राकृत	१५वीं श.	४२	
५	२३६७ (३)	अष्टजाम	देवदत्त	ब्र० हि०	१६वीं श.	७२ से ६०	
६	२४६१	उज्ज्वलनीलमणि		संस्कृत	१६५०	५०	(छन्दो)नुवर्ती
७	३७	कविकर्षटीक	शंखधर	"	१६वीं श.	१०	
८	१	कविकल्पलता	देवेश्वर	"	१७वीं श.	६७	
९	३२८६	कविकल्पलता	देवेश्वर	"	१८८३	३२	
१०	११६६	कविकुलकंठाभरण सटीक	मू. दूलाराय	ब्र.टी. हि.	१६वीं श.	२८	मुजनगर में लिखित।
११	८६०	कविप्रिया	केशवदास	ब्र० हि०	१८३१	१२७	
१२	३६६४	कविप्रिया सटिप्पण	केशवदास	ब्र० हि०	१७५७	२८	
१३	१७२१	कविरहस्य (अपशब्द भाषाख्य काव्य) टीका सावचूरि	हलायुध टी. रविधर्म	संस्कृत	१६वीं श.	११	प्रारम्भ में इन्द्रजीत नृपति का विस्तृत वंशवर्णन है। सं० १६५८ में रचित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१४	१५४३	कविरहस्य (अपशब्द भाषाख्य) टीका सावचूरि	मू. हलायुध टी. रविधर्म	सं०	१६६३	११	
१५	२२३४	कविवल्लभ	हरिचरनदास	ब्र०हि०	१८८४	७३	सं० १८३६ में रचित
१६	२२६७	कविवल्लभ	हरिचरनदास	"	१८८६	१२७	सं० १८३६ में रचित कृष्णगढ़ में लिखित।
१७	४८२	कवि शिक्षा	अमरचन्द्र	सं०	१७वीं श.	११०	
१८	२४८२	काव्यकल्पलता	अमरचन्द्र	"	१७६६	१२	
१९	३६३६	काव्यकल्पलतावृत्ति	अमरचन्द्र	"	१६वीं श.	४४	दधिपदपुरमें लिखित।
२०	१८५१	काव्यप्रकाश सटीक	मू. मम्मट	"	"	१५	अपूर्ण।
२१	१६७५	काव्यप्रकाशसंकेत	मम्मट	"	"	८६	
२२	११२६	काव्यसिद्धांत	सूरतमिश्र	ब्र०हि०	"	६	
२३	२२६३	काव्यसिद्धांत	सूरतमिश्र	"	१६२५	१६	कृष्णगढ़ में लिखित सं. १७६८ में रचित।
२४	११२८	काव्यसिद्धांत सार्थ	सूरतमिश्र	"	१८०२	१३	सं. १७६८ में रचित। महाराजकुमार लख- पतजी (कच्छ राज- पुत्र) के पठनार्थ लिखित।
२५	५१३	काव्यालंकार (शृंगार-लंकार)	बलदेव	सं०	१८वीं श.	४	
२६	२८	कुवलयानन्द	अप्पय्यदीक्षित	"	१७वीं श.	७१	
२७	३४२२	कुवलयानन्दटीका (अलंकारचन्द्रिका)	वैद्यनाथ	"	१८वीं श.	८१	
२८	२१८७	खुसाविलास	खुसराम (मगनीराम)	ब्र०हि०	१६०८	६५	सं. १६०४ में रचित साढैछासठ पत्र ग्रंथ- कार के पुत्र बलदेव द्वारा लिखित, अन्तिम भाग ग्रंथकार द्वारा लिखित स्वकीय पुत्र बलदेव के निमित्त रचित। ग्रंथ के प्रांत में मेडता के राज- वंश का वर्णन है। अपूर्ण।
२९	२१८६	खुसाविलास	खुसराम (मगनीराम)	"	२०वीं श.	८७	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३०	२२४६	खुसविलास	खुसराम मगनीराम	ब्र०हि०	१६०८	७१	रचनासं० १६०४, ग्रन्थ-कार ने अपने पुत्र बलदेव के लिए यह प्रति-कृष्णगढ़ में लिखी।
३१	२८३	चन्द्रालोक	जयदेव	संस्कृत	१६वीं श.	२६	कृष्णगढ़ में लिखित
३२	२४७६	चन्द्रालोक		"	१६२४	१३	
३३	२४७५	चन्द्रालोकटीका	महादेव	"	१७४८	१२	
३४	१६६६	चन्द्रालोकसटीक त्रिपाठ	मू० जयदेव टी० भट्टाचार्य	"	१६०१	४५	
३५	२२६१	जलवयशहनशाहइश्क	जयकवि	ब्र०हि०	२०वीं श.	१६	अपूर्ण सं० १६४५ में कृष्णगढ़ (हरिदुर्ग) में रचित, स्वयं कर्त्ता द्वारा लिखित। ग्रन्थकारकृत शृंगा- रसिंधु का ६ वां कल्लोल।
३६	२२८६	जलवयशहनशाहइश्क प्रकाशिकाटीकायुक्त	जयकवि टी० स्वोपज्ञ	"	१६४५	२१	
३७	१८०७	दृष्टिनीरूपण	भगवद्दास	"	१६वीं श.	११	
३८	२३४३	नायकभेदवर्णन- प्रश्नोत्तर		"	२०वीं श.	६	
३९	२३३७	परतापपचीसी	शिवचंद	"	१६१६	५	अजमेर में लिखित। छंदरतनावली, सं० १७६५ में रचित।
४०	२५५५	पिंगलशास्त्र	हरिराम	"	१६२८	१६	
४१	३२६६	भावशतक	नागराज	सं०	१८३७	२२	कृष्णगढ़ में लिखित। सं० १८४४ में रचित। ध्रांग में लिखित।
४२	२२३८	भाषादीपक	हरिचरनदास	ब्र०हि०	१८८६	१८	
४३	८५६	भाषाभूषण	जसवंतसिंह	"	१८५६	१८	
४४	६३० (२)	भाषाभूषण	"	"	१६वीं श.	६-१०	
४५	२१५५	भाषाभूषण	भूषण	"	" "	२३	कृष्णगढ़ में लिखित।
४६	१८४८	भाषाभूषण		"	१८०६	११	
४७	२२६४	भाषाभूषण	हरिचरनदास	"	१६०५	१५	
४८	२६८३	रघुवंशादि महाकाव्य- दुर्घटानि	राजकुंडकवि	सं०	१८वीं श.	३३	
४९	१५४०	रसतरंगिणी	भानुदत्तमिश्र	"	१७वीं श.	२३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५०	२४६४	रसतरंगिणी	भानुदत्तमिश्र	सं०	१८८६	४७	कृष्णगढ़ में लिखित ।
५१	३४१४	रसतरंगिणी	भानुदत्तमिश्र	,,	१७१४	१४	डीडवाणपुर में लिखित । द्वितीय पत्र अप्राप्त ।
५२	२०५	रसतरंगिणी सटीक त्रिपाठ	भानुदत्तमिश्र	,,	१९वीं श.	१२६	रचना सं० १८४१ ।
५३	२२४१	रसनिबंध	खुसराम	ब्र० हि०	१६१४	१२	सं० १६१४ में अज-मेर में रचित, और स्वयंकर्त्ता द्वारा लिखित, कर्त्ता ने अन्त में अपने दो नामों का इस तरह पृथक्करण किया है 'न्यात जात व्यवहार में मगनीराम कहात । कविता छंद प्रबंध में कवि खुसराम विख्यात'
५४	२२५१	रसनिबंध	खुसराम	ब्र. हि.	१६१४	१८	सं० १६१४ में अज-मेर में रचित और कर्त्ता द्वारा लिखित प्रथमादर्श, कर्त्ता कवि वृन्दजी के वंशज हैं ।
५५	२२८६	रसनिबंध	खुसराम	,,	१६१४	१२	सं० १६१४ में रचित, ग्रंथकार के हस्ताक्षर, कृष्णगढ़ में लिखित ।
५६	२२५०	रसप्रबोध	दौलतकवि	,,	१८४६	३०	सं० १८४६ में रचित प्रथमादर्श है । ग्रंथकार प्रसिद्ध कवि वृन्दजी के वंशज हैं ।
५७	२३६६	रसप्रबोध	दौलतकवि	,,	१८४६	३०	सं० १८४६ में कृष्ण-दुर्ग में रचित प्रथमादर्श ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५८	२३६७ (८)	रसमंजरी	भानुदत्तमिश्र	संस्कृत	१६वीं श.	१५०से १६८	भुजनगर में लिखित ।
५९	२४	रसमंजरी	"	"	१६वीं श	१८	
६०	३६३	रसमंजरी	"	"	१८४४	१८	
६१	५०२	रसमंजरी	"	"	१८२६	२३	
६२	१७१८	रसमंजरी	"	"	१६वीं श.	१६	
६३	१६४७	रसमंजरी	"	"	१६२०	६	
६४	२४७७	रसमंजरी	"	"	१८५६	१८	
६५	२६६५	रसमंजरी	"	"	१७वीं श.	१८	
६६	३०६७	रसमंजरी	"	"	१८६७	३२	
६७	३६३८	रसमंजरी	"	"	१७६५	१६	
६८	१५	रसमंजरी	"	"	१६वीं श	७	कृष्णदुर्ग में लिखित । जोधपुर में लिखित ।
६९	११४०	रसमंजरी	कुलपतिमिश्र	ब्र०हि०	१७७६	८६	
७०	११७० (३)	रसरहस्य	"	ब्र०	१८वीं श.	७०	
७१	२२८८	रसरहस्य	"	ब्र०हि०	१८०२	५५	
७२	२२३५	रसराज	मगनीराम	"	१६०३	३८	
७३	२२४८	रसराज	"	"	१८८६	५३	
७४	२८७८	रसराजसटीक	मगनीराम	"	१६११	३०५	
७५	२३४७ (२)	रसवर्णनकवित्त फुटकर	"	"	२०वीं श.	४-७	
७६	८६८	रसविलास	गोपाल लाहोरी	"	१८५७	२५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
७७	११३४	रसविलास	कृष्ण	ब्र० हि०	१७८८	१६२	बिहारीकृत सतसया की टीका सं. १७८८ में रचित। कच्छ नरेश देशलजी के कुमार लखपति के विनोदार्थ रचित तथा उनके लिये लिखित प्रति।
७८	८५५	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८५६	६४	भुजनगर में लिखित।
७९	६०६	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८१५	५६	
८०	१६७८	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१७३३	७६	गुटका। साहजिहानाबाद में लिखित।
८१	१८६८ (२)	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१७६१	१-६८	गुटका। पर्वतसर में लिखित।
८२	२०६६	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८वीं श.	१६	
८३	२०७७	रसिकप्रिया	केशवदास	"	"	३१	
८४	२२८७	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१६०५	६२	कृष्णागढ़ में लिखित।
८५	२३६५	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८५३	१३२	
८६	३०३३	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१७७२	२५	अजितसिंहजी शासित योधपुर में लिखित।
८७	३०३४	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८वीं श.	६३	
८८	३३११	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८०१	६०	
८९	३५६० (२)	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१७६५	३२-११०	
९०	३८५६	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८वीं श.	८२	
९१	२२८३	रसिकप्रिया सटीक	मू. केशवदास टी. हरिचरनदास	"	१८७६	१०४	साहिपुरनगर में लिखित।
९२	३०२१	रसिकप्रिया सस्तबक	केशवदास	ब्र. हि. स्त. रा० गू०	१७६२	१४२	
९३	३०२२	रसिकप्रिया सस्तबक	केशवदास	"	१७३४	४३	स्तबक रचना सं. १७२४ जोधाण में।
९४	३६१३	रसिकप्रिया सस्तबक	मू. केशवदास	"	१८७७	६६	तर्गापुर में लिखित।
९५	१८७६ (२)	रसिकप्रिया सार्थ	मू. केशवदास	ब्र० हि० अ० रा०	१७४१	६६	गुटका।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६६	८८३	रसिकप्रियागत- केचिदलंकाराः		ब्र.	१६वीं श.	७	
६७	२३२३	रितुसुखसार	दौलतकवि	ब्र. हि.	१८६३	५	सं० १५८५ में सुरगढ़ में रचित, कृष्णगढ़ में लिखित ।
६८	२६६८	रुद्रटालंकार	रुद्रट	सं०	१५२८	२३	जीर्णप्रति ।
६९	२६६९	रुद्रटालंकार टिप्पण	ननिसाधु	"	१५२८	५५	जीर्णप्रति ।
१००	२३६७ (६)	रूपमंजरी	नन्ददास	ब्र. हि.	१६वीं श.	११६-४२	
१०१	२४६८ (२)	वाग्भटालंकार	वाग्भट	सं०	१७वीं श.	७-१८	
१०२	२४७६	वाग्भटालंकार	वाग्भट	"	१६६४	११	
१०३	४८५	वाग्भटालंकार सटीक	मू. वाग्भट टी० सिंहदेव	"	१७वीं श.	२५	
१०४	४६१	वाग्भटालंकार सटीक	मू. वाग्भट टी० सिंहदेव	"	"	३०	
१०५	३४१०	वाग्भटालंकार सटीक	मू. वाग्भट	"	१७२७	२२	
१०६	१७०८	वाग्भटालंकार	"	"	१६१०	२७	
१०७	२६६३	वाग्भटालंकार सविवरण	"	"	१७वीं श.	१५	
१०८	४६१	वाग्भटालंकार सावचूरि पंचपाठ	"	"	१५वीं श.	६	
१०९	१६६८	वाग्भटालंकार सावचूरि पंचपाठ	"	"	१५८८	६	
११०	३३६३	वाग्भटालंकार सावचूरि	"	"	१५३३	११	
१११	२६६४	वाग्भटालंकार सावचूरि पंचपाठ	"	"	१४७६	८	
११२	३४०६	वाग्भटालंकारावचूरि	"	"	१७८३	२७	
११३	२३२०	शब्दवृत्ति (पद्य)		ब्र. हि.	२०वीं श.	२५	अपूर्ण ।
११४	८६१	शिखनख (पद्य)	राम	"	१६वीं श.	३	
११५	८५७	शिखनख वर्णन	बलिभद्र	"	१८५७	८	मुज में लिखित ।
११६	२३६७	शिखनखवर्णन	"	"	१६वीं श.	५५-७१	
११७	११६८	शिखनख सटीक	मू. बलिभद्र टी. मनीराम	"	"	१६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११८	११३८	सिखनखवर्णन सार्थ	मू० केशवदास	ब्र० हि०	१६वीं श.	१६	
११९	५१२	शृङ्गारतिलक	रुद्रट	संस्कृत	१८वीं श.	१५	
१२०	२६६६	शृङ्गारतिलक	रुद्रटभट्ट	,,	१८वीं श.	१०	
१२१	२२८४	शृङ्गारविलासिनी	देवदत्त	,,	१८४८	७	रचना सं. १७५७।
१२२	२२६४	साहित्यसार	प्रजनाथ	ब्र० हि०	१८३६	३३	सं. १८०५ में रूप- नगर में रचित। प्रथम पत्र अप्राप्त।
१२३	८५१	सुन्दरसिंगार	सुन्दरदास	,,	१६०७	३२	
१२४	१८८५ (१)	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१७६१	१-५०	गुटका। प्रथम पत्र अप्राप्त। सवाई जयपुर में लिखित।
१२५	१६०३	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१८५२	५६	गुटका।
१२६	२०७३	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१८०६	३६	
१२७	२२७०	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१८०१	३६	जांहानाबाद में लिखित। प्रारंभ में शाहजहां का वर्णन है।
१२८	२३६७ (१)	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१६वीं श.	५५	गुटका।
१२९	२३७२ (२)	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१८२८	१३२	
१३०	३३१२	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१८०१	३०	
१३१	३५३६	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१७६३	१८	
१३२	३५७० (१)	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१७४६	१-५४	पत्तन नगर में लिखित।
१३३	१८७१	सुन्दरसिंगार आदि	,,	,,	१८७२	७४	गुटका। ७१ वें पत्र में सुन्दरसिंगार समाप्त होता है।



## (१८) सुभाषित-प्रकीर्णादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२१७१	अक्षरवत्तीसी दूहा		रा०गू०	१६वीं श.	२	
२	३५६७ (३०)	अधूरा पूरा		रा०	"	१५२- १५४	
३	२१४२ (२)	अधूरैपूरैरादूहा (प्रहेलिका)		"	"	५-६	
४	३११७ (३)	अमरमूलग्रन्थ	कबीर	हि०	१८२४	६०-६७	
५	६६४	आलोयणछत्तीसी	समय सुन्दर	रा०गू०	१७वीं श.	१	संवत् १६६८ में अहम्मदपुरमें रचना।
६	३६५६	इन्द्रियपराजयशतक		प्राकृत	"	७	
७	१०७५ (१)	इन्द्रियपराजयशतक सस्तबक		मु.प्रा.रत्त. रा०गू०	"	१से८	
८	१०४७ (१)	इन्द्रियपराजयशतक सार्थ		"	१६वीं श.	१से८	
९	११२२ (१६)	इश्कचिमन		रा०	"	१० वां	
१०	२०३६	ईसरशिन्हा	ईसर	रा०गू०	१७वीं श.	२	
११	२१६४	उत्पत्तिबहुत्तरी	श्रीसार	"	१८वीं श.	१	
१२	२८६३ (१३६)	उपदेशगाथा		प्रा०	१७वीं श.	२४४वां	
१३	२३६० (५)	उपदेश चितावनी सवैया	सुन्दरदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	१६-२८	
१४	११२२ (४१)	उपदेश चितावनी सवैया	सुन्दरदास	"	"	४८ वां	
१५	८५८	उपदेशबावनी	किसनदास	"	१८८५	१८	
१६	२२१३ (२)	उपदेशसत्तरी	श्रीसार	रा०	१८३८	२-४	पद्य रचना, कालग्राम में लिखित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७	३५७५ (४३)	उपदेशसत्तरी	श्रीसार	रा०गू०	२०वीं श.	२११-२१६	
१८	११२२ (१७)	ऊँ (ट) तथा हाथीवर्णन		राज०	१६वीं श.	१० वां	
१९	२३३२	ऋतुवर्णन कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श.	३	
२०	३५७३ (५७)	कक्काभास	विद्याविलास	रा०	१६वीं श.	१५४वां	जीर्ण प्रति ।
२१	२०५६	कक्कावत्तीसी	जीवोऋषि	"	" "	२	
२२	२३६८ (१६)	कक्कावत्तीसी		"	" "	६०-६३	
२३	३५६५ (२)	कवीरजी की वाणी	कवीर	ब्र०हि०	" "	१५२-१६२	
२४	३५५७ (१)	कवीरजी की साखी	"	रा०	" "	१-११	
२५	३५७५ (१६)	करमछत्रीसी	समयसुन्दर	रा०गू०	२०वीं श.	८८-६१	मुलतान में संवत् १६६८ में रचित ।
२६	२०११	कर्पूरप्रकर सावचूरि त्रिपाठ	मू. हरिपंडित अ. जिनसागर	सं०	१६६४	५२	पत्तन में लिखित ।
२७	३५६७ (१०)	कवित्त		रा०	१६वीं श.	११२वां	
२८	३५६२ (११)	कवित्त		"	२०वीं श.	६७वां	
२९	२३१४	कवित्त		"	१६वीं श.	१	
३०	२३२१	कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श.	२	
३१	३४३०	कवित्त आदि		रा०	१८वीं श.	३	
३२	३५७० (२)	कवित्त-छप्पय-दूहा		ब्र०रा०	" "	५५-७०	
३३	११२२ (६२)	कवित्त छप्पै		ब्रज०	१६वीं श.	८३-८४	
३४	११२२ (६६)	कवित्त-छप्पै-दूहा		रा०	१८८८	८८वां	
३५	३५४६ (३)	कवित्त जेठवारा दूहा आदि		"	१६वीं श.	३१-३६	
३६	३५५७ (६)	कवित्त-दूहा		"	१८वीं श.	६८-१०१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७	३५६७ (१४)	कवित्त-पद-दृष्टा		रा०	१६वीं श.	१२६- १३१	
३८	२३१८	कवित्त प्रासंगिक		ब्र० हि०	" "	१०	
३९	२३५६	कवित्त फुटकर पत्र		"	२०वीं श.	८	
४०	२१८२	कवित्तवावनी	राजकवि	"	१६वीं श.	६	पत्र ३, ४था अप्राप्त
४१	२०८५	कवित्तवावनी	जिनहर्ष	रा०	१८५७	१०	रचना सं० १७४८।
४२	११२२ (४६)	कवित्त सवैया		ब्र०	१६वीं श.	६५-६६	
४३	१८८२ (२०१)	कवित्त ३		"	" "	१२६वां	
४४	१८८२ (१६७)	कवित्त ६	जगन्नाथ किशोरदयाल दामोदरदास, तुरसी	ब्र० हि०	" "	१०७- १०८	५ वें कवित्त में छत्तीस रागों के नाम हैं।
४५	१८८२ (१६५)	कवित्त		"	" "	१०३- १०४	
४६	१८८२ (१६३)	कवित्त संख्या २३	सुन्दरदास	"	" "	६५से६७	
४७	२३३६	कवित्त फुटकर		"	२०वीं श.	६	
४८	३०१६	कवित्त सवैया		"	१८वीं श.	२	
४९	२३१६	कवित्तसंग्रह		"	१८६४	१४	कृष्णगढ़ में लिखित।
५०	२३४०	कवित्तसंग्रह		"	२०वीं श.	७	अपूर्ण।
५१	१८६८	कवित्तसंग्रह	आनंदधन	"	१६वीं श.	३०	अपूर्ण।
५२	२२६६	कवित्तसंग्रह		"	२०वीं श.	१२८	
५३	५७	कवित्त सुभाषित	भूधरदास	"	१८५६	६से१२ (१)	प्रायः आद्य ५ पत्र अप्राप्त।
५४	३५६२ (२)	कायानगर को कागद		रा०	२०वीं श.	१२-१६	सं० १६०५ में रचित
५५	२३०१	कुण्डलिया	गिरधर	ब्र० हि०	१८६४	६	अजमेर में लिखित।
५६	११३१	कुण्डलियावावनी	धर्मवर्द्धन	राज०	१८०७	६	रचना सं० १७३४।
५७	२३७४ (८)	क्षमाछत्तीसी	समयसुन्दर	रा० गू०	१६वीं श.	२८से३१	
५८	३५७५ (२०)	क्षमाछत्तीसी	"	"	२०वीं श.	६१-६३	नागौर में रचित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
५६	१८६६	गंगजी के कवित्त आदि		ब्र० हि०	१६वीं श.	१५-२२	
६०	३२०२	गाथाकोष (सप्तशती) सटीक	टी. दिवाकर- दास	मू. प्रा. टी. सं.	१७वीं श.	४०	अहिपुर में लिखित।
६१	६५	गाथासाहस्री		प्रा. सं.	१६६५	३२	
६२	३५६२ (५)	गुणसागरग्रंथ (पद्य)		रा०	१६६७	२१-३४	जोबनेर में लिखित।
६३	३५७३ (८)	घोड़ावर्णन तथा वर्षा वर्णन दूहा		"	१६वीं श.	३०-३१	जीर्ण प्रति
६४	२३६८ (८)	चौरासी सीख, प्रास्ता- विक आदि		"	"	५१-५५	
६५	२२६०	छपै	गुणसागर	ब्र. हि.	१६४१	१४	प्रथम पत्र अप्राप्त।
६६	३६७०	छुटक दूहा		रा०	१६वीं श.	३	
६७	२०१८	जसरामबावनी	जिनहर्ष	ब्र. हि.	"	६	सं. १७३८ में रचित।
६८	३६८५	जिनरंगबहुत्तरी	जिनरंग	रा०	१८वीं श.	२	
६९	२८३२ (६)	ज्ञानपञ्चसी	बनारसीदास	ब्र०	१७७४	१०३- १०५	गुटका।
७०	६३० (१)	ज्ञानपञ्चाशिका	हंसराज	"	१६वीं श.	१-५	
७१	८६५	ज्ञानबावनी	हंसराज	"	१८५८	७	मानकुआ में लिखित।
७२	३११७ (२)	ज्ञानसागरग्रंथ	कबीर	हि०	१८२४	१-६०	
७३	११२२ (१२)	टाकरपञ्चसी	टाकर (?)	रा० गू०	१६वीं श.	७ वां	
७४	२२१८ (२)	तरकचिन्तावणी	सुन्दरदास	ब्र०	"	१०-१२	
७५	२२६२	दंपति वाक्यविलास	गुपालकवि	ब्र. हि.	१६३२	५२	वृन्दावन में रचित, अन्त्य ५१-५२ पत्रों में ग्रंथ की विस्तृत विषयसूची लिखी है।
७६	३५६५ (१)	दादूदयालजी की बाणी	दादूदयाल	"	१६वीं श.	१-१५२	
७७	१८७२	दादूबाणी		"	"	६६	गुटका।
७८	३५७३ (३२)	दूहा	केसरसिंह जैतावत	रा०	"	८१ वां	जीर्ण प्रति।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७६	२३६२ (११)	दूहा कवित्त		ब्र०हि०	१८वीं श.	१	
८०	२८५३	दूहा संग्रह	कबीर	"	१६वीं श.	१५	
८१	१८०३ (७)	दृष्टान्तशत	कुसुमदेव	सं०	"	६-११	
८२	८७०	धर्मबावनी	धर्मसी	ब्रज.	१८१५	७	
८३	८८२	धर्मबावनी	धर्मसी	"	१८२२	४	
८४	३५५० (६)	धर्मबावनी	धर्मसी	रा०	१६वीं श.	७५-७६	सं. १७५० में रचित ।
८५	३५५५ (२३)	धर्मसिंघ बावनी	धर्मबर्धन	"	"	१४६-१४६	सं. १७४३ में रचित ।
८६	२५००	धर्मोपदेश प्रास्ताविक श्लोकाः		सं०	"	१४	
८७	२८६३ (५८)	धर्मोपदेशश्लोकाः		"	१६२४	६६-११०	रात्रि भोजन मांस मदिरा द्विदलाहार-त्यागादि के विषय में शांतिपर्वादि ग्रंथों के अवतरण हैं । पत्र १०५ के प्रथम पृष्ठ के अन्त में लि हीरकलस मुनि इस प्रकार पुष्पिका है । सं. १०७वें पत्र में हैं ।
८८	२३३४	नायिकाभेदः कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श.	७	
८९	२३३१	नायिकाभेद कवित्त आदि		"	"	३	
९०	२३३३	नायिकाभेदवर्णन कवित्त	खुसराम	"	"	३	
९१	२३३५	नायिकाभेदवर्णन कवित्त		"	"	२	
९२	२३४५	नायिकाभेदवर्णन कवित्त		"	"	११	अपूर्ण ।
९३	२३४६	नायिका वर्णन तथा रसवर्णन कवित्त फुटकर		"	"	७	
९४	२८६३ (११६)	निगुणपच्चीसी		सं.प्रा.रा.	१७वीं श.	१७२-१७३	
९५	२२७१	नीतिप्रबोध	"	ब्र०हि०	१८७६	१०	सं. १८७६ में अज-मेर में रचित । स्वयं कवि द्वारा लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६६	२२७२	नीतिप्रबोध	खुसराम	ब्र० हि०	१६२३	८	कृष्णगढ़ में लिखित।
६७	२४६६	नीतिशतक सटीक	मू० भर्तृहरि टी० श्रीनाथ व्यास	संस्कृत	१६वीं श.	२१	
६८	३६६३	नीतिशतक सटीक	मू० भर्तृहरि	"	१८५६	१३	
६९	३६७	नीतिशतकादि शतकत्रय	"	"	१८५६	३६	तत्त्विकपुर में लिखित।
१००	६६७	नीति-शृंगार-वैराग्य-शतकत्रय	"	"	१६वीं श.	४२	
१०१	६६८	नीति-शृंगार-वैराग्य-शतकत्रय	"	"	१८२२	५०	रायपुर में लिखित।
१०२	७११	नीति-शृंगार-वैराग्य-शतकत्रय	"	"	१७वीं श.	१८	चित्रकूट में लिखित।
१०३	२८८६	नीतिशतक-शृंगार-शतक-वैराग्यशतक	"	"	१६वीं श.	३८	पत्र १, २, ६, १६ वां अप्राप्त, अपूर्ण।
१०४	३३०१	नीतिशृंगार-वैराग्य-शतक	"	"	१८१२	४५	
१०५	३६६२	नीतिशतक-शृंगारशतक-वैराग्यशतक सस्तवक	"	स्त० रा०	१८६०	६०	पाटोदाभौमकाग्राम वीरप्रगना में लिखित।
१०६	११२२ (६५)	पद्मणीनोछंद	कीको	रा०	१६वीं श.	८५ वां	
१०७	११२२ (३४)	पद्मिनी आदि स्त्री वर्णन		ब्र० रा०	" "	३३-३५	
१०८	३६६८	पुराणानुपदिष्टोपदेश-सार सार्थ		सं० अ० रा० गू०	१८८१	१३	ममोई विंदर में लिखित।
१०९	११२२ (६३)	पुरुषना कुत्रखाणछंद		रा० गू०	१६वीं श.	८४ वां	
११०	१८३७	पुरुषनी ७२ तथा स्त्रीनी ६४ कला		"	१७वीं श.	१	
१११	२३०० (४)	पुरुषप्रति स्त्री का लेख दूहा बन्ध		रा०	१८७६	१६-३४	आमेर में लिखित।
११२	३५४७ (१)	पोथी प्रेम दूहा		"	१६वीं श.	१ ला	
११३	३५४५ (५)	पोथी रत्ना प्रेम दूहा		"	१८२६	१५ वां	कंटालिया में लिखित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११४	३६७१	प्रज्ञाप्रकाशषट्त्रिंशिका	रूपसिंह	सं०	१६वीं श.	५	
११५	२३६८ (१५)	प्रहेलिका		रा०	"	४६-५०	
११६	२८६३ (६७)	प्रहेलिका	हीरकलश	रा०गू०	१०वीं श.	४ था	
११७	११४४ (४)	प्रहेलिका आदि सुभाषित		रा०	१६वीं श.	३२-३५	
११८	७१०	प्रास्ताविक		सं०	१८वीं श.	४२	प्रथम पत्र नहीं है।
११९	११२२ (३०)	प्रास्ताविक		रा०	१६वीं श.	२८ वां	
१२०	११२२ (३६)	प्रास्ताविक		सं०	"	३५ वां	
१२१	११२२ (४०)	प्रास्ताविक		ब्र. सं.	"	४४-४८	
१२२	११२२ (५४)	प्रास्ताविक		ब्र. रा.	"	७२-७३	
१२३	१८४४	प्रास्ताविक		"	"	४	
१२४	२०२४	प्रास्ताविक		सं०	१६वीं श.	६	
१२५	२३०३	प्रास्ताविक	मगनीराम	ब्र. हि.	२०वीं श.	४	
१२६	२८६३ (६८)	प्रास्ताविक		रा०गू०	१०वीं श.	१६२ वां	
१२७	२८६३ (१०)	प्रास्ताविक		"	"	१६३ वां	
१२८	२८६३ (११४)	प्रास्ताविक		सं. प्रा.	"	१६६- १७०	
१२९	२८६३ (१४०)	प्रास्ताविक		सं. रा.	"	२४५- २४७	
१३०	३५६७ (१६)	प्रास्ताविक		रा. सं.	१६वीं श.	१३६- १३७	
१३१	३६७३	प्रास्ताविक		रा०	१८वीं श.	६	
१३२	११२२ (३८)	प्रास्ताविक कवित्त		ब्र०	१६वीं श.	३६-४४	
१३३	१८४३	प्रास्ताविक		"	"	४	
१३४	२३०५	प्रास्ताविक कवित्त		"	२०वीं श.	१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१३५	२३५३	प्रास्ताविक कवित्त	खुसराम	ब्र० हि०	२०वीं श.	२४ से ४३	त्रुटक अपूर्ण ।
१३६	२३५१	प्रास्ताविक ( स्फुटकवित्त )	"	"	" "	१०	
१३७	२८६३ (६)	प्रास्ताविक कवित्त		रा० गू०	१७वीं श.	५ वां	
१३८	३०२६	प्रास्ताविक कवित्त		रा०	" "	७	
१३९	२३४४	प्रास्ताविक कवित्त के फुटकर पत्र		ब्र० हि०	१६-२०वीं शताब्दी	२२	
१४०	२३४८	प्रास्ताविक कवित्त तथा पुष्करजी को कवित्त	खुसराम	"	२०वीं श.	७	
१४१	११२२ (५०)	प्रास्ताविक कवित्त दूहा गूढा आदि		ब्र रा. सं.	१६वीं श.	६६-७१	
१४२	२३४६	प्रास्ताविक कवित्त फुटकर		ब्र० हि०	२०वीं श.	१०	
१४३	२३५२	प्रास्ताविक कवित्त फुटकर पत्र		"	" "	५१	
१४४	८७१	प्रास्ताविक कवित्त		ब्र०	१६वीं श.	४	
१४५	११२२ (६०)	प्रास्ताविक कवित्त		"	" "	८२ वां	
१४६	११३०	प्रास्ताविक कवित्त		ब्र० हि०	" "	४६	
१४७	११२१ (४२)	प्रास्ताविक कवित्त श्लोक		ब्र० सं०	" "	४६-५३	
१४८	१६६१	प्रास्ताविक काव्य सार्थ आदि		प्रा० गू० सं० रा०	" "	२	प्रादि अन्ययानि तथा २४ उपसर्ग एवं दो कृतियां अधिक हैं । सं० १७३४ में रचित ।
१४९	३५५० (८)	प्रास्ताविक कुंडलिया बावनी	धर्मवर्धन	रा०	" "	७०-७४	
१५०	२८६३ (८८)	प्रास्ताविक गाथा श्लोक		प्रा० सं०	१७वीं श.	१४६ वां	
१५१	१८८२ (१६४)	प्रास्ताविक छप्पय कवित्त (संख्या ४५)	अग्रदास कल्याण तुरसी बिहारीलाल मोहन नंद बलभद्र	ब्र० हि०	१६वीं श.	६७ से १०३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१५२	१८४१	प्रास्ताविक दूहरा		ब्र० हि०	१६वीं श.	३	
१५३	२८३२ (५)	प्रास्ताविक दूहा		राज०	१७७४	४८-८६	गुटका ।
१५४	३५६२ (१७)	प्रास्ताविक दूहा		"	२०वीं श.	१३६-१४५	
१५५	३५७३ (४०)	प्रास्ताविक दूहा		"	१६वीं श.	१०१वां	जीर्ण प्रति ।
१५६	३५७३ (५०)	प्रास्ताविक दूहा		"	"	१२८वां	"
१५७	३६६१	प्रास्ताविक दूहा सवैया आदि		ब्र.रा.गू.	"	३३	
१५८	१८४०	प्रास्ताविक दोहा		ब्र० हि०	"	३	
१५९	३५५० (१०)	प्रास्ताविकवावनी		राज.	"	७६-८३	सं. १७५३ में रचित ।
१६०	१७४२	प्रास्ताविक श्लोक		सं०	१८८५	२५	मुजनगर में लिखित ।
१६१	२८६३ (१३)	प्रास्ताविक श्लोक		"	१६वीं श.	१६४वां	
१६२	११२२ (४४)	प्रास्ताविक श्लोक कवित्त आदि		सं. ब्र.	"	५४-६१	जहांगीरशाह तथा कच्छ नरेशों के कवित्त भी हैं ।
१६३	११२२ (५७)	प्रास्ताविक श्लोक कवित्त आदि		"	"	७५-८१	
१६४	२८६३ (१२)	प्रास्ताविक श्लोक सस्तबक		सं.रा.गू.	१७वीं श.	६ वां	
१६५	७०६	प्रास्ताविक श्लोकादि सार्थ		प्रा० सं० रा० गू०	१७८१	७	गुढ़ा में लिखित ।
१६६	७१२	प्रास्ताविक सस्तबक		सं.रा.गू.	१८वीं श.	१४	
१६७	११२२ (४)	प्रास्ताविक सुभाषित		सं० रा०	१६वीं श.	२२	
१६८	११२२ (२४)	प्रास्ताविक सुभाषित		ब्र. रा.	"	१७-२३	
१६९	२३७१ (३)	फुटकर कवित्त		ब्र.हि.रा.	"	५२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
१७०	३५६७ (३१)	फुटकर कवित्त	गंग आदि अनेक कवि	रा०	१६वीं श.	१५५- १७६	वैद्यक यंत्र मंत्रादि भी लिखा है।
१७१	१८७४	फुटकर कवित्त संग्रह तथा इस्कचमन		ब्र० हि०	" "	२४०	गुटका।
१७२	३५५७ (४)	फुटकर दूहा		रा०	१८वीं श.	७२ वां	
१७३	३५६७ (२)	फुटकर दूहा	पारीखदास कानडदास बारठ	"	१६वीं श.	७२-६६	वैद्यक फुटकर भी लिखा है।
१७४	३५५७ (७)	फुटकर दूहा कवित्त आदि		"	१७६१	७८-८१	
१७५	२०१६	बाजीत फाग कवित्त भमरभूधरमहिनाआदि		ब्र.रा.गू.	१८४६	६	मजादर में लिखित।
१७६	१८५८	बाराखडी	किशनदास तथा सुन्दरदास नैनकवि	ब्र० हि०	१६वीं श.	४	सं. १८६६ में रचित
१७७	३५६७ (६)	बावन अख्यरो		रा०	" "	१८६- ११२	
१७८	८५०	बावनी तथा बारहमास		ब्र० हि०	" "	१७	अंत में फुटकर कवित्त हैं।
१७९	३६७४	भर्तृहरीयशतकत्रय भाषा पद्य	गंगा.रा.गू.	"	" "	६४	नृपति अनूपसिंह के पुत्र आनन्दसिंहजी के आनन्दार्थ रचित।
१८०	१०७८	भववैराग्यशतक सस्तवक		गंगा.रा.गू.	१७वीं श.	८	
१८१	१०८०	भववैराग्यशतक सस्तवक		"	१८वीं श.	६	
१८२	१०८४ (२)	भववैराग्यशतक सस्तवक	खुसराम	"	" "	३८से४४	
१८३	१०४७ (२)	भववैराग्यशतक सस्तवक		"	१६वीं श.	८से१६	
१८४	२३३६	भावरसादिवर्णन कवित्त		ब्र० हि०	२०वीं श.	३५से७०	अपूर्ण।
१८५	२१४२	मजलस	रा०	हि०	१६वीं श.	६-७	
१८६	(३)	मरद अस्त्रीकुँ लिखै					
	२३०० (३)	तिणरी पैठ दूहाबंध		रा०	१८७६	१४-१८	आमेर में लिखित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८७	२३०० (२)	मरदप्रति लुगाइरी पैठ [पत्र लेखन] दूहा बंध		रा०	१८७६	४-१४	आमेर में लिखित ।
१८८	१८१६	माम्म तथा कवित्त		ब्र. हि.	२०वीं श.	८	
१८९	२८६३ (४७)	मारुदेश निन्दागीत		रा० गू०	१७वीं श.	८८ वां	
१९०	२३३०	मुखवर्णन कवित्त आदि		ब्र. हि.	१६वीं श.	६	
१९१	११४४ (३)	मूर्खबहुत्तारी		रा०	"	३०-३२	
१९२	८६६	मूर्खाधिकार		रा० गू०	"	२	
१९३	२२५३	मेडताका कवित्त		ब्र. हि.	२०वीं श.	१	
१९४	६४	योगशास्त्रान्तर्गतश्लोकाः	हेमचन्द्र	सं०	"	३१	
१९५	३५६५ (४)	रजबजीका कवित्त	रजब	ब्र. हि.	१६वीं श.	३७०- ३७६	
१९६	३५६५ (७)	रजबजीका सवैया	"	"	१८०३	३६८- ४०३	
१९७	८७१	राजनीति	जसुराम	ब्र.	१८८१	१६	सं. १८१४ में रचना, मानकुआ में लिखित ।
१९८	११२६ (१)	राजनीति	"	ब्र. हि.	१८२७	१-१२	सं. १८१४ में रचित ।
१९९	११३६	राजनीति	देवीदास	"	१६वीं श.	४६	
२००	२२६२	राजाश्रेष्ठि आदि के कवित्त	खुसराम आदि	"	२०वीं श.	७०	
२०१	७०२	लघुचाणक्य तथा वृद्धचाणक्य सार्थ		सं० अ. रा.	१८वीं श.	६	
२०२	२३६८ (१८)	लघुचाणक्य राजनीति		सं०	१६वीं श.	५५-६०	
२०३	३५५३ (१)	लघुचाणक्य राजनीति		"	"	१३-१५	
२०४	८२२	लघुचाणक्य राजनीति तथा रामरक्षास्तोत्र		"	१८८३	५	मानकुआ में लिखित ।
२०५	२३६८ (१)	लघुचाणक्य राजनीति सार्थ		सं० रा०	१६वीं श.	२-२६	गुटका ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०६	२४०६	लुकमान हकीमकी नसियत		हि०	१६२५	५	अजमेर में लिखित।
२०७	२४०७	लुकमान हकीमकी नसियत		"	२०वीं श.	४	
२०८	१६८०	बचनामृत	सहजानंदस्वामी	गू०	१६वीं श.	१०२	गुटका।
२०९	११२२ (६६)	वणिक छपै		रा०	"	८५ वां	
२१०	२८६३ (४९)	वासप्रास्ताविक	हीरकलश	रा० गू०	१७वीं श.	८६ वां	
२११	२८६३ (६६)	विद्वद्रोष्ठी		सं०	"	१६२ वां	
२१२	१७१६	विद्वद्रोष्ठी तथा ज्ञान-क्रियासंवाद		"	१६वीं श.	३	
२१३	५१८	विद्वद्भूषण टिप्पण सहित	बालकृष्ण	"	१८वीं श.	१३	
२१४	२८६३ (११८)	विविधदृष्टांतगीत		रा० गू०	१७वीं श.	१७३ द्वि.	
२१५	२२१८ (३)	विवेकचिन्तात्रणि	सुन्दरदास	ब्र०	१६वीं श.	१२-१३	
२१६	३४२६	वृद्धचाणक्यराजनीति		सं.रा.गू.	१७वीं श.	१०	
२१७	२५०५	वृद्धचाणक्यराजनीति सवालाबोध		रा० गू०	१६५६	५	चकलासी ग्राम में लिखित।
२१८	३५६४ (१)	वृद्धचाणक्य राजनीति सस्तबक		सं. रा.	१८५७	१-४४	बगड़ी में लिखित।
२१९	३५५५ (१०)	वृन्दबहुतरी दूहा	वृन्दकवि	रा०	१६वीं श.	१-२	जोधपुर में रचित।
२२०	१८८६ (१६)	वैराग्यमंजरी	सवाई प्रताप-सिंहजी	हि०	"	८३-६४	रचना सं. १८५२। भर्तृ हरीय वैराग्य शतक पर भाषाकाव्य।
२२१	२२६१	वैराग्यविनोद	खुसराम	ब्र. हि.	१६०५	७	सं. १६०५ में कृष्ण दुर्ग में रचित। कर्ता के हस्तान्तर।
२२२	१८०३ (८)	वैराग्य शतक	भर्तृहरि	सं०	१६वीं श.	१२-१८	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२३	२४६५	वैराग्यशतक	भर्तृहरि	सं०	१६वीं श.	११	सं० १८५०-में नारायणपुर में टीका रचना, पत्र ४० वां अप्राप्त ।
२२४	१७३६	वैराग्यशतक सटीक	"	"	१८६६	२१	
२२५	३१७४	वैराग्यशतक सटीक	टी० धनश्याम मिश्र	"	१६२२ शाके	४७	
२२६	३६६५	वैराग्यशतक सटीक		"	१८५६	१६	
२२७	२१२	वैराग्यशतक सटीक त्रिपाठ		"	१६वीं श.	४२	गुटका
२२८	१०७५ (२)	वैराग्यशतक सस्तवक		मू. प्रा. स्त. रा. गू.	१७वीं श.	८२से१७	
२२९	१८७६ (३)	वैराग्यशतक सार्थ		मू. सं. अ. रा.	१८वीं श.	१०८से ११	
२३०	२४६८	वैराग्यशतक सावचूरि पंचपाठ		सं०	१८वीं श.	११	
२३१	१०८४ (१)	शतकत्रय सस्तवक	मू० भर्तृहरि	"	१८वीं श.	१से३८	कृष्णगढ़ में लिखित कर्त्ता के हस्ताक्षर । भर्तृहरीय शृंगार-शतक पर भाषा काव्य ।
२३२	३१३४ (२)	शतकत्रय सार्थ	"	सं. अ. रा. गू.	१६वीं श.	१से४३	
२३३	२३०४	शांतिनवक	खुसराम	ब्र. हि.	१६१४	४	
२३४	१८८६ (१५)	शृंगारमंजरी	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	१६वीं श.	७३से८३	
२३५	७८५	शृंगारवैराग्य मुक्तावली	सोमप्रभाचार्य	सं०	१६वीं श.	४	अपूर्ण, नीतिशतक ६१ वां पद्य तक ।
२३६	५६	शृंगारशतक तथा नीतिशतक	भर्तृहरि	"	१८वीं श.	८	
२३७	१२५५	शृंगारशतक सटीक	मू० भर्तृहरि	"	१६वीं श.	३२	
२३८	२४६७	शृंगारशतक	मू० भर्तृहरि टी० धनसार	"	१७३१	११	
२३९	३६६४	शृंगारशतक		"	१८५६	१५	अपूर्ण, नीतिशतक ६१ वां पद्य तक ।
२४०	३५६७ (२४)	षट्चक्रवैकवित्त		रा०	१६वीं श.	१४५-१४६	
२४१	३५६७ (६)	षड्दर्शन वर्णनकवित्त		"	१६वीं श.	१०५-१०६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
२४२	१६०२ (१)	सतसया	वृन्दजी कवि	ब्र० हि०	१८४१	१-४१	गुटका ।
२४३	२०७६	सतसया	"	"	१८१३	२२	सं. १७१८(?) में रचना ।
२४४	११३६	सतसया	"	"	१६११	७५	
२४५	११२२ (५३)	सपाईनी जाति	"	२१०	१६वीं श.	७२ वां	
२४६	२२१७ (४)	सप्तव्यसनदूहाकुंड- लिया	भीम	"	८वीं श.	३२	
२४७	२८२२	सप्तशती	गेवर्धनाचार्य	सं०	१८७२	८०	गुटका ।
२४८	११२७	सभाप्रकाश	हरिचरणदास	ब्र० हि०	१६वीं श.	५७	सं. १८३४ में रचित ।
२४९	२२३३	सभाप्रकाश	"	"	१८८६	७२	कृष्णगढ़ में लिखित, सं. १८१४ में रचित ।
२५०	२३४२	सभाप्रकाश के प्रश्नोत्तर	रघुराम	"	२०वीं श.	२	अपूर्ण ।
२५१	८६६	सभासार		"	१६१४	३२	काविका निवासस्थान सारङ्गपुर (अहमदा- बाद) था ।
२५२	२३५०	समस्याकवित्त आदि	मगनीराम	"	२०वीं श.	४	गुटका ।
२५३	३५६५ (६)	सर्वांगयोगप्रदीपिका	सुन्दरदास	"	१६वीं श.	३६०- ३६८	
२५४	२२००	सत्रासो सीख	धर्मसी	रा० गू०	२०वीं श.	२	
२५५	८७४	सवैया	सुन्दरदास	ब्र०	१६वीं श.	५	
२५६	१८४६	सवैया छंद स्तोत्र सुभा- षित ज्योतिषादि संग्रह	समयसुन्दर	सं० ब्र०	१८४७	१६०	गुटका ।
२५७	३५५५ (२४)	सवैया दूहा		रा० गू०	१६वीं श.	१४६- १५०	लूणकरणसर में सं. १६८४ में रचित ।
२५८	११२२ (६४)	संखणी स्त्री छंद		रा० गू०	१६वीं श.	८४-८५	
२५९	३५७५ (१८)	संतोषछत्तीसी		"	२०वीं श.	८५-८८	
२६०	६८६	संवेगरसायनवात्रनी ( ज्ञानचिन्तामणि )	कान्तिविजय	"	१६वीं श.	६	लूणकरणसर में सं. १६८४ में रचित ।
२६१	३११७ (१)	साखियां	कवीर	हि०	१८२४	१-३८	
२६२	३५५५ (६)	सातवाररा दूहा		रा०	१६वीं श.	१६ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२६३	२०४	साहित्यरत्नावली	उदयराम गौड	सं०	१६०६	१०	कर्ता का निवास स्थान ओडग्राम था ।
२६४	७०६	सिन्दूर प्रकर	सोमप्रभ	"	१२५२	६	राधणपुर में लिखित ।
२६५	७०८	सिन्दूरप्रकर	"	"	१२वीं श.	१३	
२६६	१७४१	सिन्दूरप्रकर सटीक	सोमप्रभ टी. हर्षकीर्ति	"	१५६६	२३	
२६७	६०७	सिन्दूरप्रकर सावचूरि पंचपाठ	सोमप्रभ	"	१६६५	२२	राप्तिपुर में लिखित ।
२६८	२५०३	सिन्दूरप्रकरावचूरि		"	१६वीं श.	१०	
२६९	३५७५ (३५)	सीमंथरजी को जीराजी की चिट्ठी		रा०	२०वीं श.	१६५— १७३	
२७०	३५५५ (१६)	सिरोही मांडेवी बीका-नेरी जोधपुरी बोलीयां		"	१६वीं श.	१०२ रा	
२७१	२३५६	सिवदास सिरिया आदि के कवित्त फुटकरपत्र		ब्र० हि०	२०वीं श.	४७	
२७२	११४४ (२)	सीखवहुत्तरी		रा०	१६वीं श.	२८—३०	
२७३	२०७५	सीखामण्डाल		"	१७वीं श.	३	
२७४	११४२ (१)	सुभाषित		"	१८वीं श.	१—१७	
२७५	२५०१	सुभाषित काव्य		सं.प्र.रा.	१६वीं श.	६	
२७६	२४६३	सुभाषितगाथा सटीक त्रिपाठ		सं.प्र.	"	५	
२७७	२१५३	सुभाषित दोहा कवित्त		रा० प्र०	१७वीं श.	२०	
२७८	८६६	सुभाषित दोहा कवित्त आदि		ब्र०	१६वीं श.	१५	
२७९	२२६४	सुभाषित श्लोकाः		सं०	"	४	
२८०	२४६६	सुभाषित श्लोकाः		"	"	५	
२८१	२५०६	सुभाषित संग्रह		"	१८वीं श.	१४	प्रभासपुराणगत
२८२	३२६६	सुभाषित सारोद्धार		"	१५वीं श.	४०	
२८३	२५०८	सुभाषितानि		"	१७वीं श.	२३	
२८४	३६६०	सुभाषितानि		सं. रा.	"	३	
२८५	३६७२	सुभाषितानि		"	८वीं श.	४	
२८६	३६७५	सुभाषितानि		सं. ब्र.	१८७७	५	पीचूद में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२८७	१७४०	सुभाषितावली	सकलकीर्ति	संस्कृत	१७४३	६	पाटण में लिखित ।
२८८	१७३८	सूक्तमाला	कनकविमल	गू०सं०	१६०६	१५	
२८९	२५०४	सूक्तमाला		सं०	१८६६	१०	
२९०	३६६७	सूक्तमाला		गू०	१६१२	१५	
२९१	७०३	सूक्तानि		सं०	१८वीं श.	४	
२९२	२५०२	सूक्तानि		सं०प्रा०	१६वीं श.	१६	
२९३	७०१	सूक्तावली		सं०	१८वीं श.	८	
२९४	७०४	सूक्तावली		"	१८५७	१६	
२९५	१७३६	सूक्तावली		"	१८७२	११	
२९६	२५०७	सूक्तावली		"	२०वीं श.	१४	
२९७	३६६६	सूक्तावली		"	१६वीं श.	५	ध्रांग में लिखित ।
२९८	३६६६	सूक्तावली		"	१८८६	५१	
२९९	२३००	स्त्रीप्रतिपुरुष लेख		रा०	१८७६	१-४	
	(१)	दूहाबंध					
३००	२०६६	स्त्रीप्रशंसा आदि		रा.	१७वीं श.	१	
३०१	२८६३	स्वजनछत्तीसी		सं. प्रा.	" "	१७०-	
	(११५)					१७२	
३०२	२८६३	हरियालि	हीरकलश	रा.	" "	८८ वां	
	(४८)						
३०३	२८६३	हरियालि	हेमाणंद	"	" "	८६ वां	
	(५०)						
३०४	२८६३	हरियालि	वील्हा	"	" "	८६ वां	राधणपुर में लिखित ।
	(५१)						
३०५	१०४६	हिंसाष्टक सावचूरि	हरिभद्रसूरि	सं०	१८६६	६१से६३	
	(२)						
३०६	२८६३	हीयाली	हीरकलश	रा०	१७वीं श.	१३४वां	वृद्धिपुरी में रचित ।
	(६६)						
३०७	२८६३	हीयाली	हेमाणंद	"	" "	१३४वां	
	(६६)						
३०८	२८६३	हीयाली	"	"	१६५७	१३५वां	१३५वां मुनि हीर-कलश नामदर्शक प्रहेलिका ।
	(७०)						
३०९	३५१०	हीयाली		"	१८वीं श.	४ था	
	(४)						



(१६) शिल्प-शास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१८६६	राजवल्लभ		सं०	१८वीं श.	४६	अपूर्ण ।
२	२२	वास्तुशास्त्र (रूपमंडन)	मंडन सूत्रधार	"	१७६४	१७	गुटकाकार है ।
३	३११४	वास्तुसर		"	१६२७	२०	



## (१०) आयुर्वेदशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	७१६	अजीर्णमंजरी सार्थ		मू. सं. अ.रा.गू.	१६०३	६	
२	२३३८	अजीर्णमंजरी	काशीनाथ	सं०	१६वीं श.	३	
३	७१६	अनुपानमंजरी		"	१८५६	११	
४	३००६	अष्टांग हृदय संहिता प्रथम द्वितीय स्थान	भागभट	"	१६वीं श.	८५	
५	२३६१	आत्रेयसारसंग्रह सस्तवक		"	१६३०	२०१	विदासर में लिखित।
६	२३६८	आनन्दमाला	आनन्दभारती	"	१७५२	३८	
७	२४०५	आयुर्वेद महोदधि	सुखेनदेव (सुपेणदेव)	"	१८०५	१६	कर्त्ता के हस्तान्तर।
८	३८२२	आयुर्वेदमहोदधि (अन्नपानविधि)	सुपेणदेव	"	१८२४	२४	सवाई जैपुर में लिखित।
९	८५०	आयुर्वेदमहोदधि	"	"	१८७४	२३	
१०	२४१६	आयुर्वेदशास्त्र	सुश्रुत	"	१७२७	२८	शरीरशास्त्रात्मक विभाग।
११	२८६३ (६२)	औषधपल्लवी		"	१७वीं श.	१६०	वां केवल एक श्लोक है।
१२	३८४१	औषधपुराण भाषा (गद्य)		"	१६वीं श.	१२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१३	११६२	करावदीन सफाई का नुसखा की वचनिका		हि०	१८६६	३२	पुष्पिका-इति किताब करावदीनसफाई का नुस (खा) श्री मनमहाराजाधिराजराजेन्द्र महाराज श्री ईश्वरीसिंहजी आग्या करी लिखा (ख) ई हती तीकी वचनिका हिन्दी में श्रीमन्महाराजाधिराजराजेन्द्र श्रीसवाई प्रतापसिंहजी करई संवत् १८५७ मित्ती माश्र (घ) सुदि १५। पोथी छंगालालजी फारसी की हींदगीम लीपाई।
१४	३८५६	कल्पस्थान	वाग्भट	संस्कृत	१८वीं श.	६	अष्टांगहृदय संहिता गत।
१५	२४११	कालज्ञान		"	१८७०	६	कृष्णगढ़ में लिखित।
१६	२८६३ (६७)	कालज्ञान		"	१७वीं श.	१३३-१३४	अपूर्ण। आय ३० श्लोक नष्ट।
१७	७१४	कालज्ञान	शंभुनाथ	"	१८६०	१८	
१८	३८४३	कालज्ञान भाषा पद्य	लल्मीवल्लभ		१८वीं श.	७	१७४१ में रचित।
१९	३४६६	कालज्ञान भाषार्थसहित		सं० रा०	१७३१	१६	
२०	७१५	कालज्ञान सस्तवक	मू० शंभुनाथ	मू० सं.स्त, रा. गू.	१८५७	३०	
२१	७१७	कालज्ञान सस्तवक	"	"	१७८६	१४	कोटड़ा में लिखित।
२२	७२२	कालज्ञान सार्थ	"	"	१८५५	२५	
२३	३८२४	कालज्ञान सार्थ	"	"	१८२८	१८	
२४	१८-४	कूटमुद्गर सटीक आदि		संस्कृत	१६वीं श.	६	
२५	३५७३ (५०)	केशकल्प आदि वैद्यक		राज०	१६वीं श.	१३५	जीर्ण प्रति।
२६	२५४७	कौतुकचिन्तामणि	प्रतापरुद्रदेव	संस्कृत	१७१३	४३	अणहल्लपुर पत्तन में लिखित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२७	२३८६	गुणागुणग्रन्थ	वंगसेन	संस्कृत	१६वीं श.	१५	पातिसाह श्री नोर- गसाह के समय में आगरा में लिखित । सूई में लिखित । सं० १५४६ में यो- गिनी पत्तन(मेदपाट) में श्रीराजमल्ल के शासन में रचित ।
२८	३८५७	चिकित्सासारसंग्रह		"	१७४४	३३५	
२९	२३९६	ज्वरतिमिरभास्कर	चामुंडकायस्थ	"	१७४८	५८	
३०	१७४६	तिब्बसहावीफारसी की भाषा (पद्य)	सीताराम	राज०	१८३०	५२	
३१	२३८७	त्रिशती	शार्गधर	संस्कृत	१८३३	२६	
३२	३४६२	त्रिशती	"	"	१७२१	१६	
३३	७३२	द्रव्यगुणशतश्लोकी	त्रिमल्लभट्ट	"	१७३०	८	
३४	२४०१	द्रव्यगुणशतश्लोकी	"	"	१७५८	१६	
३५	३८५२	द्रव्यगुणशतश्लोकी सस्तबक	"	"	१८८५	२६	सं. १८३१ में पाली पुर में स्तवकरचना ।
३६	११२३ (१६)	नाडीपरीक्षा		"	१७वीं श.	७६ वां	
३७	२४१०	नाडीपरीक्षा		"	१६३८	५	
३८	३८४२	नाडीपरीक्षा सस्तबक		मू०सं० रा०गू०	१६वीं श.	२	
३९	२४१२	पट्टीप्रकाश	देवीचंद्र व्यास	संस्कृत	१६२६	६	कृष्णगढ़ में लिखित ।
४०	२३६७	पथ्यापथ्य विनिश्चय सस्तबक		मू०सं० स्त०रा०	१६२०	५२	बिदासर में लिखित ।
४१	३८५१	पाकार्णव		संस्कृत	१८वीं श.	२३	
४२	२३६६	पाकावली		"	१६वीं श.	२३	किसी ग्रन्थ के अंतर्गत प्रकरण है । द्वितीयस्थान पर्यन्त ।
४३	३४६७	पालकाप्यगजायुर्वेद		"	१८वीं श.	२००	
४४	३६२	फरासीसहकीमवैद्यक		राज०	१६वीं श.	६२	
४५	२२५	बालतंत्रग्रन्थभाषा- वचनिका	कल्याण पंडित	"	१८६५	८२	दीपचन्द्रोपाध्याय रचित संस्कृत ग्रन्थ का अनुवाद ।
४६	२३८३	बालतंत्र भाषा	"	ब्रज०	१६वीं श.	१४५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७	१३४	भावप्रकाश पूर्व खंड	भावमिश्र	सं०	१६वीं श.	१४३	२८ वें प्रकरण पर्यन्त ।
४८	१३५	भावप्रकाश उत्तर खण्ड	"	"	"	२२१	संपूर्ण ।
४९	१७४३	भिषक्चक्र चित्तोत्सव	हंसराज	"	१६१२	३७	
५०	३८२३	मदनविनोद		"	१८वीं श.	४३	अंत्य ४४ वां पत्र अप्राप्त ।
५१	२३६४	मदनविनोद	मदनपालनरेश	"	१८७१	६४	मेडता में लिखित, सं. १४२१ में रचित । अन्त ग्रंथकार का विस्तृतमेंवंशवर्णन है ।
५२	३८४८	मदनविनोद मदनपाल निघण्टु	मदनपाल	"	१८४२	४८	जगन्नाथपुरनगर में लिखित । सं. १४२० में रचित । १४ पद्यों में ग्रंथकार की विस्तृत प्रशस्ति है ।
५३	३८४४	मनोरमायोग ग्रंथ		"	१८८०	१८	नागौर में लिखित ।
५४	३३७७	मल्लप्रकाश	लोकनाथ	"	१६४३	१६	श्रीउदयसिंह शासित सुभटपुर में लिखित । योधपुर नरेश श्री मल्लदेव की प्रेरणा से रचित ।
५५	३४६१	माधवी चिकित्सा		"	१७वीं श.	८१	
५६	११२३ (२०)	मूत्रपरीक्षा		"	"	७६-८०	
५७	२४०२	मूत्रपरीक्षा		"	१६वीं श.	१	
५८	२४१६	मूत्रपरीक्षा		"	१६वीं श.	१	
५९	२८६३ (१०६)	मूत्रपरीक्षा तथा कालज्ञान		रा०	१७वीं श.	१६५ वां	
६०	३४६५	योगचिन्तामणि	हर्षकीर्ति	सं०	१७५४	३६	फलवर्द्धिनगर में लिखित ।
६१	३८१६	योगचिन्तामणि भाषा टीका सहित	मू. हर्षकीर्ति	मू.सं.भा. टी.रा.गू.	१६वीं श.	१०८	
६२	७१४	योगचिन्तामणि बालाव बोधसहित	"	"	१७४६	२०४	तेरा (कच्छ) में लिखित ।



क्र.मांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६३	२३८५	योगचिन्तामणि सस्तबक	मू० हर्षकीर्ति	मू० सं० रा०	१८७३	१४६	
६४	२४०३	योगचिन्तामणि सस्तबक	"	"	१७७७	१८३	मेडता में लिखित ।
६५	३८३६	योगचिन्तामणि सस्तबक	"	"	१८वीं श.	१०८	
६६	३८४६	योगचिन्तामणि सस्तबक	"	"	१८२०	१२८	घटियालीनगर में लिखित ।
६७	३५५२	योगचिन्तामणि (सार-संग्रह) सार्थ	"	"	१८वीं श.	६७-१६०	
६८	७२३	योगमुक्तावली सार्थ	नागार्जुन	"	२०वीं श.	८६	
६९	७२७	योगरत्नाकरचौपई	नयनशेखर	रा० गू०	१८१४	१२८	रचना सं. १७३६ ।
७०	२६२	योगशत सस्तबक		मू० सं० स्त. रा० गू०	१८४३	२२	
७१	१५६२	योगशत टीका	रूपनयन	सं०	१८वीं श.	८३	वैद्यवल्लभाख्या टीका ।
७२	३८२८	योगशतक		"	१६वीं श.	११	
७३	३८५५	योगशतक		"	१६६५	६	केकिंद में लिखित ।
७४	३८२६	योगशतक सटीक		"	१७५०	१७	
७५	७२१	योगशतक सार्थ	मू० वामन	मू. सं. रा. गू.	१८१४	३६	
७६	१७४५	रससंकेतकलिका	चामुण्ड कायस्थ	सं०	१६वीं श.	११	कोटा में लिखित ।
७७	१७४४	रामविनोद	रामचन्द्र	ब्र. हि.	१८०५	१०३	गुटका । ओरंगजेब के शासनकाल में सम्वत् १६५० (?) में रचित ।
७८	३५५२ (१)	रामविनोद	रामचन्द्र मिश्र केशवदास सुत	सं०	१७६३	१-८३	अकबर शासित भेहरासहर में सं० १६२० में रचित ।
७९	३८३३	रामविनोद	"	"	१७६०	७६	भिन्नमाल में लिखित घृततेल भाजनग्राम में लिखित ।
८०	३४४६	रामविनोदभाषा बचनिका	रामचन्द्र यति	राजस्थानी	१६३०	१५१	पत्र १०० से १०४ तथा ११७ से ११६ अप्राप्त । सं. १७२० में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८१	२६२०	रामविनोद वचनिका		राजस्थानी	१६वीं श.	२६	अपूर्ण । अजमेर में लिखित । पत्र ४६ से ६० अप्राप्त ।
८२	१५६१	रुग्निनिश्चय		संस्कृत	१५वीं श.	३३	
८३	२३८०	रुग्निनिश्चय		"	१६वीं श.	६	
८४	२३६५	रुग्निनिश्चय	माधव	"	१८८३	६३	
८५	२६०४	रुग्निनिश्चय ( माधवनिदान )	"	"	१८६५	७६	
८६	३८३४	रुग्निनिश्चय	"	"	१८६७	८४	सं० १७४५ में ला- होर में रचित । ग्रंथकार का निवास स्थान बीकानेर था । प्रथम तथा तीसरा पत्र अप्राप्त ।
८७	३८३८	विनोदवैद्यक	मानजीमुनि	ब्र० हि०	१६वीं श.	३८	
८८	३८५३	वैद्यकगुणसार		राज०	१८५६	१०८	
८९	२४०६	वैद्यकमुखसा		"	२०वीं श.	६	
९०	२४०४	वैद्यक प्रास्ताविकसंग्रह		संस्कृत	१८०६	१२	
९१	३५६७	वैद्यक फुटकर (११)		राज०	१६वीं श.	११३- १२६	जैन स्तवन पद भी लिखे हैं । मंत्र यंत्रादि भी लिखा है । सवाई प्रतापसिंह जी की आज्ञा से रचित ।
९२	३५६७	वैद्यक फुटकर (३३)		"	" "	१८१- २३६	
९३	३०४१	वैद्यकभाषा	अनंतराममिश्र	हिन्दी	१६०७	४४	
९४	३८३२	वैद्यकसार		राज०	१६वीं श.	२७	
९५	३८३७	वैद्यकसार सार्थ		मू.सं.अ. रा. गू.	" "	६	
९६	२३८२	वैद्यकसारोद्धार		राज०	१६१६	२४०	संग्रहग्रन्थ है । प्रथम पत्र अप्राप्त । जोधपुर में लिखित । षट् खेटकाख्य नगर में रचित । षट् खेट नगर में रचित । प्रथम पत्र अप्राप्त । साकंभरी में लिखित ।
९७	२४१५	वैद्यजीवन	लोलिंबराज	संस्कृत	१७वीं श.	८	
९८	२४१८	वैद्यजीवन	"	"	१८६६	१३	
९९	३८३०	वैद्यजीवन टीका	रुद्रभट्ट	"	१८३१	३६	
१००	३८५४	वैद्यजीवन टीका	"	"	१६वीं श.	४२	
१०१	३८२१	वैद्यजीवन सटीक	लोलिंबराज	"	" "	४०	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१०२	३८३१	वैद्यजीवन सस्तवक	लोलिम्बराज	मू.सं.स्त. राज०	१८६५	३७	लूंगासर में लिखित।
१०३	७२८	वैद्यजीवन सार्थ	"	"	१६वीं श.	४८	किंचित् अपूर्ण।
१०४	७२६	वैद्यजीवन सार्थ	"	"	१८२४	३२	मुनरावदिर में लिखित।
१०५	५	वैद्यमनोच्छव	नयनसुख	ब्र०हि०	१८१६	५६	देवपुरी में लिखित। संवत् १६४२ में अकबर के राज्य में रचित।
१०६	७१३	वैद्यमनोच्छव	"	ब्र	१६१०	३०	आप्रा में रचना।
१०७	७२६	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८६४	१४	सं. १६४६ में अकबरशाहशासित सिंह नंदनगर में रचित।
१०८	२३६३	वैद्यमनोच्छव	"	"	१६वीं श.	१३	सं. १६४६ में अकबरशाह के शासन में सिंहनंदनगर में रचित।
१०९	२४१७	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८२५	१५	सं. १६४६ में अकबरशाह के शासन में सौहरिद (सिंह नंद) नगर में रचित। पत्र १४वां अप्राप्त।
११०	२८८४	वैद्यमनोच्छव	"	"	१७७२	८	
१११	३१८२	वैद्यमनोच्छव	"	"	१६१५	२२	संवत् १६४६ में अकबर के शासन में रचित।
११२	३२६२	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८४०	१७	संवत् १६४६ में अकबर के शासन में सिंहनंदमें रचित।
११३	३५५२ (२)	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८वीं श.	८४-६६	
११४	३८२७	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८०६	२४	संवत् १६४६ में रचित।
११५	३८४५	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८६७	१५	देवगढ़ में लिखित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११६	४००	वैद्यवल्लभ	हस्तिरुचि	संस्कृत	१८५५	१४	
११७	२०३	वैद्यवल्लभ सस्तबक	"	मू.सं.स्त. रा०गू०	१८७८	२३	
११८	७२५	वैद्यवल्लभ सस्तबक	"	"	१९वीं श.	२२	
११९	७३५	वैद्यवल्लभ सस्तबक	"	"	१८५७	२५	जीर्णगढ़ में पसा- गरी वेलाजी के लिये लिखी ।
१२०	३८३६	वैद्यवल्लभ सस्तबक	"	"	१७६८	१२	षंडपग्राम में लिखित ।
१२१	२३७८	वैद्यविनोद	शंकर भट्ट	सं०	१८८३	६१	किशनगढ़ में लिखित । रामसिंह नरेश की प्रेरणा से रचित ।
१२२	२३८६	वैद्यविनोद	धन्वतरि	"	१८वीं श.	१८८	
१२३	२३८१	वैद्यविनोद टिप्पणयुक्त	मू० शंकरभट्ट	"	१८६५	१७३	कृष्णगढ़ में लिखित । रामसिंह नरेश की प्रेरणा से रचित ।
१२४	२३६२	वैद्यविनोद सस्तबक	"	"	१६१७	१३४	रामसिंह नरेश की प्रेरणा से रचित ।
१२५	१५६३	वैद्यसंजीवन		"	१८वीं श.	३	
१२६	२३६०	वैद्यावतंस	लोलिंबराज	"	१६वीं श.	७	वैद्यावतंस पूर्ण करके लेखक ने अनंगरंग- मत वाजीकरणवि के श्लोक लिखे हैं ।
१२७	२६३३	व्याधिध्वंसिनी	भावशर्मा	"	१६वीं श.	७३	अपूर्ण, पत्र ४ था १७ वां अप्राप्त ।
१२८	३६८	शतश्लोकी	बोपदेव	"	१६वीं श.	१८	
१२९	३८२०	शतश्लोकी	"	"	१६३८	१३	नीमर में रचित ।
१३०	७२०	शतश्लोकी सटीक	बोपदेव टीका स्वोपज्ञ	"	१८२२	६१	चन्द्रकला नामक टीका ।
१३१	७३३	शतश्लोकी सटीका	"	"	१७१६	२१	राजनगर में लिखी । चन्द्रकला नामक मूल कृति ।
१३२	७३०	शतश्लोकी सार्थ	"	"	१८वीं श.	२५	चन्द्रकला नामक ।
१३३	१७५	शांगधरसंहिता पूर्व खण्ड	शांगधर	"	१६११ (?)	१६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१३४	१७३	शांगर्धरसंहिता उत्तर खण्ड	शांगर्धर	संस्कृत	१६११	६६	
१३५	३८३५	शांगर्धरसंहिता सटीक त्रिपाठ	दामोदर शांगर्धर	"	१६वीं श.	८४	
१३६	२३१३	शालिहोत्र		राज०	१८१५	८	अश्वचिकित्सा ।
१३७	३५४६ (४)	शालिहोत्र		"	१६वीं श.	४०-४५	
१३८	३५५० (६)	शालिहोत्र		"	" "	४१-५०	
१३९	३४५६	शालिहोत्र ( अश्व-चिकित्सा )	नकुल	सं०	१७वीं श.	१६	अपूर्ण ।
१४०	२४१४	शालिहोत्र अर्थ सहित	मू० नकुल	गू० सं० अर्थ राज.	१८१७	२२	सूरतिबिन्दर में लिखित ।
१४१	७३१	सन्निपातकलिका		सं०	१७वीं श.	६	
१४२	२४०८	सन्निपातकलिका सटिप्पण		मू.सं.टि. राज.	१६३६	६	
१४३	३६६	सन्निपातचिकित्सा		सं०	१६वीं श.	८	
१४४	२८८१	सन्निपातचिकित्सासार्थ		मू० सं० अ० राज०	१८वीं श.	१०	
१४५	२३८४	संहिता	दामोदरसूनु	सं०	१६वीं श.	५५	मध्यखंड पर्यन्त ।
१४६	३४६४	सारसंग्रह		"	१७वीं श.	१०६	पत्र ६१ बां नहीं है ।
१४७	३४६३	हिनोपदेश	श्रीकंठ	"	" "	३२	पत्र १८, १६, २० अप्राप्त ।
१४८	७२४	हिमतप्रकाश चोपाई	श्रीपतिभट्ट	ब्र० हि०	१८३४	४२	माधवनिदान की भाषा में चोपाई । नवाब हिमतखान की आज्ञा से गुजराती ओदीय ज्ञात य श्रीपति ने संवत् १७३० में रची ।
१४९	३८२६	हृदयदीपकनिघण्टु	बोपदेव	संस्कृत	१८७१	२४	



## (११) जैनागम

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१५८६	अनुयोगद्वार टीका	हेमचंद्र (मल)	सं०	१६वीं श.	१७०	
२	१५६०	अनुयोगद्वार सूत्र मूल		प्राकृत	१७वीं श.	५७	
३	१५८२	आचारांगसूत्र मूल		"	१६वीं श.	५६	
४	१५६०	आवश्यकनिर्युक्ति		"	"	८१	
५	१६०	आवश्यकनिर्युक्ति		"	"	४३	
६	२१११	आवश्यकपीडिका- वालावबोध	सोमसुन्दर शिष्य	रा० गू०	१७वीं श.	३६	
७	१६०४	आवश्यकसूत्र लघु- वृत्तिसहित	टी० तिलका- चार्य	मू. प्रा. टी. सं.	१६वीं श.	२०२	टी० रचना सं० १२६६। प्रथम पत्र सचित्र।
८	६६५	उत्तराध्ययनकथा वालावबोध		रा० गू०	१८वीं श.	८३	प्रथम पत्र नहीं है।
९	६१	उत्तराध्ययन मूल		अर्धमा- गधी	१५वीं श.	२८	
१०	१६११	उत्तराध्ययन मूल		प्राकृत	१६५६	५०	वणथलीनगरे जामजसाजी राज्ये लिखी।
११	१६१०	उत्तराध्ययन मूल		"	१७वीं श.	५४	
१२	१५६५	उत्तराध्ययन मूल		"	१६६१	५७	
१३	१६००	उत्तराध्ययन लघुवृत्ति सहित	वृ. नेमिचन्द्र	मू. प्रा. टी. सं.	१७वीं श.	२२३	
१४	१८३१	उत्तराध्ययन सबाला- वबोध त्रिपाठ		प्रा.रा.गू.	१६८०	२३८	
१५	२१२६	उत्तराध्ययन सबाला- वबोध		"	१६००	२७१	अहमदाबाद नगर में लिखित।
१६	१६०१	उत्तराध्ययन सबृहद्वृत्ति	टी. शान्ता- चार्य	प्रा.टी.सं	१६६१	६१७	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७	१५८४	उत्तराध्ययन संस्कृत तथा भाषार्थसहित		मू. प्रा. टी. सं.	१६वीं श.	१३८	
१८	१६०६	उत्तराध्ययन सावचूरि पंचपाठ		"	१७वीं श.	१३२	
१९	१५८१	उत्तराध्ययनावचूरि		सं०	१५वीं श.	६२	
२०	६६	ऋषिभाषित		अर्धमा-गधी	१६६२	७	
२१	१५८७	औपपातिकसूत्र		प्राकृत	१६१५	२३	
२२	१५६४	औपपातिकसूत्र सटीक त्रिपाठ	टी० अभयदेव	मू० प्रा० टी० सं	१७वीं श.	७६	
२३	२६०५	कल्पसूत्र कल्पद्रुमकलिका टीका सहित	टी. लक्ष्मी-वल्लभ	"	१८५६	१४६	धङ्गला में लिखित।
२४	२६०६	कल्पसूत्र टीका		सं०	१८८०	१३७	कल्पद्रुमकलिका नामक टीका का संचेप है।
२५	१६०६	कल्पसूत्र मूल	भद्रबाहु	प्राकृत	१७वीं श.	४८	
२६	६६	कल्पसूत्र सचित्र	"	"	१६४१	१४६	चित्र सं० ६२ है।
२७	११७१	कल्पसूत्र सचित्र सस्तबक	"	प्रा. रा.	१७०३		चित्र सं० ४३ है।
२८	३०२४	कल्पसूत्र सबालावबोध	"	मू. प्रा. वा. रा. गू.	१७५३	१००	
२९	३०२५	कल्पसूत्र सस्तबक	"	"	१६६८	१२२	
३०	२८६१	कल्पसूत्र सस्तबक	स्त. हेमविमल	"	१८वीं श.	१८२	पत्र १ तथा ६४ वां अप्राप्त।
३१	१५८३	कल्पान्तर्वाच्यटीका		सं०	१५७६	५१	प्रथम पत्र में चित्र।
३२	२११३	चतुःशरणप्रकीर्णक सबालावबोध	बा. धनविजय	प्रा. वा. रा. गू.	१७वीं श.	७	बालावबोधकार के शिष्य वीर विजय ने लिखी।
३३	२११४	चतुःशरणप्रकीर्णक सबालावबोध त्रिपाठ		"	१७१६	६	
३४	१०८४ (३)	चतुःशरणप्रकीर्णक सस्तबक	मू० वीरभद्र	"	१८वीं श.	४५-४६	
३५	१६०३	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति मूल		प्राकृत	१६६१	११८	थिरपुरनगर में लिखित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६	१५६६	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति सटीक त्रिपाठ	टी०शांतिचंद्र	प्रा०टी.सं.	१६६४	३२७	पदार्थरत्न मंजूषा नामक टीका । उ० श्री नयविजयजी ने लिखाई ।
३७	२६०४	ज्ञाताधर्मकथांग		प्रा०	१७वीं श.	१२१	
३८	१५६३	ज्ञाताधर्मकथांग		"	१६४४	१४६	
३९	१५८८	ज्ञाताधर्मकथांग मूल		"	१६३५	११४	प्रथम पत्र नहीं है । जगत्तारणि में पातिसाह अर्कवर राज्य में लिखित ।
४०	१६०२	उग्रोत्तिष्करण्डक सटीक	टी०मलयगिरि	मू०प्रा० टी०सं०	१८वीं श.	१५६	
४१	२१३३	तंदुलवैचारिकप्रकीर्णक सत्तालावबोध	बा० पासचंद	प्रा०रा.मू.	१६७६	५०	
४२	२११२	दशवैकालिक बाला-बोध सहित त्रिपाठ	मू० शय्यंभव वा०लक्ष्मणमुनि	"	१६६२	५६	
४३	१५६८	दशवैकालिक सटिप्पण	मू० शय्यंभव	प्रा०टी.सं.	१७१६	२०	भुजनगर में लिखित ।
४४	१६०७	दशवैकालिक सटीक	मू० शय्यंभव टी० समय सुन्दर	"	१७वीं श.	५७	सं० १६६१ में स्तंभतीर्थपुर में लिखित ।
४५	१५६७	दशवैकालिक साव-चूर्णि पंचपाठ	मू० शय्यंभव	प्रा०सं०	१७१८	२३	
४६	१५८६	दशवैकालिका चूरि		संस्कृत	१५६१	३४	जाजरनगरे लिखी ।
४७	८८३ (५३)	पीस्तालीस आगमनाम		प्रा०	१७वीं श.	६० वां	
४८	८८३ (१३२)	प्रदेशीराजालापक		"	१७वीं श.	१६४ वां	
४९	१८१३	प्रश्नव्याकरण बाला-बोध सहित		प्रा०रा.गू.	१६३०	१०३	
५०	७४	प्रश्नव्याकरण सस्तबक		रा०गू०	१६वीं श.	८८	पांच अध्ययन पर्यन्त ।
५१	८०	प्रश्नव्याकरण सस्तबक		"	१६वीं श.	७७	अध्ययन ६ से पूर्ण । पत्र ६२ वां अप्राप्त ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५२	१५८५	राजप्रश्नीयसूत्र		प्राकृत	१५१६	७५	नागपुर में लिखित ।
५३	१६१२	राजप्रश्नीयसूत्र		"	१६७०	७०	थिरुपुर में लिखित ।
५४	२८६३ (१३४)	शास्त्रीय आलापकादि सार्थ		प्रा.रा.मू.	१७वीं श.	१६८से २०१	
५५	७६	श्रावकव्रतिक्रमणसूत्र सटीक		प्रा.टी.सं.	" "	१से१६१	अपूर्ण है ।
५६	६५७	पडावश्यकबालावबोध	समयसुन्दर	राज.गू.	१८वीं श.	३३	
५७	२१६०	पडावश्यकबालावबोध		"	१७वीं श.	३०	
५८	१५६६	समवायांग मूल		प्रा०	१६वीं श.	६६	
५९	२१०८	साधुप्रतिक्रमण बाला- वबोध		रा०गू०	१७वीं श.	१८	
६०	२२५८	साधुप्रतिक्रमण बाला- वबोध संग्रह		प्रा०गू०	१८३६	१३	चुरू में लिखित ।
६१	४२०	साधुप्रतिक्रमणसूत्र बालालावबोध सहित त्रिपाठ		प्रा.रा.गू.	१७वीं श.	६	
६२	१५६१	सूत्रकृतांगनिर्युक्ति		प्रा०	" "	८	



## (११) जैनप्रकरणा

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
१	२०४२ (१)	अतिचार तथा स्नात्र- विधि		रा० गू०	१७२३	१-६	मगरवाड़ा में लिखित ।
२	८७	अध्यात्मसार सटीक	मू० यशोविजय टी० गम्भीर- विजय	सं०	२०वीं श.	२६४	
३	२२०३	अध्यात्मसारमाला	नेमिदास	रा० गू०	१८वीं श.	६	संवत् १५६५ में रचित ।
४	२८६३ (७३)	अल्पबहुत्व विचार		"	१७वीं श.	१३७- १३८	
५	२०४१	अष्टप्रकार पूजा		"	१६वीं श.	२	
६	१०४७ (३)	आदिनाथ देशनोद्धार सार्थ		प्रा.रा.गू.	"	१६-११	
७	२१३६	आराधना गद्य	समयसुन्दर	रा० गू०	२०वीं श.	१०	सं. १६८५ में रिणी- नगर में रचना, बीदा- सर में लिखित ।
८	१०३६	उपदेशमाला	धर्मदास	प्राकृत	१७वीं श.	२७	१ ला पत्र नहीं है ।
९	१०३२	उपदेशमाला	"	"	"	१७	
१०	७१	उपदेशमाला (पुष्प- माला)	हेमचन्द्र मलधारी	"	१५७७	१७	त्रसापुरी में लिखित ।
११	६४५	उपदेशमाला अक्षरार्थ सहित	मू. धर्मदास	प्रा.रा.गू.	१६वीं श.	८८	प्रथम पत्र नहीं है ।
१२	१०२०	उपदेशमालावचूरि	धर्मनन्दन	सं०	१५१६	३४	
१३	१०१७	उपदेशमालावृत्ति	रत्नप्रभ	"	१६वीं श.	२३६	अपूर्ण ।
१४	१८५६	उपदेशमाला सस्तबक	धर्मदास	प्रा.रा.गू.	१८वीं श.	४४	
१५	३५२६	उपदेशरत्नकोश सबालावबोध		प्रा.बाला. रा.गू.	१७वीं श.	८	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१६	८२	एकविंशतिस्थानक प्रकरण सस्तवक	मू. सिद्धसेन	प्रा.रा.गू.	२०वीं श.	८	
१७	१०७१	एकविंशतिस्थानक प्रकरण सस्तवक	"	"	१८२५	६	मन्दराबिन्दर में लिखित ।
१८	१०७२	मर्मग्रन्थत्रिक	देवेन्द्रसूरि	प्रा०	१६८१	१४	वाक्पताकानगरी में लिखित ।
१९	१०५५	कर्मग्रन्थपंचक	"	"	१८वीं श.	१२	
२०	१५८०	कर्मग्रन्थसटीक (१ से ५)	"	"	१५वीं श.	६२	अन्त्य पत्र सं १७३४ में अनुसंधित ।
२१	१०३४	कर्मप्रकृतिटीका	टी. स्त्रोपझ मलयगिरि	सं०	१५वीं श.	१३६	
२२	७८	कर्मप्रकृति सटीक	मू. शिवशर्मा	मू०प्रा०	१८३०	१६६	मकसूदावाद में लिखित ।
२३	२८६३ (८६)	कर्मविचारसारप्रकरण	टी. मलयागिरि साधुरंग	टी० सं० प्रा०	१६२५	१५०-१५८	डेहि में हेमराज सहित हीरकलश लिखित । ओएस-वंशीय पाल्हाश्रावक की प्रार्थना से रचित ।
२४	१०५१	कर्मविपाक कर्मस्तव (कर्मग्रन्थ)	देवेन्द्र	"	१६वीं श.	६	
२५	३१६२	कर्मविपाकवृत्ति	परमानन्द-सूरि	सं०	१६वीं श.	१६	
२६	१०६६	कर्मविपाक सस्तवक	देवेन्द्रसरि	प्रा.रा.गू.	१८२४	७	मुनराबिन्दर में लिखित ।
२७	१०७०	कर्मस्तव सस्तवक	"	"	१८२४	५	मुनराबिन्दर में लिखित ।
२८	३५७३ (४३)	क्षामणा		रा०	१६वीं श.	१०६-१०७	जीर्णप्रति ।
२९	१०३५	जुल्लकभवात्रलिङ्करण सावचूरि पंचपाठ	अत्र० धर्म-शेपरगणि	प्रा.अत्र.	१६२१	२	
३०	१०५८	क्षेत्रसमास	रत्नशेखर	सं. प्रा०	१८५५	१३	मुनराबिन्दर में लिखित ।
३१	४२१	क्षेत्रसमास		"	१६२२	२३	आगरानगर में अकबरशाह के शासन-काल में लिखित ।



क्र.सं.	प्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३२	६५६	क्षेत्रसम सकरणी बालावबोध	वत्सराज	रा०गू०	१७वीं श.	१३	सं. १६६५ में रचना।
३३	१०२४	क्षेत्रसमासटीका	मलयगिरि	सं०	१५वीं श.	१५३	सुरगिरि में लिखित।
३४	३४६३	क्षेत्रसमास बालावबोध सहित	मू० रत्नरोखर टी० दयासिंह गणि	रा.गू. प्रा.	१६८४	६०	
३५	३६१६	क्षेत्रसमास सबाला- वबोध	मू० रत्नरोखर टी० उदयसागर	,,	१७६६	४५	विक्रमपुर में संवत् १६८६ में लिखित उदयपुर में बालावबोध रचना।
३६	२११५	क्षेत्रसमास सबालावबोध		,,	१६८४	१६	
३७	१०३३	गुणस्थानक्रमारोह- प्रकरणवृत्ति		सं०	१७वीं श.	१७	
३८	६३६	गौतमपृच्छासबालावबोध		प्रा.वा.रा.	१७वीं श.	६	
३९	६६६	गौतमपृच्छाबालावबोध द्विपाठ		,,	१५३२	६	राजपुर नगर में लिखित।
४०	२०२७	गौतमपृच्छासबाला- वबोध	बा०जिनसार	,,	१८५३	४१	पेसूआनयर में लिखित।
४१	३४७६	गौतमपृच्छासबाला- वबोध द्विपाठ		,,	१८वीं श.	१२	
४२	३४६२	गौतमपृच्छासबाला- वबोध द्विपाठ		,,	१७वीं श.	६	
४३	३६१७	गौतमपृच्छा सबाला- वबोध		,,	१७६१	३७	मूलत्रांणनगर में लिखित।
४४	१०२५	गौतमपृच्छावृत्तिमहित	वृत्ति श्रीतिलक	मू.प्रा.सं.	१५वीं श.	८२	
४५	३५२३	गौतमपृच्छा सार्थ		मू.प्रा.रा.	१७वीं श.	५	
४६	७००	चतुरत्नकोश	पृथ्वीधराचार्य	सं०	१६वीं श.	१२	
४७	२८६३ (५४)	चतुर्विंशतिजिनकल्याण वर्णन		प्रा०	१७वीं श.	६० वां	
४८	४१८	चातुर्मासिकव्याख्यान	समयसुन्दर	सं०प्रा०	१७४७	६	कृष्णदुर्ग में लिखित।
४९	१०२६	चातुर्मासिकव्याख्यान	,,	सं०	१८वीं श.	६	
५०	६५६	चातुर्मासिकव्याख्यान बालावबोध	सूरचन्द्र	रा०गू०	१८वीं श.	१२	
५१	३३८३	चातुर्मासिकव्याख्यान बालावबोध	,,	,,	१७वीं श.	२८	प्रथम तथा अन्त्यपत्र शोभन।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५२	२८६३ (५२)	चोवीसगति आगति- विवरण		रा०गू०	१७वीं श.	८६-६०	
५३	१०४३	जीवविचार सावचूरि त्रिपाठ	शांतिसूरि	प्रा.सं.	१७५८	५	राशीग्राम में लिखित ।
५४	७०	ज्ञानसार (अष्टकानि)		सं०	१६४६	३५	
५५	३२०७	ज्ञानसार	यशोविजयोपा ध्याय	"	१७६४	८	
५६	१०४६ (१)	ज्ञानसार सटीक त्रिपाठ	मू. यशोविजय टी. देवचन्द्रजी	"	१८६६	६३	ज्ञानमंजरी टीका । १ से ६१ राधणपुर में लिखित ।
५७	२८६३ (८५)	तिथ्याराधनविचार		प्रा०	१७वीं श.	१४८ वां	पत्र का अर्ध भाग नष्ट होने से अस्पष्ट ।
५८	२८६३ (१६)	तीर्थकरभवसंख्या		"	"	११ वां	
५९	२१६२	त्रैलोक्यभवदीपिका चोपाई	(सदारंगशिष्य)	रा० गू०	१८वीं श.	४	
६०	७५	दर्शनशुद्धिप्रकरण सटीक	मू. चंद्रप्रभसूरि	प्रा.सं.	२०वीं श.	८४	
६१	१८३६ (१०)	दशपंचकलाणवर्णन	रामचन्द्र	रा० गू०	१६वीं श.	४४-४७	गुटका ।
६२	३५२४	दिक्कुमारीवर्णन		"	१७वीं श.	४	
६३	२६६६	द्विजवदनचपेटा	अश्वघोष भिन्न	सं०	१८८७	६	प्रस्तुतकृतिका द्वितीय नाम ब्रह्मसूची- प्रकरण है ।
६४	१५७४	धर्मबिन्दुवृत्ति	मुनिचंदसूरि	"	१७६२	५१	
६५	१०२७	धर्मरत्नप्रकरणवृत्ति	देवेन्द्रसूरि	सं.प्रा.	१६वीं श.	८६६	कथात्मक ग्रंथ ।
६६	१०७४	नवतत्त्वप्रकरण सस्तवक		मू.प्रा.स्त. रा. गू.	१६वीं श.	१४	
६७	६७०	नवतत्त्वबालावबोध		रा०गू०	१७वीं श.	१७	
६८	२११६	नवतत्त्वबालावबोध विचार	मेरुगुंशिष्य	"	१६०२	६६	अलवरनगर में लिखित ।
६९	६६२	नवतत्त्वबालावबोध सहित		प्रा० वा० रा०गू०	१६२१	१०	चित्रकोटनगर में लिखित ।
७०	२१२०	नवतत्त्वबालावबोध		"	१७२०	२६	स्तंभतीर्थ में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७१	३०६३	नवतत्त्वसमूहवालावबोध		रा०गू०	१८७५	६८	हालकंदी में लिखित।
७२	३५७५ (४)	निगोदविचारस्तवन	क्षमाप्रमोद	"	२०वीं श.	१६५-१६६	सत्यपुर में रचना।
७३	२११६	पंचनिर्ग्रन्थीप्रकरण सवालावबोध	वा० मेरुसुन्दर	प्रा.रा.गू.	११४१	६	अन्त्य पत्र में संवत् १७८३ उ० मेघविजयें लीधी छद्म इस प्रकार पुष्पिका है। उपाध्याय मेघविजय प्रसिद्ध जैन विद्वान् है।
७४	१८६३	पंचमेरुपूजा		रा०	१६वीं श.	४	
७५	१०६८	पंचसंयतप्रकरण सस्तवक	मू० जीवविजय	प्रा०स्त० रा०गू०	१८२४	११	
७६	१५७३	पंचाशक	हरिभद्र	प्रा०	१७००	३६	
७७	१५७२	पंचाशक	"	"	१७वीं श.	३५	
७८	१०५७	पर्यन्ताराधनाप्रकरण	सोमसूरि	"	१८वीं श.	४	
७९	१०८३	पर्यन्ताराधनाप्रकरण सस्तवक	"	प्रा०स्त० रा०गू०	१७८२	६	मंडपावल्लुर्ग में लिखित।
८०	१०६३	पर्यन्ताराधनाप्रकरण सस्तवक	"	प्रा०स्त० रा०गू०	१८वीं श.	५	
८१	१०६१	पर्यन्ताराधनाप्रकरण सस्तवक	"	प्रा०स्त० रा०गू०	१६११	६	
८२	७७	पर्युपणाष्टादिकान्या- ख्यान		संस्कृत	१६वीं श.	६	जीर्ण प्रति है।
८३	१०६४	पिण्डविशुद्धिप्रकरण छायासहित	मू० जिनवल्लभ	प्रा०छा.सं.	१६२२	६	
८४	६२	प्रकृतिविच्छेदप्रकर- णादि प्रकरणचतुष्क	जयतिलक	संस्कृत	१६६३	२१	१ प्रकृतिविच्छेद प्रकरण २. सूक्ष्मार्थ-संग्रह ३ प्रकृति-स्वरूपसंरूपण ४. बंधस्त्रामित्यप्रकरण।
८५	८५	प्रबोधचिन्तामणि	जयशेखर	"	२०वीं श.	५६	
८६	१०३८	प्रब्रज्यावियानकुलक		प्रा०	१७वीं श.	२	
८७	१५७१	प्रशमरतिप्रकरण सटीक त्रिपाठ		संस्कृत	१८वीं श.	५०	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८८	२०१२	प्रश्नशतप्रकरण साव- चूर्णि पंचपाठ	मू० जिनवल्लभ	सं०	१५०४	७	पल्हादनपुर में लिखित । दूसरा पत्र अप्राप्त ।
८९	१५७५	प्रश्नोत्तरसमुच्चय (हीरप्रश्न)	कीर्तिविजय	"	१७वीं श.	४७	
९०	२१६६	प्रश्नोत्तरसार्धशतक- भाषा	क्षमाकल्याण	रा०गू०	१६वीं श.	४६	सं० १८५३ में बीकानेर में रचित ।
९१	१०४८	प्रश्नोत्तरसार्धशतक	"	"	१८६८	१५	सं० १८५३ बीका- नेर में रचित तथा लिखित ।
९२	१०३१	भवभावनाप्रकरण सावचूरि		मू० प्रा० अ० सं०	१५वीं श.	१०	
९३	१०६२	भवभावनाप्रकरण सस्तवक	मू० हेमचन्द्रमूरि स्त. शांतिविजय	प्रा. रा.	१८६६	६५	स्तवक रचना संवत् १७८५ । चोबारी नगर में लिखित । अत्रचूर्णि रचना सं० १६२३ ।
९४	१५७६	भावप्रकरण सावचूर्णि	मू० विजयविमल अ० शोपण	मू० प्रा० अ० सं०	१८वीं श.	७	
९५	१०३०	भाष्यत्रय सावचूरि त्रिपाठ	मू० देवेन्द्रमूरि अ. सोमसुन्दर	प्रा. अ० सं.	१७२३	१६	
९६	३५२५	मनास्थिरीकरणविचार	सोमसुन्दर	रा०गू०	१६वीं श.	१३	पत्र २, ३, ४ अप्राप्त ।
९७	१०८१	रत्नसंचयप्रकरण सस्त- वक	मू० बहसाह	मू. प्रा. स्त. रा. गू.	१६वीं श.	४६	
९८	२५४६	रविकरप्रसरविचार		प्रा० सं०	१६वीं श.	३	
९९	१०६५	लघुक्षेत्रसमास सस्तवक	रत्नशेखर स्त. पार्श्वचन्द्र	मू. प्रा. स्त. रा. गू.	१८१६	६५	
१००	१०३६	लघुसंग्रहणी	हरिभद्र	प्रा०	१७वीं श.	२	
१०१	२८६३ (१३१)	लेश्याविचाररादि		"	" "	१६४वां	
१०२	२१५६	लोकनालिकाप्रकरण सटीक		प्रा. टी. सं.	" "	५	
१०३	१०१८	विचारपत्र		प्रा. सं.	१६वीं श.	७४	
१०४	२०६२	विचार बालावबोध		रा०गू०	१७वीं श.	१७	
१०५	२६०७	विधिप्रपा	जिनप्रभ	प्रा०	१६वीं श.	१०३	
१०६	१०३७	विवेकमंजरी	आसड	"	१५वीं श.	४	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१०७	३४६०	विवेकविलास सत्राला- बोध	जिनदत्त सूरि	सं.रा.गू.	१६८७	११६	नगरथट में लिखित ।
१०८	११२५ (३)	विवेकविलास सार्थ	मू. जिनदत्तसूरि	मू.सं.अ. रा.गू.	१८२७	१७-६४	गुटका । भुजनगर में लिखित । स्वप्न शास्त्र र.णित-नामत्त अदि अनेक विषयों का चर्चण किया है । मुनराबिन्दर में लिखित । रचना सं. १८४५ ।
१०९	१०४५	विशेषशतक	समयसुन्दर	सं०	१८४६	४६	
११०	२३७४ (४)	बीसस्थानकपद पूजा तथा विधि	लक्ष्मीसूरि	रा० गू.	१६वीं श.	६३-७१	
१११	१०५४	व्याख्यानपद्धति	"	"	"	२	
११२	२६५६	व्याख्यानपद्धति बच- निका	"	"	१६वीं श.	प्लेट ३६	फोटो कारी ।
११३	१०४१	श्रावकआराधना	"	सं.	१७७६	५	संवत् १६६७ में उच्छानगर में रचित । कोट्टा में लिखित ।
११४	१०५२	श्रावक आराधना	समयसुन्दर	"	१८वीं श.	५	संवत् १६६७ में उच्छानगर में लिखित ।
११५	२८६३ (१३७)	शास्त्रीयविचार	"	रा.गू.प्रा.	१७वीं श.	२३६- २४२	
११६	८२६३ (६१)	शीलांगयन्त्र	"	प्रा.	"	१५६- १६०	
११७	१०४०	शीलोपदेशमाला	जयकीर्ति	"	१६४८	४	
११८	३४६७	शीलोपदेशमाला बाला- वबोधसहित	मू. जयकीर्ति बा. मेरुसुन्दर	प्रा.रा.गू.	१८२२	१७०	कथामय ग्रन्थ है ।
११९	१५६६	शीलोपदेशमाला सवृत्ति	मू. जयकीर्ति वृ. विद्यातिलक	प्रा.वृ.सं.	१६वीं श.	१४१	शीलनरंगिणी म- वृत्ति
१२०	१०७३	शीलोपदेशमाला सस्तवक	मू. जयकीर्ति स्त. हरिश्चंद्र मुनि	मू.प्रा.स्त. रा. गू.	१७वीं श.	८	
१२१	१०४३ (२)	श्राद्धविधिप्रकाश	क्षमाकल्याण	रा. गू.	१८०१	१७-२७	जैसलमेर में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२२	७२	श्रावकधर्मविधिप्रकरण सटीक	मू० धनपाल टी० धर्मचन्द्र	प्रा. सं.	१६६३	६६	
१२३	१०२८	षट्कर्मग्रन्थ टीका	टी० देवेन्द्रसूरि, मलयगिरि	सं०	१६२३	२२६	स्तम्भतीर्थ में लिखित । पांच की टीका देवेन्द्रगिरि ने की है । १ से ५ ग्रन्थतक टीका
१२४	१०२६	षट्कर्मग्रन्थसावचूरि	मू० देवेन्द्रसूरि	प्रा. अ. सं.	१७वीं श.	१८३	
१२५	१०७७	षष्टिशतक सस्तवक	मू० नेमिचन्द्र	मू. प्रा. स्त. रा. गू.	„ „	१०	
१२६	१०२२	षोडशकं सटीक त्रिपाठ	मू० हरिभद्रसूरि	संस्कृत	१८३६	४३	सूरतिविंदर में लिखित ।
१२७	२८६३ (८६)	संख्याताविचार		रा. गू.	१७वीं श.	१४६वां	
१२८	१०८२	संग्रहणीप्रकरण सस्तवक	हेमसूरि शिष्य	मू. प्रा. स्त. रा. गू.	१८वीं श.	५२	
१२९	३६१४	संग्रहणीबालावबोध	शिवनिधान	रा. गू.	१८११	७३	वडलूनगर में लिखित
१३०	३६१५	संग्रहणीबालावबोध	दयासिंह	„	१८वीं श.	६२	
१३१	२११७	संग्रहणीसबालावबोध	श्रीचन्द्र	प्रा. रा. गू.	१६१७	४६	
१३२	१०६०	संग्रहणी सस्तवक	वा० दयासिंह हेमसूरि शिष्य	मू. प्रा. स्त. रा. गू.	१६०३	५३	
१३३	१०५०	सप्ततिका (कर्मग्रन्थ)		प्रा.	१६वीं श.	६	
१३४	२११८	सप्ततिका कर्मग्रन्थ	वा० कुंभचन्द्राणि	मू. प्रा.	१७३३	१६	जै उलमेर में लिखित ।
१३५	६६२	सप्ततिका बालावबोध	पाश्चन्द्र शिष्य	मू. प्रा. वा. रा. गू.	१७वीं श.	७१	
१३६	१११५	सप्ततिका बालावबोध	मू० चंदमहत्तर वा० जयसोम	रा. गू.	१६वीं श.	६	
१३७	१०१६	सम्बोधसप्ततिका		प्रा०	१६वीं श.	४	
१३८	२१२१	सम्बोधसप्ततिका		मू. प्रा. वा. रा. गू.	१७१७	२३	सूरतविंदर में लिखित ।
१३९	१०७६	सम्बोधसप्ततिका	मू० जयशेखर	मू. प्रा. स्त. रा.	१८वीं श.	१२	
१४०	६७	सम्बोधसप्तति सटीक	मू० रत्नशेखर टी० अमरकीर्ति	मू. प्रा. टी. सं.	१६६१	२१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४१	२०६४	समयसारनाटक	बनारसीदास	हि०	१७५८	३१	
१४२	३६१८	समयसारनाटक	"	ब्र. हि.	१८वीं श.	५१	सं. १६६३ में आगरा में रचित ।
१४३	८६४	समयसारनाटक सस्तबक	मू. बनारसीदास स्त० राजमल्ल	ब्र०	१८०४	१४४	व्यालपुर (भुज) में लिखित ।
१४४	१८१८	समाधितंत्रबालावबोध सहित	मू. कुंदकुंद(?) वा. पर्वतधर्मार्थी	मू. सं. बा. रा. गू.	१७१२	८४	
१४५	२१०६	समाधितंत्र बालावबोध सहित	"	"	१८२८	७६	अलीगढ़रपातशाह के राज्य में अंबहटा में लिखित ।
१४६	१०५३ (१)	साधुविधिप्रकाश	क्षमाकल्याण	सं०	१८४१	१-१६	जैसलमेर में लिखित ।
१४७	१०७६	सिद्धपंचाशिका सस्तबक	मू. देवेन्द्रसूरि	प्रा. स्त. रा. गू.	१७वीं श.	६	
१४८	२८६३ (५५)	सिद्धांतबोल		रा. गू.	"	६०-६३	
१४९	८४	सूक्ष्मार्थविचारप्रकरण (सार्थशतक) सटीक	मू. जिनवल्लभ टी० धनेश्वर	मू. प्रा. टी. सं.	१५२१	५४	यवनपुर-स्थित कमलसंयमोपाध्याय ने देविणीनामक लेखक द्वारा लिखाई
१५०	१०८६	स्थविरावलिकावचूर्णि		सं०	१७वीं श.	४	



## (१३) रास

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
१	११२४ (१)	अगददत्तचौपाई	सुमति हर्षदत्त शिष्य	रा० गू०	१६७६	३२-३६	सं० १६:१ में रचित ।
२	६६४	अजापुत्र चौपाई	सुमतिप्रभ	"	१२२६	४२	सं. १२२२ में रचना, बलुनरी ग्राम में लिखित । सांचोर में रचित ।
३	३५०६	अजापुत्ररास	धर्मदेव	"	१२७०	१२	संवत् १५६१ में सीणी ग्राम में रचित पे (खे) टकपुर में लिखित ।
४	१६२२	अंजनाचौपाई	पुण्यसागर	"	१७६४	११	नागेर में लिखित ।
५	३५५३ (३)	अंजनासुन्दरी चौपाई		"	१२७७	१००- १२७	
६	३२६०	अंजनासुन्दरी चौपाई		"	१७४७	१२	सं. १६२६ में सांचोर में रचित । हीया- देसर में लिखित ।
७	३२७६	अंजनासुन्दरी चौपाई		"	१२७७	२७	सकर ग्राम में लिखित । सं. १६२६ में सांचोर में रचित ।
८	३६६६	अंजनासुन्दरी चौपाई	"	"	१७२६	२८	पा (खा) रीयानी- वरा में लिखित । सं० १६२२ में सांचेर में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८	३६६७	अंजनासुन्दरी चोपाई	भुवनकीर्ति	रा०गू०	१८५६	२२	बीकानेर में लिखित सं० १७०६ में राणा श्रीजगतसिंहजी के प्रधान केशरीसिंह के छोटे भाई भाग-चंद की प्रार्थना से उदयपुर में रचित।
१०	३८७७	अंजनासुन्दरी चोपाई	भुवनकीर्ति	„	१८७४	२१	सं० १७०६ में उद-यपुर में रचित।
११	२२२३	अंजनासुन्दरी चोपाई	„	„	१७२२	२७	सिरुवंज में लिखित उदयपुर नरेश श्री जगतसिंह जी के अमात्य श्री हंसराज के छोटेभाई भाग-चंद की प्रार्थना से रचित।
१२	१८२०	अंजनासुन्दरी रास	मालमुनि (?)	„	१७वीं श.	७	
१३	३८६२	अंजनासुन्दरी रास		„	१७४७	१०	पीपाड नगर में लिखित।
१४	२८६३ (२७)	अढारनातराचोपाई	हीरकलश	„	१७वीं श.	६१से६४	कर्ता द्वारा स्वयं लिखित।
१५	३८७८	अनाथीसंघी	खेमो	„	१७५६	४	सं० १७४५ में कल्या-णपुर में रचित।
१६	११२४ (७)	अभयकुमाररास			१६७५	१से४६	
१७	११२४ (१)	अमरतेजराजा धर्म-बुद्धिमंत्रीरास	रतनत्रिमल	„	१६७५	२से१८	सं० १६०६ में रचना। प्रथम पत्र अप्रान्त।
१८	२०६७ (१)	अभसेनवयरसेनचोपाई	जयरंग	„	१७७२	१-१०	सं० १७०० (१७१७) में जैसलमेर में रचना। पत्तन में लिखित।
१९	३८६३	अमरसेनवयरसेन-चोपाई	पुण्यकीर्ति	„	१८वीं श.	१५	सं० १६६६ में सांगानेर में रचित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
२०	२०७८	अमरसेनवरसेन रास	राजसुन्दर	रा. गू.	१८वीं श.	२३	सं. १६६७ में जालोर जात्रालिपुरमें रचना।
२१	२३७४ (२)	अम्बरीषी रास	माइदास	"	१६वीं श.	१६-२०	
२२	३८६२	अम्बडविद्याधररास	मंगलमाणिक्य	"	१६६३	८३	पालगंजानगर में लिखित। सं. १६३६ में उज्जैणी में रचित।
२३	२१३०	अर्जुनमालीरी चौपाई	मुक्तिनिधान	रा०	१८६३	५	सुवाइगाम में लिखित।
२४	१८६ (१०)	अवंतीसुकुमालचौपाई	जिनद्वर्ण	रा० गू०	१८३१	५७-६५	गुटका, रचना सं० १५४१।
२५	२१४६	अवंतीसुकुमालचौपाई	"	"	१६वीं श.	८	रचना सं० १७४१।
२६	२३७४ (६)	अवंतीसुकुमालचौपाई	"	"	"	३१-३४	रचना सं० १७४१।
२७	२८६३ (१३५)	आगमवचन (कुमती विधिसंस्थाधिकार) चौपाई	हीरकलश	रा.गू.प्रा.	१६२१	२०२-२३६	सं. १६१७ में कनकपुरी में रचित। कर्ता द्वारा स्वयं लिखित।
२८	२१४०	आणंदसंधि	श्रीसार	रा० गू०	१८२४	१२	सं. १८००(?) में पुहकरणीनयरी में रचना।
२९	२१७७	आणंदसंधि	"	"	१६६६	१२	सं. १६८४ में पुहकरणी में रचना, राजलदेसर में लिखित।
३०	२२२०	आणंदसंधि	"	"	१८वीं श.	६	संवत् १६८४ में पुहकरणीनयरी में रचित।
३१	३५७३ (३६)	आणंदसंधि	"	"	१६वीं श.	८६-६७	सं. १६८४ पुहकरणीनगरी में रचित। जीर्णप्रति।
३२	३८७१	आणंदसंधि	"	"	१७६४	७	कृष्णगढ़ में लिखित। संवत् १६८४ में पुहकरणीनगरी में रचित।
३३	३८७६	आणंदसंधि	"	"	१७३३	६	वीछवाडीया ग्राम में लिखित। संवत् १६८४ में पुहकरणीनयरी में रचित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
३४	१००८	आराधना	अजितदेव	राःगू०	१६४७	१०	सं० १५६७ वीरम- पुर रचना । माल- पुरा में लिखित ।
३५	३४६८	आरामशोभा चोपाई	दयासार	"	१७४६	१६	रचना सं० १७०४ मुलताणनगर में ।
३६	६४६	आर्द्रकुमारचोपाई	ज्ञानसागर	"	१५३०	१२	सं० १७२५ में लघु- वटपत्र में रचना ।
३७	३०३०	आर्द्रकुमारचोपाई	"	"	१७७८	१३	सं० १७२७ में लघु- वटपत्र में रचित ।
३८	६४८	आर्द्रकुमारधवल	कनकतोम	"	१७वीं श.	३	सं० १६६४ में अमरिसर में रचित ।
३९	६२७	आषाढाभूति धमाल	"	"	१७५७	३	ईडवाग्राम में लिखित । रचना सं० १६२८ ।
४०	६६६	आषाढाभूति धमाल	"	"	१७०४	२	सं० १६३८ में रचना ।
४१	२१६७	आषाढाभूति धमाल	"	"	१८वीं श.	६	सं० १६३८ में रचित ।
४२	३५७३ (१०)	आषाढाभूति धमाल	"	"	१६वीं श.	३२-३३	सं० १६३८ में रचित । जीर्ण प्रति ।
४३	१०१२	आषाढाभूतिरास	ज्ञानसागर	"	१८१३	६	सं० १७२४ चक्रा- पुरी में रचना ।
४४	२०१५	आषाढाभूतिरास	"	"	१८वीं श.	१२	चक्रापुरी ग्राम में सं० १७२४ में रचना ।
४५	२०६५	आषाढाभूतिरास	"	"	१७६५	८	सं० १७२४ में चक्रा- पुरी गांम में रचना ।
४६	२३७४ (१५)	आषाढाभूतिरास	"	"	१६वीं श.	७२से७६	सं० १७२४ चक्रापुरी में रचना ।
४७	३२४५	आषाढाभूतिरास	"	"	१८७४	६	सं० १५२५ में चक्री- पुरी में रचित । वंस- तपुर नगर में लिखित ।
४८	३६१६	आषाढाभूतिरास	"	"	१७५१	५	मेडताग्राम में लिखित, सं० १७२४ में चक्री- पुर में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४६	३५५३ (६)	आषाढाभूतिरास	ज्ञानसागर	रा०गू०	१६०५	१६०-१६४	सं. १८३२ में नागौर में रचित । मेढता में लिखित ।
५०	३६२०	आषाढाभूतिरास		"	१६७१	३	
५१	२०७२	इखुकारी संधि	खेमराज	"	१७वीं श.	५	प्रथम पत्र अप्राप्त ।
५२	३५७३ (१६)	इखुकारी संधि	"	"	१६वीं श.	६०-६१	जीर्णप्रति ।
५३	२१६३	इखुकारी संधि	"	"	१७वीं श.	२	
५४	२२१७ (१)	इखुकारी संधि	खेम मुनि	"	१७६०	१-३	किशनगढ़ में लिखित सं० १७४७ में उदयपुर में रचित ।
५५	६०७	इलाचीकुमाररास	ज्ञानसागर	"	१७५६	१७	संवत् १७२६ में रचित । घोषाबन्दर में लिखित ।
५६	६४६	इलाचीकुमाररास	"	"	१७६५	५	सं. १८११ शेषपुर में रचना ।
५७	२०६३	इलाचीकुमाररास	"	"	१७६८	१४	सं० १७१६ में शेषपुर में रचना ।
५८	२०४५	इलाचीकुमाररास	"	"	१८५२	६	शेषपुर में संवत् १७१६ में रचना ।
५९	२०६७ (३)	इलाचीकुमाररास	"	"	१७७२	१७-२२	सं. १७२६ में शेषपुर में रचना । पत्तन में लिखित ।
६०	१५६६	इलाचीकुमाररास	"	"	१७६०	१७	सं. १७१६ शेषपुरी में रचना ।
६१	२३७४ (३)	इलाचीकुमाररास	"	"	१६वीं श.	२०-२५	रचना सं० १७२१ में शेषपुर में ।
६२	३०३१	इलाचीकुमाररास	"	"	१८वीं श.	११	सं० १७१६ में शेषपुर में रचित । नटपट्टनगर में लिखित ।
६३	३२१६	उत्तमकुमाररास	जिनहर्ष	"	१८६५	१८	बीजापुर में लिखित । सं. १७४५ में पाटण में रचित ।
६४	६५४	ऋषभदेवविवाहलो (धवल)	सेवक	"	१७११	१६	राजकोटनगर में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६५	६७६	ऋषभदेवविवाहलो ( धवल )	सेवक	रा०गू०	१८११	१३	राधिकापुर में लिखित ।
६६	३३७८	ऋषभदेवविवाहलो ( धवल )	"	"	१६२४	११	
६७	३४६६	ऋषभदेवविवाहलो ( धवल )	"	"	१७३४	१३	
६८	३५७३ ( २७ )	ऋषभदेवविवाहलो	"	"	१६वीं श.	७३-७६	जीर्ण प्रति ।
६९	६०२	एकादशीमाहात्म्य चोपाई	विष्णुदास	"	१८३१	२६	प्रथम पत्र अप्राप्त । सं० १६२४ में रचित । मानकुआ ग्राम में लिखित ।
७०	३६८५	एकादशीमाहात्म्यभाषा पद्य	मानदास	ब्र०हि०	१८६८	४६	पाटण नगर में लिखित । सं० १८३४ में रचित ।
७१	६०५	ओखाहरण	प्रेमानन्द	गूर्जर	१६०३	७४	
७२	३२८६	ओखाहरण	"	"	१६वीं श.	३७	
७३	२१८४	कयवन्नाचोपाई	(जयतसी) जयरंग	राज०	१८वीं श.	२१	उदयापुर में लिखित । सं० १७२१ में रचित ।
७४	२०३२	कयवन्नाचोपाई	जयरंग	रा०गू०	१८२३	३१	सं० १७२१ में बीकानेर में रचित, सुरतिविन्दर में लिखित ।
७५	२०६०	कयवन्नाचोपाई	"	"	१७७६	३६	सं० १७२१ में बीका- नेर में रचना ।
७६	२२०६	कयवन्नाचोपाई	"	"	१७६८	१४	अडसीसर ग्रामे मरुस्थलदेशे लिखित सं० १७२१ में बीकानेर में रचित ।
७७	३८७४	कयवन्नाचोपाई	"	"	१८५५	१६	सरीयारी में लिखित सं० १७२१ में बीकानेर में रचित ।
७८	३६२१	कयवन्नाचोपाई	"	"	१८वीं श.	१८	सं० १७२१ में बीकानेर में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७६	३८७५	कयवन्नारास	गुणसागर	रा०गू०	१८वीं श.	१५	प्रथम पत्र अप्राप्त।
८०	२०६२	करगडूचौपाई	मतिशेखर	"	१७वीं श.	१०	
८१	२०८८	कर्मविपाकरास	वीरचन्दमुनि	"	१८२०	६	सं० १५२८ में पाटण में रचित।
८२	३८७२	कज्ञावतीचौपाई	रायचन्द	"	१८५३	५	
८३	२१८३	कान्हडकठियाराचौपाई	मानसागर	"	१८८२	१४	विदासर में लिखित। सं. १७४७ में मतिह में रचित।
८४	३५५४ (५)	कान्हडकठियाराचौपाई	"	"	१६वीं श.	६५-६७	सं० १७४७ में पद-मावतीनगर में रचित।
८५	३८७३	कान्हडकठियाराचौपाई	"	"	१८४१	६	वीनातटनगर में लिखित। सं० १७४१ में पदमावतीनगर में रचित।
८६	३८८०	किसनजीरी ढालां		राज०	१६वीं श.	८	
८७	१५६४	कुमारपालप्रबन्धरास	हीरकुशल	रा०गू०	१७वीं श.	१८	रचना सं० १६४०। अफिमपुर में रचित।
८८	६६३	कुमारपालरास		"	१८८०	१०८	सं० १६७० त्रवावती में रचना।
८९	३४७०	कृष्णत्रिवाहलो		"	१८वीं श.	८	
९०	६४४	केशी गौतमसंधि		अथभ्रंश	१६वीं श.	४	
९१	११२१ (१४)	केशी गौतमसंधि		रा०गू०	१५वीं श.	७५-७६	
९२	१८३६ (५)	खंदकमुनिचौढालीयुं		"	१८२६	२३-२७	गुटका।
९३	३५७५ (०४)	खंदकमुनिचौढालीयुं		"	२०वीं श.	६६-७७	
९४	२३७४ (१२)	खेमासानो रास	लक्ष्मीरतन	"	१८५७	४३-४५	सं. १७४१ उनाउया में रचना।
९५	३६२३	गजसुकुमालछढालीयो	केशव	"	१८वीं श.	३	
९६	१८१६ (१)	गजसुकुमालढाल	शुभवर्धन	"	"	१-४	
९७	६४७	गजसुकुमालविवाह	शुभवर्धनशिष्य	"	१७८०	७	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६८	२०८२	गजसुकुमाजसंधि	मूलाश्रयि	रा०गू०	१६६५	८	सं० १६२४ में साजोर में रचना।
६९	२५४७ (१५)	गुणप्रथीर जरासी		हिन्दी	१६वीं श.	१-३५	७६५ पद्य पर्यन्त, अपूर्ण।
१००	२१०३	गुणरत्नाकर छंद	सहजमुन्दर	रा०गू०	१७४६	१६	रचना सं० १५७२।
१०१	३५१४	गुणावलीकथा चोपाई	ज्ञानमेरु	"	१८वीं श.	८	
१०२	२०३३	गुणावलीकथा चोपाई	"	"	१७४३	७	चिगायपुर में सं० १६७२ में रचना दसाडा ग्राम में लिखित।
१०३	३६६८	गुणावलीचोपाई	दीपो	"	१८५१	२६	सं० १७५५ में रचित।
१०४	३८११	गुणावलीचोपाई	दीपश्रयि	रा०	१८४८	२४	मौपडंदा-ग्राम में लिखित। सं० १७५७ में मनसर में रचित।
१०५	६०६	गुणावलीबुद्धिप्रकाशरास	श्रुतसागर	रा०गू०	१७वीं श.	१०	गंधारनगर में रचना।
१०६	३६२४	गुणावलीरास	रा०कुशल	"	१७१८	१८	अटवाडा नगर में लिखित। सं० १७१४ में रचित।
१०७	३५६६ (२)	गुसांइजी की लीला	कृष्णदास चोभड	ब्र हि०	१७वीं श.	१०-१७	
१०८	३५६६ (४)	गोवर्धनलीला	नार यणदास बडोदरी	"	१६८८	२६-३७	
१०९	२१६६	गोराबादलकथा	जटमल	रा०	१८२८	६	सबुलागांम में सं० १६८५ (पाटा ७७५) में रचित पुनरासर में लिखित।
११०	२३६० (६)	गोराबादल की बात	"	"	१६वीं श.	११से१७	
१११	३५५५ (२५)	गोराबादल कथित दूहा बंध	"	"	१६वीं श.	१५१-१५६	सं० १६८० में रचित, आणदपुर में लिखित।
११२	३३८४	गोराबादल चोपाई	भाग्यविजय	"	१८०३	३१	सं० १६६० में कुंभलमेर में रचित।
११३	३३८५	गोराबादल चोपाई	हेमरतन	"	१६वीं श.	३६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११४	३०२६	गोरावाडल चोपाई	लब्धोदय	रा०गू०	१७६५	२५	सं० १७७६ में उद- यपुर में रचित ।
११५	३३८६	गोरावाडल चोपाई	लब्धोदय	रा०	१७५६	४१	उदयपुर में लिखित, उदयपुर नरेश श्री जगतसिंहजी के अमात्य हंसराज के छठे भाई डुंगरसी के आग्रह से सं० १७०७ में रचित ।
११६	१८३६ (१६)	गौतमरास आदि		रा०गू०	१८३३	११८- १४३	गुटका । सज्जायादि कृतियां हैं ।
११७	१८१७	चउपरवीचउपई	समयसुन्दर	"	१८वीं श.	२०	सं० १६७३ में जूठा- गाम में रचित ।
११८	१८२४ (१)	चंदनवाला चोपाई	देपाल	रा०	१६वीं श.	१-४	
११९	६१६	चंदनमलयागिरि चोपाई	भद्रसेन	"	१८६६	८	विक्रमपुर में रचना । मानकूआ में लिखित ।
१२०	१००६	चंदनमलयागिरि चोपाई	"	"	१८वीं श.	४	विक्रमपुर में रचना ।
१२१	२०७५	चंदनमलयागिरिचोपाई	"	"	१६वीं श.	८	
१२२	३५५४ (१८)	चंदनमलयागिरि चोपाई	"	"	१६वीं श.	२८-३०	विक्रमपुर में रचित ।
१२३	३५५६ (२)	चंदनमलयागिरि चोपाई	"	"	१८२१	३८-५१	" "
१२४	३५५७ (११)	चंदनमलयागिरि चोपाई		"	१८वीं श.	१०३- १०५	
१२५	६६०	चन्दराजा रास	मोहनविजय	"	१८८५	१६०	सं० १७३८ राज- नगर में रचना ।
१२६	६६६	चन्दराजा रास	"	"	१८६०	७७	सं० १७३८ राज- नगर में रचना ।
१२७	२०२२	चन्दराजा रास	"	"	१८११	६६	सं० १७८३ में राज- नगर में रचित ।
१२८	२०८४	चन्दराजा रास	"	"	१८२५	१०४	सं० १७८३ में राज- नगर में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२६	३५५४ (२)	चंदराजा रास	मोहनविजय	रा० गू०	१८७६	१-६०	राणावास में लिखित । संवत् १७८४ में राजनगर में रचित ।
१३०	३८८३	चंदराजा रास	"	"	१८३१	८०	सं. १७८३ में राजनगर में रचित ।
१३१	३६७०	चंदराजा रास	"	"	१८६६		चूरुनगर में लिखित सं. १७८३ में राजनगर में रचित ।
१३२	३८८२	चंदराजा रास	लब्धिरुचि	"	१८२७	६१	सं. १७१७ में सिरौही में रचित ।
१३३	३६२५ (१)	चंदराजा रास	"	"	१७७०	५३	लाहामाम (मेदपाट) में लिखित । सं. १७१७ में सिरौही में रचित । प्रस्तुत कृति पूर्ण लिखकर लेखकने वाचक उदय विजयकृत पार्श्वनाथ गीता ३६ पद्यमयी लिखी है ।
१३४	३६६६	चंदराजा रास	"	"	१८२१	७६	देवाणदी ग्राम में लिखित । संवत् १७१७ में सिरौही में रचित ।
१३५	४१५	चंदराजा रास	"	"	१६वीं श.	६६	अन्य पत्र ६७ वां अप्राप्त ।
१३६	६५५	चन्द्रलेहाचौपाई	मतिकुशल	"	१७७४	२०	नापासर में लिखित । सं. १७२८ में श्रीप-चीयाप में रचित ।
१३७	२२२६	चंदलेहा चौपाई	"	"	१६७५	२६	सं. १७२८ में पचीयास में रचित ।
१३८	३५०३	चंद्रलेहा चौपाई	"	"	१७६५	२६	सं. १७२८ में श्रीप-चीयास में रचित । उद्धोदग्राममें लिखित



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
१३६	३५३७	चन्दलेहा चौपाई	मतिकुशल	रा.गू.	१८३०	२३	सं. १७२८ में श्रीप- चियाक में रचित । राणपुर में लिखित ।
१४०	३५४० (३)	चन्दलेहा चौपाई	"	"	१६वीं श.	१३-३६	संवत् १७२८ में श्रीपचीयाप में रचित ।
१४१	३८८४	चन्दलेहा चौपाई	"	"	१७६१	२७	पीपाड में लिखित । संवत् १७२८ में श्रीपचियास में रचित ।
१४२	३६२६	चन्दलेहा चौपाई	"	"	१७७७	१६	पै (खै) रवा में लिखित । संवत् १७२८ में श्रीपची- याक में रचित ।
१४३	३६७१	चन्दलेहा चौपाई	"	"	१७७४	१३	संवत् १७२८ में श्रीपचीयाप में रचित ।
१४४	१८२६	चन्दलेहा चौपाई	हर्षमूर्ति	"	१७वीं श.	५	रचना सं० १५६६ ।
१४५	२२११	चंपकश्रेष्ठिचौपाई	समयसुन्दर	"	"	१०	सं. १६६५ में जालोर में रचित ।
१४६	३५७३ (५३)	चित्रसंभूतचौढालीयो	जीवनराज	"	१६वीं श.	१३६ वां	सं. १७४६ विक्रम- नेर में रचित । जीर्णप्रति ।
१४७	३८८६	चित्रसेनपद्मावती चौपाई	रामविजय उपाध्याय	"	"	१५	सं. १८५६ में बीका- नेर में रचित ।
१४८	६२४	जम्बूपृच्छारास	वीरमुनि	"	१८८६	१३	सं. १७८८ में पाटण में रचना । मान- कुआ में लिखित ।
१४९	१०१०	जम्बूपृच्छारास	"	"	१८१६	१२	सं. १७२८ पाटण में रचना । भुजनगर में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१५०	२२३१	जंबूस्वामी चोपाई	चंद्रभाण	रा०	१८६३	३६	सुवाइगाम में लिखित । सं० १८३८ में बोडावड में रचित ।
१५१	३४७२	जंबूस्वामी चोपाई	देपाल	रा०गू०	१५४८	८	संवत् १५२२ में रचना ।
१५२	३५७३ (१४)	जंबूस्वामी चोपाई	"	"	१६वीं श.	३८-४२	संवत् १५२२ में रचित । जोरु प्रति ।
१५३	२१३१	जंबूस्वामी चोपाई	पद्मचंद्र	"	१६वीं श.	५३	पत्र १५ से २३ अप्राप्त सं० १७१४ में सरसा पाटण में रचित ।
१५४	६६८	जम्बूस्वामीरास	नयविमल	"	१८०२	२०	सिरोही नगर में लिखी । रचना सं० १७४८ ।
१५५	३२८८	जम्बूस्वामीरास	"	"	१६४६	४६	मगरवाडा में लिखित । सं० १७५४ में रचित ।
१५६	३४७३	जम्बूस्वामीरास	राजपाल	"	१६५६	३४	सत्यपुर में लिखित । सं० १६४२ में रचना ।
१५७	३६२८	जयविजय चोपाई	धर्मरत्न	"	१६वीं श.	२८	सं० १५४१ में अर्गलपुर में रचित ।
१५८	२८६३ (३)	जिनप्रतिमाधिकार चोपाई	हीरकलश	"	१७वीं श.	२-३	सं० १६२४ में रचित ।
१५९	३५७५ (५४)	जिनरक्षित जिनपाल	उदयरतन	"	२०वीं श.	२५२-२६०	सं० १८६७ बीकानेर में रचना ।
१६०	२०६५	ज्ञाताभास तथा सोल-सतीभास	मेघराज	"	१७२०	१८	
१६१	३८८७	ढालसागर	गुणसागर	"	१६वीं श.	१३१	सं० १६७६ में कर्कटेश्वर नगर में रचित ।
१६२	३६७२	ढालसागर	"	"	१६वीं श.	६६	सं० १६७६ में कर्कटेश्वर नगरी में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६३	६१३	दुन्दकपत्राडो	अत्रिचल	रा०गू०	१८७४	६	भुजनगर में लिखित।
१६४	११४४ (१)	ढोलामारवणी चोपाई		रा०	१६वीं श.	१से२८	
१६५	२२०७	ढोलैमारूरीवार्ता दूहाबंध		"	१८२८	८	पुनरासर में लिखित।
१६६	३६७३	त्रिभुवनकुमाररास	उत्तमसागर	रा०गू०	१७६३	२१	घृत भाजाग्राम में लिखित। सं० १७१२ में पुरविन्दर में रचित।
१६७	३८८५	त्रिभुवनकुमार रास	"	"	१८वीं श.	२६	सोमती नगर में लिखित। सं० १७१२ में पुरविन्दर में रचित।
१६८	३५७५ (७६)	थावच्चामुनिचोढालियो	रामाकल्याण	"	२०वीं श	३११-३१६	महिमापुर में संवत् १८४७ में रचना।
१६९	२२२८	थावच्चासुत चोपाई	राजहृदय	"	१८वीं श.	१७	सं० १७०७ में वीकानेर में रचित।
१७०	३८८८	थावच्चासुत चोपाई	समयसुन्दर	"	" "	२५	सं० १६६१ में पं (खं) भाइत में पा (खा) रूयावडई में रचित।
१७१	२१०१ (१)	दानलीला		"	१६वीं श.	१ ला	
२७२	३५६६ (६)	दानलीला	नारायणदास बडोदरी	ब्र०हि०	१७वीं श.	४१-४७	
१७३	८८१	दानशील तप भावना संवाद	समयसुन्दर	"	१८वीं श.	४	सं० १६६२ में सांगानेर में रचना।
१७४	६१२	दानशील तप भावना संवाद	"	"	१७वीं श.	४	सं० १६६२ में सांगानेर में रचना।
१७५	६६५	दानशील तप भावना संवाद	"	"	" "	६	सं० १६६२ सांगानेर में रचना।
१७६	१८६ (७)	दानशील तप भावना संवाद	"	"	१८२६	३२-४०	गुटका। सं० १६६२ सांगानेर में रचना।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७७	२०४२ (२)	दानशीलतपभावना संवाद	समयसुन्दर	रा० गू०	१७८३	६-१२	सं. १६६२ में सांगा- नेर में रचित । मगर मारवाड़ में लिखित ।
१७८	२०८६	दानशीलतपभावना संवाद	"	"	१७०५	६	सं. १६६२ में सांगा- नेर में रचना ।
१७९	२३७४ (११)	दानशीलतपभावना संवाद	"	"	१६वीं श.	३६-४२	"
१८०	३२५६	दानशीलतपभावना संवाद	"	"	१८४१	५	कृष्णगढ़ में लिखित। संवत् १६६२ में सांगानेर में रचित ।
१८१	३२७१	दानशीलतपभावना संवाद	"	"	२०वीं श.	१८	सं. १६६२ में सांगा- नेर में रचित । गुटका । रास पूर्ण होने के बाद संज्ञा- यादि पद लिखे हैं।
१८२	३५७३ (५४)	दानशीलतपभावसंवाद	"	"	१८१०	१३७- १३६	सं. १६६२ में सांगा- नेर में रचित । जीर्णप्रति ।
१८३	३५७५ (३६)	दानशीलतपभावसंवाद	"	"	२०वीं श.	१७३- १८१	सं. १६६२ में सांगा- नेर में रचना ।
१८४	३८६१	दानशीलतपभावना संवाद	"	"	१८वीं श.	४	संवत् १६६२ में सांगानेर में रचित । उदैपुर में लिखित ।
१८५	३६२७	दानशीलतपभावना संवाद	"	"	१६वीं श.	४	संवत् १६६२ में सांगानेर में रचित ।
१८६	११२४ (१०)	दामनकचौपई	दयाशील	"	१६७६	१-६	सं. १६६३ में राड्ड- हनगर में रचित ।
१८७	२१७६	दामनकतौपाई	चारित्रसुन्दर	"	१८३०	६	सं. १८२४ में अजीम गंज में रचित । विक्रमपुर में लिखित ।
१८८	३२७२	देवकीना ढालीयां		गू०	१८६१	२४	खेरालुनग्र में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
१८६	१८२६	द्रौपदी चौपाई	कनककीर्ति	रा०गू०	१७०७	२०	जैसलमेर में संवत् १६६३ में रचित ।
१८७	२१३२	द्रौपदी चौपाई	"	"	१७२७	२६	जैसलमेरनगर में सं. (?) में रचना ।
१८८	३४७५	द्रौपदी चौपाई	"	"	१७१८	३६	दणोदड़में लिखित । जैसलमेर नगर में । सं. १६६३ में रचना ।
१८९	३५३८	द्रौपदी चौपाई	"	"	१८वीं श.	३१	मांडवगढ़ पाश्चोडोल ग्राम में लिखित । सं० १६६३ में जैसलमेर में रचित ।
१९०	६६६	द्रौपदी रास	समयसुन्दर	"	१८५६	२०	सं० १७०० में अहमदाबाद में रचना । भुजनगरमें लिखित ।
१९१	११२३ (३)	धन्नाचरित्र रास	मति तोखर	"	१७वीं श.	२२-३०	सं. १५१४में रचित ।
१९२	११२४ (३)	धन्नाचरित्र रास	"	"	१६७५	३५-५६	संवत् १५१४ में रचना । भुजनगर में लिखित ।
१९३	३५७३ (१५)	धन्नाचरित्र रास	"	"	१६वीं श.	४२-४६	सं० १५१४ में रचित । जीर्णप्रति ।
१९४	२०३४	धन्नारास	भावनरत्न	"	"	५६	संवत् १७७२ में अणहिल्लपुर पाटण में रचित ।
१९५	३५७३ (२०)	ध नासंधि	कल्याणतिलक	"	"	६५-६७	जैसलमेर में रचित । जीर्णप्रति ।
१९६	३३८१	धन्यविलास	कल्याण कडुआमति कुशलहर्ष	"	१७वीं श.	४३	संवत् १६८५ में रचित ।
२००	२१८१	धर्मदत्तधनवांतीरी चौपाई	कुशलहर्ष	"	१८२२	४५	बिदासर में लिखित । रचना—सं. १७८८ ।
२०१	३६३०	नन्दवत्रीसीचौपाई	सिंघकुशल	"	१७१६	६	दूधवड में लिखित ।
२०२	२०६४	नन्दिदेव चौपाई	ज्ञानमागर	"	१८वीं श.	१२	
२०३	८८३	नरसीमेतानु मांमेरू	प्रेमानन्द	गू०	१-६१	१५	मानकुआ में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०४	११२३ (२५)	नलदवदन्ती चउपाई		रा०गू०	१७वीं श.	८६-६४	३१२ वां पद्य पर्यन्त, पश्चात् किञ्चित् अपूर्ण । अन्त्य ६५ वां पत्र अप्राप्त ।
२०५	६५२	नलदवदन्ती चोपाई	समयसुन्दर	"	१७५४	२८	सं० १६७३ में आणद- नगर में रचना ।
२०६	३८८६	नलदवदन्ती चोपाई	"	"	१७७६	७२	अवरंगाबाद नगर में लिखित सं० १६७३ में मेढतानगर में रचित ।
२०७	३६३१	नलदवदन्ती रास	मेघराज	"	१६८६	२७	पा (खा) रुआवाडा में लिखित । सं० १६६४ में रचित ।
२०८	२०५६	नलायनोद्धार	नयसुन्दर	"	१६८५	६७	रचना सं० १६६५ ।
२०९	३५६६ (२)	नव आख्यान (नवरत्न) पद्य		गू०	१६वीं श.	१-११	
२१०	२८६३ (२५)	नयनिदानकुलकचोपाई	हीरकलश	रा०गू०	१७वीं श.	५६-६०	
२११	३५६६	नवरत्न नव आख्यान पद्य		गू०	१६८७	४-१०	आद्य तीन पत्र अप्राप्त ।
२१२	३५५५ (१६)	नागदमण		रा०	१६वीं श.	१२१- १२६	
२१३	३५७३ (३३)	नागदमण		"	" "	८२-८६	जीर्ण प्रति ।
२१४	३६३२	नागदमण		"	१७वीं श.	४	
२१५	२३७७ (४)	नागदमण चोपाई		"	१८०७	१६से२६	चोवारी ग्राम में लिखित । राउश्री देशलजी राज्ये ।
२१६	२१६६	नागदमणछंद (यदुपति- पवाडो)		"	१८५२	४	
२१७	८१८	नागदमनपवाडो		"	१७५६	७	
२१८	६२८	नागदमणपवाडो		"	१६वीं श.	५	
२१९	३०३६	नागमताचोपाई		"	१८वीं श.	६	प्रथम पत्र सचित्र ।
२२०	३५५० (११)	नागमताचोपाई		"	१६वीं श.	८४-८७	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२१	१८३०	नागमतु		रा०गू०	१७वीं श.	४	
२२२	२१४१	नासकेतुआख्यान	जगन्नाथ	रा०	१८६४	१५	लुणकरणसर नगर में लिखित ।
२२३	६४०	नेमिजिनफाग रंगसा-गरनामा		रा०गू०	१६वीं श.	८	बीसल नगर में लिखित ।
२२४	३६३३	नेमिनाथधवल	नयसुन्दर	,,	१६६१	८	सं० १६३० में रचित । प्रथम पत्र अप्राप्त ।
२२५	२१७०	नेमिनाथरास	कनककीर्ति	,,	१७वीं श.	१०	सं० १६६२ में बीकानेर में रचित ।
२२६	३८६३	नेमिनाथरास	पुण्यरतन	रा०	१७३५	२	सुरायता ग्राम में लिखित ।
२२७	३६३६	नेमिनाथरास	,,	रा०गू०	१७१६	४	
२२८	६७८	नेमिनाथविवाहलो	वीरविजय	,,	१८६४	७	राधनपुर में लिखित ।
२२९	२०१७	नेमीश्वरस्नेहवेली	उत्तमविजय	,,	१८७७	७	छाणी नगर में लिखित ।
२३०	३६३९	पंचेन्द्रियचोपाई		रा०	१८वीं श.	४	सं० १७५१ में रचित ।
२३१	३५७५ (४४)	पंचेन्द्रियचोपाई		रा०गू०	२०वीं श.	२१६-२२८	सं० १७५१ आगरा में रचना ।
२३२	३६३८	परदेशीप्रतिबोधचोपाई	ज्ञानचंद	,,	१७६१	२०	राजनगर में रचित ।
२३३	२०८१	परदेशीराज्यचोपाई	सहजसुन्दर	,,	१७वीं श.	८	सत्यपुर में लिखित ।
२३४	११२३ (५)	परदेशीराजाचोपाई	,,	,,	१६३६	३४से३९	
२३५	२१५७	परदेशीराजारी चोपाई		रा०	१८८२	१६	बिदासर में लिखित ।
२३६	३२४६	परसोतमपुराण पद्य		गू०	१८८१	११३	
२३७	११२३ (११)	पुण्यपालराजरिपि चऊपई	सौभाग्यशेखर	रा०गू०	१७वीं श.	६२-६६	सं० १६४१ निजारनगर में रचित । ग्रन्थकार अपरनाम शिकरमुनि है ।
२३८	११२३ (७)	पुण्यसारगुणश्रीचरित्र रास	विमलमूर्ति	,,	१६३६	४६-५८	सं० १५७१ में धंधूकपुर में रचित । गो-गरू में लिखित ।
२३९	३५३५	पुण्यसार चोपाई	पुण्यकीर्ति	,,	१७५१	६	सं० १६६६ सागानेर नगर में रचना । कोठारा में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
२४०	३६३७	पुण्यसारचौपाई	पुण्यकीर्ति	रा. गू.	१८वीं श.	६	सं. १६६६ में सांगा- नेर में रचित ।
२४१	३६६५	पुण्यसारचौपाई	"	"	१७६५	४	मेततडाग्राम में लिखित सं. १६६६ में सांगा- नेर में रचित ।
२४२	३८६४	पुण्यसारचौपाई	पुण्यरत्न	"	१७५४	७	संवत् १६६६ में सांगानेर में रचित ।
२४३	१८२२	पुरंदरकुमारचौपाई	मालदेव	"	१७वीं श.	१०	
२४४	३६४१	पुरंदरकुमारचौपाई	"	"	"	७	
२४५	१४४२ (२)	पुष्पसेनपद्मावती चौपाई	कवि सामल- दास	गू०	१८वीं श.	१७-१०२	सं. १४५२ (?) में श्री यनगर में रचित । कविगौडमालवी विप्र वीरेश्वर के पुत्र हैं ।
२४६	३५४७ (६)	पृथ्वीराजरासो	चंदकवि	हिंदी	१६वीं श.	२७-८४	पंचम खंड अपूर्ण ।
२४७	१०१४	पृथ्वीराजरासो (पीर खंडसमैयो अजमेररो)	कविचंदबरदाई	ब्र. हि.	"	८४	
२४८	२६५५	पृथ्वीराजरासो	चंदबरदाई	हिन्दी	१७२३	प्लेट ११२	(फोटो कापी)
२४९	२३६२ (३)	पृथ्वीराजरासो दूसरा खण्ड	चंदकवि	"	१८वीं श.	२१	
२५०	२३६२ (४)	पृथ्वीराजरासो तृतीय खण्ड	"	"	"	३	
२५१	२३६२ (५)	पृथ्वीराजरासो १४ वां खण्ड	"	"	"	१४	
२५२	२३६२ (२)	पृथ्वीराजरासो खण्ड २७ वां	"	"	"	१४	
२५३	२३६२ (८)	पृथ्वीराजरासो संजो- गिता पूर्वजन्मकथावर्णन	"	"	"	३	
२५४	८६७	पृथ्वीराज (कच्छराज- कुमार) विवाह वर्णन	लक्ष्मीकुशल	"	१६वीं श.	६	
२५५	६२०	पृथ्वीराज (कच्छराज- कुमार) विवाह वर्णन	"	"	"	४	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२५६	६७२	पृथ्वीचन्द्रकुमाररास	गुणसागर	रा०गू०	१६७७	३	सूरतबिंदिर में लिखित ।
२५७	१००३	प्रत्येकबुद्धचोपाई	समयसुन्दर	,,	१८६७	३१	सं० १६६४ में आगरा में रचना ।
२५८	२१७८	प्रत्येकबुद्धचोपाई	,,	,,	१७वीं श.	१०	प्रथम और अंत्य(११) वां पत्र अप्राप्त, रचना सं० १६६४ ।
२५९	१८८२ (१३६)	प्रहादचरित्र	रैदास	ब्र०	१६वीं श.	६९-७०	
२६०	१८६१ (२)	प्रहादचरित्र	गोपाल	ब्र०हि०	१८४१	२६से४६	गुटका ।
२६१	६५८	प्रियमेलकचोपाई	समयसुन्दर	रा०गू०	१७वीं श.	४	सं० १६७२ मेडता में रचना ।
२६२	६७४	प्रियमेलकचोपाई	,,	,,	१७५५	६	सं० १६७२ में मेडता में रचना । अकबरा-वाद में लिखित ।
२६३	१८१२	प्रियमेलक चोपाई	,,	,,	१७१४	७	सं० १६७२ में मेडता में रचित ।
२६४	२०६७ (२)	प्रियमेलक चोपाई	,,	,,	१७७२	१०-१७	सं० १६७२ में मेडता नगर में रचना, पत्तन में लिखित ।
२६५	२२०१	प्रियमेलकचोपाई	,,	,,	१८६०	७	सं० १६७२ में मेडता में रचित ।
२६६	१८८६ (६)	प्रीतिलता	सवाई प्रतापसिंहजी	हिन्दी	१६वीं श.	३३से३६	रचना सं० १८४८ ।
२६७	१८८६ (७)	प्रेमपंथग्रन्थ	,,	,,	,,	२४से२६	
२६८	१८८६ (४)	प्रेमप्रकाश	,,	,,	,,	१०से१६	रचना सं० १८५१ ।
२६९	१८८६ (३)	फागरंग	,,	,,	,,	५से१०	रचना सं० १८४८ ।
२७०	२८५६	फागविहार	नागरीदास	,,	,,	१२	
२७१	२८५५ (२)	बारामास	ब्रह्मीमुहम्मद	ब्र०हि०	१८६७	१३-३५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
२७२	२१०१ (२)	बाललीला		रा०गू०	१६वीं श.	१-३	
२७३	२१६७	बाललीला		ब्र०हि०	२०वीं श.	१८	
२७४	३५६६ (५)	बाललीला	नारायणदास बडोदरी	"	१७वीं श.	३७-४१	
२७५	११४१	विल्हणपंचाशिका चौपाई	ज्ञानसागर	रा०गू०	१८०७	२०	पत्र १, २ अप्राप्त । अंजार में लिखित । कामीजनार्थ रचित ।
२७६	२०४२ (३)	बुद्धिरास	शालिभद्र	"	१७८३	१२-१४	मगरवाड़ा में लिखित ।
२७७	२०६८	बुद्धिरास	"	"	१८वीं श.	२	
२७८	३१६५	बुद्धिरास	"	"	१७वीं श.	२	
२७९	३४८०	बुद्धिरास	"	"	१८वीं श.	८	
२८०	२२७४	भक्तमाल सटीक	मू० नाभाजी टी० प्रियादास	ब्र०हि०	१८३६	२२०	मामकरकेडि (पुष्कर मंडल) में लिखित । टीकारचना सं० १७६६ ।
२८१	२०२३ (१)	भमरगीता	विनयविजय	रा०गू०	१७३४	१-२	सं० १७३६ (१७३२) में रचित । पत्तनद्रंग में लिखित ।
२८२	३२०६	भमरगीता	मैनाहिन	रा०	१७६८	५	
२८३	२३७६ (६)	भंवरगीत	मुकुन्दकवि	ब्र०हि०	२०वीं श.	५-१७	बडनगर में लिखित । पत्र १ से ४ अप्राप्त ।
२८४	३४७७	भोजचरित्र चौपाई	कुशलधीर	रा०गू०	१७४०	३५	पत्र १४, १५, १६ अप्राप्त । सं० १७३० में सौमित्रनगर में रचना । बहलग्राम में लिखित ।
२८५	११२३ (४)	मंगलकलशचरित्र रास	सर्वाणंदसूरि	"	१७वीं श.	३०-३४	
२८६	३५१६	मंगलकलश चौपाई	मंगलधर्म	"	"	१२	सं० १५२५ में रचना ।
२८७	३५५४ (७)	मंगलकलश चौपाई	लक्ष्मीद्विष	"	१८८०	१-१२	बगडी में लिखित । सं० १७७६ में काकंदी नगर में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२८८	३६७४	मंगलकलश चोपाई	लक्ष्मीहर्ष	रा०गू०	१८६६	३०	वाडवास में लिखित, सं. १७१६ में काकंदी नयर में रचित ।
२८९	३५३३	मंगलकलश फाग	कनकसोम-वाचक	"	१७वीं श.	७	सं० १६४६ में रचना ।
२९०	२०२६	मंगलकलशरास	दीप्तिविजय	"	१८७४	३३	सं० १७४६ में रचित । रानेर में लिखित ।
२९१	२०८६	मंगलकलशरास	"	"	१८६६	४६	रचना सं० १७४६ ।
२९२	३४८८	मत्स्योदरकुमाररास	पुण्यकीर्ति	"	१७वीं श.	१५	सं० १६८८ बीलपुर में रचना ।
२९३	११४२ (३)	मधुमालतीचोपाई	चतुरभुजदास	रा०	१८वीं श.	१०२से २११	
२९४	३५४७ (४)	मधुमालतीचोपाई	"	"	१८२८	१-३३	कंटालिया ग्राम में लिखित ।
२९५	३५५५ (१२)	मधुमालतीचोपाई	"	"	१८२६	५८-८६	संग्रामसिंघशासित कंटालिया में लिखित ।
२९६	३५६५ (१)	मधुमालतीचोपाई	"	"	१८४६	१-७७	देवगढ़ में लिखित ।
२९७	३५५८ (१)	मधुमालतीचोपाई	"	"	१६वीं श.	१-६३	
२९८	३८६१	मधुमालतीचोपाई	"	"	१८५६	३२	लसांगीग्राम में लिखित ।
२९९	१५७८ (२)	मधुमालतीचोपाई सचित्र	"	"	१८७७	१४१	चित्र सं० ८७ है ।
३००	२०२६	मलयसुन्दरीरास	कान्तिविजय	"	१७६६	८४	राधनपुर में लिखित, सं० १७७५ में पाटण में रचित ।
३०१	६०४	माधवानलकामकंदला चोपाई	कुशललाभ	"	१६४३	१६	सं० १६१६ में जेसलपुर में रचना, जय-तारणि में लिखित ।
३०२	६१५	माधवानलकामकंदला चोपाई	"	"	१६वीं श.	२१	सं० १६१६ में जेश-मेर में रचित ।
३०३	६१६	माधवानलकामकंदला चोपाई	"	"	१८६६	२०	सं० १६१६ में जेस-लमेर में रचित । मानकूआ में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
३०४	२०६१ (२)	माधवानलकामकंदला	कुशललाल	रा० गू०	१८वीं श.	२०	सं. १६१६ में जैसल- मेर में रचना ।
३०५	२२२२	माधवानलकामकंदला चौपाई	"	"	१८२४	१२	पुनरासर में लिखित । सं. १६७७ में जैसल- मेर में रचित ।
३०६	२३६० (६)	माधवानलकामकंदला चौपाई	"	"	१६वीं श.	१४-३७	रचना सं० १६१६ । जैसलमेर । बिदासर में लिखित ।
३०७	३५३०	माधवानलकामकंदला चौपाई	"	"	१७३०	१४	सं. १६१६ में जैसल- मेर में रचना । पादूनगर में लिखित ।
३०८	३५५५ (१)	माधवानलकामकंदला चौपाई	"	"	१८३१	१-११	कंठालीया में लिखित । सं. १६१६ में जैसल- मेर में रचित ।
३०९	३५६१ (१)	माधवानलकामकंदला चौपाई	"	"	१७२५		सं. १६१६ में जैसल मेर में रचित । प्रथम पत्र अप्राप्त ।
३१०	३८६५	माधवानलकामकंदला चौपाई	"	"	१७१७	१४	सुभटपुर में लिखित । सं. १६१६ में जैसल- मेर में रचित ।
३११	३६४५	माधवानलकामकंदला चौपाई	"	"	१६३८	३०	सुरताणजीशासित धणुद्रग्राम में लिखित । सं. १६१६ में जैस- लमेर में रचित ।
३१२	६७१	मानतुंगमानवतीचौपाई	अभयसोम	"	१७७८	११	सं. १७२७ में रचना । विक्रमपुर में लिखित ।
३१३	३६४७	मानतुंगमानवतीचौपाई	"	"	१७६५	१०	सं. १७२७ में रचित । लेखक ने पुष्पिका संकेत लिपि में लिखी है
३१४	३६७६	मानतुंगमानवतीचौपाई	"	"	१८३१	२१	देवगढ़ में लिखित । सं. १७२७ में रचित ।
३१५	३६७५	मानतुंगमानवतीचौपाई	सुन्दरसूर	"	१६वीं श.	१४	सं. १७८५ में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
३१६	१००५	मानतुंग मानवतीरास	मोहनविजय	रा०गू०	१८१३	२६	सं० १७६० अणहिलपुर पाटण में रचना दुर्गादासराठोड के शासनकाल में।
३१७	२०३७	मानतुंग मानवतीरास	"	"	१७६४	२५	सं० १७६० में दुर्गादास राठोड के शासन में अणहिल पत्तन में रचित।
३१८	२०४६	मानतुंग मानवतीरास	"	"	१७८०	३३	पत्तन में लिखित। सं० १७६० में दुर्गादास के शासन में अणहिलपुर पाटण में रचित।
३१९	३२४१	मानतुंग मानवतीरास	"	"	१९वीं श.	४१	सं० १७५० में दुर्गादास राठोड शासित अणहिलपुर पत्तन में रचित।
३२०	३२६१	मानतुंग मानवतीरास	"	"	१८४५	३५	वडावली में लिखित सं० १७६० में दुर्गादास शासित अणहिलपाटण में रचित।
३२१	३५५४ (१०)	मानतुंग मानवतीरास	"	"	१८८३	१३-२५	सं० १७६० में अणहिलपुर पाटण में रचित।
३२२	३६४६	मानतुंग मानवतीरास	"	"	१७७६	२२	राजनगर में लिखित सं० १७६० में दुर्गादास राठोड शासित अणहिलपुर पाटण में रचित।
३२३	३२२२	मामेरू	प्रेमानन्द	"	१८७४	१६	
३२४	२८६३ (२६)	मुखवस्त्रिकाविचार चोपाई	हीरकलश	"	१७वीं श.	६४-६५	
३२५	३६७८	मुनिपतिचोपाई	धर्ममन्दिर	रा०	१८८६	५४	सं० १७२५ में पाटण में रचित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३२६	३४६४	मुनिपतिचौपाई	हीरकलश	रा.	१७वीं श.	३५	सं. १५५० में रचना।
३२७	३४८१	मुनिपतिचौपाई		"	१५६६	३८	सं. १५५० में रचना।
३२८	२८६३ (२४)	मुनिपतिचरित्रचौपाई		"	१६६८ वैशाख	१३-५८	सं. १६१८ के माघ मास में बीकानेर में रचित। कनकपुरी में लिखित।
३२९	२०२१	मुनिपतिचरित्रचौपाई	धर्ममन्दिर	"	१८४१	३६	सम्बत् १७२५ में पाटण में रचित।
३३०	२१३६	मुनिपतिचरित्रचौपाई	"	"	१८१८	३१	संवत् १७२५ में पाटण में रचित। रिणी में लिखित।
३३१	३५७३ (२२)	मृगापुत्रसंधि	कल्याणतिलक	"	१६वीं श.	६७-६८	जीर्णप्रति।
३३२	३६४४	मृगापुत्रसंधि	"	"	१६६७	४	सं. १६६८ में मुलतान में रचना।
३३३	६६१	मृगावती चौपाई	समयसुन्दर	"	१६६०	२८	
३३४	३८६६	मृगावती चौपाई	"	"	१८वीं श.	२५	
३३५	३६४८	मृगावती चौपाई	"	"	१७वीं श.	३४	सं० १५६८ में मुलताण में रचित।
३३६	३६८०	मृगावती चौपाई	"	"	"	६०	सं. १६६५ में मुलताण में रचित।
३३७	३५७३ (१२)	मेघकुमारचोढालीयो	कनककवि	"	१६वीं श.	३४-३५	जीर्णप्रति।
३३८	३६४६	मेघकुमारचोढालीयो	"	"	१६६१	७	आणंदपुर में लिखित।
३३९	३६८१	मेघकुमारचोढालीयो	यादव	"	१८८१	३	
३४०	३१६६	मोती कपासीया संवाद चौपाई	श्रीसार	"	१८वीं श.	६	
३४१	३२०८	मोती कपासीया संवाद चौपाई	"	"	१७२५	२	बीकानेर में लिखित।
३४२	३८६७	मोती कपासीया संवाद चौपाई	"	"	१६६५	४	सं. १६८६ में फलवधीपुर में रचित।
३४३	३६५०	मोती कपासीया संवाद चौपाई	"	"	१७वीं श.	७	सं. १६८६ में फलवधीपुर में रचित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३४४	३५५५ (२)	मोहनमोहीकथा-पद्य	जानकवि	हि०	१६वीं श.	१२-१४	
३४५	८३	मोहविवेकरास	धर्ममन्दिर	रा०गू०	१८वीं श.	७७	सं० १७४१ में मुल-तान में रचना।
३४६	१५६८	यशोधररास	नयसुन्दर	"	१७वीं श.	२१	सं० १६७१ में रचना।
३४७	२०२५	यशोधररास	उदयरत्न	"	१८०३	५४	चंद्रावती (चाणस्मा) में लिखित। संवत् १७६७ में रचित।
३४८	२१३७	यशोधररास	ज्ञानद (लुंका-गच्छीय)	"	१६वीं श.	२०	सं० १६२३ में बडोदरा में रचित।
३४९	१८२८	यादवरास	पुण्यरत्न	"	१६६०	३	
३५०	८६२	रतनरासो	पिडीओजगो	रा०	१८७६	१४	मानकुआँ में लिखित।
३५१	२३१०	रतनरासो	"	"	१८२५	३८	मेडता में लिखित।
३५२	२३६० (४)	रतनरासो	"	"	१८४१	१से१३	पत्र ५,६ अप्राप्त। वीदासर में लिखित।
३५३	३५४८ (३)	रतनरासो	"	"	१८वीं श.	२१-२८	अपूर्ण। जीर्णप्रति।
३५४	३५४९ (२)	रतनरासो	पिडियोजगो	"	१६वीं श.	२४-३१	
३५५	३५६० (१)	रतनरासो	"	"	१८वीं श.	१-३१	
३५६	३५७३ (५१)	रतनरासो	खडीयोजगो	"	१८०६	१२६-१३५	जीर्ण प्रति। सं० १७१५ में रचित।
३५७	११२३ (२४)	रत्नचूडकुमारचउपई	सेवक ( रत्न-सूरि शिष्य )	"	१७वीं श.	८४-८६	
३५८	११२४ (६)	रत्नचूडकुमारचउपई	"	"	१६७५	१से२२	सं० १५७१ में रचना।
३५९	३५५४ (८)	रत्नचूडचोपाई	कनकनिधान	"	१८७६	१-१२	सं० १७२८ में रचित।
३६०	३६८२	रत्नचूडचोपाई	"	"	१८४१	२४	वीलाडामें लिखित। सं० १७२८ में रचित।
३६१	३६६२	रत्नचूडचोपाई	"	"	१६वीं श.	१८	सं० १७२८ में रचित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६२	२१८०	रत्नपालचौपाई	रघुपति	रा०गू०	१८२४	१४	सं. १८१६ में गज-सिंघजी के राज्य में कालग्राम में रचित कर्ता ने अपना नाम रुघनाथ भी लिखा है। विक्रमपुर में लिखित।
३६३	२२३०	रत्नपालचौपाई	"	"	१८६४	३३	सं. १८१६ में गज-सिंघ के राज्य में कालग्राम में रचित।
३६४	३८६४	रत्नपालचौपाई	कनकसुन्दर	"	१८२१	१३	कल्याणपुर में लिखित। संवत् १७६७ में रचित।
३६५	३८६५	रत्नपालचौपाई	मोहनविजय	"	१८१२	५४	वैराटनगर में लिखित। संवत् १७६० में पत्तन में रचित।
३६६	३८६६	रत्नपालचौपाई	हर्षनिधान	रा०	१८१२	२७	सं. १८१६ में कालग्राम में रचित।
३६७	६३६	रत्नपालरास	सुरविजय	"	१७७६	३२	धोलका में लिखित। सं. १७३२ में ब्राह्मणपुर में रचित।
३६८	६८८	रत्नपालरास	"	रा०गू०	१८३०	२४	सम्बत् १६३२ में बरहानपुरमें रचित। भुजनगर में लिखित।
३६९	११२३ (६)	रत्नसार रास	सहजसुन्दर	"	१७वीं श.	३६-४६	संवत् १५८२ में रचित।
३७०	३६८३	रत्नसार रास	"	"	१८वीं श.	१५	संवत् १५८६ (?) में रचित।
३७१	२०३६	राजसिंहरतनवती पंच कथा रास	प्रभुदास	"	१६वीं श.	१६	संवत् १७५५ में वटपद्र में रचित।
३७२	२८६३ (३८)	राजसिंहरतनावती सिं (सं)धि	हीरकलश	"	१६१६	७१-८४	सं. १६१६ में भंभेऊ ग्राम में रचित। रचना के चौथे दिन में लिखित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७३	२२१५	रात्री भोजन चोपाई	धर्मसमुद्र	रा०गू०	१६७७	६	पाडला ग्राम में लिखित । पंचालसा-यरनथर में रचित ।
३७४	३४८३	रात्री भोजन चोपाई	"	"	१७५४	७	मगरोप में लिखित, पंचालासोनथर में रचित ।
३७५	३५७३ (१७)	रात्री भोजन चोपाई	"	"	१६वीं श.	५१से५७	पंचालीसानथर में रचित । जीर्ण प्रति ।
३७६	१००६	राधाविलापवारमास	प्रेमानन्द	गूर्जर	१८२०	११	गुटका ।
३७७	२८५५ (१)	राधिका विरहवारह-मास	संगमकवि	ब्र०हि०	१८६६	१से१३	
३७८	६००	रामगुणरासो	माधवदास	"	१८१८	४५	कृष्णगढ़ में लिखित ।
३७९	३३८७	रामगुणरासो	माधोदास	रा०	१७८३	३७	
३८०	३३८८	रामगुणरासो	"	"	१८२६	४४	रेयां में लिखित ।
३८१	३५४८ (५)	रामगुणरासो	"	"	१७६१	७३-१३६	तिमरी में लिखित ।
३८२	३५४९ (१)	रामगुणरासो	"	"	१६वीं श.	१-२३	मेडता में लिखित ।
३८३	३५६७ (१)	रामगुणरासो	"	"	१८०६	१-७१	
३८४	३८६७	रामयशोरसायनरास	केशराज	रा०गू०	१८७१	६५	देहरग्राम में जमना तट पर लिखित । सं० १६८० में अन्तरपुर में रचित ।
३८५	३६८८	रामयशोरसायनरास	"	"	१८४७	१००	तालनगर मेदपाट में लिखित । 'मार-वाड देश मध्ये वि-ग्रहथयो तरेमेदपाट मध्ये आयाथा ते जा-णवो' लेखक पुष्पि-कागत पंक्ति । सं० १६८० में अंतरपुर में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३८६	१८८२ (१६८)	रुक्मणीविवाह	कृष्णदास	ब्र० हि०	१६वीं श.	१०८— १११	
३८७	८७२	रुक्मणीहरण (पद्य)		रा०	१६०४	१२	
३८८	८७५	रुक्मणीहरण (पद्य)		"	"	६	
३८९	२२१०	रुक्मणीहरण (पद्य)	विजैराज	"	१६वीं श.	७	पद्य रचना ।
३९०	३५००	लीलावती चौपाई	हेमरतन	रा० गू०	१७वीं श.	१६	सं. १६७३ में पाली- नयर में रचना ।
३९१	६८७	लीलावतीसुमतिविलास रास	उदयरत्न	"	१८४२	१४	सं. १७६७ में उना- ऊआ में रचना । जालियाग्राम में लिखित ।
३९२	२०५०	रासलीलावतीसुमति विलास	"	"	१८१७	१३	संवत् १७६७ में उनाउया में रचित ।
३९३	३२२७	लीलावतीसुमतिविलास रास	"	"	१८७१	११	धनपुरनगर में लिखित । सं. १८६७ में उनाऊआग्राम में रचित ।
३९४	३५१५	लीलावतीसुमतिविलास रास	"	"	१८वीं श.	१५	संवत् १७६७ में उनाऊआ में रचित ।
३९५	३४८६	वच्छराज चौपाई	आनंदनिधान	"	"	२१	सं. १७४८ में सोभित नयर में लिखित ।
३९६	३४८५	वसुदेवकुमार चौपाई	हर्षकुल	"	"	८	सं. १५५७ (१) में वरलासनयरी में रचित ।
३९७	१८३६ (४)	वस्तुपालतेजपालरास	समयसुन्दर	"	१६वीं श.	१६—२३	तिमरीपुर में रचना । संवत् १६८२ ।
३९८	२२१३ (३)	वस्तुपालतेजपालरास	"	"	१८३८	४—५	कालू में लिखित । सं. १६८२ में तिम- रीपुर में रचित ।
३९९	२१२४	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश रास	सकलचन्द्र	"	१७४१	२६	त्रंवावतीनगर में रचित ।
४००	२३७४ (१३)	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश रास	"	"	१८५७	४७—६३	त्रंवावतीनगर में रचना ।
४०१	३८६६	विक्रमखापराचौपाई	अभयसोम	"	(१७)६७	६	संवत् १७२३ में सिरोही में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४०२	१८१५	विक्रमचरित्र प्रबंध	उदयभानु	रा०गू०	१५६७	२०	गोदावरी ग्राम में लिखित । सं० १५६५ में रचित ।
४०३	३५५५ (२८)	विक्रमचोबोलीचोपाई	जिनहर्ष	रा०	१६वीं श.	१६२वां	
४०४	२१२७	विक्रमचोबोलीचोपाई	अभयसोम	रा०गू०	१८६६	८	रचना सं० १७२४। सुनाम में लिखित ।
४०५	२८६०	विक्रमचोबोलीचोपाई		"	१६वीं श.	२२	अंत्य २३ वां पत्र अप्राप्त ।
४०६	३६००	विक्रमचोबोलीचोपाई	"	"	१७८२	१२	पीपली ग्राम में लिखित । सं० १७२४ में रचित ।
४०७	२२२५	विक्रमचोबोलीचोपाई	"	"	१७६८	११	सादडी में लिखित, सं० १७२४ में रचित ।
४०८	१०११	विक्रमचोबोली तथा प्रहेलिका	जिनहर्ष	"	१६वीं श.	२	सिणधरी में लिखित ।
४०९	२२०५	विक्रमपंचदंडचोपाई	लक्ष्मीवल्लभ	"	१८५३	११६	विदासर में लिखित । सं० १७२८ में रचित ।
४१०	३८६८	विक्रमपंचदंडचोपाई	"	"	१८वीं श.	७२	सं० १७२८ में रचित ।
४११	३६५१	विक्रमपंचदंडचोपाई	"	"	१८वीं श.	७१	अंत्य ७२ वां पत्र अप्राप्त ।
४१२	३६०२	विक्रमपंचदंडचोपाई	लक्ष्मीकीर्ति	"	१८८१	८४	मलसावाडी ग्राम में लिखित ।
४१३	३६६४	विक्रमपंचदंडचोपाई	"	"	१६वीं श.	१०६	लणू में लिखित, सं० १७२८ में सबल-सिंह नृपशासित थलीनगर में रचित ।
४१४	२०८०	विक्रमपंचदंडचोपाई	नरपति	"	१७६२	३४	रचना काल शाके १५०० ।
४१५	२१२८	विक्रमरास	लाभवर्धन	"	१८६६	२३	सं० १७२३ में जयत-रण नगरी में रचना, सुनाम में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
४१६	१८२५	विक्रमसेनचौपाई	पर(द)मसागर	रा. गू.	१८१६	४५	सं. १७२४ में गढ़- वाडा में रचना ।
४१७	२०१६	विक्रमसेनचौपाई	परमसागर	"	१६३५	६१	सं. १७२४ में गढ़- वाडा में रचित ।
४१८	३८६६	विक्रमसेनचौपाई	"	"	१७८४	४८	बगडी में लिखित । सं. १७२४ में गोढ- वाड में रचित ।
४१९	३८६८	विक्रमसेनचौपाई	मानसागर	"	१८२८	३६	बडुग्राम में लिखित । सं. १७२४ में कुंड- नगर में रचित ।
४२०	३६६१	विक्रमसेनचौपाई	"	"	१७६८	३३	आगोवानगर में लिखित । संवत् १७२४ में कूंडइनग- रम में रचित ।
४२१	१०१६	विक्रमादित्यचरित्र चौपाई	नरपतिकवि	"	१७०६	३२	सारीआग्राम में लिखित ।
४२२	३६०१	विक्रमादित्यनवसैंकन्या चौपाई	लामवर्धन	"	१८४८	१६	सरीयारी में लिखित । संवत् १७२३ में जयतारणनगरी में रचित ।
४२३	३५७५ (२१)	विजयशेठ विजया शेठाणी चोढालीयो	चंद्रकीर्तिसूरि	"	२०वीं श.	६५-६७	
४२४	२२२७	विद्याविलासचौपाई	राजसिंह	"	१७वीं श.	६	सं. १६७६ में चंपा- वतीनगरी में रचित ।
४२५	३६५२	विद्याविलासचौपाई	"	"	१६६३	१३	जेसलमेर में लिखित । संवत् १६७६ में चंपावती- नगरी में रचित ।
४२६	३६६७	विद्याविलासचौपाई	जिनहर्ष	"	१८५०	२१	तेल्यपुर में लिखित । संवत् १७११ में रचित । प्रथम पत्र अप्राप्त ।
४२७	११२३ (१)	विद्याविलास पवाड	हीराणंदसूरि	"	१६३१	२-५	प्रथम पत्र अप्राप्त । संवत् १४८५ में रचना ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
४२८	१८२४ (२)	विद्याविलास पवाडउ	हीराणंद	रा०गू०	१६वीं श.	४-८	२० सं० १४८५।
४२९	१८२७	विद्याविलास पवाडउ	"	"	१६७६	६	२० सं० १४८५।
४३०	२०१३	विद्याविलास पवाडउ	"	"	१६वीं श.	५	सं० १४८५ में रचित।
४३१	३५४४	विद्याविलास पवाडउ	"	"	१७वीं श.	६	सं० १४८५ में रचित।
४३२	१००४	विनयचट्टास	ऋषभसागर	"	१८७६	५३	सं० १८१० में पुरविंदर में रचना। मांडवी- विन्दर में लिखित।
४३३	२१२३	विमलमंत्री रास	लावण्यसमय	"	१८वीं श.	२६	सं० १५६८ में माल. मुद्र में रचित।
४३४	२३७४ (१७)	विमलमंत्री रास	"	"	१८५७	८३-१४१	सं० १५६८ में माल- समुद्र में रचित।
४३५	३५३४	विमलमंत्री रास	"	"	१७वीं श.	६५	सं० १५६८ में मालसमुद्र में रचित।
४३६	२१४८	वीरभाणउदैभाणचोपाई	कुशलसागर	"	१८४२	४८	वीकानेर में लिखित, सं० १७४५ में नवा- नगर में रचित।
८३७	३६६८	वीसस्थानकरास	जिनहर्ष	"	१८२५	१८१	जोरावरसिंहजी शासित सिणधरी में लिखित।
४३८	१६५०	वृन्दावनशतभाषा		ब्र०हि०	१६वीं श.	८	रचना सं० १६८६।
४३९	३५१३	वृद्धिसागरनिर्वाणरास	दीपमुनि	रा०गू०	१८०५	१०	सोभितरामें लिखित।
४४०	३१३४ (३)	वेतालपचीसीकथा गद्य		"	१६वीं श.	१से२५	
४४१	६३४	वेतालपचीसी गद्य		"	१८८०	६१	मानकूआ में लिखित।
४४२	२१४४ (१)	वेतालपचीसी गाथा दूहाबंध	देवसील	"	१६वीं श.	१-१५	बडाविग्राम में सं० १६१६ में रचना।
४४३	२१४३ (५)	वेतालपचीसी	देवीदान नाइता	रा०	१८६०	१३-३५	पद्य रचना बीकानेर नृप अनूपसिंह के कुतूहलार्थ रचित। लखनऊसर में लिखित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
४४४	२३६० (६)	वेतालपञ्चीसी कथा	देईदान नाइता	रा०	१८४६	२६-५४	वीकानेर नरेश अनूपसिंह के विनो- दार्थ रचित । बीदा- सर में लिखित ।
४४५	३२४३	वेतालपञ्चीसी	"	"	१८५४	१६	वीकानेर नृप अनू- पसिंहजी के कुतू- हलार्थ रचित । भाभेर ग्राम में लिखित ।
४४६	२८३०	वेतालपञ्चीसी गद्य		"	१६वीं श.	१३	गुटका । अपूर्ण ।
४४७	३५५४ (६)	वेतालपञ्चीसी गद्य		"	१८८०	१-१३	बगाडी में लिखित ।
४४८	३५७३ (१)	वेतालपञ्चीसी चौपाई	हेमाणंद हीर- कलश शिष्य	"	१८१२	१-१७	सं. १६४६ में रचित । ओबरीग्राम में लिखित । जीर्णप्रति ।
४४९	३६०३	वैदर्भी चौपाई	प्रेमराज	रा०गू०	१८वीं श.	७	
४५०	३६६५	वैदर्भी चौपाई		"	१८५६	६	
४५१	१८८६ (८)	ब्रजशृंगार	सवाई प्रताप- सिंहजी	हि०	१६वीं श.	२६-३३	रचना सं० १८५१ ।
४५२	३५१० (१)	शकुंतला रास	धर्मसमुद्र	रा०गू०	१८वीं श.	१-३	
४५३	१००२	शत्रुंजयउद्धाररास	समयसुन्दर	"	१८३६	८	सं. १६८६ में नागोर में रचना । राधण- पुर में लिखित ।
४५४	१८३६ (३)	शत्रुंजयउद्धाररास	"	"	१८२६	१०-१६	नागोर में सम्बत् १६८२ में रचना । गुटका ।
४५५	२२२६	शत्रुंजयउद्धाररास	"	"	१८वीं श.	२३	प्रस्तुतकृति के बाद लेखक ने स्तवन पदादि लिखे हैं ।
४५६	३५५४ (३)	शत्रुंजयउद्धाररास	नयसुन्दर	"	१६वीं श.	६०-६२	संवत् १६४८ में रचित ।
४५७	३६५३	शत्रुंजयउद्धाररास	"	"	१६६५	६	
४५८	३५३६	शांतिनाथ चौपाई	ज्ञानसागर	"	१८वीं श.	५०	सं. १७२० में पाटण में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४५६	३६०४	शान्तिनाथ चोपाई	ज्ञानसागर	रा०गू०	१८८७	२२	आणंदपुर में लिखित, सं० १७२० में पाटण में रचित।
४६०	२२०४	शांबप्रद्युम्न चोपाई	समयसुन्दर	"	१८३८	२५	सं० १६५६ में रचित। विदासर में लिखित।
४६१	२८८६	शांबप्रद्युम्न चोपाई	"	"	१६६४	२२	सं० १६५६ में खंभात में रचित, उजेणीनगरी में लिखित प्रथम पत्र, अप्राप्त।
४६२	४०००	शांबप्रद्युम्न चोपाई	"	"	१८वीं श.	१५	अंत्य १६ वां पत्र अप्राप्त।
४६३	६५३	शालिभद्र चोपाई	मतिसार	"	१७५५	१६	सं० १६७८ में रचना।
४६४	६८३	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८१३	१५	सं० १६७८ में रचना। सत्यपुर में लिखित।
४६५	१००७	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८वीं श.	१७	सं० १६७८ में रचना।
४६६	१८३६ (१४)	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८३१	६७-११०	गुटका। दानस-ज्माय सीलसज्माय।
४६७	२०२०	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८२१	१७	
४६८	२१८६	शालिभद्र चोपाई	"	"	१७वीं श.	२५	
४६९	२३७४ (१)	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८५७	१६	गुटका, रचना सं० १६७८।
४७०	३४८७	शालिभद्र चोपाई	"	"	१७वीं श.	२४	सं० १६७८ में रचना।
४७१	३५५४ (६)	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८७६	१-८	सं० १६७८ में रचित।
४७२	३८७०	शालिभद्र चोपाई	"	"	१६८६	१८	
४७३	३६५५	शालिभद्र चोपाई	"	"	१७वीं श.	१८	सं० १६७८ में रचित।
४७४	३४६५	शालिभद्र चोपाई	जयशेखर शिष्य	"	" "	६	
४७५	३५५० (७)	शालिभद्र चोपाई	मतिकुशल	"	१६वीं श.	५०-६६	सं० १६७२ में रचित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७६	३२७	शिवरात्रीकथा चोपाई	जावड (?)	रांगू	१७८६	२४	आसंघिगांथमें लिखित
४७७	३६५६	शिवरात्री चोपाई		"	१७वीं श.	४	
४७८	२१६५	शीलरचारास	नयसुन्दर	"	१६७३	६	रचना सं० १६२६।
४७९	२०५७	शीलरचारास	विजयदेवसूरि	"	१७वीं श.	७	जालुहरनगर में रचना।
४८०	३५७३ (३७)	शीलरचारास	"	"	१६वीं श.	६७-१०१	जालोरनगर में रचित। जीर्ण प्रति।
४८१	३८६०	शीलरचारास	"	"	१७वीं श.	६	जालोरनगर में रचित।
४८२	३६३४	शीलरचारास	"	"	" "	८	जालोर नगर में रचित।
४८३	३४७८	शीलरास		"	१६४४	१०	पडवा में लिखित।
४८४	२०५३	शीलवती चरित्र	नेमविजय	"	१८३०	५३	सं० १५०० में रचित।
४८५	११२८ (८)	शीलवती चोपाई	ललितसागर	"	१६७६	१से३२	सं० १६०७ में चक्रापुरी में रचना।
४८६	२१७३	शीलसिलोकोरास	ज्ञानचंद	"	१८४०	१२	विक्रमपुर में लिखित।
४८७	६०३	शुकवहोतेरी चोपाई	रत्नसुन्दर	"	१६०८	८५	सं० १६३८ में त्रंबा वती ग्राम में रचित। कृति का गौणनाम रस मंजरी है। भुज नगर में लिखित।
४८८	२०८७	शुकराजकथा	तेजविजय	"	१६वीं श.	३३	
४८९	१५६७	श्रीचन्द्रकेवलीरास	देवविजय	"	१७१७	६२	२० सं० १६६२।
४९०	३६०५	श्रीपालचोपाई	महिमोदय	"	१८५१	४३	देववाडा में लिखित। भैंसरोड में आरंभ करके जिहानाबाद में सं० १७२६ में रचित।
४९१	३४८६	श्रीपालरास	गुणरत्न	"	१७वीं श.	२२	सं० १५३१ में रचित।
४९२	६८५	श्रीपालरास	ज्ञानसागर	"	१८वीं श.	८	सं० १५३१ में रचना।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४६३	११२४ (२)	श्रीपालरास	ज्ञानसागर	रा० गू०	१६७५	२१-३७	सं. १५३१ में रचित।
४६४	३६५७	श्रीपालरास	"	"	१७५२	११	जिहानाबाद में लिखित। सं. १५३१ में रचित।
४६५	६८०	श्रीपालरास	विनयविजय यशोविजय	"	१६२३	७८	सं० १७३८ में रानेर में रचना।
४६६	१००१	श्रीपालरास	"	"	१६१७	८४	"
४६७	२०५८	श्रीपालरास	"	"	१७८१	४६	"
४६८	३६०७	श्रीपालरास	"	"	१८४२	४६	सं. १७३७(?) में रानेर में रचित।
४६९	६६१	श्रीपाजरास	जिनहर्ष	"	१८१४	२७	सं. १७४० में पाटण में रचना। पाटण में लिखित।
५००	२१३८	श्रीपालरास	"	"	१८३०	३३	सं. १७४० में पाटण में रचित। बीकानेर में लिखित।
५०१	२१५४	श्रीपालरास	"	"	१८७८	४३	सं. १७४० में पाटण में रचित।
५०२	३६०६	श्रीपालरास	"	"	१८३३	२८	सं. १७४० में पाटण में रचित।
५०३	२१५०	श्रेणिकचोपाई	धर्मशील	"	१८३५	२३	बीकानेर में लिखित। सं. १७१६ में चंदेरी-पुर में रचित।
५०४	२१५१	श्रेणिकचोपाई	जिनहर्ष	"	१६वीं श.	१३	सं. १७४२ में पाटण में रचित।
५०५	२०३०	श्रेणिकरास	सोमविमल	"	१६२०	२१	कुमारपालस्थापित कुमारगिरी में सं. १६०३ में रचित। अहमदाबादनगर में लिखित।
५०६	६८४	संग्रहणीचोपाई	मतिसागर	"	१८३१	१७	सं. १६७५ में रचना। द्रंग में लिखित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५०७	३६६१	संग्रहणीचोपाई	मतिसागर	रा०गू०	१८वीं श.	१५	सं० १६७५ में रचित
५०८	८४६	सदाशिवव्याह	महाराजलखपति	ब्र०हि०	१८५७	३३	रचना सं० १८१७। कर्ता कच्छनरेश है। भुजनगर में लिखित। राजपुरा में लिखित।
५०९	२१२६	सद्यवच्छसावलिगारी वात		रा०	१८६१	४	
५१०	३५७३ (६)	सद्यवच्छसावलिगारी वारता गद्य		"	१६वीं श.	२२-२६	रोहिठ में लिखित। जीर्ण प्रति।
५११	३५१७	सद्यवच्छसावलिगारावात		"	१८वीं श.	११	
५१२	६२१	सदेवंतसावलिगानी वात (पद्य)		"	१६वीं श.	१८	
५१३	११४४ (५)	सदैवच्छसावलिगारी वात		"	" "	३५से४७	
५१४	३५५५ (२१)	सदैवच्छसावलिगारी वान दूहा		"	" "	१३३- १४५	कंटालिया में लिखित।
५१५	८८८	सदैवच्छसावलिगारी वात दूहाबंध (गद्य पद्य)		"	१७५२	८	सरसा में लिखित।
५१६	३५५६ (१)	सदैवच्छसावलिगारी वार्ता	कविजन	"	१८२०	१-३८	
५१७	२०१४	सनत्कुमारचक्रीरास	लब्धिविजय	रा०गू०	१६वीं श.	१०२	रचना सं० १८७५। लेंबोदरगांव (निंबपट्ट) में लिखित।
५१८	२१८५	सनीसरजीरीकथा चोपाई	जोरावरमल	"	१८८०	८	सं० १८२० में नास- पुर में रचित। कालू में लिखित।
५१९	२०६३	समकितकुलकचोपाई		"	१७वीं श.	१६	
५२०	३६०८	सम्यक्त्वकौमुदीकथा चोपाई	रूपचूषि	"	१८८६	४२	आणंदपुर में लिखित सं० १८८२ में अजी- मगंज में रचित।
५२१	२८६३ (३०)	समायिकवत्रीसदोष विवरणकुलकचोपाई	हीरकलश (?)	"	१७वीं श.	६५-६६	
५२२	८६५	सारसिखामणरास	संवेगमुन्दर	"	१८वीं श.	६	सं० १५४८ में मानु- षपुर में रचित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५२३	११२४ (४)	साहराउलनीलवणभास	दानसागर	रा०गू०	१६७५	१	
५२४	३५१२	सिद्धचक्ररास	ज्ञानसागर	"	१६८५	१६	सूरत में लिखित । संवत् १५३१ में रचना ।
५२५	३०६०	सिंघासणवत्तीसी	जेराजकवि	"	१८७८	७६	रानेर में लिखित ।
५२६	३५५६ (०)	सिंहासनवत्तीसीकथा	माधव	रा०	१८८७	७८-११३	संवत् १६३३ में रचित ।
५२७	२१६८	सिंहासनवत्तीसी कथा (पद्य)	देईदान	"	१७८२	२६	संवत् १६३३ में अकबर के समय में रचित । चित्र- कोट समीप गलुड मध्ये लिखित । देवास मालवा में सं. १६३३ में रचना ।
५२८	३१३४ (१)	सिंहासनवत्तीसीचोपाई	हीरकलश	"	१६वीं श.	१-८५	रचना सं. १६३२ ।
५२९	३४६०	सिंहासनवत्तीसीचोपाई	"	रा०गू०	१७वीं श.	१४२	पत्र ७६ वां तथा १३६ वां अप्राप्त, सम्बत् १६३६ में डेहिनयरी में रचित ।
५३०	८६	सीतारामचोपाई	समयसुन्दर	"	१७८३	१०२	बलाद्रग्राम में लिखित । मेडता में रचित ।
५३१	१८०८	सीतारामचोपाई	"	"	१७३५	६६	
५३२	२०३८	सीतारामचोपाई	"	"	१८वीं श.	८०	प्रथम पत्र अप्राप्त । मेडता में रचना ।
५३३	३६५८	सीतारामचोपाई	"	"	"	८२	मेडता में रचित ।
५३४	३६११	सुदर्शनचरित्रचोपाई	ब्रह्मऋषि	"	१८५०	१६	अकबराबाद में लिखित
५३५	३६१०	सुदर्शनशेठरासकवित्तबंध	दीपो	"	१८६१	१६	
५३६	२०८३	सुदर्शनशेठशीलप्रबंध	चंद्रसूरिशिष्य(?)	"	१५७०	१३	रचना सं. १५०१ ।
५३७	१८६० (१४)	सुदामाचरितरास	ब्रह्मदास	ब्र. हि.	१६वीं श.	१३-२१	
५३८	१८६० (१३४)	सुदामाचरितरास	"	"	"	१०७- ११५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५३६	२५७५ (२)	सुपनविचार चोपाई	ज्ञानशील	रा०गू०	१८वीं श.	१२-१३	संवत् १५६० में रचित। १२ वें पत्र में प्रस्तुत कृति पूर्ण होती है। पश्चात् फुटकर ज्योतिषादि लिखा है।
५४०	११२३ (१३)	सुवाहुरिषिसंधि	पुण्यसागरो- पाध्याय	"	१७वीं श.	७१-७४	सं० १६०४ में जेस-लमेर नगर में रचित।
५४१	३५७३ (१८)	सुवाहुरिषिसंधि	पुण्यसागर	"	१६वीं श.	५७-६०	सं० १६०४ में जेस-लमेर में रचित। जीर्ण प्रति।
५४२	२०६६	सुभद्रारास	भावप्रभ	"	१८वीं श.	१३	सं० १७६७ में पत्तन में रचित। प्रस्तुत कृति की पूर्ति के बाद लेखकने पाहुडी विषयक सुभाषित लिखे हैं।
५४३	२०६१	सुमतिनागिलचोपाई	विनयसुन्दर	"	१७६०	३२	रचना सं० १६१२।
५४४	६१०	सुरसुन्दरीचरितरास		"	१७वीं श.	१६	राजपुर में लिखित, सं० १६४४ में रचित।
५४५	६६३	सुरसुन्दरीचोपाई	धर्मवर्द्धन	"	१७६१	१६	सं० १७३६ में वेनातट पुर में रचना। रत्न-पुरी में लिखित।
५४६	३६१२	सुरसुन्दरीचोपाई	धर्मशील	"	१८५०	२५	सवराडगांव में लि-खित। सं० १७३६ में वेनातट में रचित।
५४७	३६५६	सुरसुन्दरीचोपाई	नयसुन्दर	"	१७वीं श.	१६	सं० १६४४ में रचित।
५४८	३२८४ (५)	सुरेपाहरण	वीरोविप्र	"	१८१६	१-८७	सं० १६२० में राचित।
५४९	२०४४	सूरपालचरित्ररास	सकलचन्द	"	१८वीं श.	१५	सं० १७१७ में इल-मपुरी में रचित।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५५०	२२२४	सौभाग्यपंचमी चौपाई	जिनरंग	रा०गू०	१८वीं श.	१७	सं० १७३८ में रचित ।
५५१	३३८०	स्थूलभद्रएकवीसउ	लावण्यसमय	"	१७वीं श.	३	सं० १५५३ में रचित ।
५५२	३५७३ (१६)	स्थूलभद्रएकवीसउ	"	"	१६वीं श.	४६-५१	सं० १५५३ में रचित । जीर्णप्रति ।
५५३	३५७५ (५६)	स्थूलभद्ररास	उदयरतन	"	२०वीं श.	२६४-२७७	
५५४	१५६५	स्थूलभद्रशीयलवेली	वीरविजय	"	१८७१	११	२० सं० १७६२ ।
५५५	२०२३ (२)	स्थूलभद्रकोश्याभास	नयसुन्दर	"	१७३४	२-३	
५५६	६२५	स्थूलभद्रगुणरत्नाकर छन्द	सहजसुन्दर	"	१८८१	२५	मानकुआ में लिखित । रचना सं. १५७२ ।
५५७	१८८६ (५)	स्नेहबहार	सवाई प्रताप-सिंहजी	हि०	१६वीं श.	१६-२३	रचना सं. १८५३ ।
५५८	२३७६ (६)	स्नेहलीला	रसिकराय	ब्र०हि०	१६११	१-१५	
५५९	८६०	स्नेहलीला (पद्य)		ब्र०	१६वीं श.	१२	
५६०	१८८६ (११)	स्नेहसंग्राम	सवाई प्रताप-सिंहजी	हि०	"	५५-५६	रचना सं. १८५२ ।
५६१	३२३४	स्वांतहर्णचौपाई	गोवडदास	रा०गू०	१८११	२०	सं० १८०२ में रचित ।
५६२	१८८६ (१८)	हमीररासो		रा०	१८५६	२८	गुटका ।
५६३	२३७४ (१०)	हरचंदपुरी		रा० गू०	१६वीं श.	३४-३६	
५६४	३५७३ (१३)	हरिकेशीचरित्रनवरस रास	कनकसोम	"	१६वीं श.	३५-३८	सं. १६४० में बड़राट नगर में रचित । जीर्णप्रति ।
५६५	३४६१	हरिबलचौपाई	लावण्यकीर्ति	"	१७वीं श.	३०	पत्र २८ वां नहीं है । सम्बत् १६७१ में राजलश्रीकल्याण शासित जेसलगिरी में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५६६	३५७३ (२०)	हरिचलधिवरचोपाई		रा०गू०	१६वीं श.	६१-६५	सं० १५६१ में रचित। जीर्ण प्रति।
५६७	११२३ (२)	हरिचलरास	कुशलसंयम	,,	१७वीं श.	६से२२	
५६८	२१६३	हंसराजवच्छराजचोपाई	जिनोदय	,,	१६०६	२५	
५६९	३६६२	हंसराजवच्छराजचोपाई	,,	,,	१७वीं श.	२१	कोसितल में लिखित।
५७०	३६६३	हंसराजवच्छराजचोपाई	,,	,,	१८२६	२४	रोहिठ में लिखित। सं० १६८० में रचित।
५७१	६४३	हंसराजवत्सराजरास	कविमान	,,	१७१२	२१	सं० १६७५ में को-टडा में रचना। विरमग्राम में लिखित।
५७२	२१०७	हीरसूरिरास	ऋषभदास	,,	१८वीं श.	८५	पत्र १-२ तथा अंत्य दो . ८६, ८७ वाँ ) पत्र अप्राप्त।



## (१४) इतिहास (ख्यातवातादि)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	३५६२ (१४)	अचलदास खीचीरी-वार्ता		राज०	१६७०	११७-१३५	
२	३५४६ (१८)	अजीतसिंहजीरी वार्ता		"	१६वीं श.	१२५-१२६	
३	२८६३ (१२७)	अणहिल्लवाडपत्तन-राजावली		राज० गू०	१७वीं श.	१६१ वां	
४	३५४६ (११)	अनन्तरायसांघ(ख) लारी वार्ता		राज०	१६वीं श.	६३-६७	
५	३५४६ ।(६)	अनन्तराय संखलारी वात		"	"	६८-७१	
६	२८६३ (१२६)	अभयदेवसूरिगच्छ निर्णय		रा.गू.सं.	१६१७	१६०-१६१	१६० वां पत्र में अन्यान्य ग्रंथों के अवतरण हैं, तथा १६० और १६१ वें पत्र में अन्यान्य-गच्छों के ३४ आचार्यादि मुनियों की साक्षी है। पत्तन-नगर में लिखित। ले० हीरकलशमुनि।
७	३५४६ (१०)	आलणसीभाटीरादूहा		राज०	१६वीं श.	७२-७३	
८	३५४६ (१६)	आसथानजीरी वार्ता		"	"	१२२ वां	
९	३५५६ (५)	गिंदोलीरी कथा		"	"	६६-७०	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१०	३५५८ (२)	गिंदोलीरीवात		राज०	१६वीं श.	१-११	
११	३५६२ (१८)	गींदोलीगणगोर की वारता	हीरकलश	,,	२०वीं श.	१४६-१६१	
१२	२८६३ (१२१)	गुरुपरंपरा गुर्वावली	,,	रा०गू०	१७वीं श.	१७६-१७७	
१३	३२१२	गुर्वावली सटीक	धर्मसागर	मू०प्रा० टी०सं०	१७३२	१६	उदयपुर में लिखित ।
१४	३५४६ (१७)	चित्तोड़ अजमेर जोधपुर आदि की ऐतिहासिक हकीकत		राज०	१६वीं श.	१२३-१२५	
१५	११२२ (२६)	चौबीस साखना कवित		ब्रज	,, ,	२८ वां	
१६	३५४६ (११)	छत्रीस राजकुलनाम		राज०	,, ,	७४ वां	
१७	२८६३ (६०)	छीतरनामक श्रावकाष्टक	विनयचन्द्र	संस्कृत	१७वीं श.	१५६ वां	
१८	३५४६ (१३)	जखरामुखरारी वारता		राज०	१६वीं श.	१०७-११३	
१९	३५५४ (२१)	जगदेवपरमाररी बात		,,	१६२४	३२-४६	राणावास में लिखित ।
२०	३५५५ (१३)	जैतसी उदावतरी वारता		,,	१६वीं श.	६०-६५	
२१	११४४ (६)	तेजपालन्यय वर्णन तथा नागोर चित्तोड़ादि के ऐतिहासिक संवत्		,,	,, ,	४८ वां	
२२	१०२१	बट्टावली सटीक त्रिपाठ	मू०धर्मसागर	प्रा० टी०सं०	१७१५	१३	भृगुकच्छ में लिखित ।
२३	३५४६ (१२)	परमारजगदेवरी वारता		राज०	१६वीं श.	६७-१०७	
२४	३५५७ (६)	पातसाह पातसाही भोगवी तिरणी विगत		,,	१७६१	७५-७७	
२५	३५४६ (२२)	बरांरीया की ऐतिहासिक हकीकत		,,	१६वीं श.	१-२	( अन्त में )



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
२६	३५४६ (२०)	महाराज अभेसिंह देवलोक हुवा मारवाड़ा में बिखो हुवो तिण समियारी वारता		राज०	१६वीं श.	१३१- १४१	
२७	३५४६ (१५)	महाराज जसवन्त- सिंहजीरीवारता		"	"	११५- १२२	
२८	३३४१ (१)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (प्रथम भाग)		"		१-१००	पत्र १ से ६ तथा ५३, ५४, ५५, ६८, ६९, ८५, ८६, ८६, ८६, १०० अप्राप्त । जीर्णपत्र ।
२९	३३४१ (२)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (द्वितीय भाग)		"		१०१- १६६	पत्र १०१ से १०७ ११०, १११, ११५, ११६, १२१ से १३३ १३५, १६२ से १६७ १६६, १७०, १६४ अप्राप्त । जीर्ण पत्र ।
३०	३३४१ (३)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (तृतीय भाग)		"		२००- ३०७	त्रुटित जीर्णप्रति ।
३१	३३४१ (४)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (चतुर्थ भाग)		"		३०६- ४००	पत्र ३०८, ३२६, ३३६, ३४१, ३६०, ३६४ से ३६६ अप्राप्त । जीर्णपत्र ।
३२	३३४१ (५)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (पंचम भाग)		"		४०१- ५००	पत्र ४१५, ४३५, ४६१, ४६३, ४६७, ४६६, अप्राप्त । जीर्णपत्र ।
३३	३३४१ (६)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (षष्ठ भाग)		"		५०१- ६००	पत्र ५५६ वां तथा ५६६ से ५७६ अप्राप्त । जीर्णपत्र ।
३४	३३४१ (७)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (सप्तम भाग)	"	"		६०८- ७००	पत्र ६६१ से ६६८ अप्राप्त । जीर्ण- पत्र ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३५	३३४१ (८)	मुहता नेणसीरी ख्यात अष्टम भाग		राज०		७०१से ७६५	पत्र ७३०, ७३६, ७५४, ७५५, ७५७, ७५६, ७६६, ७६६ तथा ७७१ वां अप्राप्त। जीर्ण पत्र।
३६	३३४१ (६)	मुहता नेणसीरी ख्यात नवम भाग		"			भाग १ से ८ तक के अंक विकल पत्रों का संग्रह है। जीर्ण पत्र।
३७	३५५० (१५)	मेडता आदि की ऐति- हासिक हकीकत		"	१६वीं श.	६१-६२	
३८	६२३	यदुवंश वंशावली	रतनुहमीर	"	१८१५	१६	सं० १७८० में रचित।
३९	२८३२ (६)	राजकीय हिसाब की विगत		"	१७७४	८६-८८	गुटका।
४०	१८३२ (२)	राजानराजावतरो वातवणाव		"	१६वीं श.	४-१५	
४१	३५४६ (६)	राठोडारी वंशावली		"	" "	१४-८५	
४२	३५५५ (३०)	रामदासजीरी बात		"	" "	१६८- १७०	पीपलीया ग्राम में लिखित।
४३	३५५५ (२७)	लाखा फुलाणीरी बात		"	१८२६	१५६- १६१	
४४	३५५५ (२६)	विरमदे सोनीगरारी बात		"	१६वीं श.	१६३- १६८	
४५	३५५६ (३)	बीभासोरठारी बात दूहा		"	" "	५१-६५	गुढा में लिखित।
४६	३५६२ (१३)	बीभासोरठारी वारता		"	१६७०	८२-११६	
४७	२८६३ (१२३)	वृद्धगुर्वावलि	हीरकलश	रा०गू०	१६१६	१७८से १८२	भुमेऊ ग्राम में रचित और कर्ता द्वारा लिखित।
४८	३५४८ (१)	वैहलीमरी बात		"	१८वीं श.	३-१६	जीर्ण पत्र।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
४६	३५६७ (१८)	श्रावकांरी चौरासी न्यातरो छन्द		रा०गू०	१६वीं श.	१३५ वां	
५०	३५४८ (७)	साहिजादा कुतबुदीन सहीबरी वारता		"	१७६६	२-१३	जीर्ण पत्र ।
५१	३५४६ (१०)	सोनीगरा बिरमदेरी वारता		"	१६वीं श.	८६-६३	
५२	२८६३ (१५)	हीरकलश गोत्रादि वर्णन		"	१७वीं श.	१० वां	



## (१५) कथा-वार्तादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	३५४६ (७)	अकलवहादरांरी बात		राज०	१६वीं श.	४६-५६	
२	३५५५ (२०)	अकलरी बात		"	" "	१२६-१३२	
३	३६१	अगस्ति कथा		संस्कृत	१८२०	८	
४	१७२५	अगस्ति कथा		"	१८२०	८	
५	२८५६	अनन्त व्रत कथा		"	१८५४	१०	भविष्योत्तर पुराण गत।
६	३०६०	अनन्त व्रत कथा		"	१६वीं श.	५	भविष्योत्तर पुराण गत।
७	२३७५ (३)	अबोलानी वारता	सामलदासभट्ट	गूर्जर	१६०६	१०४से १३१	सिंहासन बत्तीसी के अन्तर्गत। मोरवी में लिखित।
८	७३	अभयकुमार चरित्र	चन्द्रतिलको-पाध्याय	संस्कृत	१६६५	२३८	रचना का प्रारम्भ वागृमेरु (वाडमेर) में किया और सं० १३१२ में स्तंभीतीर्थ (खंभात) में समाप्त की। ग्रन्थकार की प्रशस्ति ४८ पद्यों में है।
९	३४०८	अमरसेन कथा		संस्कृत	१७वीं श.	५	
१०	२४७२	आंबड़चरित्र गद्य	अमरसुन्दर	"	१८७६	२२	
११	२१५६	अरजनहमीररी बात		राज०	१६वीं श.	५	गद्य पद्य।
१२	४७३	अष्टप्रकारपूजोपरि कथा संग्रह		प्राकृत	१७वीं श.	३७	
१३	१६६७	आदीश्वरचरित्रसंक्षेप (५६)		संस्कृत	१६वीं श.	११	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४	३४१७ (०)	आरामशोभाकथा		प्राकृत	१६६२	१४-२५	सांगानेर में लिखित ।
१५	३५७३ (४८)	इग्यारस की कथा गद्य		राज०	१६वीं श.	११६-१२०	अपूर्ण । जीर्णप्रति ।
१६	१२८१	इन्दिराएकादशी कथा		सं०	"	३	
१७	२१६४	उपदेशमाला कथा संग्रह		राज०	"	२८	१७वीं कथा पर्यन्त ।
१८	२३६० (८)	एकलगिडवाराहरीवात		"	"	६१-६७	
१९	३५४६ (१६)	एकलगिडवाराहरी वारता		"	१८०७	१२७-१३०	बरांटीया में लिखित ।
२०	२३२२	एकादशीकथा		"	१८५१	६०	बीदासर में लिखित ।
२१	३५६७ (३)	एकांतरारी वार्ता		"	१८१३	६७	कालू में लिखित ।
२२	३२११	कथामहोदधि	प्रतिष्ठासोम	सं०	१६वीं श.	४१	संवत् १५०४ में रचित ।
२३	४६२	कथासंग्रह		"	१७वीं श.	३५५	चन्द्रप्रभचरित्रो-द्धृत
२४	२४७१	कार्तिकपंचमीकथा	कनककुशल	"	"	५	स. १६५५ में मेडता में रचित ।
२५	१८२१	कालकथा		राज०	१८वीं श.	६	
२६	३४१८	कालकथा	समयसुन्दर	सं०	१७वीं श.	११	
२७	३३६५	कालकथा		प्राकृत	१६वीं श.	४	
२८	२१४५	कालकाचार्यकथा		सं०	१८५८	१०	जेसलमेर में लिखित ।
२९	२१६५ (१)	कालकाचार्यकथा		राज०	१६वीं श.	१-७	
३०	२२२१	कालकाचार्यकथा	समयसुन्दर	सं०	१८वीं श.	१५	सं. १६६६ में बीर-मपुर में रचित ।
३१	२४६६	कालकाचार्यकथा		"	२०वीं श.	१५	
३२	६३७	कालकाचार्यकथा		मू. सं.	१५वीं श.	१२	
३३	२३७५ (२)	बालावबोध सहित काष्ठघोडाविक्रमजीतनी वारता	सांभल भट्ट	राज.गू. गुर्जर	२०वीं श.	६१-१०४	सिंहासन बन्नीसी के अन्तर्गत ।
३४	२१५६	कुतुबुद्दीनशाहजादारी वारता		राज०	१६०२	१२	गद्य पद्य ।
३५	१६३६	कुमारपालतीर्थयात्रावर्णन		सं०	१६वीं श.	३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६	४७२	कुर्मापुत्रचरित्र पद्य	जिनमाणिक्य	प्राकृत	१७वीं श.	८	
३७	४८४	कुर्मापुत्रचरित्र पद्य	"	"	१५६६	५	
३८	२६९०	कुर्मापुत्रचरित्र	"	"	१८वीं श.	१०	गाथा बद्ध ।
३९	३५७५ (७७)	केशीगौतमअव्ययनार्थ		राज०गू०	२०वीं श.	३१६से ३२६	गुटका ।
४०	६२२	गणेशजी की कथा (पद्य)	हुलास	ब्रज	१८८७	१२	
४१	२२६६	गांगातेलीरी बात		राज०	१६वीं श.	२	
४२	११४३ (२)	गुणएकादशीमाहात्म्य पद्य	लांगामैट्ट	"	" "	३८से६८	गुटका, रचना सं० १८ (?) ६६ ।
४३	६५० (२)	गुणावलीगुणकरंडरी बात		"	१८वीं श.	२से४	
४४	३२३२	गोत्रिरात्रव्रतकथा		मू०सं० स्त०गू०	१६१७	१४	
४५	३१०८	गोपाष्टमीकथा		संस्कृत	१६०५	२	भविष्योत्तर पुराण गत ।
४६	३१५५	गोरात्रिव्रतकथा		"	१६६८	३	
४७	३५५५ (५)	चतुराईरी बात		राज०	१६वीं श.	१५-१६	गुटका ।
४८	२३६० (७)	चंदकुंवरी बात		"	" "	५५से६१	प्रतापसिंह खुमाण विनोदाथ रचित । २० सं० १७४० ।
४९	३५५५ (२६)	चंदकुंवरी बात	हंसकवि	"	" "	१५६- १५६	गुटका। सं० १७४० में प्रतापसिंह खुमाण की आज्ञा से जोध- पुर में रचित ।
५०	३५६२ (१२)	चंदकुंवरी बात	"	"	१६७८	६८-८१	गुटका। सं० १७४० में प्रतापसिंह खुमाण की आज्ञा से जोध- पुर में रचित ।
५१	३५७३ (४४)	चंदकुंवर की वारता पद्य		"	१८०८	१०५- १०८	बैतसिंहजी शासित घौसुंडी में लिखित ।
५२	११४३ (१)	चन्दराय की बात (पद्य)	बिदमजी	ब्र०हि०	१६वीं श.	२०से२५	गुटका। सं० १८२८ भुज में रचना ।
५३	१५३८	चन्द्रगुप्तकडुगडुगकथा		प्राकृत	१८वीं श.	२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
५४	२४८६	चन्द्रधवलनृप कथा	माणिक्य सुन्दर	सं०	१८७२	१३	पत्तन में लिखित ।
५५	१६३८	चित्रसेनपद्मावती कथा	बुद्धिविजय	"	१७३३	१८	देघाणा ग्राम में लिखित । रचना सं. १६६० ।
५६	१६३२	चित्रसेनपद्मावती कथा	राजवल्लभ	"	१६वीं श.	१५	सम्बत् १५२४ में रचित ।
५७	३४१२	चित्रसेनपद्मावती कथा	"	"	१७७६	१३	
५८	३१५८	चौथ की कथा		राजस्थानी	१८३३	४	
५९	२१३४	चौथमातारी बात पद्य		"	१६वीं श.	२	
६०	३२७७	चौथमातारी कथा		"	"	४	वाघसणनगर में लिखित ।
६१	३५४७ (१४)	चौथमाता की कथा		"	"	६२-६३	
६२	३५६७ (२२)	चौथमाताजीरी कथा		"	"	१३८- १४१	
६३	३५६३ (१)	चौबीसएकादशी की कथाएँ		"	१७८६	१-६०	
६४	३५६८	चौरासी वैष्णवों की वार्ताएँ		ब्र. हि.	१६वीं श.	२१४	गुटका, पाटण में लिखित ।
६५	१४००	जन्माष्टमीव्रतकथा		सं०	"	१०	नारद पुराण गत ।
६६	१४१८	जन्माष्टमीव्रतकथा		"	१८४३	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त । नारदपुराणगत ।
६७	२४७०	जंबूस्वामिकथानक		"	१६वीं श.	११	
६८	३३७६	जंबूस्वामि चरित्र गद्य		राज०	१७वीं श.	१२	
६९	३४७१	जंबूस्वामि चरित्र गद्य		"	१८वीं श.	१६	चाकसू में लिखित ।
७०	३५७३ (५५)	जलाल गहांणीरी वार्ता		"	१८१२	१३६- १५१	ऊंबरी में लिखित । जीर्णप्रति ।
७१	३५४६ (८)	जलाल गहांणीरी बात		"	१६वीं श.	६०-६७	
७२	३२०१	ज्ञाताधर्मकथा गोपनय कथा		प्रा. सं.	"	४	
७३	३५६२ (४)	डोकरीरी बातरो चुट-कलो		राज०	१६५६	१८-२०	
७४	१८८१ (२)	ढोलाजी की बात		"	१६वीं श.	२५-६६	अपूर्ण ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७५	२३६२ (१२)	तंबावली कथा	हरजी जोशी	राज०	१८वीं श.	७	
७६	३०६६	तुलसीत्रिरात्रव्रतकथा	.	संस्कृत	१६वीं श.	३	भविष्योत्तर पुराण गत ।
७७	२१६५ (२)	दत्तत्राह्मण कथा		राज०	"	७ वां	
७८	३५७३ (५)	दाढाला एकलमल्ल वाराहरी वारता		"	१६वीं श.	१८-२२	जीर्ण प्रति ।
७९	३५५६ (६)	दाढालारी वारता		"	" "	१-१०	
८०	३१६६	दानकथा संग्रह तथा स्त्रीचरित्र कथा		संस्कृत	१६वीं श.	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त ।
८१	३४१६	दानादिकुलकलघुवृत्ति		"	१७६६	१४८	ऊँकारपुर में लिखित ।
८२	१५७०	दानादिकुलकवृत्ति मूलसह	देवविजय	प्रा०सं०	१७वीं श.	२५६	रचना सं० १६६६ ।
८३	३४१३	दानादिकुलकवृत्ति	"	संस्कृत	१८वीं श.	५७	प्रथम वक्षस्कार ।
८४	४८१	धम्मिलचरित्र पद्य	जयशेखर	"	१५वीं श.	६०	रचना सं० १४६२ ।
८५	२४८०	धर्मदत्त कथा	विनयकुशल	"	१७३७	१२	सं. १६४३ में रचित ।
८६	६५० (३)	धर्मबुद्धिपापबुद्धिरीकथा		राज०	१८वीं श.	५३७	
८७	१८८२ (१३६)	ध्रुवचरित	परमानंद	ब्र०रा०	१६वीं श.	७२-७५	
८८	२८३२ (१)	ध्रुवचरित		ब्रज	१७७४	१४-२०	
८९	१८६१ (१)	ध्रूचरित्र	गोपाल	ब्र०हि०	१८४१	१-२६	
९०	२३६० (१०)	ध्रूचरित्र	गुपाल	राज०	१८४७	३७से०६	बीदासर में लिखित ।
९१	२३६२ (६)	नंदद्वान्त्रिशिका		संस्कृत	१८वीं श.	३	
९२	३६२६	नंदद्वान्त्रिशिका सार्थ		मू०सं०	" "	२	करेडा में लिखित ।
९३	१५४२	नन्दोपाख्यान		संस्कृत	१७वीं श.	८	
९४	४१७	नमस्कारमाहात्म्य- कथानक		"	२०वीं श.	६	पांच कथानक हैं ।
९५	१६३६	नलदमयंतीकथा		"	१५वीं श.	११	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
६६	१८८१ (१)	नलराजा की बात	सांमलदास भट्ट	राज.	१६वीं श.	१-२५	पत्र १, २ अप्राप्त।
६७	२३५७ (५५)	नापिकनीवार्ता		गूजर्	१६०६	१७६- १६६	मोरवी में लिखित।
६८	३५५५ (७)	नासकेतकथाबालावबोध		राज.	१८२७	१-६	संग्रामसिंह शासित कंटालिया में लिखित।
६९	३५६३ (२)	नासकेतर खेसरजीरी कथा		"	१६८६	६४-७३	प्रस्तुतकृति पूर्ण कर अन्त में लेखक ने सुभाषित देहे लिखे हैं।
१००	३५७३ (४१)	नासकेतु कथा	हेमचंद्र	"	१६वीं श.	१०२- १०६	जीर्णप्रति।
१०१	१६७६	नासकेतूपाख्यान सटीक		मू.सं.टी. ब्रज.	१७३८	६८	हरमाने में लिखित।
१०२	३०६८	नृसिंहचतुर्दशीव्रतकथा		सं०	१६वीं श.	८	
१०३	४६०	नेमिनाथचरित्र		"	१६वीं श.	१११	त्रिषष्टिशलाका पुरुषचरित्रान्तर्गत
१०४	१५३४	पंचतन्त्र	देवशर्मा	"	"	१६४	
१०५	२८३१	पंचतन्त्रश्चादि वार्ताएं गद्य		राज.	१६वीं श.	१३६	गुटका। पत्र १, २ अप्राप्त। अपूर्ण प्रति।
१०६	२०३१	पंचमीकथा गद्य	विष्णुशर्मा	"	१७८०	७	
१०७	१७०६	पंचास्थान		सं०	१७६२	७३	
१०८	३५५४ (१)	पंचख्यानबालावबोध		राज.	१८८५	१-५४	
१०९	३५४७ (५)	पंचख्यानभाषा		ब्रज०	१६वीं श.	१-२७	
११०	२३०८ (१)	पनरमीविद्यावारता	वीरचंद	राज.	१८६१	१-१७	सं. १७६८ में रतन- पुरी में रचित।
१११	३५५५ (१७)	पनरमीविद्यावारता		"	१६वीं श.	१०३- ११४	
११२	२२१२	पनरमीविद्यावारता		"	"	१३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११३	१७२४	परिशिष्टपर्व	हेमचन्द्र	संस्कृत	१७वीं श.	१०७	किंचित् अपूर्ण । त्रिषष्टिशलाका पुरुष चरित्रगत ।
११४	४६३	पांडवचरित्र	देवविजय	"	१७६६	१६५	फलधीपुर में लिखित ।
११५	१५३२	पांडवचरित्र	देवप्रभ	"	१६वीं श.	२३७	
११६	१६६३	पांडवचरित्र	"	"	१५वीं श.	२६६	
११७	१७०३	पांडवचरित्र	हेमचन्द्र	"	१६वीं श.	१२६	त्रिषष्टिशलाका पुरुष चरित्रगत । पत्र १-२ में चित्र है ।
११८	१६६६	पांडवचरित्र संक्षेप (पांडवचरित्रोद्धार)		"	१७वीं श.	८८	
११९	३४१५	पार्श्वनाथचरित्र		"	१७४६	५०	
१२०	६२६	पुण्यसारकथा		"	१७६६	६	
१२१	२३७५ (१)	पुष्पसेनपद्मावतीनी वारता	सांभलदासभट्ट	गूर्जर	१६०६	१से६०	गुटका ।
१२२	१८८५ (२)	पूर्णवासी की कथा		ब्र०हि०	१८वीं श.	५१से८६	गुटका । आंवेर में लिखित ।
१२३	४६६	पौषदशमी कथा	जिनेन्द्रसागर	संस्कृत	१८२८	२	मंदिरा विन्दर में लिखित ।
१२४	३४७६	प्रकीर्ण कथा		राज०	१६वीं श.	५	
१२५	१७००	प्रद्युम्नचरित्र	सोमकीर्ति	सं०	१७१०	६६	सं० १५३१ में रचित ।
१२६	१७०५	प्रद्युम्नचरित्र	समरकीर्ति	"	१८०७	१२८	सं० १५३१ में रचित ।
१२७	२६६१	प्रद्युम्नचरित्र	रविसागर	"	१८वीं श.	१५८	अमदावाद नगर में लिखित । खंगार राजा शासित मांडलि नगर में सं० १६७५ में रचित ।
१२८	१७२०	बप्पभट्टि चरित्र		"	१७वीं श.	१७	
१२९	२६४७	बप्पभट्टीप्रबन्ध		"	" "	प्लेट२८	फोटो कापी अपूर्ण ।
१३०	१८८२ (३७)	बलिचरित्र	लालदास	ब्रज	१६वीं श.	३३-३६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१३१	१६२७	बलिनरेन्द्रचरित्र		सं०	१६वीं श.	४७	जाउ(लु)रनगर में लिखित ।
१३२	१६५५	बलिनरेन्द्राख्यानक		"	१५वीं श.	३४	
१३३	१८०६	वारव्रतकथा		राज.	१६५७	११	
१३४	२२०२	बीवीरो ख्याल		"	१६२३	३	
१३५	३६४३	भरटकद्वात्रिंशिका		सं०	१८वीं श.	१६	
१३६	१५३६	भरतेश्वरबाहुलीवृत्ति	शुभशील	"	१७३१	२२६	पटडी में लिखित ।
१३७	१७०६	भोजप्रबन्ध	बल्लाल	"	१८वीं श.	४८	
१३८	१४२७	भौमव्रतकथा		"	१६वीं श.	३	
१३९	२१४३	मदनशतकरी वार्ता	दान	राज.	१८६०	१-४	गद्य पद्यात्मक रचना ।
१४०	२३६०	मधुमालतीरी बात		"	१६वीं श.	४७-५७	अपूर्ण ।
१४१	२२६७	मनसावाचारी कथा		"	१६१३	१५	अजमेर में लिखित ।
१४२	१७१७	मलयसुन्दरीचरित्र	जयतिलक	सं०	१६६६	५६	
१४३	३५५५	महादेवजीरो कहो		राज.	१६वीं श.	६६-१०२	
	(१५)	मनछा वाचारो वरत					
१४४	२३६१	महाप्रभुजी के सेवक की चौरासी वार्ता		हिं०	"	२६६	
१४५	३५७३	महाभारत की कथा		राज.	१८०८	११०-	उबरीग्राम में लिखित ।
	(४७)	गद्य				११६	जीर्णप्रति ।
१४६	१८४५	महावीरचरित्रवालाव-बोध		"	१७७४	१४	
१४७	१६८	महावीरचरित्रवालाव-बोध	मूल जिन-वल्लभ	मू० प्रा०	१८वीं श.	७	
१४८	३४२०	महीपालकथा	वीरदेवगणी	।कृत	१६६२	६३	
१४९	३४२३	महीपालकथा	"	"	१६४६	८४	
१५०	३६७७	मीयाबीवीरी बात		राज.	१६वीं श.	२	
१५१	३४८२	मुंज सम्बन्ध		"	"	२	
१५२	३६४२	मुनिपतिचरित्रसारो-द्धार		सं०	१८७२	२०	
१५३	३५२६	मुनिपति-चरित्र	हरिभद्रसूरि	प्राकृत	१५१६	७	रामसीनग्राम में लिखित । सं. ११७२ में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१५४	२४६५	मेरुत्रयोदशीकथा	ज्ञाना कल्याण	सं०	१८७३	७	जेसलपेर दुर्ग में लिखित । संवत् १८६० में बीकानेर में रचित ।
१५५	६६०	मौनैकादशीव्याख्यान		राज.	१७वीं श.	४	जीर्णप्रति ।
१५६	५१६	मौनैकादशीकथा		सं०	१८वीं श.	२	
१५७	१६३४	मौनैकादशीकथा		"	१७वीं श.	२	
१५८	३५७३	राजाभोजरी पनरमी	भवानीदास	राज०	१६वीं श.	१५६-	
	(५८)	विद्यारी वार्ता	व्यास	"	"	१६६	
१५९	२३६०	राजाभोजरी बात		"	"	१-११	
	(२)	(पनरमी विद्या)					
१६०	३५५१	रामचन्द्रिका पद्य		ब्र०हि०	१८०२	८६	वणेर में लिखित । सं. १६५८ में रचित ।
१६१	२८६२	रामचन्द्रिका भाषा	केशवदास	"	१७५६	४६	श्रीसरूपसिंहजी के शासन में विक्रमपुर में लिखित ।
		(रामचरित्र)					
१६२	३५५३	रामचरित्र गद्य		राज०	१८७६	१६-१०१	ब्रह्मांडपुराण के आधार पर भाषा रचना ।
	(२)						
१६३	६२६	रीसालकुंवररी वारता		"	१८६०	७	
		(गद्य-पद्य)					
१६४	३५५३	रीसालकुंवररी वारता		"	१६वीं श.	१२५-	
	(४)					१५७	
१६५	३५७३	रीसालकुंवररी वारता		"	"	१७१-	अपूर्ण जीर्णप्रति ।
	(६०)	(गद्य-पद्य)				१७५	
१६६	३६६०	रीसालकुंवररी वारता		"	१८१०	१५	कांगणीग्राम में लिखित ।
							जीर्णप्रति ।
१६७	३५७३	रीसालूरा दूहा		"	६वीं श.	१०६ वां	
	(४५)						
१६८	२१३५	रूपमंजरी कथा	ब्रह्मानन्द	ब्र०हि०	१५३६	८	देराग्राम में लिखित ।
१६९	१५३७	रूपसेनचरित्र	जिनसूरि	सं०	६८७	३१	
१७०	६५०	रूपसेनरीकथा		राज०	१८वीं श.	८-६	
	(४)						
१७१	१७१३	रोहिणीकथा		प्राकृत	१७वीं श.	७-१४	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७२	१६४६	रोहिणी कथा		संस्कृत	१७वीं श.	३	
१७३	१६२६	लघुप्रबन्धसंग्रह		"	१५वीं श.	५से८	विक्रमप्रबन्ध, भूयड प्रबन्ध, बीजपुर प्र० आदि प्रबन्ध हैं।
१७४	२१५८	वंकचूलकथा गद्य		राज०	१६वीं श.	१८	
१७५	५१७	वरदत्तगुणमंजरी कथा	कनककुशल	संस्कृत	१७३४	८	संवत् १६५५ में मेडता में रचना। सूरति बिन्दर में लिखित।
१७६	६७७	वरदत्तगुणमंजरी कथा	"	"	१८४३	६	संवत् १६५५ में मेडता में रचना। पूनानगर में लिखित।
१७७	१५२४	वसुदेव हिन्दी प्रथम खंड	संघदासगणि	प्राकृत	१६वीं श.	१२६	किंचिदपूर्ण।
१७८	२१४३ (३)	विक्रमचौबौलीरी बात		राज०	१८६०	७-८	गद्य।
१७९	२३७५ (४)	विक्रमपंचदंडकथा	सामलदास	गूर्जर	१६०६	२४०से १७६	सिंहासनवत्रीशी के अन्तर्गत।
१८०	३५७३ (५६)	विक्रमशनीसरवारतां		राज०	१६वीं श.	१५१-१५३	अपूर्ण। जीर्ण प्रति।
१८१	१६५६	विक्रमादित्योत्पत्तिकथा		संस्कृत	१७वीं श.	१	
१८२	१६५१	विनोदकथा		"	" "	१६	
१८३	२६६२	विनोद कथा संग्रह सावचूर पंचपाठ	राजशेखर सूरि	"	" "	६	
१८४	१७१५	वीरभद्रकथा		"	" "	१८-२३	
१८५	१४३ (४)	बीसलदेव सूवरसिकार-रीवात		राज०	१८६०	६-१३	गद्य।
१८६	३१४३	वैतरणीव्रत कथा		संस्कृत	१८८१	७	पद्मपुराणगत।
१८७	४२	वैष्णव भक्तों की प्राचीन वार्ताओं का संग्रह		ब्र०हि०	१६००	४००	गुटकाकार है। आद्य दो पत्र अप्राप्त। सं० पत्र ३६३ में लिखा है।
१८८	४८१	शान्तिनाथचरित्र गद्य	भावचन्द्रसूरि	संस्कृत	१७६२	११७	आगरा में लिखित।
१८९	१७१६	शान्तिनाथ चरित्र	भावचन्द्र	"	१७०२	६६	रचना सं० १५३५।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६०	३६४१	शांतिनाथचरित्र	भावचन्द्र	सं०	१८४४	११८	सं. १५३५ में रचित । सोमिह दुर्ग में लिखित ।
१६१	२८५२	शिवरात्री कथा		राज०	१८६६	१४	अजीतगढ़ में लिखित ।
१६२	४००१	शिवरात्री कथा गद्य		"	१८वीं श.	५	
१६३	३५४६ (२१)	शिवरात्री कथा		"	१८१६	१४२- १४३	बरांटीया में लिखित ।
१६४	३५५५ (१४)	शिवरात्री कथा		"	१६वीं श.	६५-६६	
१६५	३५४६ (१४)	शिवरात्री वारता		"	१८०५	११३- ११५	बरांटीया में लिखित
१६६	२६०३	शिवरात्रीव्रत कथा		सं०	१६१४	१५	अजमेर में लिखित । स्कन्दपुराणगत ।
१६७	५६	शुकसप्ततिः		"	१६वीं श.	१२-७६	अपूर्ण । पंचमकथा से ५२ वीं कथा तक ।
१६८	३६४०	शुकसप्तत्युद्धार		"	१८८८	५६	
१६९	२८३४	श्रवणद्वादशीव्रतकथा		"	१७६७	८	ब्रह्मपुराणगत ।
२००	२०२८	श्रीआनीकथा गद्य		राज.	१६वीं श.	७	
२०१	६५० (१)	श्रीदत्त श्रीमतीरी कथा		"	१७वीं श.	१-२	
२०२	४८७	श्रीपालकथा पद्य	रत्नशेखर	प्राकृत	१६वीं श.	२४	रचना संवत् १४२८ ।
२०३	१६६६	श्रीपालकथा	"	"	"	३०	रचना संवत् १४२८ ।
२०४	२४८५	श्रीपालकथा	"	"	१८६८	४६	कालु में लिखित । रचना सं. १४२८ ।
२०५	२१४३ (२)	षीवैविजैरी बात		राज.	१८६०	४-७	गद्य ।
२०६	२३७१ (१)	संकष्ट चतुर्थीव्रत कथा		"	२०वीं श.	१२	गुटका । भविष्यो- त्तर पुराणगत कथा की भाषा ।
२०७	१४७१	सत्यनारायणव्रत कथा		सं०	१६२३	१२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
२०८	३१७६	सत्यनारायणव्रत कथा		संस्कृत	१६१२	१२	इतिहास समुच्चय गत ।
२०९	३५५४ (१६)	सनीसर कथा		,	१६वीं श.	३१ वां	
२१०	१८८४	सनीसरजी की कथा		"	" "	२	
२११	२६२२	सनीसरजी की कथा		"	१८८३	३०	
२१२	२३२७ (४)	सनीसरजीरी कथा	जोरो	"	१८६५	१-२३	सं० १८२० में नाग- पुर में रचित ।
२१३	३५६२ (६)	सनीसरजीरी कथा	जोरो (जोरा- वरमल) कायथ	"	१६७०	३४-५६	सं० १८३४ में नागोर में रचित ।
२१४	३५६२ (६)	सनीसरजीरी वारता		"	१६७०	६०-६६	
२१५	१४०४	सफलैकादशीव्रतकथा		"	१६वीं श.	३	सौपर्णपुराणगत ।
२१६	१५३५	समरादित्य कथा	हरिभद्रसूरि	प्रा०	१६वीं श.	३०३	
२१७	५०४	सम्यक्त्वकौमुदी कथा		सं०	१८४३	४२	भुजनगर में लिखित ।
२१८	१६४०	सम्यक्त्वकौमुदी कथा		"	१६६५	३०	पा (खा) चरोद मालवा में लिखित ।
२१९	१६४१	सम्यक्त्वकौमुदी कथा		"	१७वीं श.	३५	
२२०	१६३०	सम्यक्त्वकौमुदी कथा तथा सिंह सेन कथा		"	१५८३	२६	पत्र २८ वा में संवत् लिखा है ।
२२१	३६०६	सम्यक्त्वकौमुदी कथा भाषा गद्य		राज०	१८३४	३०	कंटालीया में लिखित ।
२२२	३५७४ (२)	सिद्धचक्रकथा	शुभचन्द्र	सं०	१८वीं श.	१-१०	
२२३	२१४४ (२)	सिंघासणवत्तीसी कथा (गद्य पद्य)	क्षेमंकर (?)	राज०	१८२३	१५-३५	पुनरासर ग्राम में लिखित ।
२२४	६११	सिंघासणवत्तीसी (गद्य)		राज०	१७६०	१३	
२२५	२८६३ (२)	सिंघासनद्वात्रिंशिका		संस्कृत	१७वीं श.	१ ला	
२२६	१७१०	सिंहासनद्वात्रिंशिकाकथा		"	१७वीं श.	२२	
२२७	२८६३ (१)	सिंहासनद्वात्रिंशिका (गद्य)		"	१६२६	अन्त्य ३	१६ कथाएं नष्ट । सं० १६२८ में डी० वाणा में हेमाणंद द्वारा लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२८	१५३३	सिंहासनद्वात्रिंशिका गद्य पद्यात्मक	चेमंकर	सं०	१५८१	१५०	अपूर्ण । २२वीं कथा पर्यन्त । १०६ वां पत्र में संवत् है ।
२२९	३३४०	सिंहासनवत्तीसी गद्य	विनयकुशल	हिंदी	१६१८	११६	मुद्रानगरमें लिखित ।
२३०	६८१	सुभद्राकथाबालावबोध		राज०	१६वीं श.	११	
२३१	१७११	सुभूमपरशुरामकथा		प्राकृत	१६७३	२	
२३२	१७१४	सुरसुन्दर कथा		सं०	१७वीं श.	१४-१८	
२३३	२४८३	सुरसेनमहासेनकथाआदि	मू० जयतिलक सूरि	"	"	१	
२३४	५२०	सुलसाचरित्र सस्तवक		"	१६११	६३	
२३५	३५५५ (११)	सुबावहुतरीकथा गद्य	देवदत्त भट्ट	राज०	१६वीं श.	१-५८	
२३६	२४८१	सुव्रतश्रेष्ठिकथानक	मू० (?) कांति विजय	सं०	"	६	सस्तवक रचना सं. १८०० ।
२३७	६०	सुसदकथा सस्तवक		प्राकृत	१८०८	४०	
२३८	२३६० (१)	सूडावहत्तरी बात (अपूर्ण)	देवीदान	राज०	१६वीं श.	१४	विक्रमनगर के कुमार प्रद्युम्नसिंह के विनोदार्थ रचित । गुटका ।
२३९	२८६१ (२)	सोमवती अमावसरी कथा		"	१८३४		
२४०	३२२३	सोमवतीव्रतकथा		सं०	१६२३	६	राधनपुरमें लिखित । भविष्योत्तर पुराण-गत ।
२४१	२१४२ (१)	सोरठवीमैरीबात		राज०	१६वीं श.	१-२	
२४२	२१६५ (३)	स्थूलभद्रकथा		"	"	८-१०	
२४३	३५७२ (६)	स्वरूपनिर्णय		प्र. हि.	१८३४	७२-१४२	
२४४	१६५८	हनुमच्चरित्र	ब्रह्माजित	सं०	१७०८	३५	सांगानेर में लिखित । प्रथम पत्र अप्राप्त । रामायणान्तर्गत संभावित होती है ।
२४५	३४१७ (१)	हरिबलकथा		प्राकृत	१६६५	१४	
२४६	१६४४	हरिचन्द्रकथा			१५७७	२०	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२४७ २४८	१७१२ ३५७४ (१)	हंसपालकथा हितोपदेश भाषा		प्राकृत राज०	१७वीं श. १७७३	१से७ ११४	सोगाणीझातीय कुशलसिंहजी ने संग्रामपुर में लिखाई।
२४९ २५० २५१	४७७ ३३६२ ५१९	होलिका कथा पद्य होलीकथा होलीकथा सस्तबक	मू० फतेन्द्र सागर	संस्कृत " "	१८वीं श. १५२६ १८८०	२ १ १०	रचना विम्वानगर में सं० १८२२। भुजनगर में लिखित।
२५२	१६३३	होलीरज पर्व कथा	पुण्यराजगणि	"	१७वीं श.	१	



## (१६) गीत-आदि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२८६३ (७१)	अंकावलिजिणसिंह सूरिआसिका	हीरकलश	रा० गू०	१७वीं श.	१३५ वां	जीर्णप्रति।
२	३५३३ (२६)	अजितशांतिस्तवन	मेरुनन्दन	"	१६वीं श.	८०-८१	
३	३५७५ (२)	अजितशांतिस्तवन	मेरुनन्दन उपाध्याय	"	२०वीं श.	२४-२७	
४	३५७५ (४६)	अजितशांतिस्तवन	"	"	"	२३१- २३४	
५	२३६८ (४)	अजितसिंगजी को सीलोको		"	१८४८	३२-३५	दाध्या में लिखित।
६	३५७३ (४२)	अजीतसिंघजीरो कवित्त		राज०	१६वीं श.	१०६ वां	जीर्णप्रति।
७	३५७५ (६)	अट्टावीसलब्धिस्तवन	धर्मवर्धन	रा० गू०	२०वीं श.	३४-३७	
८	२८६३ (११२)	अदारभारवनस्पति- वर्णन		"	१६वीं श.	१६८ वां	
९	३५४३ (१)	अण्णस	मांणकसाह	"	१८८२	१-२	
१०	१०६३	अन्तरिक्षपार्श्वनाथछन्द	भावविजय	"	१८८२	३	मानकुआ में लिखित।
११	२३६८ (२)	अमरसिंघजी को सिलोको		"	१६वीं श.	२५-२६	दाध्या में लिखित।
१२	३२१३	अमरसिंघजी को सिलोको		रा०	"	३	
१३	११२२ (५)	अमलरो छन्द	राजो	"	"	३-४	
१४	२२५२	अम्बाजी की आरती	शिवानन्द	"	२०वीं श.	१	
१५	२२४०	अम्बारी आरती	रघुलाल	"	१६०१	१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६	२८६३ (२२)	अम्बिका गीत	सेवक	रा०गू०	१७वीं श.	१२ वां	
१७	२०४३	अम्बिका भवानी छंद	जितचंद	"	१६२१	२	
१८	७८०	अम्बिकास्तोत्र (छंद)	भवानीनाथ	"	१६वीं श.	१	
१९	२८६३ (३२)	अर्हन्त भेद नमस्कार		"	१६१६	६६ वां	
२०	३५१० (२)	अवंतिसुकुमालढाल	धर्मनरेन्द्र	"	१८वीं श.	३ रा	
२१	३५६७ (१६)	अश्लीलरासो	जैदेव	राज०	१६वीं श.	१३३वां	
२२	३५७५ (४८)	अष्टमी स्तवन	कान्ति	रा०गू०	२०वीं श.	२३६- २३८	
२३	३५७५ (७)	अष्टापदतीर्थराजस्तवन	पद्मराजपाठक	"	२०वीं श.	३७-३८	
२४	३५४३	असङ्गायसङ्गाय		"	१८८२	६-१०	
२५	२८६३ (१३६)	आज्ञाविचारगीत	हीरकलश	"	१७वीं श.	२३६वां	
२६	३५६२ (१६)	आठ पहरा दूहा		राज०	२०वीं श.	१३७- १३८	
२७	३५४८ (१०)	आत्मबोधसङ्गाय	रूपचंद	"	१८४५	१-२	तिमरी में लिखित ।
२८	३५७५ (५२)	आत्मोपरिस्वाध्याय	नयविमल	रा०गू०	२०वीं श.	२५०- २५१	
२९	३५७५ (६८)	आदिजिन गुहली	शिवचन्द्र	"	" "	२६६- ३००	
३०	३५७५ (६)	आदिजिनवीनती	समयसुन्दर	"	" "	४४-४६	
३१	१८१६ (२)	आदिनाथहमचढी	वर्धमान	"	१८वीं श.	४-५	
३२	३५४६ (५)	आदीश्वरवीनती		"	१६वीं श.	४६-४७	सं० १५६२ में रचित ।
३३	११२२ (२८)	आबूजीनो छंद	रूपो कवि	"	" "	२७ वां	
३४	३०२० (३)	आबूधराछत्रीसी	महिराज	"	१८वीं श.	३-५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
३५	३०२० (२)	आवूधराबत्रीसी	महिराज	रा०गू०	१८वीं श.	१-३	
३६	६५१	आराधनास्तवन	हीरसूरिशिष्य	"	१७वीं श.	६	अन्तिम ७ वां पत्र नहीं है।
३७	३५७५ (१२)	आलोचनास्तवन	कमलहर्ष	"	२०वीं श.	५८-६२	
३८	३५७५ (४२)	आलोचनास्तवन	ऋषभ	"	"	२०६-२११	सं. १६६२ में त्रवा-वती में रचित।
३९	३५७५ (४५)	आलोचनास्तवन	धर्मसींह	"	"	२२८-२३१	फलवर्द्धिपुर में रचित।
४०	११२२ (५८)	आशापुरीमाता छंद		राज०	१६वीं श.	८१ वां	
४१	७८६	ईश्वरीछंद	कुंअरकुशल	"	१८५१	४	मुजनगर में लिखित।
४२	७६६	ईश्वरीछंद	"	"	१६वीं श.	५	
४३	११२२	ईश्वरीछंद	"	"	"	६३-६४	
४४	१८३६ (६)	उतपतिगीत	श्रीसार	रा०गू०	१८२६	२७-३२	
४५	२८३२ (३)	उतपतिनामौ		रा०	१७७४	८१-८५	गुटका।
४६	२३११	उदयपुरगजिल्ल	भोज	"	१६वीं श.	४	
४७	२२४३	उदयसिंघमेड्यारो सपखरो कवित्त		"	२०वीं श.	२	
४८	३५७३ (४६)	उदैपुररीगजल	खेताक	"	१६वीं श.	१०६-११०	श्रीअमरसिंहजी शासित उदयापुर में संवत् १७५७ में रचित। जीर्णप्रति।
४९	११२२ (५०)	उदर मीआनो भगडो		हि०	१६वीं श.	६७ वां	
५०	३५७५ (७०)	ऋषभजिनदेशना	शिवचन्द्र	रा. गू.	२०वीं श.	३०५ वां	
५१	३५७३ (३१)	ऋषभदेवक्रीड़ागीत	समयसुन्दर	"	१६वीं श.	८१ वां	जीर्णप्रति।
५२	२०५५	ऋषिवंदना	पासचंद	"	१७१५	८	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५३	२०४७	कथलो	ज्ञानविमल	रा०गू०	१६वीं श.	२	अजमेर में लिखित।
५४	११२२ (३२)	कमालदीखान नवाबनो जस		ब्रज	" "	२८-२९	
५५	११२३ (१२)	करसंवाद	लावण्यसमय	रा०गू०	१७वीं श.	६६-७१	
५६	२३५५	कल्याणमलको कवित्त आदि	खुसराम	ब्र०हि०	२०वीं श.	७	
५७	२७८४	कालिकाकवचस्तोत्र	जयलाल	राज०	१६२७	२	अजमेर में लिखित।
५८	३५४७ (८)	कालिकाजीरादृहा सोरठा	लधो	"	१६वीं श.	८६-८७	
५९	२३२६	कालिकास्तव	चंद्रदत्तओझा	"	१८६४	१	
६०	२७८५	कालिकास्तोत्र तथा आरात्रिका	जयपाल	"	२०वीं श	२	
६१	२२४६	कालीजी की आरती		"	" "	१	गुटका।
६२	२२६६	कीर्तिसिंहकुमार के कवित्त		ब्र०हि०	१६वीं श.	३१	
६३	३५६७	कुपतिरासो		रा०	" "	१४७- १४८	
६४	२२८०	कुलभक्ता स्तुति	मगनीराम	ब्र०हि०	१६०७	१	
६५	१८८२ (२१२)	कृष्णजी के चरणचिह्न दोहा		ब्रज	१६वीं श.	१३४= १३५	गुटका।
६६	१८३६ (२)	कृष्णजी धमाल		"	" "	६ वां	
६७	२३०६ (३)	कृष्णध्यान	ईसरदास	राज०	" "	१४-१५	
६८	२३१६	कृष्णपद	मगनीराम	ब्र०हि०	२०वीं श.	१	
६९	२१००	कृष्णवारमास	किसनदास	रा०गू०	१८वीं श.	१	गुटका।
७०	११४७ (३)	कृष्णलीला	नन्ददास	ब्र०हि०	१८८४	२८से३२	
७१	२८२६	कृष्णस्मरण तथा अकलवेल	अर्जुनजी	गूर्जर	१६वीं श	२	
७२	११२२ (५६)	कोटेसरनो छंद	विसराम (?)	राज०	१६वीं श.	८२ वां	
७३	२३१३	क्षेत्रपालछंद	माधो	"	१६वीं श.	२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७४	२८६३ (४५)	खरतरगुरुनामसंस्तवन	हीरकलश	सं०	१७वीं श.	४ था	संवत् १६२० में रचित ।
७५	२८६३ (६०)	खरतरादिगच्छोत्पत्ति छप्पय	हीराणंद	रा० गू०	"	११४ वां	
७६	३५५० (५)	खेतलाजीरो छंद		राज.	१६वीं श.	३६-४०	
७७	३५७३	गउड़ीपार्श्वस्तवन	जिनचन्द्र	रा० गू०	"	१०१वां	सं. १७२० में रचित । जीर्णप्रति ।
७८	२१६०	गंगानवक	खुसराम	ब्र. हि.	१६१४	२	कर्ता का दूसरा नाम मगनीराम है, उन्हीं द्वारा कृष्णगढ़ में लिखित ।
७९	३५७३ (११)	गजसुकुमालगीत	नन्नसूरि	रा. गू.	१६वीं श.	३३-३४	सं. १५६१ में खंभात में रचित । जीर्ण प्रति ।
८०	३५७५ (२२)	गजसुकुमाल स्वाध्याय		"	२०वीं श.	६७-१००	
८१	२२७७	गणेशजी, श्यामाजी, अंबाजी तथा भैरव की आरती	मगनीराम	ब्र० हि०	१६२०	१	
८२	२३५७	गम्भीरमलजी आदि राजकर्मचारियों के कवित्त		"	२०वीं श.	१६	फुटकर पत्र ।
८३	२२४२	गंभीरमलजीका कवित्त	खुसराम	"	"	१	
८४	२३५८	गंभीरमलजी के कवित्त		"	"	४	
८५	२२३२	गंभीरमलजी को कवित्त		"	"	१	
८६	३५५३ (५)	गाफललावणी	विनैचंद	राज.	१६वीं श.	१५७-१५६	
८७	८८४	गिरनार की गजल	कल्याण	"	१८८८	३	आधोई (कच्छ) में लिखित । सं. १८२१ में रचित ।
८८	२२६०	गीतसंग्रह	जवानसिंह नागरीदास हरिदास	ब्र० हि०	२०वीं श.	१२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८६	२८६३ (१०३)	गुंजा कंचनसंवाद		रा०गू०	१७वीं श.	१६३वां	पत्र चार है ।
९०	११२३ (२३)	गुडीपारसनाथ छंद	कुशललाभ	"	" "	८२-८३	
९१	१८८२ (१६६)	गुणनाममाला		ब्र०हि०	१६वीं श.	१०४-१०७	
९२	२३४१	गुणसागर की छप्पै	गिरधर (?)	"	२०वीं श.	२	
९३	२०२३ (३)	गुणसागरभास		रा०गू०	१७३४	३-६	
९४	३५७५ (७३)	गुरुजी गुंइली		"	२०वीं श.	३०७वां	
९५	३५७५ (२५)	गौड़ीजिनस्तवन	प्रीतिविमल	"	" "	१०४-१०६	
९६	१०६२	गौड़ीजीरोछंद		"	१८६४	५	रायपुर में लिखित ।
९७	३५७५	गौड़ीपार्श्वजिनचौदा स्वप्नस्तवन	समयरंग	"	२०वीं श.	४६-४६	
९८	११२२ (५६)	गौड़ीपार्श्वछंद		राज०	१६वीं श.	७४-७५	
९९	२०५१	गौड़ीपार्श्वछंद	रूपसेवक	रा०गू०	१८वीं श.	६	गजपाटक में लिखित ।
१००	२२१३ (१)	गौड़ीपार्श्व वृद्धस्तवन	प्रीतिविमल	राज०	१८३८	१-२	कालूग्राम में लिखित ।
१०१	२०५२	गौड़ीपार्श्वस्तवन	नेमविजय	रा०गू०	१८२६	४	सं० १८०७ में रचित ।
१०२	१४४७ (२)	गोपिकागीत		संस्कृत	१८८४	२४से२८	भागवतगत ।
१०३	३५७२ (८)	गोपिकागीत		"	१६वीं श.	६७-७१	भागवतगत ।
१०४	२२१६	गोपीकृष्ण भ्रमरगीत-स्नेहलीला		ब्र०हि०	" "	२	
१०५	३४६६	गोपीचन्द राजा पद		राज०	" "	१	
१०६	३५४६ (३)	गोरखनाथजीरो छंद		"	" "	१० वां	
१०७	३५४६ (५)	गोरंभजीरो छंद		"	" "	११ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१०८	२३७७ (५)	गोरावणोंवीरनोसपपरो तथा घोड़ा वर्णन सप- परो	माधो	राज०	१६वीं श.	३०-३१	
१०९	३५७५ (४१)	गौतमप्रश्नोत्तरस्तवन	ऋषभश्रावक	रा०गू०	२०वीं श.	१६६- २०६	
११०	१८३६ (८)	गौतमाष्टक	लावण्यसमय	"	१६वीं श.	४०-४१	
१११	७७५	चउसड़ी (योगिनी) छंद तथा जगदंबा छंद		"	"	१	
११२	३५७५ (७४)	चक्रेश्वरीस्तवन	शंकर	"	२०वीं श.	३०७- ३०८	
११३	२८६३ (३६)	चतुर्विंशतिजिनगणधर मंख्या वीनति	हीरकलश	"	१६१६	८४ वां	
११४	२८६३ (३३)	चतुर्विंशतिजिनपंच- कल्याणकस्तोत्र	"	"	१७वीं श.	६६-६६	६८ वां पत्र के प्रथम पृष्ठ के अंत में पुष्पिका 'लिपी- कृतं हीराकेन' ।
११५	१०१५	चतुर्विंशतिजिनस्तवन तथा आंवलितप- सज्जाय	लावण्यसमय विनयविजय	"	१८६१	१०	
११६	२८६३ (१३८)	चंद्रगुप्तसोलस्वप्न- सज्जाय	हीरकलश	"	१७वीं श.	२४३- २४४	सं. १६२२ में राजल देसर में रचित और लिखित (?)
११७	३५७५ (६४)	चंद्रप्रभजिनस्तवन	शिवचन्द्र	"	२०वीं श.	२६६- २६७	
११८	३५६२ (१०)	चावंडारो छंद	चुनीलाल	राज०	"	६६-६७	सोजत में रचित ।
११९	३२०५	चित्तौड़ की गजल	खेतल	"	१८वीं श.	२	संवत् १७४८ में रचित ।
१२०	३५५० (४)	चित्तौड़ की गजल	"	"	१६वीं श.	३७-३६	पालाड़ा ग्राम में लिखित ।
१२१	२३६८ (११)	चैत्यवंदन	कमलविजय	"	१८४८	४० वां	
१२२	३२०४	चौबीसी स्तवन	जिनराज	"	१७६२	६	कालू में लिखित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२३	३५७५ (१)	चौबीसी स्तवन	देवचन्द्रजी	रा०गू०	२०वीं श.	१-२४	सं० १७२६ में जैसलमेर में रचना। गुटका।
१२४	३५७५ (३३)	चौबीसी स्तवन	जिनराजसूरि	"	" "	१४२-१५४	
१२५	१८३६ (११)	चौबीसदंडकस्तवन	धर्मविजय	"	१६वीं श.	४८-५२	
१२६	२८६३ (११६)	छिन्नवह्जिननमस्कार	हीरकलश	"	१७वीं श.	१७४-१७५	
१२७	२८६३ (४३)	छिन्नवह्जिनस्तवन	"	"	" "	८६-८७	
१२८	११२२ (३)	जगद्वनो छंद	लीलो	राज०	१६वीं श.	२ रा	
१२९	११२२ (१८)	जगद्वसाहनो जस		रा०गू०	" "	१० वां	
१३०	२३५४	जवानसिंहको कवित्त	खुसराम	ब्र०हि०	२०वीं श.	१	
१३१	२३६२ (७)	जसवंतसिंहजी महा-राजरा कवित्त		राज०	१८वीं श.	७ वां	
१३२	३५४८ (६)	जसवंतसिंह तथा अजीतसिंहजी के कवित्त		"	१८वीं श.	१	
१३३	३४७४	जालोरपार्श्वविविध ढाल स्तवन	पुरयनन्दि	रा०गू०	१७वीं श.	५	
१३४	११२२ (४६)	जामलाखारीनीसाणी		रा०	१६वीं श.	६२-६३	
१३५	२८६३ (१३३)	जिनकल्याणकस्तवन	हीरकलश	रा०गू०	१६२१	१६५से १६७	रुसणा ग्राम में रचित।
१३६	२८६३ (१२३)	जिनचंद्रसूरिगीत	"	"	१७वीं श.	१७७वां	
१३७	२८६३ (१२४)	जिनचंद्रसूरिगीत	"	"	" "	१८२से १८६	
१३८	२८६३ (१२५)	जिनचंद्रसूरिगीतनवक	"	"	" "	१८६से १८८	
१३९	२८६३ (६४)	जिनचंद्रसूरिस्तुति	विल्ह	राज०	" "	१६०वां	द्वादश दल कमल बंध में एक काव्य है।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४०	३५७५ (५०)	जिनप्रतिमास्थापन स्तवन	जिनहर्ष	रा०गू०	२०वीं श.	२४१- २४८	रचना सं. १७२५।
१४१	३५५५ (३१)	जिनरस	वेणीराम	राज०	१६वीं श.	१७०- १७४	सं. १६५८में रचित।
१४२	३५७५ (६२)	जिनवाणीस्तुति	शिवचन्द्र	रा०गू०	२०वीं श.	२६४- २६५	
१४३	२३६८ (१६)	जिनविनती	कनककीर्ति	"	१६वीं श.	५०-५१	
१४४	३३७५ (७१)	जिनहर्षसूरिभास	जिनहर्ष	"	२०वीं श.	३०५- ३०६	
१४५	३५७५ (६६)	जिनहर्षसूरिभास	शिवचन्द्र	"	"	२६८- २६९	
१४६	२८६३ (३५)	जिनहर्षसूरिगीत		"	१७वीं श.	६६ वां	
१४७	२१२५	जिनाज्ञास्तवन सविव- रण	नेमीसार वि० स्वोपज्ञ	"	१८वीं श.	५	जैन शास्त्रीय चर्चा- त्मक कृति। कर्ताने अन्त में आपके विशेषण दिए हैं, उनमें से एक निम्न प्रकार है। साहि श्री शलेमसाहिसमक्ष श्री श्री श्रीसर्वज्ञशत ग्रन्थसत्यतासत्यता का धारक।
१४८	३२००	जीराउलापार्श्वनाथ स्तवन	सोमविजय	"	१७४५	३	स्तंभनकपुर में लिखित।
१४९	३५४३ (६)	जोगपावडी	गोरखनाथ	राज०	१८८२	१०-१४	
१५०	२०४८	ज्ञानपंचमीस्तवन	केशरकुशल	रा०गू०	१६वीं श.	४	सं. १७५८ में सिद्ध- पुर में रचित।
१५१	४२२	ज्वरनोछंद	कान्ति	"	१८३८	१	मेडता में लिखित।
१५२	३५७३	ढंढणस्वाध्याय	जिनहर्ष	राज०	१८वीं श.	१७ वां	जीर्णप्रति।
१५३	११२२ (२३)	दूदीयानो छंद तथा सवैया	प्रेमकवि	"	१६वीं श.	१६ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१५४	३५६७ (२५)	तारादे लोचनारी सञ्ज्ञाय	हर्षकुशल	राज०	१६वीं श.	१४६-१४७	आदि प्रणमी पार्श्व जिनन्दपद श्रीसद-गुरु धरी ध्यान । वाला त्रिपुरा वीनबुं, माता दिये बहुमान । जीर्ण प्रति ।
१५५	७६१	त्रिपुराछंद	गुणानन्दशिष्य	रा०गू०	" "	२	
१५६	३५७३ (२४)	थंभणपार्श्वनाथ स्तवन धमण्या	कुशललाम	"	१६वीं श.	६६-७०	
१५७	१८६२	दर्शनस्तुति		ब्र०हि०	" "	५	पत्र ६ ठा और ८ वां का अर्धभाग नष्ट ।
१५८	२१७५	दशवैकालिकभास	राममुनि	रा०गू०	१७वीं श.	२४	
१५९	६८६	दशवैकालिकस्वाध्याय	वृद्धिविजय	"	१६वीं श.	७	
१६०	२८६३ (११)	दशार्ण भद्रगीत	हीरकलश	"	१७वीं श.	६-८	
१६१	११२२ (६८)	दातारसूमनो संवाद		"	१८८८	८७-८८	
१६२	३५५५ (३)	दीपकवत्तीसी	केसोदास	राज०	१६वीं श.	१४ वां	कर्त्ता के हस्ताक्षर हैं । कृष्णगढ़ में लिखित । कर्त्ता के हस्ताक्षर हैं । कृष्णगढ़ में लिखित । कर्त्ता के हस्ताक्षर हैं । कृष्णगढ़ में लिखित ।
१६३	१८८६ (१७)	दुखहरणवेलि	सवाई प्रतापसिंहजी	हिन्दी	१८६६	६४से६६	
१६४	२२७८	देवी आरती	मगनीराम	ब्र०हि०	१६०७	१	
१६५	२२८२	देवी आरती	"	"	१६०७	१	
१६६	२३२८	देवीजी की स्तुति		राज०	१६२०	१४	
१६७	११२२ (१)	देवीस्तुति		"	१६वीं श.	१	
१६८	२२७६	देवीस्तुति	मगनीराम	ब्र०हि०	१६०७	१	
१६९	३५६७	देसंतरी छंद	समधर कवि	राज०	१६वीं श.	१५०-१५२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७०	३५६५ (५)	द्विकन्यासंवाद ग्रन्थ		ब्र०हि०	१६वीं श.	३७६-३६०	
१७१	३५५० (१२)	धन्नासज्जाय		रा०गू०	"	८८ वां	
१७२	३५४६ (१४)	धरातीर्थगीत आदि		राज०	"	७५-७७	
१७३	३५७५ (५६)	नन्दीश्वरस्तवन		रा० गू०	२०वीं श.	२६१-२६२	
१७४	३५७५ (६०)	नन्दीसूत्रसज्जाय	शिवचन्द्र	"	"	२६२-२६३	
१७५	३५१६	नवग्रह छंद	शंकर	"	१६वीं श.	५	
१७६	३५७५ (२६)	नवपदस्तवन	जिनलाम	"	२०वीं श.	१०६-११३	
१७७	३५७५ (३६)	नवकारवालीस्तवन चोढालीयो	राजसोमपाठक	"	"	१६१-१६५	
१७८	३५५४ (१५)	नवकारसज्जाय		"	१६वीं श.	२६ वां	
१७९	२३१५	नवरात्रि कवित्त	जयलाल	ब्र०हि०	१६२७	२	रचना सं. १६२७ कवि के हस्ताक्षर।
१८०	२०४६	नववाडसज्जाय	जिनहर्ष	रा०गू०	१६वीं श.	५	संवत् १७७६ में रचित।
१८१	२०६०	नववाडसज्जाय बल- भद्रसज्जायादि संग्रह	अनेक कवि	"	१७वीं श.	४५	
१८२	३५६६ (१)	नित्य के कीर्तन		ब्र. हि.	१८५२	१-८८	
१८३	२३७६ (१०)	नित्य के पद		"	२०वीं श.	१८-३८	
१८४	३५५७ (१०)	नीसाणी	केसोदास गाडण	राज०	१८वीं श.	१०२ रा	
१८५	३५४६ (१३)	नीसाणी कवित्त		"	१६वीं श.	७४-७५	
१८६	१८३६ (६)	नेमजी का बारहमास	श्यामगुलाब	ब्रज.	"	४१-४४	गुटका।
१८७	११२२ (२१)	नेमराजीमतीबारमास	ज्ञानसमुद्र	"	"	१४-१५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८८	३५०८	नेमराजुलचुंनडी	कान्तिविजय	रा०गू०	१६वीं श.	२	सं० १७२६ में रचित ।
१८९	३५२०	नेमराजुलबारमास आदि	उदयरत्न	"	१८वीं श.	४	
१९०	२८६३ (६)	नेमिगीत	हीरकलश	"	१७वीं श.	४ था	
१९१	११२३ (२२)	नेमिनाथचंदाइणगीत	भाकड़मुनि	"	" "	८१-८०	
१९२	३५५४ (४)	नेमिनाथ चोक	अमृत	"	१६वीं श.	६२-६४	सं० १८३६ में रचित ।
१९३	१८२	नेमिनाथचोवीसचोक	अमृतविजय	"	१८६३	८	सं० १८३४ में रचित । राविकापुर में लिखित ।
१९४	२३६८ (१२)	नेमिनाथजी की वीनति		राज०	१६वीं श.	४०-४२	
१९५	३६३५	नेमिनाथ फाग	राजहर्ष	रा०गू०	१८वीं श.	२	
१९६	२३७४ (५)	नेमिनाथबारमास	रूपचंद	"	१६वीं श.	२६-२७	
१९७	२३७४ (६)	नेमिनाथबारमास	देवविजय	"	" "	२७-२८	
१९८	२३७४ (७)	नेमिनाथबारमास	कवियण	"	" "	२८ वां	
१९९	३२०३	नेमिनाथबारमास	विनयविजय	"	१८वीं श.	२	सं० १७२८ में रानेर में रचित ।
२००	२३०० (५)	नेमिनाथबारमाससवैया		ब्र०हि०	१८७६	३४-४६	अजमेर में लिखित ।
२०१	२३६८ (१७)	नेमिनाथसावन	मनरूप	रा०गू०	१६वीं श.	५२-५४	
२०२	२८६३ (५६)	नेमिनाथ डीडोलेणा	हीरकलश	रा०गू०	१६२५	१११से ११४	पुष्पिका-सं० १६२५ के आषाढ़ मास में डेहिनयरी में रचित, धीमसर में कर्त्ता द्वारा स्वयं लिखित ।
२०३	३१६३	नेमीश्वररागमालामय स्तवन	मेरुविजय	"	१८वीं श.	३	सं० १७०३ में रचित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
२०४	३५६२ (१५)	पखवाडा		राज०	२०वीं श.	१३६- १३७	
२०५	३५४६ (१२)	पंखप्रबोध		"	१६वीं श.	७४ वां	
२०६	२८६३ (३१)	पंचतीर्थी नमस्कार		रा० गू०	१७वीं श.	६६ वां	
२०७	२८६३ (४०)	पंचतीर्थी नमस्कार		"	"	८५ वां	
२०८	२८६३ (४२)	पंचतीर्थीस्तुति	हीरकलश	"	"	८५ वां	
२०९	२८६३ (४१)	पंचपरमेष्ठिनमस्कार	"	"	"	८५ वां	
२१०	३५७५ (६१)	पंचमांगसज्जाय	शिवचंद्र	"	२०वीं श.	२६३- २६४	
२११	३५७५ (४७)	पंचमीतपमहिमास्तवन	लक्ष्मीसूरि	"	"	२३४- २३६	
२१२	२०५४	पंचलघुतीर्थमालास्तवन		"	१६१८	५	
२१३	११२२	पंचांगुलीदेवीछंद		"	१६वीं श.	८ वां	
२१४	३६४०	पंचेद्रियवेली	गोल्ह (?)	"	१७वीं श.	१	संवत् १५५० में रचित ।
२१५	१८८२ (१)	पद	तुलसीदास	ब्रज०	१६वीं श.	१८ वां	
२१६	१८८२ (२)	पद	अग्रदास	"	"	१८ वां	
२१७	१८८२ (३)	पद	तुलसीदास	"	"	१८-१९	
२१८	१८८२ (४)	पद	कवलानन्द	"	"	१९ वां	
२१९	१८८२ (५)	पद	अग्रदास	"	"	१९ वां	
२२०	१८८२ (६)	पद	परमानन्ददास	"	"	१९-२०	
२२१	१८८२ (७)	पद	तुर(ल)सी	"	"	२०-२१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२२	१८८२ (८)	पद	तुलसीदास	ब्रज	१६वीं श.	२१ वां	
२२३	१८८२ (९)	पद	भगवान	"	"	२१ वां	
२२४	१८८२ (१०)	पद	चरनदास	"	"	२२ वां	
२२५	१८८२ (११)	पद	सूरकिसोरमुनि	"	"	२२-२३	
२२६	१८८२ (१२)	पद	परमानन्द	"	"	२३ वां	
२२७	१८८२ (१३)	पद	नन्ददास	"	"	२३ वां	
२२८	१८८२ (१४)	पद	"	"	"	२३ वां	
२२९	१८८२ (१६)	पद	"	"	"	२४ वां	
२३०	१८८२ (१७)	पद	तुर (ल) सी	"	"	२४-२५	
२३१	१८८२ (१८)	पद	"	"	"	२५ वां	
२३२	१८८२ (१९)	पद	रामदास	"	"	२५ वां	
२३३	१८८२ (२१)	पद	"	"	"	२६ वां	
२३४	१८८२ (२२)	पद	कृष्णदास	"	"	२६-२७	
२३५	१८८२ (२३)	पद	"	"	"	२७ वां	
२३६	१८८२ (२४)	पद	"	"	"	२७-२८	
२३७	१८८२ (२७)	पद	मौजीराम	"	"	२८-२९	
२३८	१८८२ (२८)	पद	सूरदास	"	"	२९ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२३६	१८८२ (२६)	पद	सुखस्याम	ब्रज०	१६वीं श.	२६ वां	
२४०	१८८२ (३०)	पद	अग्र	"	"	"	
२४१	१८८२ (३१)	पद	चरनदास	"	"	२६-३०	
२४२	१८८२ (३२)	पद	नंददास	"	"	३०-३१	
२४३	१८८२ (३३)	पद	माधोदास	"	"	३१ वां	
२४४	१८८२ (३४)	पद	सूरदास	"	"	"	
२४५	१८८२ (३५)	पद	नंददास	"	"	३१-३२	
२४६	१८८२ (३६)	पद	कबीर	"	"	३२-३३	
२४७	१८८२ (३८)	पद	अग्र	"	"	३६ वां	
२४८	१८८२ (३९)	पद	गरीबदास	"	"	"	
२४९	१८८२ (४१)	पद	नागरीदास	"	"	३८ वां	
२५०	१८८२ (४२)	पद	अग्र	"	"	३९ वां	
२५१	१८८२ (४३)	पद	नंददास	"	"	"	
२५२	१८८२ (४४)	पद	सूरकिसोर	"	"	३९-४०	
२५३	१८८२ (४५)	पद	मानदास	"	"	४० वां	
२५४	१८८२ (४६)	पद	रामदास	"	"	४०-४१	
२५५	१८८२ (४७)	पद	व्यासदास	"	"	४१ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२५६	१८८२ (४८)	पद	बंस (सी) लाल	ब्रज	१६वीं श.	४१ वां	
२५७	१८८२ (४९)	पद	नन्ददास	"	"	४१-४२	
२५८	१८८२ (५०)	पद	व्यास	"	"	४२ वां	
२५९	१८८२ (५१)	पद	सदानन्द	"	"	४२ वां	
२६०	१८८२ (५२)	पद	भगवान	"	"	४२ वां	
२६१	१८८२ (५३)	पद	सदानन्द	"	"	४२ वां	
२६२	१८८२ (५४)	पद	नन्ददास	"	"	४२ वां	
२६३	१८८२ (५५)	पद	सदाराम	"	"	४२ वां	
२६४	१८८२ (५६)	पद	पातीराम	"	"	४२ वां	
२६५	१८८२ (५८)	पद	सूर	"	"	४३-४४	
२६६	१८८२ (५९)	पद	सूरदास	"	"	४४-४५	
२६७	१८८२ (६१)	पद	भगवान	"	"	४५ वां	
२६८	१८८२ (६२)	पद	"	"	"	४५-४६	
२६९	१८८२ (६३)	पद	बंसीधर	"	"	४६ वां	
२७०	१८८२ (६३)	पद	"	"	"	४६ वां	
२७१	१८८२ (६५)	पद	गरीबदास	"	"	४६-४७	
२७२	१८८२ (६६)	पद	गोपीनंद	"	"	४७ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२७३	१८८२ (६७)	पद	तुलसीदास	व्रज०	१६वीं श.	४७ वां	
२७४	१८८२ (६८)	पद	कूभनदास	"	"	४७-४८	
२७५	१८८२ (६९)	पद	नरसी	रा० गू०	"	४८ वां	
२७६	१८८२ (७०)	पद	नंद	व्रज०	"	४८ वां	
२७७	१८८२ (७१)	पद	सूरदास	"	"	४९ वां	
२७८	१८८२ (७२)	पद	चन्नदास	"	"	४९-५०	
२७९	१८८२ (७३)	पद	तुलसीदास	"	"	५० वां	
२८०	१८८२ (७४)	पद	अग्र	"	"	५० वां	
२८१	१८८२ (७५)	पद	ग्यानदेव	"	"	५१ वां	
२८२	१८८२ (७६)	पद	परमानन्द	"	"	५१ वां	
२८३	१८८२ (७७)	पद	त्रिलोचन	"	"	५१ वां	
२८४	१८८२ (७८)	पद	श्रीभट	"	"	५१-५२	
२८५	१८८२ (७९)	पद	परमानन्द	"	"	५२ वां	
२८६	१८८२ (८०)	पद	बट्टी (श्रीपति)	"	"	५२ वां	
२८७	१८८२ (८१)	पद	मीरा	ब्र-हि०	"	५२ वां	
२८८	१८८२ (८२)	पद	तुलसी (सी) दास	व्रज०	"	५२-५३	
२८९	१८८२ (८३)	पद	मल्लदास	"	"	५३ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२६०	१८८२ (८८)	पद		ब्रज	१६वीं श.	५४ वां	
२६१	१८८२ (९०)	पद	मनसाराम	"	"	५५ वां	
२६२	१८८२ (९१)	पद	रैदास	"	"	५५ वां	
२६३	१८८२ (९२)	पद	नंददास	"	"	५५-५६	
२६४	१८८२ (९३)	पद	भगवान	"	"	५६ वां	
२६५	१८८२ (९४)	पद	तुरसीदास	"	"	५६ वां	
२६६	१८८२ (९५)	पद	सूर	"	"	५६ वां	
२६७	१८८२ (९६)	पद	केवलराम	"	"	५६ वां	
२६८	१८८२ (९७)	पद	मुरली	"	"	५६-५७	
२६९	१८८२ (९८)	पद	भगवान	"	"	५७ वां	
३००	१८८२ (९९)	पद ( द्वय )	तुरसी	"	"	५७-५८	
३०१	१८८२ (१००)	पद	बिठलदास	"	"	५८-५९	
३०२	१८८२ (१०१)	पद	कबीर	"	"	५९ वां	
३०३	१८८२ (१०२)	पद	श्री भट	"	"	५९ वां	
३०४	१८८२ (१०३)	पद	हरि	"	"	५९ वां	
३०५	१८८२ (१०४)	पद	रामदास	"	"	५९ वां	
३०६	१८८२ (१०५)	पद	सूर	"	"	५९-६०	
३०७	१८८२ (१०६)	पद	विष्णुदास	"	"	६० वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
३०८	१८८२ (१०७)	पद	कवीर	ब्रज०	१६वीं श.	६१ वां	
३०९	१८८२ (१०८)	पद	नामदेव	"	"	६१ वां	
३१०	१८८२ (११०)	पद	कवीर	ब्र०रा०	"	६१ वां	
३११	१८८२ (१११)	पद	किसनदास	ब्रज०	"	६१ वां	
३१२	१८८२ (११३)	पद	जयदेव	"	"	६२ वां	
३१३	१८८२ (११४)	पद	प्रेमदास	"	"	६२-६३	
३१४	१८८२ (११५)	पद	तुरसीदास	"	"	६३ वां	
३१५	१८८२ (११८)	पद	नामदेव	"	"	६४ वां	
३१६	१८८२ (१२०)	पद	परसराम	"	"	६५ वां	
३१७	१८८२ (१२१)	पद	अग्रदास	"	"	६५ वां	
३१८	१८८२ (१२२)	पद	नरहरिराम	"	"	६५ वां	
३१९	१८८२ (१२३)	पद	नामदेव	"	"	६६ वां	
३२०	१८८२ (१२४)	पद	ग्यानदेव	"	"	६६ वां	
३२१	१८८२ (१२५)	पद	गोकलदास	"	"	६६ वां	
३२२	१८८२ (१२६)	पद	बीठल	"	"	६६ वां	
३२३	१८८२ (१२७)	पद (द्वय)	नरसी	"	"	६६-६७	
३२४	१८८२ (१२८)	पद	मीरा	रा०गू०	"	६७ वां	
३२५	१८८२ (१२९)	पद	आसकरन	ब्रज०	"	६७ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३२६	१८८२ (१३०)	पद	मीरा	रा०गू०	१६वीं श.	६७ वां	
३२७	१८८२ (१३१)	पद	तुरसी	ब्रज	"	६७ वां	
३२८	१८८२ (१३२)	पद	कृष्ण (दास)	"	"	६८ वां	
३२९	१८८२ (१३३)	पद	परमानन्द	"	"	६८ वां	
३३०	१८८२ (१३४)	पद	मीराबाई	ब्र०रा०	"	६८ वां	
३३१	१८८२ (१३५)	पद	मुरलीदास	"	"	६८-६९	
३३२	१८८२ (१३६)	पद	छीतमदास	ब्रज	"	७१-७२	
३३३	१८८२ (१४०)	पद	अग्र	"	"	७५-७६	
३३४	१८८२ (१४२)	पद	बालकृष्ण	"	"	७६ वां	
३३५	१८८२ (१४३)	पद	भगवान	"	"	७६ वां	
३३६	१८८२ (१४४)	पद	जगन्नाथ कविराज	"	"	७६-७७	
३३७	१८८२ (१४५)	पद	बुधानन्द	"	"	७७ वां	
३३८	१८८२ (१५१)	पद	नाभो	"	"	८२ वां	
३३९	१८८२ (१५२)	पद	तुरसीदास	"	"	८२ वां	
३४०	१८८२ (१५३)	पद	अग्रदास	"	"	८२ वां	
३४१	१८८२ (१५४)	पद	कबीर	"	"	८२ वां	
३४२	१८८२ (१५६)	पद	माधोदास	"	"	८३ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
३४३	१८८२ (१५६)	पद	मीरा	राज०	१६वीं श.	६४ वां	
३४४	१८८२ (१६०)	पद	नामदेव	ब्रज०	"	६४ वां	
३४५	१८८२ (१६१)	पद	कबीर	"	"	६४ वां	
३४६	१८८२ (१६६)	पद	भगवान	"	"	१११- ११२	
३४७	१८८२ (१७०)	पद	गदाधर मिश्र	"	"	११२ वां	
३४८	१८८२ (१७३)	पद	बिहारीदास	"	"	११५ वां	
३४९	१८८२ (१७४)	पद	सूरदास	"	"	११५ वां	
३५०	१८८२ (१७५)	पद	नन्ददास	ब्रज	"	११५- ११६	
३५१	१८८२ (१७६)	पद	मायोदास	"	"	११६ वां	
३५२	१८८२ (१७७)	पद	सूरदास	"	"	११६- ११७	
३५३	१८८२ (१८०)	पद	कबीर	"	"	११६ वां	
३५४	१८८२ (१८२)	पद	सूरदास	"	"	१२० वां	
३५५	१८८२ (१८४)	पद	मीरा	"	"	१२१ वां	
३५६	१८८२ (१८५)	पद	बालकृष्ण	"	"	१२१ वां	
३५७	१८८२ (१८६)	पद	नंददा	"	"	१२२ वां	
३५८	१८८२ (१८७)	पद	अग्रदास	"	"	१२२ वां	
३५९	१८८२ (१८८)	पद पंचक (५)		"	"	१२२- १२३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
३६०	१८८२ (१८६)	पद	तुरसीदास	,,	१६वीं श.	१२४ वां	
३६१	१८८२ (१६०)	पद	हरि	,,	,,	१२४ वां	
३६२	१८८२ (१६१)	पद	सूरकिसोर	,,	,,	१२४- १२६	
३६३	१८८२ (१६२)	पद	बालकृष्ण	,,	,,	१२६ वां	
३६४	१८८२ (१६४)	पद	सूरदास	,,	,,	१२७ वां	
३६५	१८८२ (१६५)	पद	बिद्यादास	,,	,,	१२७ वां	
३६६	१८८२ (१६६)	पद	गनेश	,,	,,	१२७ वां	
३६७	१८८२ (१६८)	पद	मुरारीदास	ब्रज	,,	१२८ वां	
३६८	१८८२ (१६६)	पद	सुर	,,	,,	१२८ वां	
३६९	१८८२ (२००)	पद	तुरसीदास	,,	,,	१२८-	
३७०	१८८२ (२०६)	पद	मीरा	,,	,,	१३२ वां	
३७१	१८८२ (२०७)	पद	माधोदास	,,	,,	१३२ वां	
३७२	१८८२ (२०८)	पद	मानदास	,,	,,	१३२ वां	
३७३	१८८२ (२१०)	पद	माधोदास	,,	,,	१३३- १३४	
३७४	१८८२ (२११)	पद	सुर	,,	,,	१३४ वां	
३७५	१८८२ (२१३)	पद	सूरदास	,,	,,	१३५- १३६	
३७६	१८८२ (२१४)	पद	माधो	,,	,,	१३६ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७७	१८८२ (२१५)	पद	परसराम	ब्रज	१६वीं श.	१३६ वां	
३७८	१८८२ (२१७)	पद	मगनीराम	राज०	"	१३७ वां	
३७९	१८८२ (२१६)	पद	कबीर	ब्रज०	"	१३८ वां १२६	
३८०	१८६० (१)	पद	बिहारीदास	ब्र०हि०	"	१३९	
३८१	१८६० (३)	पद	लच्छीराम	"	"	४३५	
३८२	१८६० (५)	पद	कबीर	"	"	५-६	
३८३	१८६० (६)	पद		"	"	६ वां	
३८४	१८६० (११)	पद	केवलराम	"	"	११-१२	
३८५	१८६० (१२)	पद		राज०	"	१२ वां	
३८६	१८६० (१३)	पद	ब्रह्मदास	ब्र०हि०	"	१२-१३	
३८७	१८६० (१५)	पद	सुरदास	"	"	२२ वां	
३८८	१८६० (१६)	पद	मीरा	"	"	२२ वां	
३८९	१८६० (१७)	पद	वासदास	"	"	२२ वां	
३९०	१८६० (१८)	पद	ब्रह्मदास	"	"	२५-२६	
३९१	१८६० (२०)	पद	सीतलदास	"	"	२६-२७	
३९२	१८६० (२१)	पद	ब्रह्मदास	"	"	२७ वां	
३९३	१८६० (२२)	पद	चरनदास	"	"	२८ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६४	१८६० (२३)	पद	सूरदास	ब्रज	१६वीं श.	२८ वां	
३६५	१८६० (२४)	पद	केवलराम	"	"	२८-२९	
३६६	१८६० (२५)	पद	चरनदास	"	"	२९ वां	
३६७	१८६० (२६)	पद	नरसी	रा०गू०	"	२९-३०	
३६८	१८६० (२७)	पद	लघु (?)	ब्र०हि०	"	३० वां	
३६९	१८६० (२८)	पद	नरसी	रा०गू०	"	३० वां	
४००	१८६० (२९)	पद	लच्छीराम	ब्र०हि०	"	३०-३१	
४०१	१८६० (३३)	पद	बालकृष्ण (चन्दसखी)	"	"	३५ वां	
४०२	१८६० (३४)	पद	सूरदास	"	"	३५ वां	
४०३	१८६० (३५)	पद	कवीर	"	"	३५-३६	
४०४	१८६० (३६)	पद	कृष्णदास	"	"	३६-३७	
४०५	१८६० (३८)	पद	श्री भट	"	"	३८ वां	
४०६	१८६० (३९)	पद	तुलसीदास	"	"	३८-३९	
४०७	१८६० (४०)	पद		"	"	३९ वां	
४०८	१८६० (४१)	पद	कवीर	"	"	३९-४०	
४०९	१८६० (४३)	पद	माधोदास	ब्रज.	"	४०-४१	
४१०	१८६० (४४)	पद	मीरा	हि०	"	४१ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४११	१८६० (४५)	पद	सूर	ब्र. हि.	१६वीं श.	४१ वां	
४१२	१८६० (४६)	पद		"	"	४१-४२	
४१३	१८६० (४७)	पद	तुलसीदास	ब्रज०	"	४२ वां	
४१४	१८६० (४८)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	"	४३-४४	
४१५	१८६० (५१)	पद		"	"	४७-४८	
४१६	१८६० (५२)	पद	नरसी	रा. गू.	"	४८ वां	
४१७	१८६० (५३)	पद	मीरा	राज.	"	४८-४९	
४१८	१८६० (५५)	पद	सूर	ब्र०हि०	"	५० वां	
४१९	१८६० (५६)	पद	तुलसी	"	"	५१ वां	
४२०	१८६० (५७)	पद		"	"	५१ वां	
४२१	१८६० (५८)	पद	भीखम	"	"	५१-५२	
४२२	१८६० (५९)	पद	कृष्णदास	ब्रज .	"	५२ वां	
४२३	१८६० (६०)	पद	परसराम	"	"	५२ वां	
४२४	१८६० (६१)	पद	गरीबदास	"	"	५२-५३	
४२५	१८६० (६२)	पद	कल्याण	"	"	५३ वां	
४२६	१८६० (६३)	पद	मीरा	राज.	"	५३-५४	
४२७	१८६० (६५)	पद	ब्रह्मदास	ब्र०हि०	"	५६ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४२८	१८६० (६६)	पद		ब्र०हि०	१६वीं श.	५६-५७	
४२९	१८६० (६७)	पद	कबीर	"	"	५७ वां	
४३०	१८६० (६८)	पद	तुलसीदास	"	"	५७-५८	
४३१	१८६० (७०)	पद	केवलराम	"	"	५९-६०	
४३२	१८६० (७२)	पद	श्रीभट	"	"	६१ वां	
४३३	१८६० (७३)	पद		ब्रज	"	६१ वां	
४३४	१८६० (७४)	पद	मीरा	राज.	"	६१-६२	
४३५	१८६० (७५)	पद		ब्र०हि०	"	६२ वां	
४३६	१८६० (७६)	पद	सूरदास	"	"	६२ वां	
४३७	१८६० (७८)	पद	कबीर	"	"	६५ वां	
४३८	१८६० (७९)	पद		"	"	६५ वां	
४३९	१८६० (८०)	पद	कुमनदास	"	"	६५-६६	
४४०	१८६० (८२)	पद	मीरा	राज.	"	६८ वां	
४४१	१८६० (८४)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	"	६९ वां	
४४२	१८६० (८५)	पद	नागरीदास	"	"	६९-७०	
४४३	१८६० (८६)	पद	सूरदास	"	"	७० वां	
४४४	१८६० (८७)	पद		राज.	"	७०-७१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४४५	१८६० (८८)	पद	नरसी	रा०गू०	१६वीं श.	७१ वां	
४४६	१८६० (८९)	पद	"	रा०	"	७१ वां	
४४७	१८६० (९०)	पद	मीरा	"	"	७१-७२	
४४८	१८६० (९१)	पद	कबीर	ब्र०हि०	"	७२ वां	
४४९	१८६० (९२)	पद	भगवान	"	"	७२-७३	
४५०	१८६० (९३)	पद	मीरा	राज०	"	७६ वां	
४५१	१८६० (९४)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	"	७६ वां	
४५२	१८६० (९५)	पद	कबीर	"	"	७६ वां	
४५३	१८६० (१००)	पद	"	"	"	७६-८०	
४५४	१८६० (१०१)	पद	नंददास	"	"	८०-८१	
४५५	१८६० (१०२)	पद	"	"	"	८१ वां	
४५६	१८६० (१०३)	पद	सूरदास	"	"	८१-८२	
४५७	१८६० (१०४)	पद	मीरा	राज०	"	८२-८३	
४५८	१८६० (१०६)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	"	८३ वां	
४५९	१८६० (१०७)	पद	"	"	"	८३ वां	
४६०	१८६० (१०८)	पद	"	"	"	८४ वां	
४६१	१८६० (१११)	पद	बालकृष्ण (चन्दसखी)	"	"	८५-८६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४६२	१८६० (११२)	पद		ब्र०हि०	१६वीं श.	८६-८७	
४६३	१८६० (११३)	पद	तुलसीदास	"	"	८७ वां	
४६४	१८६० (११४)	पद		"	"	८७-८८	
४६५	१८६० (११६)	पद	मीराबाई	रा०	"	८६-६०	
४६६	१८६० (११७)	पद		ब्र०हि०	"	६८-६१	
४६७	१८६० (११८)	पद	कबीर	"	"	६१ वां	
४६८	१८६० (११९)	पद		"	"	६२ वां	
४६९	१८६० (१२०)	पद	बालकृष्ण चन्द्र(सखी)	"	"	६२ वां	
४७०	१८६० (१२१)	पद	सुखदेव	"	"	६२-६३	
४७१	१८६० (१२२)	पद	नंददास	"	"	६३-६८	
४७२	१८६० (१२४)	पद	लच्छीराम	"	"	१००- १०१	
४७३	१८६० (१२५)	पद		"	"	१०१ वां	
४७४	१८६० (१२७)	पद	जगन्नाथ	"	"	१०२- १०३	
४७५	१८६० (१२८)	पद	कबीर	"	"	१०३ रा	
४७६	१८६० (१३०)	पद	लच्छीराम	"	"	१०४- १०५	
४७७	१८६० (१३१)	पद	सूरदास	"	"	१०५ वां	
४७८	१८६० (१३३)	पद	अग्र	"	"	१०७ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
१७६	१८६० (१३७)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	११८- ११९	
१८०	१८६० (१३८)	पद	अलिलता	"	"	११९- १२०	
१८१	१८६० (१३९)	पद	सुखानन्द	"	"	१२०- १२१	
१८२	१८६० (१४०)	पद	"	"	"	१२१ वां	
१८३	१८६० (१४३)	पद	तुलसीदास	"	"	१२५ वां	
१८४	१८६० (१४४)	पद	मीरा	राज०	"	१२६ वां	
१८५	१८६० (१४५)	पद	अग्रदास	ब्र०हि०	"	१२६ वां	
१८६	१८६० (१४६)	पद	बालकृष्ण (चन्दसखी)	"	"	१२७ वां	
१८७	१८६० (१४७)	पद	मीरा	राज.	"	१२७ वां	
१८८	१८६० (१४८)	पद	"	ब्र०हि०	"	१२८ वां	
१८९	१८६० (१४९)	पद	बालकृष्ण (चन्दसखी)	"	"	१२८ वां	
१९०	१८६० (१५०)	पद	"	"	"	१२८- १२९	
१९१	१८६० (१५१)	पद	जगन्नाथ	"	"	१२९ वां	
१९२	१८६० (१५२)	पद	नन्ददास	"	"	१२९- १३०	
१९३	१८६० (१५३)	पद	"	"	"	१३०- १३१	
१९४	१८६० (१५४)	पद	कवीर	"	"	१३१ वां	
१९५	१८६० (१५६)	पद	सूरदास	"	"	१३२- १३३	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४६६	१८६० (१५७)	पद	हरिदास	ब्र० हि०	१६वीं श.	१३३ वां	
४६७	१८६० (१५८)	पद	तुरसी	"	"	१३३ वां	
४६८	१८६० (१६०)	पद	"	"	"	१३४- ३३५	
४६९	१८६० (१६२)	पद	नन्ददास	"	"	१३६ वां	
५००	१८६० (१६३)	पद	प्रमानन्द	"	"	१३६- १३७	
५०१	१८६० (१६४)	पद	बिहारीदास	"	"	१३७ वां	
५०२	१८६० (१६५)	पद	नन्ददास	"	"	१३७ वां	
५०३	१८६० (१६६)	पद	"	"	"	१३७- १३८	
५०४	१८६० (१६७)	पद	सूरदास	"	"	१३८ वां	
५०५	१८६० (१६८)	पद	कवीर	"	"	१३८- १३९	
५०६	१८६० (१६९)	पद	"	"	"	१३९ वां	
५०७	१८६० (१७०)	पद	हरिदास	"	"	१३९ वां	
५०८	१८६० (१७१)	पद	"	"	"	१३९- १४०	
५०९	१८६० (१७२)	पद	नन्ददास	"	"	१४० वां	
५१०	१८६० (१७३)	पद	कवीर	"	"	१४० वां	
५११	१८६० (१७४)	पद	प्रमानन्द	"	"	१४०- १४१	
५१२	१८६० (१७५)	पद	केवलराम	"	"	१४१ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र संख्या	विशेष
५१३	१८६० (१७७)	पद	सदाराम	ब्र०हि०	१६वीं श.	१४२ वां	
५१४	१८६० (१७८)	पद	वासदास	"	"	१४२ वां	
५१५	१८६० (१७९)	पद		"	"	१४२- १४३	
५१६	१८६० (१८०)	पद	नरसी	रा०गू०	"	१४३ वां	
५१७	१८६० (१८३)	पद	सूर	ब्र०हि०	"	१४६ वां	
५१८	१८६० (१८४)	पद		"	"	१४६ वां	
५१९	१८६० (१८५)	पद	नागरीदास	"	"	१४६- १४७	
५२०	१८६० (१८६)	पद	माधोदास	"	"	१४७- १४८	
५२१	१८६० (१८७)	पद	नामदेव	"	"	१४८ वां	
५२२	१८६० (१८८)	पद	सूरदास	"	"	१४८ वां	
५२३	१८६० (१८९)	पद		"	"	१४८- १४९	
५२४	१८६० (१९०)	पद	कबीर	"	"	१४९- १५०	
५२५	१८६० (१९१)	पद	बालकृष्ण (चन्दसखी)	"	"	१५० वां	
५२६	१८६० (१९२)	पद		"	"	१५०- १५१	
५२७	१८६० (१९३)	पद	बखतो	"	"	१५१ वां	
५२८	१८६० (१९४)	पद	बालकृष्ण (चन्दसखी)	"	"	१५१- १५२	
५२९	१८६० (१९५)	पद	मीयां तानसेन	"	"	१५२ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५३०	१८६० (१६६)	पद	रामदास	ब्र. हि.	१६वीं श.	१५२- १५३	
५३१	१८६० (१६८)	पद	नरसी	रा०गू०	"	१५६ वां	
५३२	१८६० (१६९)	पद	नन्ददास	ब्र. हि.	"	१५६- १५७	
५३३	१८६० (२०१)	पद	अग्रदास	"	"	१५७- १५८	
५३४	१८६० (२०२)	पद	सूरदास	"	"	१५८ वां	
५३५	१८६० (२०३)	पद	मायोदास	"	"	१५८ वां	
५३६	१८६० (२०४)	पद	मीरा	राज.	"	१५८- १५९	
५३७	१८६० (२०६)	पद	मीरा	ब्र. हि.	"	१५९- १६०	
५३८	१८६० (२०७)	पद		"	"	१६० वां	
५३९	१८६० (२०८)	पद		"	"	१६१ वां	
५४०	१८६० (२१०)	पद	बालअलि	"	"	१६१ वां	
५४१	१८६० (२११)	पद	प्रमानन्द	"	"	१६१- १६२	
५४२	१८६० (२१२)	पद		"	"	१६२ वां	
५४३	१८६० (२१३)	पद	भगवानसखी	"	"	१६२- १६४	
५४४	१८६० (२१४)	पद	कृष्णदास	"	"	१६४ वां	
५४५	१८६० (२१५)	पद	प्रमानन्द	"	"	१६४- १६५	
५४६	१८६० (२१६)	पद	तुलसीदास	"	"	१६५ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५४७	१८६० (२१८)	पद		ब्र. हि.	१६वीं श.	१६७ वां	
५४८	१८६० (२२१)	पद	अमरदास	"	"	१६६ वां	
५४९	१८६० (२२२)	पद	सूर	"	"	१६६- १७०	
५५०	१८६० (२२३)	पद	मीरा	राज.	"	१७०- १७१	
५५१	१८६० (२२४)	पद	सुखदास	ब्र. हि.	"	१७१- १७२	
५५२	१८६० (२२५)	पद	सूर	"	"	१७२ वां	
५५३	१८६० (२२६)	पद	कबीर	"	"	१७२- १७३	
५५४	१८६० (२२७)	पद	मीरा	राज.	"	१७३ वां	
५५५	१८६० (२२८)	पद		ब्र. हि.	"	१७३ १७४-	
५५६	१८६० (२३१)	पद	माधोदास	"	"	१७६ वां	
५५७	१८६० (२३२)	पद	नन्ददास	"	"	१७६ वां	गुटका अपूर्ण । १७६ पत्र पर्यन्त ।
५५८	३५७१ (३)	पद		"	१७३७	१२१- १३०	४० पद्य हैं ।
५५९	३५७५ (६३)	पद	शिवचंद्र	रा. गू.	२०वीं श.	२६५- २६६	
५६०	१८८२ (१३७)	पद (एकादशी व्रत महात्म्य)	वेदव्यास	ब्रज	१६वीं श.	७०-७१	
५६१	१८६० (४२)	पद (महादेवस्तुति)	सूर	हिंदी	"	४० वां	
५६२	१८६० (१३५)	पद (रासविलास)	रामदास	ब्रज०	"	११५- ११७	
५६३	१८८२ (१५)	पद (हिंडोलावर्णन)	तुलसीदास	"	"	२३-२४	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५६४	१८८२ (११६)	पद चतुष्क (४)	अग्रदास	"	" "	६३से६४	
५६५	१८६० (८)	पद चतुष्क (४)		ब्र० हि०	" "	७-८	
५६६	१८६० (३७)	पद चतुष्क (४)		"	" "	३७-३८	
५६७	१८६० (१३२)	पद चतुष्क		"	" "	१०५- १०७	
५६८	१८६० (१८२)	पद चतुष्क (४)	मीरा	ब्र. हि. रा.	" "	१४४- १४६	
५६९	१८६० (१६७)	पद चतुष्क		ब्र० हि०	" "	१५३- १५६	
५७०	१८८२ (२०)	पद त्रय	अग्रदास	ब्र०	" "	२५-२६	
५७१	१८८२ (७६)	पद त्रय (३)	सूरकिसोर	ब्र०	" "	५०-५१	
५७२	१८८२ (८६)	पद त्रय (३)	तुरसीदास	"	" "	५३ वां	
५७३	१८८२ (८६)	पद त्रय (३)	कवीर	"	" "	५४-५५	
५७४	१८८२ (११७)	पद त्रय (३)	तुलसीदास	ब्रज	१६वीं श.	६४ वां	
५७५	१८८२ (१७१)	पद त्रय (३)	सूरकिसोर	"	" "	११२- ११५	
५७६	१८८२ (१७८)	पद त्रय (३)	मुरलीदास	ब्रज	" "	११७- ११८	
५७७	१८८२ (१६७)	पद त्रय (३)		"	" "	१२७- १२८	
५७८	१८८२ (२१८)	पद त्रय (३)		"	" "	१३८ वां	
५७९	१८८२ (२२१)	पद त्रय		"	१८१६	१३९ वां	सवाई जैपुर में लिखित । माधोसिंह राज्ये ठाकुर सौभागसिंहजी लिखापित ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५८०	१८६० (३०)	पद त्रय (३)		ब्र. हि.	१६वीं श.	३१-३२	
५८१	१८६० (३१)	पद त्रय (३)	गुमानक(कु)वर (गुमानाबाई)	"	"	३२-३४	
५८२	१८६० (५४)	पद त्रय (३)		ब्रज०	"	४६-५०	
५८३	१८६० (६४)	पद त्रय (३)		ब्र० हि०	"	५४-५६	
५८४	१८६० (६६)	पद त्रय (३)		"	"	५८-५९	
५८५	१८६० (७१)	पद त्रय (३)		"	"	६०-६१	
५८६	१८६० (१२३)	पद त्रय	कबीर	"	"	६८-१००	
५८७	१८६० (१५६)	पद त्रय		"	"	१३३- १३४	
५८८	१८६० (१८१)	पद त्रय (३)		"	"	१४३- १४४	
५८९	१८८२ (२५)	पद द्वय (२)	हरिदत्त	ब्रज .	"	२८ वां	
५९०	१८८२ (२६)	पद द्वय (२)		"	"	२८ वां	
५९१	१८८२ (५७)	पद द्वय (२)		"	"	४२-४३	
५९२	१८८२ (६०)	पद द्वय (२)	सूर	"	"	४५ वां	
५९३	१८८२ (७१)	पद द्वय (२)	गोविन्ददास	"	"	४८-४९	
५९४	१८८२ (८७)	पद द्वय (२)	माधोदास	"	"	५४ वां	
५९५	१८८२ (१०७)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	"	"	६०-६१	
५९६	१८८२ (११२)	पद द्वय (२)		हि०	"	६१-६२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
५६७	१८८२ (११६)	पद द्वय (२)		ब्रज	१६वीं श.	६४-६५	
५६८	१८८२ (१४१)	पद द्वय (२)	गदाधर मिश्र	"	"	७६ वां	
५६९	१८८२ (१५०)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	"	"	६१-६२	
६००	१८८२ (१५५)	पद द्वय (२)	सूरदास	"	"	६२-६३	
६०१	१८८२ (१५७)	पद द्वय (२)	रामदास	"	"	६३ वां	
६०२	१८८२ (१५८)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	"	"	६४ वां	
६०३	१८८२ (१६२)	पद द्वय (२)	मीरा	राज.	"	६४-६५	
६०४	१८८२ (१७२)	पद द्वय (२)		ब्रज०	"	११५ वां	
६०५	१८८२ (१७६)	पद द्वय (२)		"	"	११८- ११९	
६०६	१८८२ (१८३)	पद द्वय (२)	गदाधर	"	"	१२०- १२१	
६०७	१८८२ (१८३)	पद द्वय (२)		"	"	१२६- १२७	
६०८	१८८२ (२०२)	पद द्वय (२)		"	"	१२६- १३०	
६०९	१८८२ (२०३)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	"	"	१३० वां	
६१०	१८८२ (२२०)	पद द्वय (२)	सूरदास	"	"	१३८- १३९	
६११	१८९० (२)	पद द्वय (२)	कबीर	ब्र०हि०	"	३-४	
६१२	१८९० (४)	पद द्वय (२)		"	"	५ वां	
६१३	१८९० (७)	पद द्वय (२)	"	"	"	६-७	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६१४	१८६० (६)	पद द्वय	बालकृष्ण (चन्दसखी)	ब्र०हि०	१६वीं श.	८-६	
६१५	१८६० (१०)	पद द्वय (२)	ब्रह्मदास	"	"	६-११	
६१६	१८६० (१८)	पद द्वय (२)		"	"	२२-२५	
६१७	१८६० (३२)	पद द्वय (२)	मीरा	राज.	"	३४-३५	
६१८	१८६० (४८)	पद द्वय (२)	मीरा	ब्र०हि०	"	४२-४३	
६१९	१८६० (५०)	पद द्वय (२)	कबीर	"	"	४४-४७	
६२०	१८६० (८३)	पद द्वय (२)		"	"	६८-६९	
६२१	१८६० (६३)	पद द्वय (२)	सूरदास	"	"	७३-७४	
६२२	१८६० (६५)	पद द्वय (२)		"	"	७४-७५	
६२३	१८६० (६५)	पद द्वय (२)	नरसी	रा०गू०	"	७५-७६	
६२४	१८६० (१०४)	पद द्वय (२)	प्रमानन्द	ब्र०हि०	"	८२ वां	
६२५	१८६० (१०८)	पद द्वय (२)	बालकृष्ण [चन्दसखी]	"	"	८३-८४	
६२६	१८६० (११०)	पद द्वय (२)		"	"	८४-८५	
६२७	१८६० (११५)	पद द्वय (२)	प्रसोतमदास (पुरुषोत्तमदास)	"	"	८८-८९	
६२८	१८६० (१२६)	पद द्वय (२)	लच्छीराम	"	"	१०१-१०२	
६२९	१८६० (१२६)	पद द्वय (२)		"	"	१०३-१०४	
६३०	१८६० (१४१)	पद द्वय (२)	नन्ददास	"	"	१२२ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
६३१	१८६० (१५५)	पद द्वय (२)	नन्ददास	ब्र०हि०	१६वीं श.	१३१- १३२	
६३२	१८६० (१६१)	पद द्वय (२)		"	"	१३५- १३६	
६३३	१८६० (१७६)	पद द्वय (२)	बालकृष्ण (चंदसखी)	"	"	१४१- १४२	
६३४	१८६० (२००)	पद द्वय (२)	प्रमानंद	"	"	१५७ वां	
६३५	१८६० (२०५)	पद द्वय (२)		"	"	१५६ वां	
६३६	१८६० (२०८)	पद द्वय (२)	सुरदास	"	"	१६०- १६१	
६३७	१८६० (२१७)	पद द्वय (२)	" "	"	"	१६६- १६७	
६३८	१८६० (२१६)	पद द्वय (२)	मीरा	"	"	१६७- १६६	
६३९	१८६० (२२०)	पद द्वय (२)		"	"	१६६ वां	
६४०	१८६० (२२६)	पद द्वय (२)	सुरदास	"	"	१७४ वां	
६४१	१८६० (२३०)	पद द्वय (२)	कवीर	"	"	१७४- १७५	
६४२	१८८२ (१८१)	पदपंचक (५)		ब्रज	"	११६- १२	
६४३	१८८२ (१०५)	पद पंचक		"	"	१३१- १३२	
६४४	१८६० (७७)	पद पंचक		ब्र०हि०	"	६२-६५	
६४५	१८६० (८१)	पद पंचक (५)		"	"	६६-६८	
६४६	१८६० (१३६)	पद पंचक (५)	परमानंद	"	"	११७- ११८	
६४७	१८६० (१४२)	पद पंचक (५)		"	"	१२२- १२५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६४८	१८६०	पदमुक्तावली (स्फुट पदसंग्रह)		ब्र०हि०	१६वीं श.	१७६	गुटका अपूर्ण
६४९	३५६६ (८)	पद संग्रह		"	१७वीं श.	६२-१६६	
६५०	३५७१ (१)	पद संग्रह		"	१७३७	५८	पाटण में लिखित । १७१ पद हैं
६५१	३५७१ (२)	पद संग्रह		"	१७३७	५६-१२१	३२६ पद
६५२	३५७५ (१६)	पद्मावती आलोचना	समयसुंदर	रा०गू०	२०वीं श.	७६-८१	
६५३	११२२ (१४)	पद्मावती छंद	हर्षसागर	"	१६वीं श.	८-६	
६५४	३५४६ (४)	परमेश्वरजीरो छंद	हररूपसेवक	राज०	१८१६	१०-११	
६५५	१८८२ (२०६)	पवित्राएकादशीपद	कुंभनदास	ब्रज	१६वीं श.	१३२ वां	
६५६	१८३६ (१३)	पांडवा की सज्जाय	कान्हू सेवक	राज०	१८३१	६५-६७	
६५७	२०४०	पार्श्वजिनस्तवन	दीप	रा०गू०	१८वीं श.	३	
६५८	३५७५ (८८)	पार्श्वनाथधुग्धरनिसाणी छंद	जिनहर्ष	रा०गू०	२०वीं श.	११७- १२२	
६५९	६७६ (२)	पार्श्वनाथधुग्धरनिसाणी छंद	जिनहर्ष	रा०गू०	१६११	२-४	
६६०	३५५० (२)	पार्श्वनाथधुग्धरनिसाणी	रूप सेवक	रा०	१६वीं श.	६-१२	माधवगढ में लिखित ।
६६१	११२२ (६)	पार्श्वनाथ छंद		रा०	"	५-६	
६६२	३५५५ (३२)	पार्श्वनाथ छंद		"	"	१७४ वां	
६६३	३५४८ (८)	पार्श्वनाथ जीरो छंद		"	"	१३-१४	जीर्णपत्र
६६४	२१०५	पार्श्वनाथदेसंतरीछंद	राजकवि	"	१८वीं श.	१	
६६५	२१०६	पार्श्वनाथदेसंतरीछंद	"	रा०गू०	१६वीं श.	२	
६६६	२३२७ (१)	पार्श्वनाथदेसंतरी छंद	"	रा०	१८६५	२-६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६६७	३५२२	पार्श्वनाथदेसंतरीछंद	राजकवि	रा०गू०	१८वीं श.	२	जीर्णप्रति ।
६६८	३५७३ (३४)	पार्श्वनाथदेसंतरीछंद	"	रा०	१६वीं श.	८६-८८	
६६९	३५४६ (६)	पार्श्वनाथदेसंतरीछंद	"	"	१८१७	११-१२	बरांटीया में लिखित ।
६७०	३१६४	पार्श्वनाथरागमालामय स्तवन	जयविजय	रा. गू.	१८वीं श.	३	
६७१	३६२५ (२)	पार्श्वनाथराजगीता	उदयविजय-वाचक	"	१७७०	५३ वां	
६७२	३५५६ (४)	पार्श्वनाथ स्तवन	समयसुन्दर	"	१६वीं श.	६५-६६	
६७३	३५५० (१)	पावुजीरी निसाणी		राज.	"	१-६	
६७४	३५६० (४)	पावुधाद्योलोतरा दूहा		"	१८वीं श.	१-५	अपूर्ण ।
६७५	३५७५ (१७)	पुण्यछत्तीसी	"	रा०गू०	२०वीं श.	८१-८५	सम्बत् १६६६ में सिद्धपुर में रचना ।
६७६	३५७५ (२६)	पुण्यप्रकाश स्तवन	उ०विनयविजय	"	"	१२२-१३०	रानेर में सं. १७२६ में रचना ।
६७७	२१६१	पुष्कराष्टक	खुसराम	ब्र०हि०	१६१४	२	कर्ता ने कृष्णागढ़ में लिखी ।
६७८	२२६३	पृथ्वीसिंघजीमुजस पच्चीसी सटीक	जयलाल टी० स्वोपज्ञ	"	१६३१	८	कर्ता के हस्तान्तर युक्त पत्र १ से ४ में मूल पाठ है तथा पत्र ५ से ८ में टीका है ।
६७९	११२२ (२५)	पृथ्वीराजसिंघ नो जस	लक्ष्मीकुशल	ब्रज०	१६वीं श.	२४-२५	
६८०	२२३६	पृथ्वीसिंह का शिकार		ब्र०हि०	२०वीं श.	१	
६८१	३५७५ (३१)	पैंतालीस आगमसञ्ज्ञाय	धरमसीपाठक	रा०गू०	"	१३८-१४१	पैंतालीस सूत्रों के नाम और उनकी श्लोक संख्या बताई है । जैसलमेर में रचना ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६८२	३५७५ (३८)	पौषधस्तवन	समयसुन्दर	रा०गू०	२०वीं श.	१८६- १६१	संवत् १६६७ मरोट नगर में रचना
६८३	११२४ (५)	प्रतिमाधिकारवेलि	सामंत	रा०गू०	१६७५	२	
६८४	१८४२	प्रास्ताविक गीत		राज०		१	राजा गजसिंह जीरो सपक्खरो है।
६८५	११२२ (२६)	फतेमहम्मदनो जस		ब्र०	१६वीं श.	२५-२६	
६८६	३५७३ (३६)	फलवर्धिपार्श्वस्तवन		रा०गू०	,,	१०१ वां	जीर्ण प्रति।
६८७	३५६७ (१५)	फूलमाला		राज०	,,	१३१- १३३	
६८८	३५६७ (१७)	फूहडरासो	जैदेव	राज०	,,	१३३- १३४	
६८९	३५६७ (२६)	फूहडरासो		राज०	,,	१४७ वां	
६९०	३५७५ (१३)	बारहभावना सज्जाय	जयसोम	रा०गू०	२०वीं श.	६२-६६	संवत् १६७६ में बीकानेर में रचना।
६९१	३५६७ (२८)	बारह मासो		राज०	१६वीं श.	१४६- १५०	
६९२	२३४७ (१)	वालाकाली स्तुति तथा गंगानवक	खुसराम	ब्र०हि०	१६१३	१-३	सं० १६१३ में अजमेर में रचित। कवि के हस्ताक्षर।
६९३	३५६६ (७)	बावन पद विविधराग तालबद्ध		ब्र०हि०	१७वीं श.	४८-७६	
६९४	६७६ (३)	बाबीसअभक्ष्य वत्तीस-अनंतकाय सज्जाय	लक्ष्मीरत्न	रा०गू०	१६११	४-५	
६९५	११६७	विरदावली		ब्रज	१६वीं श.	३४	महाराज प्रतापसिंह जी की।
६९६	३५७५ (३)	बृहदालोचना स्तवन	राजसमुद्र	रा०गू०	२०वीं श.	२७-३०	
६९७	३५७५ (११)	ब्रह्मचर्य नववाड सज्जाय	जिनहर्ष	रा०गू०	,,	४६-५८	
६९८	३५६७ (१३)	भक्तविडदावली	मल्लकदास	राज०	१६वीं श.	१२८- १२६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६६६	२२५७	भंडारी भानीरामजीरो गीत		राज०	२०वीं श.	१	
७००	२२५६	भंडारी सिवचंदजीरो गीत		"	"	१	
७०१	२३६८ (१३)	भमराकी सज्जाय	महमद	"	१८४८	४२-४४	
७०२	३५४६ (७)	भवानीजीरो छंद	उदो	"	१६वीं श.	१२-१३	
७०३	२३२६ (२)	भवानीदासजीरो गीत आदि	साधूरामजी सेवक	"	"	३-४	
७०४	२८६३ (३७)	भावनागीत	हीरकलश	रा०गू०	"	७० वां	
७०५	२१४७	भावनाविलास	ज्ञानसागर	ब्र०हि०	१८३६	१६	
७०६	३८५८	भाषाभावना गद्य	हरिरायजी	"	१८वीं श.	५	
७०७	२२३६	मेंरूजी को कवित्त		"	२०वीं श.	१	
७०८	३५४३ (३)	मनमोहन पार्श्वनाथ स्तवन	ज्ञानविमल	रा०गू०	१८८५	६-७	
७०९	६३२	मरसिया	कुंअरकुशल	ब्रज	१८६८	६	कच्छनरेश लखपत सिंह के ।
७१०	६१७	महाराजरायधणजीरा छंद सार्थ	मोदू (१) गोदड	रा०	१६वीं श.	४	
७११	११२२ (४५)	महाराजश्रीगोहडजी नो जस	कनककुशल	ब्रज	"	६१ वां	
७१२	११२२ (३३)	महाराजश्री जीना कवित्त	जसराज आदि	"	"	३०-३२	कच्छनरेशों के स्तुति काव्य हैं
७१३	१८३२ (१)	महाराजरायधणजी । को छंद		राज०	"	१-४	मज्जल में लिखित ।
७१४	३५७५ (८०)	महावीरजिनपंचकल्याण स्तवन	रामविजय	रा०गू०	२०वीं श.	३४०- ३४६	सुरत में संवत् १७७३ में रचना ।
७१५	३५७५ (३२)	महावीरजिन स्तुति	जिनलाभसूरि	"	"	१४१ वां	
७१६	३५७५ (१५)	महावीरदेव स्तवन	समयसुन्दर	"	"	७७-७९	
७१७	३५७५ (८२)	महावीर सत्तावीश भवस्तवन	शुभविजय	"	"	३५२- ३६०	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७१८	१०८६	माणभद्र छंद	शांतिसूरि	रा०गू०	१८७०	४	
७१९	१०९१	माणभद्र छंद	गुलाल	"	१९वीं श.	३	
७२०	२०६७	माणभद्र छंद	उदयविजय	"	"	२	
७२१	३५४७ (६)	माताजीरो छंद	नरसिंघचारण	राज.	"	८७ वां	
७२२	३५४७ (१०)	माताजीरो छंद	भगवानभोजग	"	"	८८-८९	
७२३	३५४७ (१२)	माताजीरो छंद	सारंग कवि	"	"	९१ वां	
७२४	३५४७ (१३)	माताजीरो छंद	आढ़ोडूरसोजी	"	"	९१ वां	
७२५	३५७० (३)	मानमाधुरी पद्य	माधोदास कपूर	ब्र०हि०	१८वीं श.	७१-८१	
७२६	३४०८	मीरा कबीर आदि के अनेक पद संग्रह	मीरा कबीर आदि	रा०	१८६०	२०	
७२७	२१६६	मुंताप्रतापचंदजी की गीत		ब्र०हि०	२०वीं श.	१	
७२८	३५७५ (३७)	मुनिमालिका	चारित्रसंघ	रा०गू०	"	१८१- १८६	सं० १६३६ रिणी- पुर में रचना।
७२९	३६७६	मुनिमालिका	चारित्रसिंह	रा०	१९वीं श.	२	सं० १६३६ में रिणीपुर में रचित।
७३०	१८८६ (१३)	मुरलीविहार	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	"	६१से६३	
७३१	११२२ (६५)	मुसलमानना कलमाना कवित्त		ब्र०हि०	"	८५-८६	
७३२	२२५४	मुहणोतसिरदारमलका कवित्त		"	२०वीं श.	१	
७३३	२२५५	मुँहता बाँकीदासजीरो गीत		रा०	"	१	
७३४	२२१७ (२)	मृगापुत्रसज्जाय	खेममुनि	"	१८वीं श.	३ रा	
७३५	२३२६ (१)	मेवाड़को छंद	जिनइन्द्र (जिनेन्द्र)	"	१९वीं श.	१-३	मेवाड़ के दोषों का वर्णन है।
७३६	८६३	मोहणोतप्रतापसिंघरी पचीसी	शिवचंद सेवक	"	१८५७	६	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
७३७	३५७५ (२४)	युगादिस्तवन	सहजकीर्ति	रा०गू०	२०वीं श.	१०२- १०४	
७३८	२२४५	रतनविजयजी को कवित्त	खुसराम	ब्र०हि०	"	१	
७३९	१८८६ (२)	रमकभूमकवत्तीसी	सवाई प्रताप सिंहजी	हि०	१६वीं श.	३-५	रचना सं० १८५१
७४०	१८३६	रसिक सुरती मास	ब्रह्मानन्द	रा०गू०	१७४४	२	प(ख)ड नग लिखित
७४१	२२४४	राजसिंघजी को कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श.	१	
७४२	११२२ (४७)	राजाराउविरदावली		ब्र०	१६वीं श.	६३ वां	
७४३	३६८६	राजीमतीमंगल	जिनदास	रा०	"	२	कर्णालनगर में लिखित । ८० पद्य हैं ।
७४४	१८३६ (१५)	राजुलपचचीसी	आनंदचंद(?)	ब्रज	१८३२	१११- ११८	गुटका
७४५	३६८७	राजुलपचचीसी	लालचंद	रा०	१६वीं श.	८	
७४६	८६६	राधाकृष्ण संवाद		ब्र०	१६०३	५	
७४७	११२२ (१६)	राधाकृष्ण संवाद		रा०	१६वीं श.	११-१३	
७४८	३५४७ (७)	रामचंदप्रजीरो सपखरो		"	"	८५ वां	
७४९	८०२	रामरक्षास्तोत्र		"	१८६४	१	
७५०	११२२ (१५)	रामाभैरव (भैरुसाह) का छन्द	जेसकवि	"	१६वीं श.	६ वां	
७५१	१८६८ (६)	रायसिंहजी का गीत आदि		ब्र०हि०	१८वीं श.	१-३	गुटका
७५२	३४८४	रावणसंवाद	लावण्यसमय	रा०गू०	"	२	
७५३	११२२ (२०)	रावन मंदोदरीसंवाद		रा०	१६वीं श.	१३-१४	
७५४	१८८६ (१२)	रासको रेखतों	सवाई प्रताप सिंहजी	हि०	"	५६-६१	
४५५	३५४३ (२)	रेटियाससज्जाय	रतनबाई	रा०गू०	१८८२	२-३	सं० १६३५ में मेडता नगर में रचित ।
७५६	३५७३ (५६)	रोहिणीतपमहिमास्तवन	श्रीसार	रा०	१६वीं श.	१६६ वां	सं० १७०० में रचित, जीर्ण प्रति ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
७५७	३५७५ (५५)	रोहिणीस्तवन	श्रीसार	रा०गू०	२०वीं श.	२६०-२६४	
७५८	११२२ (३६)	लखपतिराय राय- धणजी पृथ्वीराज के कवित्त		ब्र०	१६वीं श.	४४ वां	
७५९	११२२ (६१)	लाखाफूलाणीना कवित्त		राज०	"	८३ वां	
७६०	२८६३ (८)	वर्तमानादि चौविंसी नमस्कार पद्य	हीरकलश	रा०गू०	१७वीं श.	४-५	
७६१	११२३ (१६)	विचारस्तवन		"	"	७७ वां	
७६२	११२२ (६)	विजयप्रभसूरिनी वृद्धि साणी छंद	विजय	रा०	१६वीं श.	४ था	
८६३	८६७	विनायकीटीको तथा जसराजनो छंद	केसोदास	सं०ब्र०	"	३	
७६४	३५४६ (१)	गुण विवेकवाररी नीसाणी		रा०	१८०६	१-५	बराटीया में लिखित ।
७६५	३५५५ (१८)	विवेकवाररी नीसाणी	केसोदास	"	१६वीं श.	११४-१२१	
७६६	३५५५ (२२)	विवेकवाररी नीसाणी	"	"	"	१४५ वां	
७६७	३५७३ (७)	गुण विवेकवाररी नीसाणी	"	"	"	३० वां	जीर्ण प्रति ।
७६८	३६६६	विवेकवाररी नीसाणी	"	"	"	११	
७६९	२३६६ (६)	वियोगवेली		ब्र०हि०	"	१७६-१७२	मानपुर में लिखित ।
७७०	२८२८	विविधपदसंग्रह	चत्रभुज अधा- रूजी परसजी कीताजी सोमजी माधौ जगनाथ आदिअनेककवि	रा०ब्र०	"	फुटकर पत्र ३२	
७७१	३५७३ (२५)	विषयस्तवन		रा०गू०	"	५० वां	जीर्ण प्रति ।
७७२	३५७५ (८३)	विरहमानस्तवन	ध्रमसी	"	२०वीं श.	३६१-३६५	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७७३	२८६३ (३४)	बीकानेर मंडन आदि जिनस्तवन	हीरकलश	रा०गू०	१७वीं श.	६६ वां	दुंदकमतनिराकरण कृष्णगढ़ में लिखित । इदलपुर में दोसी मूला सुत दोसी मेघा के लिये संवत् १७३३ में रचना ।
७७४	३५७५ (६७)	वीरजिनगुहली	विद्यारंग	"	२०वीं श.	२६६ वां	
७७५	३५७५ (८१)	वीरजिनपंचकल्या- णक स्तवन	सकलचंद्र	"	"	३४६- ३५२	
७७६	४१६	वीरजिनस्तवन	मू०यशोविजय	"	१८७६	८६	
७७७	३५७५ (७८)	बालावबोध सहित वीरजिनस्तुति स्तवन	बा० पद्मविजय यशोविजय	"	२०वीं श.	३२७- ३४०	
७७८	३५७५ (६५)	वीरदेशना स्तवन	शिवचंद्रपाठक	"	२०वीं श.	२६७- २६८	जीर्ण प्रति ।
७७९	३५७५ (७२)	वीरदेशना स्तवन	शिवचन्द्र	"	"	३०६ वां	
७८०	३५७५ (२३)	वीसस्थानक स्तवन	बसतो मुनि	"	"	१००- १०२	
७८१	३५७५ (५१)	वैराग्य सङ्गाय	विजयभद्र	"	"	२४८- २५०	
७८२	२८६३ (४४)	शत्रुंजय इगतालीस नामगर्भितनमस्कार		"	१७वीं श.	८७-८८	
७८३	३५७५ (५७)	शत्रुंजयवीनति	देवचन्द्र	"	२०वीं श.	२७७- २८०	
७८४	२८६३ (४)	शत्रुंजयस्तवन	रंगकलश	"	१७वीं श.	३ रा	
७८५	३५७५ (२७)	शान्तिजिनस्तवन	मेघमुनि	"	२०वीं श.	११३- ११७	
७८६	२३६८ (३)	शान्तिनाथस्तवन	गुणसागर	राज०	१६वीं श.	२६-३१	
७८७	२३६८ (१०)	शान्तिनाथस्तवन	शान्तिकुशल	रा०गू०	१६वीं श.	३६ वां	
७८८	३५७३ (२३)	शान्तिनाथस्तवन	हर्षधर्म	"	"	६८-६९	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
७८६	२०७१	शारदा छंद	शान्तिकुशल	रा०गू०	१६वीं श.	३	
७८७	२०७४	शारदा सरस्वती छंद	"	"	१८७०	२	
७८९	२१०२	शारदा छंद	"	"	१६वीं श.	२	
७९२	३५७५ (३०)	शाश्वतजिनवरस्तवन	"	"	२०वीं श.	१३०- १३८	समीनयर में सं० १७१४ में रचना ।
७९३	२१७२	शाहजहांकवित आदि		हि०	१८वीं श.	१	
७९४	३५७५ (५३)	शिखामण स्वध्याय		रा०गू०	२०वीं श.	२५१- २५२	
७९५	३५७५ (५)	शीतलनाथ स्तवन	समय सुन्दर	"	"	३२-३४	
७९६	२८६३ (२६)	शुद्धसमकितगीत	हीरकलश	"	१६२२	६० वां	डीह्याणा में रचना ।
७९७	२३०६	श्यामाजी की आरती	मगनीराम	राज०	२०वीं श.	१	
७९८	२३०७	श्यामाजी की आरती	"	"	"	१	
७९९	२३१७	श्यामाजी की भैरव की आरती	"	"	१६१६	२	अजमेर में लिखित कवि के हस्ताक्षर ।
८००	३५७३ (३५)	सचिआइजीरो छंद	रघुपति	"	१६वीं श.	८८-८९	जीर्ण प्रति ।
८०१	२८६३ (११७)	सज्जाय	हीरकलश	रा०गू०	१६२२	१७३ वां	लाङ्गू में लिखित ।
८०२	३५७३ (४६)	सज्जाय स्तवन आदि		"	१६वीं श.	१२०- १२८	जीर्ण प्रति ।
८०३	३५७३ (६)	सज्जाय स्तवन संग्रह		"	"	३१-३२	जीर्ण प्रति ।
८०४	१०१३	सनीसर छंद		"	१८वीं श.	१	
८०५	२१०४	सनीसर छंद		"	१६वीं श.	१	
८०६	२३०६ (४)	सनीसर छंद	हेम	राज०	"	१५-२०	
८०७	३०२० (१)	सनीसर छंद	"	"	१८वीं श.	१ ला	
८०८	३५४८ (२)	सनीसर छंद	"	"	"	१६-२०	जीर्ण प्रति ।
८०९	३५५४ (२०)	सनीसर छंद	"	"	१६वीं श.	३१ वां	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
८१०	३५६२ (७)	सनीसर छंद	हेम	राज.	२०वीं श.	५६-५६	
८११	३६५४	सनीसर छंद	"	"	१७४४	१	जगत्तारिणी में लिखित ।
८१२	३५६२ (८)	सनीसरजीरो स्तोत्र		"	२०वीं श.	५६-६०	
८१३	२२७६	सबद	मगनीराम	"	१६२०	४	कृष्णगढ़ में लिखित ।
८१४	३५४३ (४)	समकितसज्माय	लक्ष्मीसुन्दर	रा. गू.	१८८२	७-६	सं० १७२४ में राजनगर में रचित ।
८१५	२३७४ (४)	समरा सारंग कडखो	देपाल कवि	"	१६वीं श.	२५से२६	
८१६	३५७५ (६६)	समवसरण देशना	शिवचंद्र	"	२०वीं श.	३००- ३०३	
८१७	३५७५ (७५)	समवसरण स्तवन	धर्मवर्द्धन	"	"	३०८- ३११	
८१८	३५७५ (७६)	सम्भवजिनस्तवन	सुखलाल	"	"	३४० वां	अजमेर नगर में सं० १६१२ में रचना ।
८१९	२८६३ (२०)	सरस्वती गीत	लावण्यसमय	"	१७वीं श.	१२ वां	
८२०	२८६३ (२१)	सरस्वती गीत	मतिसुन्दर कान्हयउ (?)	"	"	१२ वां	
८२१	६६७	सरस्वती छंद	शान्तिकुशल	"	१६वीं श.	२	
८२२	३२४४	सरस्वती छंद	सहजसुन्दर	"	"	२	
८२३	३५४८ (६)	सरस्वती छंद	हेम	राज.	"	१४-१६	
८२४	२३१२	सरस्वती छंद	"	"	"	२	
८२५	२३२७ (३)	सरस्वती छंद	दयासूर	"	"	१६-१७	
८२६	४२३	सरस्वती छंद गीतादि		रा०	१८०५	१	हुरडा में लिखित ।
८२७	१८८२ (२०४)	सवैयो (?)	लघुकेसो	ब्रज	१६वीं श.	१३०- १३१	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८२८	८७८	संजोगवत्तीसी	मानकवि	ब्रज	१६वीं श.	५	सं० १७३१ में अम-रचंदमुनि के आग्रह से रचित ।
८२९	११३७	संजोगवत्तीसी	"	ब्र०हि०	१७१३	११	सं० १७३१ में अम-रचंदमुनि के आग्रह से रचित ।
८३०	३६६०	संजोगवत्तीसी	"	"	१७७६	४	सं० १७३१ में रचित ।
८३१	१८८२ (४०)	सांझी गीत		ब्रज	१६वीं श.	३८ वां	
८३२	२८६३ (३६)	सात वि (व्य) सनगीत	हीरकलश	रा०गू०	१६२२	७० वां	सं० १६२२ में लाड (नू) में रचित, उसी समय में लिखित होना संभव है ।
८३३	२१७६	साधुवंदना	पासचंद	"	१७३५	६	पाली में लिखित ।
८३४	११२२ (४३)	सामू वहनो संवाद		गू०	१६वीं श	५३ वां	सं० (१८) १२ के दुष्काल से संबंधित रचना ।
८३५	३५४६ (८)	साहिबमहरवांन छंद	हररूपसेवक	हि०	१६वीं श.	१३ वां	कवि का निवास स्थान सोमनाथ(ज) था,
८३६	३५७५ (५८)	सिद्धचेत्रचैत्यपरिपाटी	देवचंद्र	रा०गू०	२०वीं श.	२८०-२६१	
८३७	११२२ (२७)	सिद्धरायजैसिंघना कवित		ब्रज	१६वीं श.	२६ वां	
८३८	११२२ (३१)	सिद्धरायजैसिंघना कवित		"	"	२८ वां	
८३९	३५११	सिद्धान्त चोपाई		रन०	१७वीं श.	१	
८४०	३५६७ (७)	सीकोतरीछंद		रा०	१६वीं श.	१०६-१०७	
८४१	१८८२ (१४९)	सीताराम विवाह	हरि	ब्रज	"	८१से६१	
८४२	२३२७ (२)	सीमंधरजिन त्रिभंगी छंद आदि		रा०	"	१०-१५	
८४३	३५७३ (२८)	सीमंधरजिन वीनति	भक्तिलाभ	रा०गू०	"	७६-८०	जीर्ण प्रति ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८४४	३५७५ (४)	सीमंधरजिन वीनति	भक्तिलाभ उपाध्याय	रा०गू०	२०वीं श.	३०-३२	
८४५	२३७४ (१६)	सीमंधरजिनस्तवनादि स्तवन		,,	१६वीं श.	८०से८३	
८४६	२२१८ (१)	सुखसंवाद	सुखदेव	ब्रज	,,	१-१०	
८४७	१८२३	सुदर्शन ऋषिसज्जमाय		रा०गू०	१७७६	३	
८४८	३५५० (१३)	सुदर्शन सज्जमाय	हर्षकीर्ति	,,	१६वीं श.	८८-८६	
८४९	२८३२ (४)	सुदामा की वाराखडी		राज०	१७७४	८५-८८	
८५०	२२१७ (३)	सुमति जिनस्तवन	खेममुनि	रा०गू०	१८वीं श.	३ रा	
८५१	३५१० (३)	सुरप्रियऋषिसज्जमाय	लक्ष्मीरत्न	,,	,,	३से४	
८५२	१८८६ (६)	सुहागरेंनि	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	,,	२३से२४	रचना सं० १८४६।
८५३	२३६८ (६)	सूरजजी की सिलोको	सेवग	रा०	१६वीं श.	३७से३६	
८५४	३५६२ (३)	सूरजजी रो सलोको		,,	१६५६	१७-१८	
८५५	३२५५	सूरज देवतारो सलोको		,,	१८०१	१	
८५६	३५५७ (३)	सूरज देवतारो सलोको		,,	१८वीं श.	७२ वां	
८५७	११२२ (३७)	सूरजनी स्तुति कवित्त		ब्रज	१६वीं श.	३६ वां	
८५८	११६५	सूर्यजीरो सिलोको		रा०	१८५३	१से३	गुटका है। पत्र ४ से ३८ तक जैन स्तवनादि हैं।
८५९	३५४६ (२)	सेरसिंहमेडतीया आदि अनेक राजाओं का सपखरा छंद आदि		,,	१६वीं श.	६-१०	
८६०	१७६ (१)	स्तंभनपार्श्वनाथ उत्पत्तिस्तव	कुशललाभ	रा०गू०	१६११	१-२	



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८६१	३५७५ (८)	स्तंभनपार्श्वनाथ स्तवन	कुशललालाभ	रा०गू०	२०वीं श.	३८-४४	खंभायत में रचना ।
८६२	२३०८ (२)	स्तवनपदआदिसंग्रह		"	१८६१	१७-४३	
८६३	३५४६ (६)	स्तवनादि		"	१६वीं श.	१७-४८	
८६४	३५६७ (२३)	स्तवनादि		राज०	"	१४२- १४५	
८६५	११२२ (५१)	स्तुति	पृथ्वीराज चहुआण	हि०	"	६८-६६	
८६६	३५५० (१४)	स्थूलिभद्रसज्जाय	देवकुमारी (?)	रा०गू०	"	८६-६०	
८६७	३५५५ (४६)	स्याद्वादनयस्तवन	श्रीसार	"	२०वीं श.	२३६- २४०	
८६८	३५५५ (६)	हरिगुणकष्टहरणस्तोत्र	चंद कवि	रा०	१६वीं श.	१४ वां	
८६९	३५६७ (१२)	हरजस		"	"	१२७- १२८	
८७०	३०६	हरिरस		ब्र०हि०	१८६०	१५	पद्य रचना ।
८७१	२३७७ (३)	हरिरस	ईसरवारोट ( बारहट )	रा०गू०	१८०७	१६	चोबारी में लिखित ।
८७२	३५५५ (८)	हरिरस	ईसरदास बारहट	"	१६वीं श.	६-१४	
८७३	३५५७ (८)	हरिरस	ईसरदास बारहट	"	१७६६	८२-६७	
८७४	३५६७ (५)	हिगुलाजप्राण देवायण	ईसरदास बारहट	राज०	१६वीं श.	१००- १०५	
८७५	२२२४	हिंडोला के कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श.	४	
८७६	२८६३ (६५)	हीरकलशमुनिस्तुति	बिल्हण	रा०	१७वीं श.	१६१	द्वादश दल कमल बंध में एक काव्य है ।



क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि- समय	पत्र- संख्या	विशेष
८७७	२३६८ (७)	हीरसूरिसञ्ज्ञाय	आणंद	राज०	१६वीं श.	५० वां	
८७८	३५७३ (४)	हुणाडा मंडन	देवसूरि	रा०गू०	१६वीं श.	१८ वां	जीर्ण प्रति ।
८७९	१८८६ (१०)	होरीबहारपद की टीका	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	१७वीं श.	३६से५५	



## ग्रन्थकार-नामानुक्रमणिका

नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
<b>अ</b>		<b>अ</b>	
अग्र	२६५, २६७, २७०, २७८	अर्जुनजी	२५४
अग्रदास	१६०, २६३, २६६, २७१, २७६, २८२, २८३, २८४	अर्जुनचंद्र	१३२
अगस्ति मुनि	१६	अलिलता	२७६
अजित देव	१६५	अविचल	२०४
अधारूजी	२६५	अश्वघोष भिक्षु	१८६
अनुभूति स्वरूपाचार्य	७८, ८०, ८१, ८२	अहोबल	१६
अनन्तदेव	२८, ४८	<b>आ</b>	
अनन्तराम मिश्र	१७५	आढ़ो दुरसोजी	२६३
अन्नभट्ट	७०	आणन्द	२०२
अप्पय्य दीक्षित	१४५, १४६	आतमराम	६४
अभयकुशल	११५	आत्माराम	६८
अभयदेव	१२, १८०	आनंद कवि	१२७
अभयसोम	२१३, २१६, २२०	आनंदधन	१५५
अमृत	२६२	आनंदचंद्र	२६४
अमृतविजय	२६२	आनंदनिधान	२१६
अमर	७४	आनंदनिधि	१८
अमरकवि	८७	आनंद भारती	१७०
अमरकीर्ति	१६०	आनंदराम	४०
अमरचन्द्र	८४, १४६	आनंदसुन्दर	७३
अमरचन्द्र सूरि	१३५	आसकरन	२६६
अमरप्रभ	१०	आसङ्ग	१८८
अमरसाधु सोमसुन्दर शिष्य	११५	आशादित्य	२१
अमरसिंह	८६, ८७	आशाधर	१०८
अमरसुन्दर	३३, २३७	<b>ई</b>	
अमरेश	२५	ईसर	१५३
अमितगति	७०	ईसर बारोट (वारहठ)	३०१
		ईसरदास	२५४



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
<b>उ</b>		कनककवि	२१५
उत्तमविजय	२०८	कनककीर्ति	२०६, २०८, २५६,
उत्तमसागर	२०४	कनककुशल	२, २३८, २४६, २६२
उत्पलभट्ट	१०५, १०६, १०७, १११, ११३, ११७	कनकनिधान	२१६
उदयधर्म	७७	कनकविमल	१६८
उदयभालु	२२०	कनकसुन्दर	२१७
उदयरत्न	२१६, २१६, २३०, २६२	कनकसोम	१६५, २३०
उदयरतन	२०३	कनकसोम वाचक	२१२
उदयराम गोड़	१६७	कवीर	१५३, १५४, १५५, १५६, १५७, १६६, २६५, २६८, २६६, २७०, २७१, २७३, २७४, २७६, २७७, २७८, २७६, २८०, २८१, २८३, २८४, २८५, २८६, २८७, २८८, २६३
उदयविजय	२६३	कमलविजय	२५७
उदयविजय वाचक	२६०	कमलहर्ष	२५३
उदयसागर	१८५	कँवलानन्द	२६३
उदयसौभाग्य	८३	कमलाकर भट्ट	३८
उदो	२६२	कर्णपूर	१२८
उपमन्यु	१६	कल्याण	६२, १०१, १०४, १२७, २०६, २५५, २७५
<b>ऋ</b>		कल्याणदेव वर्मा	१२०
ऋषभ	२५३	कल्याणतिलक	२०६, २१५
ऋषभदास	२३१	कल्याणतुरसी	१६०
ऋषभसागर	२२२	कल्याणपंडित	१७२
ऋषभ श्रावक	२५७	कल्याणसागर	७७
<b>क</b>		कविमान	२३१
कृष्ण	१५०	कवियण	२६२
कृष्ण कवि	१४३	कविराज शर्मा	१६
कृष्णदास	१६६, २१६, २६४, २७०, २७४, २७५, २८२	कवीन्द्र सरस्वती	६८
कृष्ण दैवज्ञ	६८, १२०	कात्यायन	२१, २५, ३८, ३६, ४६
कृष्ण भट्ट	७२, ७५, ७६	कान्ति	२५२, २५६
कृष्ण मिश्र	७७, ७८, १३५	कान्तिविजय	१८, १६६, २१२, २४६, २६२
कृष्णानन्द	६६		
कृष्णानन्द वागीश	२८		



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
कानेड़दास बारैठ	१६२	केवलराम	४, १०१, २६८, २७३,
कान्हडऊ	२६८		२७४, २७६, २८०
कान्हू सेवक	२८६	केसरसिंह	१५६
कालिदास	३, ११, १२४, १२५, १२८, १३०, १३२, १३८, १३६, १४०, १४१, १४३	केसोदास	२६०, २६५
कालिदास व्यास	८७	केसोदास गाडण	२६१
कालीदास दामोदरात्मज	८७	केशर कुशल	२५६
काशीनाथ	७५, ७८, ८२, १०५, ११३, ११६, ११७, १७०	केशराज	२१८
किसनदास	२५४, २६६	केशव	१६८
किसनदास	१६२	केशवदास	२२, २४, १३२, १४०, १४५, १५०, १५२, २४५
किशोरदयाल	१५५	केशव दैवज्ञ	११६
कीको	१५८	केशव भट्ट	२७
कीताजी	२६५	केशव मिश्र	६६
कीर्तिविजय	१८८	कैवल्याश्रम	१६
कुँअरकुशल	१४०, २५३	कोकदेव	१२७
कुँदकुँद	१६१	कौण्ड भट्ट	७७
कुँभकर्ण	१२६	<b>ख</b>	
कुँभ ऋषि पार्श्वचंद्र शिष्य	१६०		
कुँभनदास	२६७, २८६	खिडियो जगो	२१६
कुमनदास	२७६	खुसराम (मगनीराम)	१४५, १४६, १४७, १४८, १५७, १५८, १६०, १६२, १६३, १६४, १६५, २५४, २५५, २५८, २६०, २६१, २६४,
कुमारपाल	७४	खेतल	२५७
कुमुदचंद्र	२	खेताक	२५३
कुलपति मिश्र	१४६	खेमराज	१६६
कुँवरकुशल	८८, २६२	खेममुनि	१६६, २६३, ३००,
कुसुमदेव	१५७	खेमो	१६३
कुशलधीर	२११	<b>ग</b>	
कुशललाभ	२१२, २१३, २५६, २६०, ३००, ३०१		
कुशलसागर	२२२	गणपति	१०६, ११२
कुशलसंयम	२३१	गणेश	११२, २७२
कुशलहर्ष	२०६	गणेश दैवज्ञ	६५, ६६, १०५
केदार भट्ट	११२, १२४		



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
गदाधर	१२४	गंगाधर भट्ट	५२
गदाधर मिश्र	२७१, २८६	गंगेश्वर	६६
गर्ग ऋषि	१०५	गंभीरविजय	१८३
गरीबदास	२६५, २६६, २७५		
गिरिधर	६६, १४४, १५५, २५६,	<b>घ</b>	
गुणविनय	१३१, १३६,	घनश्याम मिश्र	१६५
गुणरत्न	७१, ७४, २२५		
गुणविजय	१७	<b>च</b>	
गुणसागर	१५६, १६८, २०३,	चक्रवर्ती	१५
	२१०, २६६	चत्रदास	२६७
गुणाकर	१०	चत्रभुज	२६५
गुणानन्द शिष्य	२६०	चतुर्भुजदास	२१२
गुपाल कवि	१५६	चरनदास	१२२, २६४, २६५,
गुमान कुँवर	२८५		२७३, २७४
(गुमाना बाई)		चामुण्ड कायस्थ	१७२, १७४,
गुलाल	२६३	चारित्रवर्धन	१३०
गेल्लू	२६३	चारित्रसिंह	७४, २६३,
गोकलदास	२६६	चारित्रमुन्दर	१४३, २०५
गोदड़दास	२३०	चारित्रसंघ	२६२
गोपाल	७४, १४६, २१०, २४१	चिदानन्द	१२२
गोपालदेव	७६	चिन्तामणि	११२
गोपाल लाहोरी	१३०	चित्र भट्ट	६६
गोपीनंद	२६६	चिरंजीव भट्टाचार्य	१२४
गोरक्ष	६८	चुनीलाल	२५७
गोरखनाथ	२५६	चोमड़	१६६
गोवर्धन	१००, १०१,	चंद्रकीर्ति	७६, ८०, ८२,
गोवर्धनाचार्य	१६६	चंद्रकीर्ति सूरि	२८१
गोविन्द्र	१०६	चंद्रतिलकोपाध्याय	२३७
गोविन्द दास	२८५	चंद्रदत्त	३, ७,
गोविंद (विद्याविनोद भट्टाचार्य)	२७	चंद्रदत्त ओझा	२५४
गोस्वामी	१२	चंद्रप्रभसूरि	१८६
गंग	१६२	चंद्रसूरि शिष्य (?)	२२८
गंगकुराल	५	चंद्रशेखर	१२४
गंगाधर	२६, ४०, ११३	चंदवरदाई कवि	२०६



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
चंद कवि	३०१	जयलाल	२५४, २६१, २६०
चंदभाण	२०३	जयविजय	२६०
चंद महत्तर	१६०	जयसिंह सूरि	१२६
चंदसखी	२७१, २७२, २७४, २७७, २७८, २७९, २८१, २८७, २८८	जयसोम	१६०, २६१
		जयशेखर	१८७, १६०, २४१
		जयशेखर शिष्य मतिकुशल,	२२४
		जयानन्द	७
		जवानसिंह	२५५
		जसराज	२६२
		जसवन्तसिंह	५६, १४७
		जसुराम	१६३
		जानकवि	२१६
		जावड़ (?)	२२५
		जितचंद	२५२
		जिनइन्द्र (जिनेन्द्र)	२६३
		जिनकीर्ति	७
		जिनचंद्र	२५५
		जिनदत्त सूर	१८६
		जिनदास	२६४
		जिनप्रभ	१, ६, १८८
		जिनमाणिक्य	२३६
		जिनराज	२५७
		जिनराजसूरि	२५८
		जिनरंग	१५६, २३०
		जिनलाभ	२६१
		जिनलाभ सूरि	२६२
		जिनवल्लभ	१८७, १८८, १६१, २४४
		जिनसागर	१५४
		जिनसार	१८५
		जिनसुन्दर	५५
		जिन सूरि	२४५
		जिनहर्ष	१५५, १५६, १६४, १६६, २२०, २२१, २२२, २२६, २५६, २६१, २८६, २६१.
छीतम दास	२७०		
ज			
जगो खिड़ियो	२१६		
जगदीश भट्ट	१४०		
जगनाथ	२६५		
जगन्नाथ	६, ८२, १२७, १५५, २०८, २७८, २७९		
जगन्नाथ कविराज	२७०		
जगन्नाथ पण्डितराज ३			
जगन पुष्करणा	१३२		
जटमल	१६६		
जनकवि	२२७		
जनमोहन (?)	२११		
जनार्दन	१४०		
जयकवि	१४७		
जयकीर्ति	१३०, १३१, १८६		
जयतिलक	१८७, २४४,		
जयतिलक सूरि	२४६		
जयदेव	४, १२८, १३१, १३२, १४७, २६६,		
जयपाल	२५४		
जयमुनि	५३		
जयराम	७४, ७८		
जयरंग	१६७		



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
जिनेन्द्रसागर	२४३	द	
जिनोदय	२३१	दयासिंह गणि	१८५, १६०
जीवनराज	२०२	दयासूर	२६८
जीवनाथ	१२२	दयाशील	२०५
जीवविजय	१८७	दादूदयाल	१५६
जीवोः ऋषि	१५४	दान	२४४
जेराज कवि	२२८	दानसागर	२२८
जेसकवि	२६४	दामोदर	३२, १७८,
जैकिसन	१२४	दामोदरदास	१५५
जैतसी	१६७	दामोदरानन्दनाथ	३४
जैतावत	१५६	दामोदरसूनु	१७८
जैदेव	२५२, २६१	दिनकर	६५, ६६, १०२, १४२,
जैमिनि	६२	दिवाकर	३८, १०८,
जोरावरमल	२२७	दिवाकरदास	१५६
जोरो (जोरावरमल कायथ) २४८		दीपऋषि	१६६
जम्बू	५	दीप	२८६
ट		दीप्तिविजय	२१२
टाकर	१५६	दीपमुनि	२२२
ढ		दीपो	१६६, २२८
ढुंढिराज	६८, ६९	दुर्गसिंह	७४
त		दुर्वासा ऋषि	१८
तानसेन	२८१	दूलाराय	१४५
तिलक पण्डित	७३	देईदान	२२८
तिलकाचार्य	१७६	देपाल	२००, २०३,
तुरसी	१५५, २६३, २६४, २७०,	देपाल कवि	२६८
	२८०	देवकुमारी	३०१
तुरसीदास	२६८, २६९, २७२, २८४,	देवचंद	३६, १८६, २५८, २६६, २६६
	२८५, २८६	देवदत्त	१४५, १५२, २४६
तुलसीदास	६२, ११६, १४०, २६३,	देवप्रभ	२४३
	२६४, २६७, २७५, २७६	देवलऋषि	३८
	२७८, २७९, २८२, २८३,	देवविजय	२४१, २४३, २६२,
तेजविजय	२२५		



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
देवसील	२२२	धर्मविजय	२५८
देवसूरि	३०२	धर्मशील	२२६, २२६
देवसूरि शिष्य	८४	धर्मशेखर गणि	१८४
देवशर्मा	२४२	धर्मसमुद्र	२१८, २२३
देवाचार्य	७१, ७२	धर्मसागर	२३३
देवीचंद्र व्यास	१७२,	धर्मसी	१५७, १६६
देवीदान	२४६	धर्मसी पाठक	२६०
देवीदान नाइता	२२२	धर्मेश्वर	६६
देवीदास	१६३	धरानन्दनाथ	५
देवेंद्र कवि	१०७		
देवेंद्रसूरि	१८४, १८६, १८८, १६०, १६१	<b>न</b>	
देवेश्वर	१४५	नृसिंह सरस्वती	६६
दौलत कवि	१५१	नकुल	४७८
दौलतराम	१४८	नन्नसूरि	२५५
<b>ध</b>		नयनसुख	१७६
धनपाल	८८, १६०	नयनशेखर	१७४
धन्वन्तरि	८८, १७७, १८०	नयविमल	२०३, २५२
धनसार	१६५	नयसुन्दर	२०७, २१६, २२३, २२५, २२६, २३०
धनेश्वर	७६, १६१	नरपति	१०३, २२०
धनंजय	८८	नरपति-कवि	२२१
धर्मस्त्री	२६५	नरसिंह	२६, ८८
धर्मसिंह	२५३	नरसिंह चारण	२६३
धर्मचंद्र	१६०	नरसी	२६७, २६६, २७४, २७५, २७७, २८१, २८२, २८७
धर्मदास	१४१, १८३	नरहरिदास बारहट	५३
धर्मदेव	१६२	नरहरिराम	२६६
धर्मनन्दन	१८२	नागार्जुन	१७४
धर्मनरेन्द्र	२५२	नागराज	१३२, १४७
धर्मदास	५३	नागरीदास	२१०, २५५, २६५, २७६, २८१
धर्ममन्दिर	२१४, २१०, २१६	नागोजीभट्ट	१८, ७६
धर्मरत्न	२०३	नान्दाव्यास	१४४
धर्मवर्धन	१५५, १५७, १६०, २२६, २५१, २६८		



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
नान्दिदत्त	१०६	पृथ्वीराज कल्याण-	
नाभाजी	२११	मलोत	१३१
नाभो	२७०	पृथ्वीराज चहुआण	३०१
नामदेव	२६६, २७१, २८१	पृथुयशा	११७
नारचंद्र	१०३	पतञ्जलि	६८, ७५,
नारद	१०८	पद्मचंद्र	२०३
नारायण	११०, १३३, १३४, १३५, १४४	पद्मनाभ	११
नारायण भट्ट	२८, ४७, ६४, ६६, ६७, १०१	पद्मनाभ दीक्षित	५१
नारायणदास सिद्ध	१०६, १३२	पद्मप्रभ	६, ६५, १०७, १०८,
नारायणदास बड़ोदरी	१६६, २०४, २११	पद्मराज पाठक	२५२
निजात्मानन्द नाथ	३४	पद्मविजय	२६६
नित्यानन्द	२६	प्रकाशवर्ष	१२६
नित्यानन्द स्वामी	४०	प्रतापरुद्रदेव	१७१
निम्बार्क शरण देव	१२	प्रतापसिंहजी (सवाई)	१३२, १४१, १६४, १६५, २१०, २२३, २३०, २६०, २६३, २६४, ३००, ३०२,
निमि साधु	५१	प्रतिष्ठासोम	२३८
नीलकण्ठ	३६, ३६, ४०, ७८, १००, १३६, १३७	प्रभुदास	२८८
नीलकण्ठ भट्ट	४६, ५१	प्रमोदहर्ष	८
नेतृसिंह	१२५	प्रल्हादन	१३५
नेमिदास	१८३	प्रसोत्तमदास	२८७
नेमिविजय	२२५, २५६	प्रियादास	२११
नेमीचंद्र	७०, १७६, १६०	प्रीतिविमल	२५६
नेमीसार	२५६	प्रेमकवि	२५६
नैनकवि	१६२	प्रेमदास	२६६
नन्द	२६७	प्रेमराज	२२३
नन्ददास	८५, ८८, ८६, १४१, १५१, २५४, २६४, २६५, २६६, २७१, २७७, २७८, २७६, २८०, २८२, २८३, २८८, १०५, २६८, २८७	प्रेमानन्द	१६७, २०६, २१४, २१८, २८०, २८२, २८७,
नन्दराम		परमसागर	२२१
प		परमसुखदैवज्ञ	१०४
पृथ्वीधराचार्य	११, १८५	परमानन्द	२४१, २६४, २६७, २७०, २८८
पृथ्वीराज	१३०	परमानन्ददास	२६३



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
परमानन्दसूरि	१८४	ब	
पर्वत धर्मार्थी	७०, १६१	ब्रजनाथ	१५२
परसजी	२६५	ब्रह्मऋषि	२२८
परसराम	२६६, २७३, २७५	ब्रह्मगुप्त	६५
परशुराम	३७	ब्रह्मगुप्ताचार्य	६३
परशुराम विप्र	३३	ब्रह्माजित	२४६
पशुपति महोपाध्याय	७४	ब्रह्मदास	२२८, २७३, २७५, २८७
पाणिनि	७५	ब्रह्मानन्द	६२, ६३, २४५, २६४
पातीराम	२६६	बखतो	२८१
पारस्कराचार्य	२२	बडुसाह	१८८
पाराशर	२२	बद्री [श्रीपति]	२६७
पासचंद	१८१, २५३, २६६	बद्रीनाथ	४१
पार्श्वचंद्र	१८८	बनारसीदास	१५६, १६१
पारीखदास	१६२	बलदेव	१४६
पुञ्जराज	७६, ८१	बलभद्र	६६, ७२, १२२, १६०
पुण्यकीर्ति	१६३, २०८, २०६, २१२	बलराज[शंकराचार्य]	६०
पुण्यनन्दि	२५८	बल्लाल	२४४
पुण्यरतन	२०८, २०६, २१६	बलिभद्र	१५१
पुण्यराजगणि	२५०	बसतो मुनि	२६६
पुण्यसागर	१६२	बाणकवि	१२८
पुण्यसागरोपाध्याय	२२६	बालअलि	२८२
पुरुषोत्तम	१४१	बालकृष्ण	१६४, २७०
पुष्पदन्त	१५, १६	बालकृष्ण(चंद्रसखी)	२७४, २७७, २७८, २७६
पूजामृत	५१		२८१, २८७, २८८
पौण्डरीकयाजि-		बालकृष्ण भट्ट	६६
रत्नाकर	४४	बासदास	२७३
पंचानन भट्टाचार्य	७१	बिट्ठलदास	२६८
फ		बिट्ठल दीक्षित	१०६
फकीरचंद्र	६४	बिदमजी	२३६
फकीरचंद चौहान	८६	बिल्हण	३०२
फतेन्द्रसागर	२५०	बिहारीलाल	१६०
		बिहारीदास	१४३, १४४, २७१, २७३, २८०



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
बीठल	२६६	भानुजी दीक्षित	८७
बील्हा	१६८	भानुदत्त मिश्र	१४७, १४८, १४९
बुद्धिविजय	२४०	भानु पण्डित	११८
बुधानन्द	२७०	भामह	७६
बोपदेव	७३, १७७, १७८,	भारवि	१२८, १२९
बंगसेन	१७२	भावचंद	२४६, २४७
बंसीधर	२६६	भावनरत्न	२०६
बंसीलाल	२६६	भावप्रभ	२२६
<b>भ</b>		भावमिश्र	१७३
भक्तिलाभ उपाध्याय	२६६, ३००	भावविजय	२५१
भगवतीदास	७०	भावशर्मा	१७७
भगवद्दास	१००, १४७	भास्कर	६२, १११, १२१
भगवान	२६४, २६६, २६८, २७०, २७१, २७७	भास्कराचार्य	११३, १२०
भगवानसखी	२८२	भास्करानन्दनाथ	३४
भगवानभोजक	२६३	भास्कर शर्मा	६६
भट्टाचार्य	३६, १४७	भीखम	२७५
भट्टाचार्य शिरोमणि	७१	भीम	१६६
भट्टोजी दीक्षित	३७, ३८, ४०, ७६, ७७, ८३	भीष्म	७७
भट्टोजी भट्ट	३७	भुवनकीर्ति	१६३
भड्डली	१०७	भूधरदास	१५५
भद्रबाहु	५, १८०	भैरवमिश्र	७८
भद्रसेन	२००	भोज	२५३
भरत	११८	भोजदेव	६८
भर्तृहरि	१५८, १६४, १६५	भोलानाथ	१२३
भवानीदास पुष्करणा	१२३	<b>म</b>	
भवानीदास व्यास	२४५	मगनीराम	१४४, १४७, १४९, १५६ १६६, २५४, २५५, २६० २७३, २६७, २६८
भवानीनाथ	२५२	मजीद्विवेदी भीमजी	सुत २२
भाकड़ मुनि ?	२६२	मणित्याचार्य ?	११४
भाग्यविजय	१६६	मम्मट	१४६
भानुचंद्र	११५	मतिकुशल	११५, २०१, २०२



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
मति-कुशल जयशेखर शिष्य	२२४	महेश्वर कवि	७८
मति-सागर	२२६, २२७	महेन्द्रप्रभ	६
मतिसार	२२४	महेन्द्रसूरि	८५
मतिसुन्दर	२६८	महेश्वर	११३, ११६
मतिशेखर	१६८	माइदास	१६४
मदनपाल	१७३	माघ	१४२
मधुसूदन भट्ट	१२८	माणकसाह	२५१
मनरूप	२६२	माणिक्यसूरि	१३४
मनसाराम	२६८	माणिक्यसुन्दर	२४०
मनीराम	१५१	माधव	३७, ७२, ८२, ११८, ११६, १७५, २२८,
मनोहरदास	७०, ८७, १०१	माधव अमात्य	२२
मनोहरदास निरंजनी	६६	माधवभट्ट	७६
मनोहर शर्मा	१२५	माधवाचार्य	३१, ७२, ६६,
मलयगिरि	१८१, १८४, १८५, १६०	माधो	२५४, २५७, २६५
मलूकदास	२६७, २६१	माधोदास	२१८, २६५, २७०, २७१, २७२, २७४, २८१, २८३, २८५,
मल्लिषेण सूरि	७२	माधोदास कपूर	२६३
मल्लीनाथ	१२६, १३०, १३८	मान कवि	२३१, २६६
महमद	२६२	मानजी मुनि	१७५
महाचार्य (?)	३६	मानतुंग सूरि	१०
महादास भाट	८६	मानदास	१६७, २६५, २७२
महादेव	२१, २२, ३७, ६६, ६६, १०८, ११०, १२०, १४७	मानदेव सूरि	१३
महामुद्गल भट्ट	२, १३	मानसागर	६८, १६८, २२१
महाराज लखपति	२२७	मालदेव	१२०, २०६
महासिंघ लेखक	१२३	मालमुनि	१६३
महाक्षपण		मीनराज	११६
काशमीराम्नाथी	८५	मीरां	२६७, २६६, २७०, २७१, २७२, २७३, २७४, २७५, २७६, २७७, २७८, २७९, २८२, २८३, २८४, २८६, २८७, २८८, २८९
महिमोदय	६३, १०६, २२५		
महिराज	२५२, २५३,		
महीदास	८१, ८२, ८८, १०७,		
महीधर	३१, ४०, १४१,		



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
मुक्तकवि	६४	याज्ञवल्क्य	४, २५, ३६
मुक्तिनिधान	१६४	योगीन्द्र	६८
मुकुन्दकवि	२११	योगेन्द्रदेव	६८
मुंजादित्य	१००, १०६, १२०		
मुनिचंद सूरि	१८६	र	
मुनि शेखर	६	रघुनाथ	४, ८, ३६, ३८, ४६, ७५, ७६, ८४
मुरलीदास	२६८, २७०, २८४	रघुनाथ नागर	८२
मुरारीदास	२७२	रघुराम	३७, ३८, १६६
मूलश्रुति	१६६	रघुपति	२१७, २६७
मेघमुनि	२६६	रघुलाल	२५१
मेघराज	१००, १११, २०३, २०७	रजब	१६३
मेरुतुंग शिष्य	१८६	रत्नकंठ राजानक	१३६
मेरुनन्दन उपाध्याय	२५१	रत्ननाथ (सुरतवासी)	७०
मेरु विजय	२६२	रत्नप्रभ	१८३
मेरु सुन्दर	६८, १८७, १८६,	रत्न सुन्दर	२२५
मोडू गोदड़	२६२	रत्नशेखर	१८४, १८५, १८८, १६०, २४७
मोतीराम	१२०	रत्नाकर, पौण्डरीक याजि	४४
मोहननंद	१६०	रतन बाई	२६४
मोहनदास मिश्र	११३, १३५	रतनविमल	१६३
मोहन विजय	२००, २०१, २१४, २१७	रतनवीरभाण	८७
मौजीराम	२६४	रतनूहमीर	८६, २३५
मंगलधर्म	२११	रविधर्म	१४५, १४६
मंगलमाणिक्य	१६४	रविसागर	२४३
मंझाराम सेवक	१२२	रसिकराय	२३०
मंडन सूत्रधार	१६६	राघवभट्ट	३८, ७१
		राजश्रुति	६७
य		राजकवि	१५५, २८६, २६०
यदुनाथ	२७	राजकुशल	१६६
यशोविजय	१८२, २२६, २६६	राजकुंडकवि	१४७
यशोविजय उपाध्याय	७०, १८६	राजपाल	२०३
यशः पाल	१३६	राजमल्ल	१६१
यादव	२१५	राजवल्लभ	२४०



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
राजशेखर	१२८	रुद्रट	१५१, १५२
राजशेखर सूरि	२४६	रुद्रधर	४०
राजसमुद्र	२६१	रुद्रभट्ट	१७५
राजसिंह	२२१	रूपशृङ्गि	२२७
राजसुन्दर	१६४	रूपगोस्वामी	१७
राजसोम पाठक	२६१	रूपचंद्र	७, २५२, २६२
राजहृदय	२०४	रूपनयन	१७४
राजहर्ष	२६२	रूपसिंह	१५६
राजो	२५१	रूप सेवक	२५६, २८६
राम	१३, ४३, ४६, ६५, ११२, १५१	रूपोकवि	२५२
रामकृष्ण	३, ६, ६, १०, ३८, ६४, ६५, ६६, ६६, ७०	रैदास	२१०, २६८
रामचरन	६४	रंगकलश	२६६
रामचंद्र	२०, २२, २८, ४२, ७०, ७५, ६३, १०१, १०४, १२१, १२६, १४१, १७४, १८६	रंगदास प्राग्वाट	१६
रामचंद्र सोमयाजी	११८	<b>ल</b>	
रामचंद्र			
मिश्र केशवदाससुत	१७४	लखपति महाराज	२२७
रामचंद्रयति	१७४	लघु ?	२७४
रामचंद्राश्रम	८३, ८४	लघुकेसो	२६८
रामदास	६३, २६५, २६८, २८२, २८३, २८६	लघुपण्डित	६
रामदासदीक्षित	१३५	लच्छीराम	२७३, २७४, २७८, २८७,
रामदैवज्ञ	१०६, ११०, ११३	लक्ष्मणमुनि	१८१
रामभट्ट	३७	लक्ष्मीकीर्ति	२२०
राममुनि	२६०	लक्ष्मीकुशल	२०६, २६०
रामवाजपेय	२१	लक्ष्मीरत्न	२६१, ३००
रामविजय उपाध्याय	२०२, २६२	लक्ष्मीरतन	१६८
रामाश्रय	४०, ८३, ८४	लक्ष्मीवल्लभ	१७१, १८०, २२०
रामानंदसरस्वती	१६	लक्ष्मीसुन्दर	२६८
रायचंद्र	१६८	लक्ष्मीसूरि	१८६, २६३
रावण	७६	लक्ष्मीहर्ष	२११, २१२
		लधो	२५४
		लब्धिचंद्र	६७, ६८, १२१
		लब्धिरुचि	२०१
		लब्धिविजय	२२७



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
लब्धोदय	२००	वसंतराज	११५
ललित सागर	२२५	वाग्भट	१५१, १७०, १७१
लागा मैट्ट	२३६	वाचस्पति भट्टाचार्य	७१
लाभवर्धन	२२०, २२१	वात्स्यायन	१२७
लालचंद	११४, २४३, २६४	वादिवागीश्वर	७१
लावण्यकीर्ति	२३०	वानर्षि	७
लावण्यसमय	२२२, २३०, २५४, २५७ २६४, २६८	वामन	१७४
लीलो	२५८	वाल्मीकि	३, १४०
लोकनाथ	१७३	वासदास	२८१
लोलेश्वराज	१७५, १७६, १७७	वासुदेव भट्ट	२२, ७१, ८२, १३६
<b>व</b>		विजय	२६५
व्यास	१६, २६६	विजयदेवसूरि	२२५
व्यास उपमन्यु	१३	विजयभट्ट	२६६
व्यासदास	२६५	विजयविमल	१८८
वृद्धवसिष्ठ	१०७	विजैराज	२१६
वृद्धविजय	२६०	विठ्ठलदीक्षित	२२, २४, ४६
वृन्द	१६४, १६६	विद्यातिलक	७१, ७२, १८६
वत्सराज	१८५	विद्यादास	२७२
वत्सराम	६	विद्यानन्द	२६, ६६
वर्धमान	२५२	विद्यानन्दनाथ	३५
वरदभट्ट	७४	विद्यारण्य	६४, ६५, ६६, ७०
वरदराज	७०, ७६, ७८	विद्यारंग	२६६
वररुचि	७४, ७६, ८३	विद्याविलास	१५४
वराहमिहिर	१०६, १०७, ११३, ११५	विद्यासागर	१४
वल्लभदीक्षित	१२, ५५, ५७, ६६, ६६, १४२	विनयकुशल	२४१, २४६
वल्लभाचार्य	१, ३, ८, ६, ११, १२, १७, १८, ६४	विनयचंद	२३३
वसिष्ठ	६८	विनयविजय	२११, २२६, २५७, २६२, २६०
		विनयसागर	१४१
		विनयसुन्दर	२२६
		विनैचंद	२५५
		विमलमूर्ति	२०८
		विमलसूरि	१३५



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
विल्ह	२५८	वैद्यनाथ	३७, ७५, ६६, १४६
विधृतिभट्टाचार्य	३८	वंगदास	७४
विसराम	२५४	स	
विष्णु	२२		
विष्णुदास	१६७, २६८	स्वयंप्रकाशेन्द्रसरस्वती	४४
विष्णुपुरी	४७	सकलकीर्ति	१६८
विष्णुशर्मा	२४२	सकलचंद्र	२१६, २२६, २६६
विश्वनाथ	४३, ६३, ६८, १००, ११४, १२०, १२१	सच्चिदानंदनाथ	३१
विश्वनाथ दैवज्ञ	६५	सच्चिदानंद सरस्वती	६७
विश्वशंभु	८७	सतोदास	६१
विश्वामित्र	१२, १३	सदानन्द	६६, ८४, २६६
विश्वेश्वर	३६, ६४, ६६	सदाराम	२६६, २८१
विश्वेश्वर (जनार्दन ?)	६४	सदारंगशिष्य	१८६
विश्वेश्वराश्रम	११	सदाशिव	६, १०४
विशालि	८	समधर कवि	२६०
विज्ञानेश्वर	३६, ४०	समयरंग	२५६
विज्ञानेश्वर-हरिहर	३६	समयसुन्दर	१२४, १२८, १३६, १५३, १५४, १५५, १६६, १८१, १८२, १८३, १८५, १८६, २००, २०२, २०४, २०५, २०६, २०७, २०८, २१०, २१५, २१६, २२३, २२४, २२८, २३८, २४२, २४३, २८६, २८७, २८८, २८९, २९०, २९१, २९२, २९३, २९४, २९५, २९६, २९७, २९८, २९९, ३००, ३०१, ३०२, ३०३, ३०४, ३०५, ३०६, ३०७, ३०८, ३०९, ३१०, ३११, ३१२, ३१३, ३१४, ३१५, ३१६, ३१७, ३१८, ३१९, ३२०, ३२१, ३२२, ३२३, ३२४, ३२५, ३२६, ३२७, ३२८, ३२९, ३३०, ३३१, ३३२, ३३३, ३३४, ३३५, ३३६, ३३७, ३३८, ३३९, ३४०, ३४१, ३४२, ३४३, ३४४, ३४५, ३४६, ३४७, ३४८, ३४९, ३५०, ३५१, ३५२, ३५३, ३५४, ३५५, ३५६, ३५७, ३५८, ३५९, ३६०, ३६१, ३६२, ३६३, ३६४, ३६५, ३६६, ३६७, ३६८, ३६९, ३७०, ३७१, ३७२, ३७३, ३७४, ३७५, ३७६, ३७७, ३७८, ३७९, ३८०, ३८१, ३८२, ३८३, ३८४, ३८५, ३८६, ३८७, ३८८, ३८९, ३९०, ३९१, ३९२, ३९३, ३९४, ३९५, ३९६, ३९७, ३९८, ३९९, ४००, ४०१, ४०२, ४०३, ४०४, ४०५, ४०६, ४०७, ४०८, ४०९, ४१०, ४११, ४१२, ४१३, ४१४, ४१५, ४१६, ४१७, ४१८, ४१९, ४२०, ४२१, ४२२, ४२३, ४२४, ४२५, ४२६, ४२७, ४२८, ४२९, ४३०, ४३१, ४३२, ४३३, ४३४, ४३५, ४३६, ४३७, ४३८, ४३९, ४४०, ४४१, ४४२, ४४३, ४४४, ४४५, ४४६, ४४७, ४४८, ४४९, ४५०, ४५१, ४५२, ४५३, ४५४, ४५५, ४५६, ४५७, ४५८, ४५९, ४६०, ४६१, ४६२, ४६३, ४६४, ४६५, ४६६, ४६७, ४६८, ४६९, ४७०, ४७१, ४७२, ४७३, ४७४, ४७५, ४७६, ४७७, ४७८, ४७९, ४८०, ४८१, ४८२, ४८३, ४८४, ४८५, ४८६, ४८७, ४८८, ४८९, ४९०, ४९१, ४९२, ४९३, ४९४, ४९५, ४९६, ४९७, ४९८, ४९९, ५००, ५०१, ५०२, ५०३, ५०४, ५०५, ५०६, ५०७, ५०८, ५०९, ५१०, ५११, ५१२, ५१३, ५१४, ५१५, ५१६, ५१७, ५१८, ५१९, ५२०, ५२१, ५२२, ५२३, ५२४, ५२५, ५२६, ५२७, ५२८, ५२९, ५३०, ५३१, ५३२, ५३३, ५३४, ५३५, ५३६, ५३७, ५३८, ५३९, ५४०, ५४१, ५४२, ५४३, ५४४, ५४५, ५४६, ५४७, ५४८, ५४९, ५५०, ५५१, ५५२, ५५३, ५५४, ५५५, ५५६, ५५७, ५५८, ५५९, ५६०, ५६१, ५६२, ५६३, ५६४, ५६५, ५६६, ५६७, ५६८, ५६९, ५७०, ५७१, ५७२, ५७३, ५७४, ५७५, ५७६, ५७७, ५७८, ५७९, ५८०, ५८१, ५८२, ५८३, ५८४, ५८५, ५८६, ५८७, ५८८, ५८९, ५९०, ५९१, ५९२, ५९३, ५९४, ५९५, ५९६, ५९७, ५९८, ५९९, ६००, ६०१, ६०२, ६०३, ६०४, ६०५, ६०६, ६०७, ६०८, ६०९, ६१०, ६११, ६१२, ६१३, ६१४, ६१५, ६१६, ६१७, ६१८, ६१९, ६२०, ६२१, ६२२, ६२३, ६२४, ६२५, ६२६, ६२७, ६२८, ६२९, ६३०, ६३१, ६३२, ६३३, ६३४, ६३५, ६३६, ६३७, ६३८, ६३९, ६४०, ६४१, ६४२, ६४३, ६४४, ६४५, ६४६, ६४७, ६४८, ६४९, ६५०, ६५१, ६५२, ६५३, ६५४, ६५५, ६५६, ६५७, ६५८, ६५९, ६६०, ६६१, ६६२, ६६३, ६६४, ६६५, ६६६, ६६७, ६६८, ६६९, ६७०, ६७१, ६७२, ६७३, ६७४, ६७५, ६७६, ६७७, ६७८, ६७९, ६८०, ६८१, ६८२, ६८३, ६८४, ६८५, ६८६, ६८७, ६८८, ६८९, ६९०, ६९१, ६९२, ६९३, ६९४, ६९५, ६९६, ६९७, ६९८, ६९९, ७००, ७०१, ७०२, ७०३, ७०४, ७०५, ७०६, ७०७, ७०८, ७०९, ७१०, ७११, ७१२, ७१३, ७१४, ७१५, ७१६, ७१७, ७१८, ७१९, ७२०, ७२१, ७२२, ७२३, ७२४, ७२५, ७२६, ७२७, ७२८, ७२९, ७३०, ७३१, ७३२, ७३३, ७३४, ७३५, ७३६, ७३७, ७३८, ७३९, ७४०, ७४१, ७४२, ७४३, ७४४, ७४५, ७४६, ७४७, ७४८, ७४९, ७५०, ७५१, ७५२, ७५३, ७५४, ७५५, ७५६, ७५७, ७५८, ७५९, ७६०, ७६१, ७६२, ७६३, ७६४, ७६५, ७६६, ७६७, ७६८, ७६९, ७७०, ७७१, ७७२, ७७३, ७७४, ७७५, ७७६, ७७७, ७७८, ७७९, ७८०, ७८१, ७८२, ७८३, ७८४, ७८५, ७८६, ७८७, ७८८, ७८९, ७९०, ७९१, ७९२, ७९३, ७९४, ७९५, ७९६, ७९७, ७९८, ७९९, ८००, ८०१, ८०२, ८०३, ८०४, ८०५, ८०६, ८०७, ८०८, ८०९, ८१०, ८११, ८१२, ८१३, ८१४, ८१५, ८१६, ८१७, ८१८, ८१९, ८२०, ८२१, ८२२, ८२३, ८२४, ८२५, ८२६, ८२७, ८२८, ८२९, ८३०, ८३१, ८३२, ८३३, ८३४, ८३५, ८३६, ८३७, ८३८, ८३९, ८४०, ८४१, ८४२, ८४३, ८४४, ८४५, ८४६, ८४७, ८४८, ८४९, ८५०, ८५१, ८५२, ८५३, ८५४, ८५५, ८५६, ८५७, ८५८, ८५९, ८६०, ८६१, ८६२, ८६३, ८६४, ८६५, ८६६, ८६७, ८६८, ८६९, ८७०, ८७१, ८७२, ८७३, ८७४, ८७५, ८७६, ८७७, ८७८, ८७९, ८८०, ८८१, ८८२, ८८३, ८८४, ८८५, ८८६, ८८७, ८८८, ८८९, ८९०, ८९१, ८९२, ८९३, ८९४, ८९५, ८९६, ८९७, ८९८, ८९९, ९००, ९०१, ९०२, ९०३, ९०४, ९०५, ९०६, ९०७, ९०८, ९०९, ९१०, ९११, ९१२, ९१३, ९१४, ९१५, ९१६, ९१७, ९१८, ९१९, ९२०, ९२१, ९२२, ९२३, ९२४, ९२५, ९२६, ९२७, ९२८, ९२९, ९३०, ९३१, ९३२, ९३३, ९३४, ९३५, ९३६, ९३७, ९३८, ९३९, ९४०, ९४१, ९४२, ९४३, ९४४, ९४५, ९४६, ९४७, ९४८, ९४९, ९५०, ९५१, ९५२, ९५३, ९५४, ९५५, ९५६, ९५७, ९५८, ९५९, ९६०, ९६१, ९६२, ९६३, ९६४, ९६५, ९६६, ९६७, ९६८, ९६९, ९७०, ९७१, ९७२, ९७३, ९७४, ९७५, ९७६, ९७७, ९७८, ९७९, ९८०, ९८१, ९८२, ९८३, ९८४, ९८५, ९८६, ९८७, ९८८, ९८९, ९९०, ९९१, ९९२, ९९३, ९९४, ९९५, ९९६, ९९७, ९९८, ९९९, १०००
वेदांगराय	६४	समरकीर्ति	२४३
वेनभट्ट	६६	समरसिंह	१००
वैजल भूपाल	७६	सर्वाणन्दसूरि	२११
		सर्वेश्वर	५१
		सहजकीर्ति	७३, २६४,
		सहजसुन्दर	१६६, २०८, २१७, २३०, २६८
		सहजानन्द स्वामी	१०६, १६४
		सहदेव	१४१



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
सागरचंद्र	१०३	सुमति विजय	१४०
साधुसुन्दर	७३, ७५	सुमतिहर्ष	६२, १०१
साधूरामसेवक	१२३, २६२	सुमतिहर्ष दत्तशिष्य	१६२
साधुरंग	१८४	सुर	२७२
सामंत	१०१, २६१,	सुरदास	२७३, २८८
समलदासकवि	२०६	सुरविजय	२१७
सामलदासभट्ट	२३७, २३८, २४२, २४३, २४६,	सुरेश्वराचार्य	६५
सारंगकवि	२६३	सुश्रुत	१७०
सिद्धसेन	२, ३, ७, ७१, १८४	सूर्यकवि	१४०
सिद्धान्त-पंचानन		सूर	२६६, २६८, २७५, २८१, २८३, २८५
महोपाध्याय	७१	सूरकिसोरमुनि	२६४, २६५, २७२, २८४,
सिद्धान्तवागीश	७४	सूरचंद्र	७६, १८५
सिवदान	१४२	सूरत	१२३
सिंहकुशल	२०६	सूरतमिश्र	१४५, १४६
सिंहदेव	१५१	सूरदास	२६४, २६५, २६६, २६७, २७१, २७२, २७४, २७६, २७७, २८८, २७६, २८०, २८२, २८६, २८७, १६६, १६७, २५२
सीतलदास	२७३	सेवक	२१६
सीताराम	१७२	सेवक रत्नसूरिशिष्य	३००
सुखदांत	१४०	सेवग	६६
सुखदास	२८३	सोम	२६५
सुखदेव	२७८, ३००	सोमजी	२४३
सुखलाल	२६८	सोमकीर्ति	१२४
सुखस्याम	२७६	सोमचंद्र	६
सुखानन्द	१७०	सोमतिलक	५, ७३, १४२, १६५, १६७,
सुखेन(सुपेण) देव	६१	सोमप्रभ	२५६
सुन्दरकुंवर	६५, १५२, १५३, १५५, १५६, १६२, १६४, १६६,	सोमविजय	२२६
सुन्दरदास	२१३	सोमसुन्दर शिष्य	१७६, १८८
सुन्दरसूर	८७	सोमसूरि	१८७
सुधाकलश	१३२	सौभरि	८७
सुभटकवि	११६		
सुमतिसुभ (?)	१६०		
सुमतिप्रभ			



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
सौभाग्यशेखर	२०८	शंखधर	१४०, १४१, १४५
संगमकवि	२१८	शंभुनाथ (महादेव)	६४, १७१,
संवदासगणि	२४६	शाय्यम्भव	१८१
संवेगसुन्दर	२२७	शाङ्गदेव	१२६
<b>श</b>		शाङ्गधर	१७२, १७७, १७८
श्यामगुलाव	२६१	शांताचार्य	१७६
श्रीकंठ	१७८	शांतिकुशल	२६६, २६७
श्रीचंद	१६०	शांतिचंद्र	५, १८१
श्री तिलक	१८५	शांतिविजय	१८८
श्रीदत्त	३६	शांतिसूरि	१८६, २६३
श्रीधर	४१, ५६, ५७, ५८, ५९, ६०	शांभुमतिवर्धन	५
श्रीधराचार्य	४१, ६३, ६४, ६८	शालिभद्र	२११
श्रीधराश्रम	४३	शिवचंद्र	१४१, १४७, २५२, २५३, २५७, २५९, २६१, २६३, २८३, २६८
श्रीनाथव्यास	१५८	शिवचंद्रसेवक	२६३
श्रीपति	६२, ६८, ६९, १००	शिवचंद्रपाठक	२६६
श्रीपति (बद्री)	२६७	शिवदास	१३६
श्रीपति भट्ट	१७८	शिवनिधान	१३१, १६०
श्रीभट	२६७, २६८, २७४, २७६	शिवराम	३८, ५१
श्रीमुनि	७४	शिवशर्मा	१८४
श्रीसार	१५३, १५४, १६४, २१५ २५३, २६४, २६५, ३०१	शिवादित्य	७२
श्रीवल्लभ	१३६	शिवानन्द	२५१
श्रीहर्ष	१३३, १३४, १३५	शुभचंद्र	२४८
श्रुतसागर	१६६	शुभवर्धन	१६८
शङ्कर	४०, ८४, २५७, २६१	शुभविजय	२६२
शङ्करदत्त	४६	शुभशील	२४४
शङ्करभट्ट	१७७	शेष	१४
शङ्करसूरि	१३२	शेषचक्रपाणिपण्डित	७४
शङ्कराचार्य	१, २, ३, ४, ५, ६, ७, १०, ११, १२, १५, १६, १६, ४०, ४५, ५६, ६४, ६५, ६६, ६७	शोभन	१७
		<b>ह</b>	
		हयग्रीव	१०६



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
हर्षकोति	२, ६, ७५, ८०, ८६, १००, १६७, १७३, १७४, ३००	हरिहर	२१, २५, ४०, ४६
हर्षकुल	७७, २१६	हलायुध	१४५, १४६
हर्षकुशल	२६०	हीरकलश	२७, १०२, १०६, १२३, १५६, १६४, १६८, १६३, १६४, २०३, २०७, २१४, २१५, २१७, २२७, २२८, २३३, २३५, २५१, २५२, २५५, २५७, २५८, २६०, २६२, २६३, २६२, २६५, २६६, २६७, २६६
हर्षधर्म	२६६		
हर्षनिधान	२१७		
हर्षमूर्ति	२०२		
हर्षसागर	२८६		
हरजीजोशी	२४१		
हरजीत	६७	हीरकुशल	२६८
हरदास	५५	हीरसूरिशिष्य	२५३
हररूपसेवक	२८६, २६६	हीराणंदसूरि	२२१, २२२, २५५
हरि	११०, २६८, २७२, २६६	हुलास	२३६
हरिचरन दास	८८, ८६, १४३, १४६, १४७, १५०, १६६	हेम	२६७, २६८
हरिदत्त	४३, ८८, ६७, १०६, २८५	हेमचंद्र	१४, ६८, ७६, ७७, ८३, ८४, ८५, ८६, ८६, १६३, १७६, १८३, १८८, २४२, २४३
हरिदास	१४, ५३, ५६, २५५, २८०		
हरिदीक्षित	७६	हेमप्रभ	६१, ६७
हरिदेव	१८	हेमरतन	१६६, २१६
हरिनाथभट्टाचार्य	११८	हेमविमल	१८०
हरिपंडित	१५४	हेमसूरिशिष्य	१६०
हरिभट्ट	१०१	हेमहंस	६२
हरिभद्र	७१, ७२, १६८, १८७, १८८, १६०, २४४, २४८	हेमाणन्द	१६८, २२३
हरिभानु	६६	हेमाद्रि	३६, ४६
हरिराम	१४७	हंसकवि	२३६
हरिरायजी	२६२	हंसराज	१२५, १५६ १७३,
हरिवल्लभ	७६		
हरिवंश	१८८		
हरिश्चंद्र मुनि	१८६		
हरिशर्मा	४१		
हस्तिरुचि	१७७		

## च

चामाकल्याण	१८८, १८६, १६१, २०४, २४५
चामाप्रमोद	१८७
चीरस्वामी	८७



नाम	पृष्ठ संख्या	नाम	पृष्ठ संख्या
त्रैमेन्द्र	७८, ७९	ज्ञानचंद्र	२०८, २२५
त्रैमंकर	२४८, २४९	ज्ञानद (लुंकागच्छीय)	२१६
त्र		ज्ञानदेव	२६७, २६९
त्र्यम्बकपण्डित	३६	ज्ञानमेरु	१६६
त्रिमल्लनन्दी	३८	ज्ञानविमल	२५४, २६२
त्रिमल्लभट्ट	१७२	ज्ञानसमुद्र	२६१
त्रिलोचन	२६७	ज्ञानसागर	१६५, १६६, २०६, २११
त्रिविक्रमभट्ट	१०१, १०८, १३०		२२३, २१४, २२४, २२६
त्रिविक्रमदैवज्ञ	६६	ज्ञानशील	२२८, २६२
		ज्ञानेन्द्रसरस्वती	२२६
			८२

-----....



# राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला के कुछ ग्रन्थ

## प्रकाशित ग्रन्थ

संस्कृतभाषाग्रन्थ—१. प्रमाणमञ्जरी-तार्किकचूडामणि सर्वदेवाचार्य, मूल्य ६.०० । २. यन्त्रराजरचना-महाराजा सवाई जयसिंह मूल्य १.७५ । ३. महर्षिकुलवैभवम्-स्व० श्रीमधुसूदन श्रोभा मूल्य १०.७५ । ४. तर्कसंग्रह-पं० ज्ञानाकल्याण मूल्य ३.०० । ५. कारकसम्बन्धोद्योत-पं० रमसनन्दि मूल्य १.७५ । ६. वृत्तिदीपिका पं० मौनिकृष्ण मूल्य २.०० । ७. शब्दरत्नप्रदीप मूल्य २.०० । ८. कृष्णगीति-कविसोमनाथ मूल्य १.७५ । ९. शृङ्गारहारावलि-हर्षकवि मूल्य २.७५ । १०. चक्रपाणिविजयमहाकाव्य-पं० लक्ष्मीधरभट्ट मूल्य ३.५० । ११. राजविनोद-कवि उदयराज मूल्य २.२५ । १२. वृत्तसंग्रह मूल्य १.७५ । १३. नृत्यरत्नकोश, प्रथम भाग-महाराणा कुंभा मूल्य ३.७५ । १४. उक्तिरत्नाकर-पं० साधुसुन्दर गाण मूल्य ४.७५ । १५. दुर्गापुष्पाञ्जलि-पं० दुर्गाप्रसाद द्विवेदी मूल्य ४.२५ । १६. कर्णकुन्तलं तथा कृष्णलीलामृत-भोलानाथ मूल्य १.५० । १७. ईश्वरविलासमहाकाव्य, श्रीकृष्णभट्ट, मूल्य ११.५० । १८. पद्ममुक्तावली-कविकलानिधिश्रीकृष्णभट्ट मूल्य २.०० । १९. रसदीर्घिका, कविविद्याराम मूल्य २.०० ।

राजस्थानी और हिन्दी भाषा ग्रन्थ—१. काहूडदे प्रबन्ध-कवि पद्मनाभ मूल्य १२.२५ । २. क्यामखोरास कवि जान मूल्य ४.७५ । ३. लावारास-गोपालदान मूल्य ३.७५ । ४. वाँकीदासरी ख्यात-महाकवि वाँकीदास-मूल्य ५.५० । ५. राजस्थानी साहित्यसंग्रह भाग १, मूल्य २.२५ । ६. जुगल-विलास-कवि पीथल मूल्य १.७५ । ७. कवीन्द्रकल्पलता-कवीन्द्राचार्य मूल्य २.०० । रा. मु. मं. के हस्तलिखितग्रन्थों की सूची भाग १. मूल्य ७.५० ।

## प्रेसों में छप रहे ग्रन्थ

संस्कृत भाषा ग्रन्थ—१. त्रिपुराभारतीलघुस्तव-लघुपंडित । २. शकुनप्रदीप-लावण्यशर्मा । ३. करुणा-मृतप्रपा ठक्कुर सोमेश्वर । ४. बालशिक्षा व्याकरण-ठक्कुर संग्रामसिंह । ५. पदार्थरत्नमञ्जूषा, पं० कृष्णमिश्र । ६. काव्यप्रकाश-संकेत-भट्ट सोमेश्वर । ७. वसन्तविलास कागु । ८. नृत्यरत्नकोश भाग २ महाराणा कुंभा । ९. नन्दोपाख्यान । १०. रत्नकोश । ११. चान्द्रव्याकरण आचार्य चन्द्रगोमि । १२. स्वयंभूछंद-स्वयंभू कवि । १३. प्राकृतानंद-कवि रघुनाथ । १४. मुग्धावबोध आदि औक्तिक संग्रह १५. कविकौस्तुभ-पं० रघुनाथ मनोहर । १६. दशकण्ठवधम्-पं० दुर्गाप्रसाद । १७. वृत्तजातिसमुच्चय-कवि विरहाङ्क । १८. कवि दर्पण अद्वात कर्तृक ।

राजस्थानी और हिन्दी भाषाग्रन्थ—१. मुंहता नेणसीरी ख्यात-मुंहता नेणसी । २. गोरवादली पदमिणी चऊपई-कवि हेमरतन । ५. चन्द्रवंशाली-कवि मोतीराम । ६. राजस्थानी दूहासंग्रह । ७. वीरवाण-ढाढा वादर ।

इन ग्रन्थोंके अतिरिक्त अनेकानेक संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, प्राचीन राजस्थानी और हिन्दीभाषा में रचे गये ग्रन्थों का संशोधन और सम्पादन किया जा रहा है ।







# राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला के कुछ ग्रन्थ

## प्रकाशित ग्रन्थ

संस्कृतभाषाग्रन्थ—१. प्रमाणमञ्जरी-तार्किकचूडामणि सर्वदेवाचार्य, मूल्य ६.०० । २. यन्त्रराजरचना-महाराजा सवाई जयसिंह मूल्य १.७५ । ३. महर्षिकुलवैभवम्-स्व० श्रीमधुसूदन श्रोभा मूल्य १०.७५ । ४. तत्त्वसंग्रह-पं० क्षमाकल्याण मूल्य ३.०० । ५. कारकसम्बन्धोद्योत-पं० रमसनन्दि मूल्य १.७५ । ६. वृत्तिदीपिका पं० मोनिकृष्ण मूल्य २.०० । ७. शब्दरत्नप्रदीप मूल्य २.०० । ८. कृष्णगीति-कविसोमनाथ मूल्य १.७५ । ९. शृङ्गारहारावलि-हर्षकवि मूल्य २.७५ । १०. चक्रपाणिविजयमहाकाव्य-पं० लक्ष्मीधरभट्ट मूल्य ३.५० । ११. राजविनोद-कवि उदयराम मूल्य २.२५ । १२. नृत्तसंग्रह मूल्य १.७५ । १३. नृत्यरत्नकोश, प्रथम भाग-महाराणा कुंभा मूल्य ३.७५ । १४. उक्तिरत्नाकर-पं० साधुसुन्दर गणि मूल्य ४.७५ । १५. दुर्गापुष्पाञ्जलि-पं० दुर्गाप्रसाद द्विवेदी मूल्य ४.२५ । १६. कर्णकुतूहलं तथा कृष्णलीलामृत-भोलानाथ मूल्य १.५० । १७. ईश्वरविलासमहाकाव्य, श्रीकृष्णभट्ट, मूल्य ११.५० । १८. पद्मसुक्तावली-कविकलानिधिश्रीकृष्णभट्ट मूल्य २.०० । १९. रसदीर्घिका, कवि विद्याराम मूल्य २.०० ।

राजस्थानी और हिन्दी भाषा ग्रन्थ—१. काह्लडे प्रबन्ध-कवि पद्मनाभ मूल्य १२.२५ । २. क्यामखारास कवि जान मूल्य ४.७५ । ३. लावारास-गोपालदान मूल्य ३.७५ । ४. वाँकीदासरी ख्यात-महाकवि वाँकीदास-मूल्य ५.५० । ५. राजस्थानी साहित्यसंग्रह भाग १, मूल्य २.२५ । ६. जुगल-विलास-कवि पीथल मूल्य १.७५ । ७. कवीन्द्रकल्पलता-कवीन्द्राचार्य मूल्य २.०० । रा. यु. मं. के हस्तलिखितग्रन्थों की सूची भाग १. मूल्य ७.५० ।

## प्रेसों में छप रहे ग्रन्थ

संस्कृत भाषा ग्रन्थ—१. त्रिपुराभारतीलघुस्तव-लघुपंडित । २. शकुनप्रदीप-लावण्यशर्मा । ३. करुणा-मृतप्रपा ठकुर सोमेश्वर । ४. बालशिक्षा व्याकरण-ठकुर संग्रामसिंह । ५. पदार्थरत्नमञ्जूषा, पं० कृष्णमिश्र । ६. काव्यप्रकाश-संकेत-भट्ट सोमेश्वर । ७. बसन्तविलास कागु । ८. नृत्यरत्नकोश भाग २ महाराणा कुंभा । ९. नन्दोपाख्यान । १०. रत्नकोश । ११. चान्द्रव्याकरण आचार्य चन्द्रगोमि । १२. स्वयंभूछंद-स्वयंभू कवि । १३. प्राकृतानन्द-कवि रघुनाथ । १४. मुग्धावबोध आदि औक्तिक संग्रह १५. कविकौस्तुभ-पं० रघुनाथ मनोहर । १६. दशकण्ठवधम्-पं० दुर्गाप्रसाद । १७. वृत्तजातिसमुच्चय-कवि विरहाङ्क । १८. कवि दर्पण अद्वात कर्तृक ।

राजस्थानी और हिन्दी भाषाग्रन्थ—१. मुंहता नेणसीरी ख्यात-मुंहता नेणसी । २. गोरावादली पदमिणी चऊपई-कवि हेमरतन । ५. चन्द्रवंशाली-कवि मोतीराम । ६. राजस्थानी दूहासंग्रह । ७. वीरवांण-दादा बादर ।

इन ग्रन्थोंके अतिरिक्त अनेकानेक संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, प्राचीन राजस्थानी और हिन्दीभाषा में रचे गये ग्रन्थों का संशोधन और सम्पादन किया जा रहा है ।